THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-31 अंक : 80 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) ज्येष्ठ शु.7 2083 रविवार, 21 जून-2026

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद * पृष्ठ : 16+32 मूल्य : 8 रुपये

एनडीपीएस मामलों का भगोड़ा आरोपी गिरफ्तार, 100 नशीली गोलियां बरामद

जालंधर, 20 जून (एजेंसियां)। जालंधर देहात पुलिस ने दो एनडीपीएस मामलों में भगोड़ा घोषित आरोपित को गिरफ्तार किया है। फिल्लौर पुलिस ने आरोपित के कब्जे से 100 नशीली गोलियां भी बरामद की हैं। एसएसपी हरविंदर सिंह विर्क ने बताया कि डीएसपी भारत मसीह ने थाना फिल्लौर के एसएचओ इंस्पेक्टर बलविंदर सिंह भुल्लर ने मोहल्ला चौधरियां, फिल्लौर निवासी हैप्पी पुत्र शादी राम को गिरफ्तार किया। पुलिस ने आरोपित के खिलाफ थाना फिल्लौर में एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया है। गिरफ्तारी के समय उसके पास से 100 नशीली गोलियां बरामद हुईं।

जांच के दौरान पता चला कि आरोपित पहले से ही एनडीपीएस एक्ट के दो अलग-अलग मामलों में नामजद है और दोनों मामलों में अदालत द्वारा उसे भगोड़ा (प्रोक्लेम्ड आफेंडर) घोषित किया जा चुका था। इसके बावजूद वह दोबारा नशे के कारोबार में सक्रिय था। पूछताछ में आरोपित ने खुलासा किया कि वह लुधियाना रेलवे स्टेशन से सस्ती दरों पर नशीली गोलियां खरीदकर फिल्लौर शहर के विभिन्न इलाकों में सप्लाई करता था। इनमें लेबर मंडी और सिविल अस्पताल के बाहर का क्षेत्र प्रमुख रूप से शामिल हैं।

'आखिर ऐसा हुआ भी कैसे?'

नीट एग्जाम के लिए छात्र को मिला था अबू धाबी सेंटर

एनटीए पर जमकर बरसे राहुल, उठाए सवाल

नई दिल्ली, 20 जून (एजेंसियां)। 21 जून को होने जा रही नीट यूजी की पुनर्परीक्षा से पहले उस वक्त हड़कंप मच गया, जब नागपुर के एक छात्र को भारत की जगह सीधे विदेश यानी 'अबू धाबी' में परीक्षा केंद्र अलॉट कर दिया गया। इस गंभीर लापरवाही पर लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने बेहद तीखी प्रतिक्रिया दी और एनटीए के सिस्टम पर सवाल खड़े किए। हालांकि, सोशल मीडिया पर मुद्दा उठने के बाद मामला संज्ञान में आते ही एनटीए ने तत्काल एक्शन लिया। ताजा जानकारी के मुताबिक एनटीए अगले कुछ घंटों में वेरिफिकेशन प्रक्रिया पूरी होने के बाद छात्र को नागपुर में केंद्र आवंटित करेगा। लेकिन इस लापरवाही पर राहुल गांधी ने एनटीए को खरी-खरी सुनाई।

राहुल गांधी का बड़ा हमलाः एनटीए देश के बच्चों का धीरज टेस्ट कर रही है

इस पूरे मामले को लेकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल पर एनटीए और सरकार को कटघरे में खड़ा किया। उन्होंने छात्र की मानसिक स्थिति का जिक्र करते हुए लिखाः 'नागपुर का एक बच्चा एक महीने से नीट री-एग्जाम की तैयारी कर रहा था। कल परीक्षा से ठीक एक दिन पहले उसने एडमिट कार्ड डाउनलोड किया। उसका सेंटर निकला - अबू धाबी। न पासपोर्ट, न परिवार के पास विदेश भेजने के पैसे, न अब कोई वक़्त बचा है। वो रातभर रोता रहा, और परीक्षा देने से ही मना कर रहा है - क्या इस तनाव की कल्पना भी की जा सकती है?' राहुल गांधी ने एनटीए से सीधा सवाल पूछा कि 'आखिर ऐसा हुआ भी कैसे? कल किसी भी छात्र को सेंटर तक न पहुंच पाने की शिकायत नहीं होनी चाहिए।' उन्होंने आगे कहा कि जो सिस्टम एक बच्चे को अपने ही शहर में सेंटर नहीं दे सकता, उसे परीक्षा करवाने का कोई हक नहीं है। यह शिक्षा व्यवस्था नहीं, बल्कि एक पूरी पीढ़ी के पैसे, समय और मानसिक शांति की वसूली है।

मुद्दा उठने के बाद हरकत में आया एनटीए

मामला संज्ञान में आने पर एनटीए ने तुरंत मामले पर आधिकारिक सफाई दी। एनटीए ने आधिकारिक तौर पर जवाब देते हुए कहा, 'उम्मीदवार की शिकायत का समाधान किया जा रहा है और उचित सत्यापन के बाद अगले कुछ ही घंटों के भीतर उसे नागपुर में ही नया परीक्षा केंद्र आवंटित कर दिया जाएगा।'

विस्तार से जानें क्या था पूरा मामला?

यह पूरा मामला नागपुर के रहने वाले छात्र अब्दुल्ला मोहम्मद तालिब से जुड़ा है। अब्दुल्ला ने नीट री-एग्जाम के आवेदन में अपनी पसंद के शहरों के तौर पर नागपुर, वर्धा और भंडारा को चुना था। लेकिन जब उसने एनटीए की वेबसाइट से अपना एडमिट कार्ड डाउनलोड किया, तो उस पर परीक्षा केंद्र के रूप में अबू धाबी (यूएई) का एक इंडियन स्कूल लिखा हुआ था। छात्र के पिता डॉ। मोहम्मद तालिब ने बताया कि उनका बेटा एडमिट कार्ड देखकर रोने लगा था और सदमे में था, क्योंकि उसके पास विदेश जाने के लिए पासपोर्ट तक नहीं था। ऐसे में बिना पासपोर्ट के परीक्षा देने अबू धाबी जाना पूरी तरह नामुमकिन था। स्क्रीनशॉट वायरल होने के बाद यह मामला तुरंत सुर्खियों में आ गया।

गांजा तस्करी का बड़ा नेटवर्क ध्वस्त, दिल्ली पुलिस ने ओडिशा-आंध्र प्रदेश सीमा से मुख्य सरगना दबोचा

नई दिल्ली, 20 जून (एजेंसियां)। पूर्वी जिला पुलिस की एंटी नारकोटिक्स स्क्वॉड ने अंतरराज्यीय नशा तस्करी नेटवर्क का भंडाफोड़ करते हुए ओडिशा-आंध्र प्रदेश बॉर्डर से मुख्य सप्लायर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इस मामले में 22 किलो 450 ग्राम गांजा बरामद किया है, जिसकी अवैध बाजार में कीमत करीब 10 लाख रुपये आंकी गई है। गांजा की ढुलाई में इस्तेमाल एक मारुति सियाज कार भी जब्त की गई है। पुलिस के अनुसार, तीन जून को गाजीपुर क्षेत्र से गाजियाबाद निवासी सोनू कुमार को गिरफ्तार किया गया था।

उसकी कार से भारी मात्रा में गांजा बरामद हुआ था। पूछताछ में उसने खुलासा किया कि वह ओडिशा के मलकानगिरि निवासी देबा मांडी से गांजा खरीदकर दिल्ली-एनसीआर में सप्लाई करता था। इसके बाद एंटी नारकोटिक्स स्क्वॉड ने तकनीकी निगरानी और लगातार छापेमारी शुरू की। कई जिलों में पीछा करने के बाद 17 जून को पुलिस ने देबा मांडी को ओडिशा-आंध्र प्रदेश बॉर्डर से दबोच लिया। पूछताछ में सामने आया कि आरोपित जंगलों में गांजा उगाकर उसकी सप्लाई करता था। पुलिस अब नेटवर्क की अन्य कड़ियों की जांच कर रही है।

आंध्र प्रदेश सबसे बडा सोना उत्पादक राज्य बनेगा

जमीन के भीतर से निकलेगा 50 टन गोल्ड! देश में सबसे अधिक होगा उत्पादन

कर्नूल, 20 जून (एजेंसियां)। सोने की कीमतों में जारी उतार-चढ़ाव के बीच एक अच्छी खबर सामने आई है। यह खबर सोने के उत्पादन से जुड़ी हुई है। अगर सबकुछ ठीक रहा, तो आने वाले वर्षों में आंध्र प्रदेश देश का सबसे बड़ा गोल्ड उत्पादक राज्य बन सकता है। इस बात की जानकारी राज्य के अधिकारियों की ओर से दी गई है। राज्य के कर्नूल जिले और आसपास के क्षेत्रों में बड़ी मात्रा में स्वर्ण के भंडार मिला है। दरअसल, टीओआई की एक रिपोर्ट के अनुसार, आंध्र प्रदेश में मौजूद सोने के भंडार और नई खनन परियोजनाओं के कारण राज्य की उत्पादक क्षमता भी तेजी से बढ़ने की उम्मीद है। माना जा रहा है कि इससे न केवल राज्य की अर्थव्यवस्था मजबूत होगी, बल्कि देश की सोने के आयात पर निर्भरता भी कम होगी। रिपोर्ट् के अनुसार, इस दिशा में कर्नूल जिले की जोन्नागिरी गोल्ड परियोजना अहम भूमिका निभा सकती है।

इस परियोजना को देश की आजादी के बाद शुरू होने वाली पहली बड़े स्तर की निजी

स्वर्ण खदान परियोजना को तौर पर देखा जा रहा है। माना जा रहा है कि इस परियोजना में करीब 400 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश किया गया है और इसके जरिए प्रतिवर्ष बड़ी मात्रा में सोने का उत्पादन किया जाएगा। अधिकारियों ने बताया जिले के जोन्नागिरी गांव में लगभग 50 टन सोने का भंडार है। अधिकारियों ने बताया कि राज्य ने रामगिरी, जाव्वकुला और चिगुरुकुंटा बिस्त्रातम सहित सोने की खदानों के लिए चार अन्य संभावित स्थानों की भी पहचान की है।

अधिकारियों के अनुसार, जोन्नागिरी में व्यावसायिक स्तर पर सोने का उत्पादन शुरू हो चुका है। लगभग एक दशक पहले गांव में सोने के खनन के लिए लगभग 1,500 एकड़ भूमि आवंटित की गई थी। जानकारों का मानना है कि भारत हर साल बड़ी मात्रा में विदेशों से सोना आयात करता है। इस बीच अगर देश में ही सोने का उत्पादन बढ़े, तो विदेशी मुद्रा का भी दबाव कम होगा और इससे देश की आर्थिक शक्ति बढ़ेगी। आंध्र प्रदेश सरकार का कहना है कि राज्य में खनिज संसाधनों की भरपूर उपलब्धता है और सोने के क्षेत्र में नई खोजों ने भविष्य की संभावनाओं को विशेष तौर पर मजबूत किया है।

गौर करने वाली बात है कि वर्तमान में सोने के उत्पादन के लिए कर्नाटक लिस्ट में सबसे ऊपर आता है। हालांकि, अगर यह परियोजना सफल होती है, तो आंध्र प्रदेश सोने के उत्पादन में देश की तस्वीर को बदल सकता है। प्रस्तावित खदाने पूरी क्षमता के साथ काम करने लगें, तो संभाव है कि आने वाले समय में आंध्र प्रदेश सोने के उत्पादन का नया केंद्र स्थापित हो जाए।

बच्चा चोर समझकर भीड़ ने एनजीओ कर्मियों को पीटा युवती के कपड़े तक फाड़ दिए, 16 गिरफ्तार

रायगड़ा, 20 जून (एजेंसियां)। ओडिशा के रायगड़ा जिले में मॉब लिंचिंग जैसी एक गंभीर घटना सामने आई है, जहां एक महिला और एक पुरुष एनजीओ कर्मी को बच्चा चोर होने के शक में ग्रामीणों की भीड़ ने बेरहमी से पीट दिया। यह घटना 16 जून को रायगड़ा जिले के कल्याणसिंहपुर ब्लॉक के इंटालीगुड़ा गांव में हुई। पीड़ित युवक और युवती कंधमाल जिले में एक एनजीओ के साथ काम करते हैं। दोनों कालाहांडी जिले के थुआमूल रामपुर जा रहे थे, लेकिन बताया जा रहा है कि गूगल मैप्स के गलत रास्ता दिखाने के कारण वे कल्याणसिंहपुर पहुंच गए। गांव में पहुंचने के बाद दोनों ने वहां खेल रहे बच्चों को बिस्कुट दिए।

इसी दौरान कुछ ग्रामीणों को उन पर शक हुआ। चूंकि दोनों हिंदी में बात कर रहे थे और स्थानीय लोग उन्हें पहचानते नहीं थे, इसलिए अफवाह फैल गई कि वे बच्चा चोर हैं। पीड़ितों ने खुद को एनजीओ कर्मचारी बताते हुए पहचान पत्र भी दिखाए, लेकिन भीड़ ने उनकी बात पर विश्वास नहीं किया।

पुलिस कॉन्स्टेबल ने गोदावरी नदी में कूदकर जान दे दी

काकीनाडा, 20 जून (एजेंसियां)। गोदावरी में एपीएसपी कॉन्स्टेबल की घटना ने हलचल मचा दी है। काकीनाडा के रहने वाले इस कॉन्स्टेबल ने राजमहेंद्रवरम के रोड और ट्रेन ब्रिज से गोदावरी नदी में कूदकर जान दे दी। वह पूर्वी गोदावरी जिले के राजनगर के पास श्रीरामपुरम का रहने वाला था और एपीएसपी की तीसरी बटालियन में कॉन्स्टेबल था। उसकी शादी की तैयारी चल रही थी और वह अभी छुट्टी पर था।

एक महिला कॉन्स्टेबल ने राजमहेंद्रवरम महिला पुलिस स्टेशन में उसके खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी। पुलिस ने महिला कॉन्स्टेबल के मामले में काउंसलिंग के लिए बुलाया था। आधी रात के बाद वह घर से निकला और अपने पिता को फोन करके माफी मांगी। दबाव बर्दाश्त न कर पाने के कारण उसने राजमहेंद्रवरम रोड और ट्रेन ब्रिज से गोदावरी नदी में छलांग लगा दी। एसडीआरएफ की टीमों ने गोदावरी इलाके में तलाशी अभियान चलाया। माता-पिता की शिकायत पर राजमहेंद्रवरम टू-टाउन पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया। वीर वेंकटराव अपने पुलिस कॉन्स्टेबल बेटे के लिए बहुत प्यार रखने वाले पिता हैं। परिवार ने उसे कॉन्स्टेबल की नौकरी दिलाने के लिए बहुत मेहनत की थी। उसकी शादी भी तय हो गई थी। एक महिला कॉन्स्टेबल ने उस पर रेप का आरोप लगाया था।

पुलिस ने काउंसलिंग की थी, जिसके बारे में परिवार को हाल ही में पता चला। वे परिवार के साथ स्टेशन गए थे। कॉन्स्टेबल ने शादी के लिए 10 दिन का समय मांगा था। महिला ने फिर से पुलिस स्टेशन फोन करके शादी के लिए दबाव डाला। वेंकटराव ने बताया कि काम में मन न लगने के कारण उसका ध्यान भटक गया था। जब घर में सब सो रहे थे, तो वामसी बाइक लेकर निकला और फोन किया। वह राजमहेंद्रवरम में ट्रेन ब्रिज के पास वाली सड़क पर चला गया।

सस्पेंड किए गए सीआई के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज

अमरावती, 20 जून (एजेंसियां)। राउडी-शीटर गाडे साईं कृष्णा के लापता होने की जांच में एक अहम मोड़ आया, जब कृष्णा लंका पुलिस ने सस्पेंड किए गए सर्कल इंस्पेक्टर (सीआई) एसएसवी नागराजू के खिलाफ आपराधिक मामला दर्ज किया। यह मामला भारतीय न्याय संहिता की धारा 103(1) (हत्या की सजा से संबंधित), धारा 127(4) (10 दिन या उससे ज़्यादा समय तक गलत तरीके से कैद रखने के अपराध से संबंधित) और धारा 127(6) (गुप्त रूप से गलत तरीके से कैद रखने से संबंधित) के तहत दर्ज किया गया। महिला पुलिस स्टेशन के एसीपी दैवप्रसाद को जांच अधिकारी नियुक्त किया गया। एसीपी ने साईं कृष्णा के घर का दौरा किया और उनकी मां विजयलक्ष्मी व परिवार के अन्य सदस्यों के बयान दर्ज किए। इस बीच, तीन सदस्यीय फोरेंसिक टीम कृष्णा लंका पुलिस स्टेशन पहुंची और साईं कृष्णा के लापता होने से जुड़े सबूत इकट्ठा करना शुरू किया। बाद में, कमिश्नर टास्क फोर्स (सीटीएफ) की एडिशनल डिप्टी कमिश्नर ऑफ पुलिस (एडीसीपी) के। लता कुमारी पूछताछ के लिए कृष्णा लंका पुलिस स्टेशन में एसीपी के सामने पेश हुईं।

खबरों के मुताबिक, उन्हें तब बुलाया गया जब यह जानकारी सामने आई कि टास्क फोर्स ने 9 मई को मरकापुरम से लाने के बाद साईं कृष्णा से पूछताछ की थी। सूत्रों के अनुसार, लता कुमारी से पूछताछ लगभग पांच घंटे तक चली। जांचकर्ताओं ने कथित तौर पर इस बारे में जानकारी मांगी कि साईं कृष्णा को विजयवाड़ा कब लाया गया, कौन लाया और उन्हें शहर लाने का कारण क्या था। बताया जा रहा है कि एसीपी ने 9 मई से 18 जून तक लब्बीपेट स्थित टास्क फोर्स ऑफिस और कृष्णा लंका पुलिस स्टेशन, दोनों जगहों के सीसीटीवी फुटेज मांगे हैं। यह भी पता चला है कि जांच अधिकारी ने उन सभी पुलिसकर्मियों की जानकारी मांगी है जो साईं कृष्णा के परिवार द्वारा बताई गई तारीखों पर ड्यूटी पर थे। जांच के हिस्से के तौर पर आने वाले दिनों में उनसे भी पूछताछ के लिए बुलाया जा सकता है।

ओंगोल गांव में 35 साल का आदमी और उसके तीन बच्चे मृत पाए गए

ओंगोल, 20 जून (एजेंसियां)। पुलिस ने बताया कि चिमाकुर्थी मंडल के कंदूरीवारी अग्रहारम गांव में एक 35 साल का आदमी और उसके तीन बच्चे मृत पाए गए। यह मामला हत्या और आत्महत्या का हो सकता है। मरने वालों की पहचान ग्रेनाइट खदान में गाड़ी चलाने वाले येकुला सुधाकर और उसके बच्चों अच्युता (12), पूजिता (10) और लोहिता श्री (7) के तौर पर हुई है। पुलिस के मुताबिक, बच्चे अपने घर में मृत पाए गए, जबकि सुधाकर गांव के बाहरी इलाके में खेतों में एक पेड़ से लटका हुआ मिला। परिवार वालों ने बताया कि सुधाकर सुबह करीब 6.30 बजे यह कहकर घर से निकला था कि वह बच्चों के लिए नाश्ता लाएगा। जब सुबह 7 बजे तक बच्चे नहीं जागे और सुधाकर वापस नहीं आया, तो उसकी मां को शक हुआ और उसने पड़ोसियों को बताया। उन्हें बच्चे घर के अंदर मृत मिले

मंत्री गिरीश महाजन की लड़की के साथ आपत्तिजनक एआई फोटो वायरल, साइबर थाने में केस दर्ज

मुंबई, 20 जून (एजेंसियां)। महाराष्ट्र सरकार में मंत्री और भारतीय जनता पार्टी के नेता गिरीश महाजन की एक लड़की के साथ कुछ आपत्तिजनक तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद राजनीतिक गलियारों में हड़कंप मच गया। इस बीच, यह शक जताए जाने के बाद कि ये तस्वीरें आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का इस्तेमाल करके बनाई गई थीं, इस मामले ने अब एक नया मोड़ ले लिया है। संबंधित तस्वीरों को फर्जी और बदनाम करने के मकसद से फैलाने के आरोप में जलगांव के साइबर पुलिस स्टेशन में केस दर्ज किया गया है।

इस बीच, मंत्री महाजन ने खुद कहा है कि वह जल्द ही इस बारे में डिटेल में खुलासा करेंगे। फिलहाल आपत्तिजनक फोटो के मामले पर हंगामा मचा हुआ है। पुलिस के मुताबिक शुरुआती जांच में पता चला है कि एआई टेक्नोलॉजी की मदद से मंत्री गिरीश महाजन की तस्वीरें बनाकर या उससे छेड़छाड़ करके एक फेसबुक अकाउंट से आपत्तिजनक और बदनाम करने वाला पोस्ट सर्कुलेट किया गया था। इस मामले में मिली शिकायत के आधार पर साइबर पुलिस स्टेशन में इंडियन पीनल कोड की धारा 356, 3(5) और इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी एक्ट की धारा 66 (सी) और 67 के तहत केस दर्ज किया गया है। संबंधित सोशल मीडिया अकाउंट और पोस्ट सर्कुलेट करने वाले लोगों की तलाश का काम चल रहा है। इसके अलावा, साइबर पुलिस डिजिटल सबूत इकट्ठा कर रही है, और पोस्ट के असली सोर्स, इसे बनाने वाले व्यक्ति और फैलाने वाले नेटवर्क की जांच की जा रही है। इस मामले की जांच पुलिस इंस्पेक्टर सतीश गोरडे की देखरेख में चल रही है। इस बीच विवादित तस्वीर को लेकर राज्य का राजनीतिक माहौल भी गरमा गया है।

देखा गया कि विरोधी पार्टी के कुछ नेताओं और कार्यकर्ताओं ने संबंधित तस्वीरों को सोशल मीडिया पर शेयर किया और मंत्री महाजन की आलोचना की। इस वजह से इस मामले के पॉलिटिकल असर भी सामने आने लगे हैं। मंत्री गिरीश महाजन ने भी बताया है कि उन्होंने इस बारे में पुलिस में ऑफिशियल कंप्लेंट दर्ज कराई है।

पश्चिम बंगालः टीएमसी नेता जहांगीर खान की पत्नी गिरफ्तार

भारत-नेपाल सीमा के पास से पकड़ा गया

कोलकाता, 20 जून (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल पुलिस को शनिवार को उस समय बड़ी सफलता मिली, जब तीन दिनों से फरार चल रही तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) नेता जहांगीर खान की पत्नी रेजिना बीबी को गिरफ्तार कर लिया गया। रेजिना बीबी पर फाल्टा पुलिस थाने पर हमले की कोशिश की मुख्य साजिशकर्ता होने का आरोप है। प ुलिस पहले ही जहांगीर खान को गिरफ्तार कर चुकी है। अब रेजिना बीबी की गिरफ्तारी के बाद उनके खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस), 2023, आर्म्स एक्ट, 1959 और एक्सप्लोसिव्स एक्ट, 1884 की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस उसे दक्षिण 24 परगना की जिला अदालत में पेश करेगी। राज्य पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि राज्य पुलिस और केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सीएपीएफ) के जवानों ने टीएमसी कार्यकर्ताओं द्वारा फाल्टा पुलिस थाने पर हमले और जहांगीर खान को छुड़ाने की कोशिश के मामले में भारत-नेपाल सीमा के निकट स्थित एक ठिकाने से रेजिना बीबी को गिरफ्तार किया। रेजिना बीबी की गिरफ्तारी के साथ ही अब इस मामले में कुल 26 लोगों को गिरफ्तार किया गया।

पुलिस की प्रारंभिक जांच में पता चला है कि फाल्टा पुलिस थाने पर हमले की योजना सोमवार को एक गुप्त स्थान पर आयोजित बैठक में बनाई गई थी।

आरोप है कि यह बैठक रेजिना बीबी ने बुलाई थी। जिला पुलिस के एक अधिकारी ने कहा, बैठक में तय किया गया था कि समर्थक फाल्टा पुलिस थाने से करीब तीन किलोमीटर दूर एक निर्धारित स्थान पर एकत्र होंगे। इसके बाद वे अचानक और संगठित तरीके से पुलिस थाने पर धावा बोलकर जहांगीर खान को छुड़ाने का प्रयास करेंगे। शुक्रवार को पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी ने कहा था कि उन्होंने प्रशासन को निर्देश दिया है कि वे पुलिस स्टेशन पर हमले में शामिल लोगों की संपत्तियों की पहचान करें, उन्हें जब्त करें,

उनकी नीलामी करें और नीलामी से मिली रकम से सार्वजनिक संपत्ति को हुए नुकसान की भरपाई करें। मुख्यमंत्री अधिकारी ने शुक्रवार को कहा था, फाल्टा घटना के सिलसिले में हमलावरों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता 2023 की अलग-अलग धाराओं के तहत मामले दर्ज किए गए हैं, जिनमें देश-विरोधी गतिविधियों से जुड़े प्रावधान भी शामिल हैं। हम न केवल हमलावरों को कड़ी सजा दिलाना सुनिश्चित करेंगे, बल्कि उनकी संपत्तियों को जब्त करके नुकसान का मुआवजा भी वसूल करेंगे।

मातम में बदली नई कार लेने की खुशी, परिवार संग घर जा रहा था सीआरपीएफ जवान; हादसे में मौत

लोहाघाट, 20 जून (एजेंसियां)। खुशी का सागर लिए एक परिवार सुबह-सुबह नई कार में सवार होकर पिथौरागढ़ के कनालीछीना की ओर रवाना हुआ। हंसते-खेलते, सपनों को साथ लिए पांच सदस्य काठगोदाम से चले, लेकिन नियति को कुछ और ही मंजूर था। मरोड़ा खान और बंतोली के बीच भयानक सड़क दुर्घटना से पूरे परिवार में मातम छा गया। सीआरपीएफ में तैनात बलदेव कुमार की पत्नी नीतू गंभीर रूप से घायल अवस्था में स्ट्रेचर पर लेटी बार-बार रो रही थीं। आंखों में आंसू भरकर वह अपने पति बलदेव, जेठ राजेंद्र और बच्चों अक्षिता व आरव के बारे में पूछ रही थीं।

लेकिन उसे नहीं पता था कि पति और जेठ अब इस दुनिया में नहीं रहे। नीतू ने बताया वह सुबह सात बजे काठगोदाम स्थित सीआरपीएफ आवास से निकले थे। चार जून को ही हल्द्वानी से नई कार खरीदी थी। सब बहुत खुश थे। पिथौरागढ़ के कनालीछीना जा रहे थे। कार में हंसी-खुशी का माहौल था। लेकिन कुछ ही देर बाद सब कुछ बदल गया। दुर्घटना इतनी भीषण थी कि दो जिंदगियां मौके पर ही समाप्त हो गईं। बलदेव कुमार और राजेंद्र कुमार की मौत हो गई, जबकि नीतू गंभीर रूप से घायल हैं।

कुंभ वाली वायरल गर्ल मोनालिसा को सुरक्षा दीजिए, केरल हाईकोर्ट का पुलिस को आदेश

कोच्चि, 20 जून (एजेंसियां)। केरल हाईकोर्ट से कुंभ वाली वायरल गर्ल को राहत मिली है। केरल हाईकोर्ट ने पुलिस को उस लड़की को सुरक्षा प्रदान करने का निर्देश दिया है जो प्रयागराज कुंभ मेले के दौरान चर्चा में आई थी और जिसके पति पर उसके अपहरण का आरोप है। कुंभ वाली वायरल गर्ल का नाम मोनालिसा है। हाईकोर्ट ने मोनालिसा की उस याचिका पर यह आदेश दिया, जिसमें उसने राज्य सरकार और एर्णाकुलम सेंट्रल थाने के प्रभारी अधिकारी को उसकी सुरक्षा सुनिश्चित करने का निर्देश दिए जाने का अनुरोध किया था। अदालत ने कहा, 'याचिकाकर्ता (मोनालिसा) के वकील और सरकारी वकील की दलीलें सुनने के बाद प्रथम दृष्टया मेरा मानना है कि याचिकाकर्ता के जीवन की सुरक्षा की जानी चाहिए।' अदालत ने कहा, 'इसलिए रिट याचिका का निपटारा होने तक दूसरे प्रतिवादी (थाना प्रभारी) को याचिकाकर्ता के जीवन की सुरक्षा के लिए पर्याप्त प्रबंध सुनिश्चित करने का निर्देश दिया जाता है।' अदालत ने राज्य सरकार और थाना प्रभारी को नोटिस भी जारी किया तथा मामले की अगली सुनवाई के लिए 10 जुलाई की तारीख तय की। हाईकोर्ट की एक अन्य पीठ ने इस महीने की शुरुआत में कहा था कि लड़की प्रथम दृष्टया बालिग प्रतीत होती है।

पीठ ने उसके पति को एक महीने की 'ट्रांजिट' जमानत दी थी, ताकि वह अपने खिलाफ दर्ज अपहरण के मामले में अग्रिम जमानत के लिए मध्यप्रदेश की अदालत का रुख कर सके। बाद में उसने अपने परिवार के विरोध के बावजूद केरल में मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) के वरिष्ठ नेताओं की मौजूदगी में फरमान से विवाह किया था। हालांकि, बाद में उसके परिवार ने दावा किया कि वह नाबालिग है। इसके बाद मध्यप्रदेश पुलिस ने फरमान के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता, बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम, 2006 और अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम, 1989 की विभिन्न धाराओं के तहत अपहरण समेत कई आरोपों के तहत मामला दर्ज किया।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.co
Vaartha Hind
@Vaartha_Hindi
Vaartha offic
www.hindi.vaartha.com

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर • पृष्ठ : 16+32, मूल्य : 8 रुपये

वर्ष-31 अंक : 80 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) ज्येष्ठ शु.7 2083 रविवार, 21 जून-2026

ओडिशा को 47,600 करोड़ की सौगात

पीएम मोदी बोले-कांग्रेस राज में पिछड़ा रहा पूर्वी भारत; अब बना विकास का गेटवे

मयूरभंज, 20 जून (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को कांग्रेस पर बड़ा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के शासनकाल में पूर्वी भारत हमेशा पिछड़ा रहा। लेकिन आज यही क्षेत्र देश के विकास का मुख्य द्वार बन रहा है। पीएम मोदी ओडिशा के मयूरभंज जिले के राईरंगपुर में एक विशाल जनसभा को संबोधित कर रहे थे। इस मौके पर उन्होंने ओडिशा के लिए 47,600 करोड़ रुपये से अधिक की विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। उन्होंने कहा कि ओडिशा अब विकास की राह पर तेजी से दौड़ रहा है। कल्याणकारी योजनाएं गरीबों का जीवन बदल रही हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार 'पूर्वोदय' नीति पर काम कर रही है। हमारा लक्ष्य पूर्वी भारत के विकास से पूरे देश का विकास करना है। जो पूर्वी भारत कांग्रेस के दौर में पिछड़ेपन की पहचान बन चुका था, वह अब प्रगति का प्रवेश द्वार बन रहा है। भाजपा सरकार ओडिशा के संसाधनों को नई संभावनाओं में बदल रही है। राज्य को अब तक करीब 20 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव मिल चुके हैं। >14

भारत कोई धर्मशाला नहीं है : शाह

मुंबई, 20 जून (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के कोल्हापुर में शनिवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने एक बार फिर से घुसपैठ का मुद्दा उठाया। अमित शाह ने कहा कि भारत कोई धर्मशाला नहीं है। इस देश में वही रहेगा, जिसका जन्म यहां हुआ है। बाकि लोगों को हिंदुस्तान से चुन-चुनकर बाहर किया जाएगा। इस दौरान शाह ने उद्धव ठाकरे, कांग्रेस और टीएमसी पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि यह लोग घुसपैठ को बढ़ावा देना चाहते हैं, लेकिन मोदी सरकार इनको मंसबों को कामयाब नहीं होने देगी। अमित शाह ने कहा, 'विश्वास के साथ इस कोल्हापुर की पवित्र धरती से देश की जनता को कहकर जाता हूं कि बंगाल की जनता से हमें आशीर्वाद दिया है। बंगाल की जनता का कर्ज नरेंद्र मोदी जी और भारतीय जनता पार्टी पर है। शाह ने कहा कि मैं भरोसा दिलाकर जाता हूं कि न केवल बंगाल की सीमाओं से घुसपैठ बंद हो जाएगी, बल्कि देशभर से एक-एक घुसपैठियो को हम चुन-चुनकर हिंदुस्तान से बाहर निकालेंगे।' >14

अयोध्या में एसआईटी ने पूछा : हार, चरण पादुका किसे दी

> महंत बोले-टिन्नू को दिए > चांदी की ईंट देने वाले कारोबारी ने सच्चाई बताई

अयोध्या, 20 जून (एजेंसियां)। अयोध्या के राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में एसआईटी (स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम) अब ऐसे दानदाताओं से संपर्क कर रही है, जिन्होंने मंदिर ट्रस्ट के किसी कर्मचारी को जेवर सौंपे थे। एसआईटी अपनी रिपोर्ट में ये फैक्ट शामिल करेगी कि कब और किसके हाथों में जेवर सौंपे गए। कोई रसीद दी गई थी या नहीं। एसआईटी ने गुरुवार को ऐसे ही मुंबई के एक कारोबारी अनिल विश्वकर्मा के बयान दर्ज किए। कारोबारी का आरोप है, 'हमने रामलला के लिए 3 किलो चांदी का हार और 1 किलो चांदी की चरण पादुका टिन्नू यादव को सौंपी थी, लेकिन मंदिर की तरफ से कोई रसीद नहीं मिली।'

इसी तरह, 60 किलो चांदी की ईंट दान करने वाले 'इंडियन बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन' के नॉर्थ इंडिया हेड अनुराग रस्तोगी का कहना है कि उनकी चांदी का भी अब तक कुछ पता नहीं चला। इसे लेकर दैनिक भास्कर ने कारोबारी और महंत से बात की। अयोध्या के रोकड़िया हनुमान मंदिर के महंत आचार्य विनोद मिश्रा ने बताया, 'जौनपुर (मुंगराबादशाहपुर) के रहने वाले अनिल विश्वकर्मा मुंबई के बड़े कारोबारी और हमारे शिष्य हैं। उन्होंने रामलला को चांदी का हार और चरण पादुका चढ़ाने का संकल्प लिया था। महीन कारीगरी से बना चांदी का हार करीब 3 किलो का और 64 दिव्य चिह्नों वाली चरण पादुका लगभग 1 किलो वजन की थी।' 'पूरा परिवार महिलाओं और छोटे बच्चों के साथ 29 अक्टूबर, 2025 को 200 किलोमीटर नंगे पैर पैदल चलकर भजन-कीर्तन करते हुए अयोध्या पहुंचा था। बच्चों के पैरों में छाले पड़ गए थे। इसके बावजूद उनके चेहरों पर मुस्कान थी।' 'परिवार सबसे पहले मेरे आश्रम आया, जहां दोनों वस्तुओं का पूजन हुआ। फिर परिवार इन्हें थाल में सजाकर, सिर पर रखकर रामलला के दरबार पहुंचा था। मैं भी उनके साथ गया था। गेट पर हमें रमाशंकर उर्फ टिन्नू यादव मिला, जो वीवीआईपी रास्ते से हमें सीधे गर्भगृह ले गया। वहां पुजारियों ने कुछ देर के लिए उन वस्तुओं को प्रभु के चरणों में रखा और फिर टिन्नू ने उन्हें अपने पास रख लिया।' जब पीड़ित परिवार ने हार पहनाए जाने की तस्वीर और चढ़ावे की रसीद मांगी, तो टिन्नू ने बहाना बनाया। उसने कहा, 'पहले बैंक के अधिकारी हार की शुद्धता जांचेंगे, फिर इसे प्रभु को पहनाया जाएगा।

चांदी की ये ईंट दान दी गई

खान सर को मिली राहत, अंतरिम संरक्षण अगली तारीख तक बढ़ा

पटना, 20 जून (एजेंसियां)। राजधानी पटना के बहुचर्चित कोचिंग वॉर मामले में प्रसिद्ध शिक्षक फैजल खान उर्फ खान सर को अदालत से बड़ी राहत मिली है।

शनिवार को पटना सिविल कोर्ट में हुई अहम सुनवाई के दौरान अदालत ने फैजल खान की अग्रिम जमानत याचिका पर विचार करते हुए उनके अंतरिम संरक्षण को अगली सुनवाई तक के लिए बढ़ा दिया है। कोर्ट के इस फैसले के बाद अगली तारीख तक फैजल खान की गिरफ्तारी पर रोक बरकरार रहेगी। शनिवार को हुई इस सुनवाई के दौरान पुलिस प्रशासन की ओर से मामले की अपडेटेड केस डायरी अदालत के समक्ष प्रस्तुत की गई। केस डायरी का अवलोकन करने के बाद अदालत ने दोनों पक्षों के अधिवक्ताओं की दलीलें सुनीं। कोर्ट ने फिलहाल कोई भी अंतिम फैसला सुनाने के बजाय मामले में यथास्थिति बनाए रखने का आदेश दिया।

सेवानिवृत्त इंजीनियर ने डॉ. अनिल मिश्र पर 40% कमीशन का आरोप लगाया, ठेकेदार ने किया खंडन

अयोध्या, 20 जून (एजेंसियां)। श्रीराम मंदिर से जुड़े विवादों की चर्चाओं के बीच अब एक और नया आरोप सामने आया है। राम मंदिर निर्माण कार्यों की निगरानी से जुड़े रहे सेवानिवृत्त इंजीनियर दीनानाथ वर्मा ने सोशल मीडिया पर प्रसारित एक इंटरव्यू में श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के वरिष्ठ ट्रस्टी डॉ. अनिल मिश्र पर गंभीर आरोप लगाए हैं। इससे पहले टिन्नू यादव भी ट्रस्ट के प्रमुख पदाधिकारी पर सवाल उठा चुके हैं।

दीनानाथ वर्मा ने दावा किया कि राम मंदिर परिसर से जुड़े कार्यालय निर्माण के दौरान एल्युमिनियम कार्यों के एक ठेकेदार से कथित रूप से 40 प्रतिशत कमीशन की मांग की गई थी। उनका आरोप है कि इसी उद्देश्य से कार्य का बिल भी 40 प्रतिशत तक बढ़ाकर तैयार कराया गया।

बातचीत की कॉल रिकॉर्डिंग भी सुना

वर्मा ने कहा कि उन्होंने इस मामले पर आपत्ति जताई थी और इसकी जानकारी ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय को भी दी थी। उनका दावा है कि उन्होंने कथित बातचीत की कॉल रिकॉर्डिंग भी सुनाई थी, लेकिन बाद में उन्हें ही कार्य से अलग कर दिया गया। इंटरव्यू में दीनानाथ वर्मा ने उस समय काम करने वाले एक कर्मी रवि गुप्ता का भी उल्लेख किया। हालांकि आरोप सार्वजनिक होने के कुछ ही समय बाद रवि गुप्ता ने सोशल मीडिया पर लाइव आकर इन दावों का खुलकर खंडन किया। रवि गुप्ता ने कहा कि डॉ. अनिल मिश्र पर लगाए जा रहे आरोप पूरी तरह निराधार और तथ्यों से परे हैं। उन्होंने कहा कि राम कचहरी मंदिर परिसर में ट्रस्ट कार्यालय के निर्माण कार्य के लिए उनसे कोटेशन मांगा गया था।

नया कोटेशन देकर कार्य पूरा कराया गया

कोटेशन देने के बाद उन्हें कुछ दिनों तक कोई सूचना नहीं मिली। बाद में जानकारी हुई कि दीनानाथ वर्मा किसी अन्य व्यक्ति से कार्य करा रहे हैं। उन्होंने बताया कि वह कार्य बीच में ही रुक गया, जिसके बाद उन्हें दोबारा बुलाया गया और नाप-जोख के बाद नया कोटेशन देकर कार्य पूरा कराया गया। रवि गुप्ता ने स्पष्ट शब्दों में कहा, मैंने स्वयं यह कार्य किया है। पूरे कार्यकाल में कभी किसी प्रकार की कमीशन की बात नहीं हुई। यदि दीनानाथ वर्मा के पास कोई साक्ष्य हैं तो वे सामने आकर सार्वजनिक रूप से चर्चा करें।

गाजी मियां दरगाह में करोड़ों के गबन का आरोप

मंत्री ने बहराइच डीएम से रिपोर्ट मांगी भाजपा नेता ने सीएम को चिट्ठी लिखी थी

बहराइच, 20 जून (एजेंसियां)। अयोध्या राम मंदिर में चढ़ावा चोरी के बीच बहराइच में गाजी मियां की दरगाह में करोड़ों के गबन का आरोप लगा है। भाजपा के अल्पसंख्यक मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष कुंवर बासित अली का आरोप है कि दरगाह में पिछले 20 सालों में करोड़ों का गबन हुआ है। बासित अली ने सीएम योगी आदित्यनाथ को चिट्ठी लिखकर पूरे प्रकरण में एसआईटी जांच की मांग की है।

बहराइच के प्रभारी मंत्री दिनेश प्रताप सिंह ने मामले का संज्ञान लिया है। उन्होंने डीएम अक्षय त्रिपाठी से रिपोर्ट मांगी है। मंत्री दिनेश सिंह ने कहा, मुझे शिकायतें मिली हैं कि बहराइच शरीफ यानी दरगाह हजरत सैयद सालार मसूद गाजी दरगाह में चढ़ावे, दुकानों, ठेकों, मेलों आदि अन्य मदों से आने वाली धनराशि का बड़े पैमाने पर लूट और गबन हो रहा है और यह लंबे अंतराल से हो रहा है। किसी के द्वारा इस पर कार्रवाई नहीं की गई है। मैंने जिलाधिकारी बहराइच को निर्देश दिए हैं कि 15 दिन के भीतर सारी शिकायतों की जांच कराकर अवगत कराएं। जिससे इन आस्था के स्थलों पर हो रही लूट की जांच हो और उन पर कार्रवाई हो। जिससे दोषी हों, उन्हें कठोर दंड दिया जा सके।

बासित अली ने कहा- वक्फ नंबर-19, दरगाह हजरत सैयद सालार गाजी मसूद की बहराइच में बड़ी दरगाह है। यह उत्तर प्रदेश का सबसे बड़ा वक्फ है। जिसमें करोड़ों की संपत्ति है। कॉलेज-स्कूल और लगभग 50-60 बीघे के अंदर एक दरगाह है। जिस पर समाजवादी पार्टी के पूर्व मंत्री वकार शाह के बेटे यासिर शाह, यासिर शाह की पत्नी मारिया शाह और इनके लोग कमेटियों में हैं। लगभग 20 साल से वहां बड़ी तादाद में करप्शन है।

'यूपी की सड़कें हेमा-ऐश्वर्या नहीं, केशव के गाल जैसी खुरदरी'

करणी सेना प्रमुख बोले- राम मंदिर में बड़ा घोटाला, चोरी को दबाया जा रहा

अलीगढ़, 20 जून (एजेंसियां)। 'अलीगढ़ में जिस तरह से विकास होना चाहिए था, वो नहीं हुआ। उसके जिम्मेदार यहां के चुने हुए विधायक, सांसद और मंत्री हैं। पहले मुझे यहां आने में 2 घंटे का समय लगता था, लेकिन अब 4 घंटे लगते हैं। इसकी वजह खराब सड़कें हैं। ये बहुत बड़ी-बड़ी बातें करते हैं, कहते हैं कि नितिन गड़करी जी ने बहुत काम किया, सड़कें बहुत सुंदर बनवाई हैं। हमें भी कई बार लगने लगा था कि ऐश्वर्या राय और हेमा मालिनी के गाल की तरह सड़कें चिकनी हो गई हैं, लेकिन ये सही नहीं है। यहां की सड़कें डिप्टी सीएम केशव मौर्य के गाल की तरह खुरदरी हो गई हैं।'

ये बातें करणी सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष सूरजपाल अम्मू ने कहीं। वह शुक्रवार को अलीगढ़ के एक स्कूल में करणी सेना की बैठक में शामिल होने आए थे। यहां उन्होंने राम मंदिर में चढ़ावा चोरी का मुद्दा उठाया। कहा- मामले को दबाने का प्रयास किया जा रहा। ये बड़ा घोटाला है। इसकी जांच हो, दोषियों पर सख्त एक्शन होना चाहिए।

'अलीगढ़ के नगर निगम में भ्रष्टाचार चरम पर'

सूरजपाल ने कहा- कल्याण सिंह के कार्यकाल में अलीगढ़ का विकास हुआ था। उस समय जो सड़कें बनी थीं, वो आज तक वैसे ही हैं,

लेकिन अब जो सड़कें बन रही हैं, उन्हें बनाने में केवल भ्रष्टाचार किया जा रहा। वर्तमान सरकार में नगर निगमों में भ्रष्टाचार चरम पर है। विकास कार्यों की गुणवत्ता पूरी तरह घटिया हो चुकी है। हम लोगों के पास एक-एक के अधिकारी की लिस्ट है। अगर जल्द सुधार नहीं हुआ तो इनके घरों का घेराव किया जाएगा।

'चोरों को चोर और डाकुओं को डाकू कहने से डरेंगे नहीं'

उन्होंने कहा- करणी सेना हमेशा सच के साथ खड़ी रहेगी। हम चोरों को चोर और डाकुओं को डाकू कहने से नहीं डरेंगे। अलीगढ़ का विकास न होने के लिए यहां के अधिकारी, विधायक और सांसद जिम्मेदार हैं। मैं आज अलीगढ़ के सोए हुए लोगों को जगाने आया हूं। लोगों को विकास के लिए आवाज उठानी होगी। अलीगढ़ के सभी विधायकों की संपत्ति जांच हो।

'करणी सेना 50 सीटों पर अकेले चुनाव लड़ने जा रही'

सूरजपाल ने कहा- इस बार यूपी में करणी सेना 50 सीटों पर अकेले चुनाव लड़ने जा रही है। अलंकार अग्निहोत्री (सस्पेंडेड पीसीएस) हमारे मित्र हैं। हमसे मिलने आए थे। हमसे उनकी बात भी हुई थी, लेकिन हम लोग इस बार अकेले चुनाव लड़ने जा रहे। हमारा किसी के साथ गठबंधन नहीं हुआ है। मैं यहां के लोगों को बताना चाहता हूं कि यहां की सभी पार्टियों के नेता चोर हैं।

राम मंदिर चढ़ावे में हुई चोरी को दबाने का प्रयास किया जा रहा

उन्होंने कहा- राम मंदिर चढ़ावे में चोरी हुई है। इसे दबाने का प्रयास किया जा रहा है। अभी तक इस मामले में चंपत राय के चेले टिन्नू यादव, लवकुश मिश्रा, गोपाल राय और अनिल मिश्र का नाम आया है, लेकिन किसी पर भी एफआईआर नहीं हुई है। किसी आदमी का पर्स अगर चोरी हो जाए तो पुलिसवाले गरीब आदमी को लाकर पीटते हैं, लेकिन विश्व प्रसिद्ध राम मंदिर में करोड़ों रुपए का चढ़ावा चोरी हो गया और कोई कार्रवाई नहीं हुई।

सपा ने अपने कार्यकाल में युवाओं और किसानों से ज्यादा आतंकवादियों की चिंता की : नंद किशोर गुर्जर

बागपत, 20 जून (एजेंसियां)। भाजपा विधायक नंद किशोर गुर्जर ने समाजवादी पार्टी को लेकर तीखी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने आतंकवाद और आतंकियों को संरक्षण देने को लेकर गंभीर आरोप लगाए। भाजपा विधायक ने दावा किया कि अखिलेश यादव सरकार के पहले मंत्रिमंडल में आतंकवादियों को रिहा करने का प्रस्ताव रखा गया था।

नंद किशोर गुर्जर ने आईएएनएस से कहा कि उत्तर प्रदेश के युवाओं, किसानों और मजदूरों के हित में बड़े फैसले लिए जाने चाहिए थे, लेकिन इसके बजाय आतंकवादियों की रिहाई जैसे फैसलों पर विचार किया गया। उन्होंने कहा, दुनिया के किसी भी देश में, चाहे वह कितना भी आतंकवाद प्रभावित क्यों न हो, किसी प्रधानमंत्री या मुख्यमंत्री ने ऐसा कदम नहीं उठाया कि अपने पहले ही मंत्रिमंडल में उन आतंकवादियों को रिहा करने की बात करे, जिनकी वजह से देश के निर्दोष लोगों की जान गई हो।

उन्होंने सवाल उठाते हुए कहा कि बिना किसी मदद या समर्थन के कोई व्यक्ति आतंकवादियों को रिहा करने की कोशिश क्यों करेगा। राम मंदिर दान पात्र मामले में विपक्ष द्वारा भाजपा पर लगाए जा रहे आरोपों पर प्रतिक्रिया देते हुए नंद किशोर गुर्जर ने कहा कि यह मामला भाजपा का नहीं, बल्कि ट्रस्ट से जुड़ा विषय है। इस मामले में जो भी अपराधी होगा, वह बचेगा नहीं।

भाजपा विधायक ने दावा किया कि इस मामले का आरोपी समाजवादी पार्टी का कार्यकर्ता है, जो फिलहाल फरार है। उन्होंने कहा कि जिसने भी भगवान श्रीराम के भक्तों के साथ धोखाधड़ी और बेईमानी की है, उससे एक-एक पैसा वसूला जाएगा। जरूरत पड़ने पर उसकी संपत्ति तक नीलाम की जा सकती है, ताकि श्रद्धालुओं का पैसा वापस दिलाया जा सके।

हर्निया की जगह कर दी आंत की सर्जरी!

लखनऊ केजीएमयू के डॉक्टर पर गंभीर आरोप, 15 दिन में रिपोर्ट तलब

लखनऊ, 20 जून (एजेंसियां)। केजीएमयू के गैस्ट्रो सर्जरी विभाग के हेड डॉ. अभिजीत चंद्रा के खिलाफ इलाज में कथित लापरवाही की शिकायत पर शासन ने जांच के आदेश दिए हैं। चिकित्सा शिक्षा विभाग ने मंडलायुक्त लखनऊ को मामले की जांच कर 15 दिन में रिपोर्ट उपलब्ध करवाने के निर्देश दिए हैं।

शिकायतकर्ता राजकुमार सिंह ने सीएम और चिकित्सा शिक्षा विभाग को भेजे पत्र में आरोप लगाया है कि वर्ष 2022 में उन्हें हर्निया की समस्या थी। केजीएमयू में भर्ती कर उनका ऑपरेशन किया गया। उन्हें बताया गया कि हर्निया की सर्जरी की जाएगी, लेकिन ऑपरेशन आंत का कर दिया गया। आरोप है कि इस प्रक्रिया में गंभीर लापरवाही बरती गई, जिससे उनकी हालत बिगड़ गई और कई तरह की शारीरिक परेशानियों का सामना करना पड़ा।

दोबारा सर्जरी और लंबे इलाज का दावा

शिकायतकर्ता के मुताबिक, सर्जरी के बाद स्थिति गंभीर होने पर 1 अक्टूबर, 2022 को दोबारा ऑपरेशन करना पड़ा। शिकायतकर्ता का दावा है कि उन्हें लंबे समय तक अस्पताल में भर्ती रहना पड़ा और कई महीने तक स्टोमा बैग के सहारे जीवन बिताना पड़ा। इसके कारण उन्हें शारीरिक के साथ मानसिक और आर्थिक नुकसान भी झेलना पड़ा।

शासन ने लिया संज्ञान

मामले को गंभीरता से लेते हुए चिकित्सा शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव अमित कुमार घोष ने 9 जून, 2026 को जारी पत्र में मंडलायुक्त लखनऊ को जांच के निर्देश दिए हैं। सभी बिंदुओं की निष्पक्ष जांच करवा कर 15 दिनों के भीतर रिपोर्ट उपलब्ध करवाने का निर्देश है।

'सपा में होगी बड़ी टूट', राजभर के दावे पर एमपी रुचि वीरा का पलटवार

हमारे संपर्क में भाजपा के कई सांसद

मुरादाबाद, 20 जून (एजेंसियां)। मुरादाबाद में आयोजित पीडीए सम्मेलन को लेकर समाजवादी पार्टी में गुटबाजी की चर्चाओं के बीच सुभासपा प्रमुख ओम प्रकाश राजभर तथा मुरादाबाद से सपा सांसद रुचि वीरा के बीच जुबानी जंग तेज हो गई है। राजभर ने सपा में बड़ी टूट का दावा करते हुए पार्टी नेतृत्व पर पिछड़े और दलित समाज के सम्मान की अनदेखी का आरोप लगाया।रुचिवीरा ने इन आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि समाजवादी पार्टी पूरी तरह एकजुट है और भाजपा के कई सांसद सपा के संपर्क में हैं।

दरअसल, 14 जून को मुरादाबाद ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र में पीडीए सम्मेलन का आयोजन किया गया था। सम्मेलन में सांसद रुचि वीरा को आमंत्रित नहीं किए जाने की चर्चा राजनीतिक गलियारों में जोर पकड़ने लगी। इस पर रुचिवीरा ने कहा था कि वह उस दिन मुरादाबाद में मौजूद थीं। लेकिन उन्हें कार्यक्रम की सूचना तक नहीं दी गई। उन्होंने इस मामले को समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के समक्ष उठाने की बात भी कही थी। इसी घटनाक्रम को आधार बनाकर ओम प्रकाश राजभर ने सोशल मीडिया पर टिप्पणी की। उन्होंने दावा किया कि मुरादाबाद की घटना समाजवादी पार्टी के भीतर चल रहे अंतर्विरोधों की झलक है। राजभर ने आरोप लगाया कि सपा नेतृत्व अन्य पिछड़ा वर्ग और दलित समाज के नेताओं को उचित सम्मान नहीं देता। उन्होंने कहा कि पार्टी के भीतर असंतोष बढ़ रहा है और आने वाले समय में समाजवादी पार्टी में बड़ी टूट देखने को मिल सकती है। राजभर के इस बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए सांसद रुचिवीरा ने कहा कि ओम प्रकाश राजभर को गंभीरता से लेने की जरूरत नहीं है। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी पूरी तरह एकजुट है। पार्टी के सभी नेता और कार्यकर्ता अपने राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के साथ मजबूती से खड़े हैं। समाजवादी पार्टी को तृणमूल कांग्रेस समझने की भूल नहीं करनी चाहिए।

उत्तर प्रदेश की जनता आने वाले समय में ऐसे बयानों का जवाब देगी। रुचिवीरा ने पलटवार करते हुए दावा किया कि उन्हें विश्वसनीय सूत्रों से जानकारी मिली है कि स्वयं ओम प्रकाश राजभर और भाजपा के कई सांसद समाजवादी पार्टी के संपर्क में हैं। उन्होंने कहा कि वह राजभर के बयानों को कोई महत्व नहीं देतीं और समाजवादी पार्टी के संगठन को लेकर फैलाए जा रहे भ्रम का जवाब जनता चुनाव में देगी। मुरादाबाद के पीडीए सम्मेलन से शुरू हुआ यह विवाद अब प्रदेश की सियासत में चर्चा का विषय बन गया है। विपक्ष और सत्तापक्ष के नेताओं के बीच आरोप-प्रत्यारोप का दौर जारी है।

अश्विनी चौबे बोले-एक-एक बूंद खून का हिसाब लिया जाएगा

मुजफ्फरपुर, 20 जून (एजेंसियां)। बिहार के भोजपुर जिले के आरा में हुए भरत तिवारी एनकाउंटर मामले को लेकर सियासत तेज हो गई है। मुजफ्फरपुर में एक कार्यक्रम में पहुंचे पूर्व केंद्रीय मंत्री और भाजपा सांसद अश्विनी कुमार चौबे ने इस मामले को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि भरत तिवारी की हत्या की गई है और वह गरीबों की आवाज उठाने वाला एक सामाजिक कार्यकर्ता था। उन्होंने आरोप लगाया कि आरा में एक सामाजिक कार्यकर्ता को निशाना बनाया गया है और इस मामले में दोषी किसी को भी बख्शा नहीं जाएगा। अश्विनी कुमार चौबे ने कहा कि भरत तिवारी कोई अपराधी नहीं था। उसे टारगेट कर मारा गया है। उन्होंने कहा कि भरत तिवारी के खून की एक-एक बूंद का हिसाब लिया जाएगा। वह हमेशा गरीब, शोषित और वंचित वर्ग के लोगों के अधिकारों के लिए आवाज उठाता था और उनकी लड़ाई लड़ता था। चौबे ने कहा कि मीडिया के माध्यम से उन्होंने इस घटना के बारे में सुना और देखा है, जिसने सभी को झकझोर कर रख दिया है।

सभी कार्यक्रम स्थगित कर आरा रवाना हुए चौबे

मीडिया से बातचीत के दौरान अश्विनी कुमार चौबे ने कहा कि इस घटना से वह बेहद दुखी और मर्माहत हैं। उन्होंने घोषणा की कि वह तत्काल प्रभाव से अपने सभी निर्धारित कार्यक्रम स्थगित कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि वह मुजफ्फरपुर से सीधे आरा रवाना हो रहे हैं। इसके साथ ही भागलपुर और समस्तीपुर के अपने सभी कार्यक्रम भी रद्द कर दिए हैं।

आधी रात को थाना पहुंचे तेज प्रताप यादव ने लगाया ब्लैकमेलिंग का आरोप

> आकाश की मां और बहन सहित आठ नामजद

पटना, 20 जून (एजेंसियां)। बिहार सरकार के पूर्व मंत्री और राजद नेता तेज प्रताप यादव व उनके पूर्व सहयोगी आकाश के बीच की रंजिश अब आर-पार की जंग में तब्दील हो चुकी है। दोनों के बीच छिड़ा यह विवाद अब थाना तक पहुंच गया है। शुक्रवार की आधी रात को तेज प्रताप यादव स्वयं पटना के सचिवालय थाना पहुंचे और आकाश यादव के खिलाफ तीन पन्नों की लिखित शिकायत दर्ज कराई। अब पुलिस मामले की जांच कर रही है।

इस संबंध में सचिवालय थानाध्यक्ष ने बताया कि पूर्व मंत्री तेज प्रताप यादव शुक्रवार रात करीब 11:20 बजे थाने पहुंचे थे। उन्होंने पुलिस को तीन पन्नों का एक शिकायती पत्र सौंपा है। तेज प्रताप का आरोप है कि उनका पूर्व सहयोगी आकाश यादव उन्हें

लगातार प्रताड़ित कर रहा है। वह उनसे मोटी रकम की मांग कर रहा है और बात न मानने पर ब्लैकमेल कर रहा है। तेज प्रताप ने शिकायत में यह भी कहा कि आकाश उनकी राजनीतिक और सामाजिक छवि को जानबूझकर धूमिल करने की कोशिश कर रहा है। इस संबंध में उन्होंने आकाश के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग की है। इस संबंध में सचिवालय थानाध्यक्ष गौतम कुमार ने बताया कि पूर्व मंत्री तेज प्रताप यादव की ओर से लिखित शिकायत मिली है, जिसकी रिसीविंग उन्हें दे दी गई है। उन्होंने तीन पन्नों के लिखित शिकायत में आकाश यादव, उनकी मां और बहन सहित कुल आठ लोगों को नामजद किया है। इस बात की जानकारी वरीय अधिकारियों को दी गई है। फिलहाल पूरे मामले की गंभीरता से छानबीन की जा रही है। जांच पूरी होने के बाद ही इस मामले में आगे की प्राथमिकी दर्ज की जाएगी।

इस विवाद में नया मोड़ गुरुवार को आया था, जब आकाश ने पटना के ही पाटलिपुत्र थाने में तेज प्रताप यादव और उनके करीबी सहयोगी मोतीलाल यादव के खिलाफ लिखित शिकायत दर्ज कराई थी। आकाश ने पुलिस में केस दर्ज कराते हुए आरोप लगाया था कि तेज प्रताप और मोतीलाल यादव उन्हें व उनके पूरे परिवार को जान से मारने की धमकी दे रहे हैं। इस लिखित शिकायत में लॉरेंस विश्नोई की भी चर्चा की गई थी, जिसमें कॉल करने वाले ने अपना संबंध लॉरेंस विश्नोई के संगठन से जोड़ते यह कहा था कि अगर तेज प्रताप यादव के खिलाफ शिकायत कि भगिनी का अपहरण करवा दूंगा।

बोतल बाबा पर दुष्कर्म के प्रयास का आरोप, पुलिस ने जेल भेजा

कानपुर देहात, 20 जून (एजेंसियां)। कानपुर देहात पुलिस की बड़ी कार्रवाई सामने आई है। पुलिस ने कथित बोतल बाबा को उसके साथ समेत गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

एक महिला की ओर से बोतल बाबा पर गंभीर आरोप लगाए गए थे। तहरीर मिलने पर पुलिस की ओर से तत्काल कार्रवाई की गई है। औरैया जिले के थाना फफूंद की रहने वाली पीड़ित महिला ने बोतल बाबा पर गंभीर आरोप लगाए थे। 15 जून को महिला के दो देवर उस बहला फुसलाकर कानपुर देहात थाना के देवराहट अंतर्गत 'चैन का पुरवा' गांव में एक कथित बाबा हरिओम यादव के पास ले गए थे। अनुष्ठान कराने के नाम पर कथित बाबा हरिओम यादव ने महिला के साथ छेड़खानी की और दुष्कर्म करने का प्रयास किया। पीड़िता की ओर से तहरीर मिलने पर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए महिला के देवरों सहित कुल 5 आरोपियों के खिलाफ सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज किया। मुख्य आरोपी बाबा हरिओम यादव और उसके साथी दीपक को पुलिस ने गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया है। कानपुर देहात के अपर पुलिस अधीक्षक आलोक प्रसाद ने बताया, तहरीर के आधार पर 5 लोगों के खिलाफ अभियोग पंजीकृत किया गया था।

विचार
"सपना वो नहीं जो हम सोते हुए देखते हैं, सपने वो हैं जो हमें सोने नहीं देते।"

तेलंगाना में मंदिर प्रशासन को मिलेगा नया स्वरूप : कोंडा सुरेखा

धर्मादाय मंत्री कोंडा सुरेखा ने एसआईटीए का शुभारंभ किया

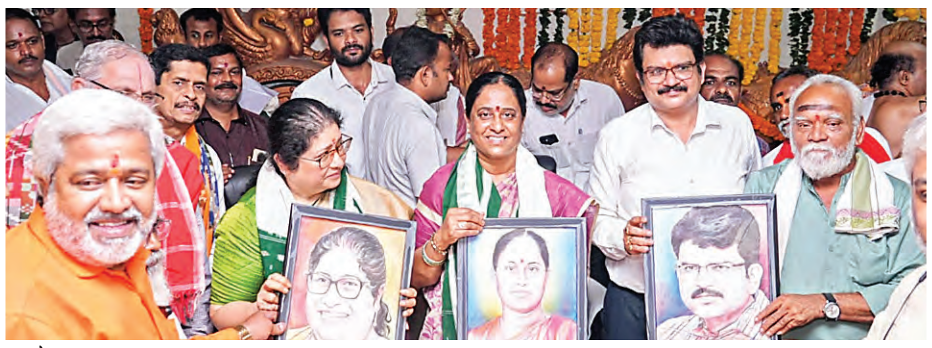

हैदराबाद, 20 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना सरकार के वन, पर्यावरण एवं धर्मादाय मंत्री कोंडा सुरेखा ने शनिवार को हैदराबाद के बोग्गुलकुंटा स्थित धर्मादाय विभाग मुख्यालय (धार्मिक भवन) में स्टेट इंस्टीट्यूट ऑफ टेम्पल एडमिनिस्ट्रेशन (एसआईटीए) का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि मंदिर प्रशासन में कौशल विकास, आधुनिक प्रबंधन प्रणाली और प्रशासनिक सुधारों के माध्यम से धर्मादाय विभाग को नए स्वरूप में विकसित किया जाएगा। मंत्री ने कहा कि पुजारियों और कर्मचारियों के समन्वित प्रयासों से ही विभाग की योजनाएं सफल हो सकती हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के नेतृत्व में राज्य सरकार करोड़ों रुपये की लागत से मंदिरों के विकास और विभिन्न आध्यात्मिक कार्यक्रमों का संचालन कर रही है, जिससे तेलंगाना को एक प्रमुख आध्यात्मिक केंद्र के रूप में विकसित किया जा रहा है। कोंडा सुरेखा ने कहा कि राज्य गठन के बाद 12 वर्षों के अंतराल के पश्चात एसआईटीए को पुनः सक्रिय किया गया है। यह संस्था मंदिर प्रशासन, कर्मचारियों के प्रशिक्षण, आधुनिक तकनीक के उपयोग, मंदिर भूमि संरक्षण तथा आय प्रबंधन जैसे विषयों पर विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित करेगी।

उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि एसआईटीए के माध्यम से प्रशिक्षित कर्मचारी और पुजारी मंदिरों के संचालन में नई कार्यसंस्कृति स्थापित करेंगे। कार्यक्रम में धर्मादाय विभाग की प्रमुख सचिव शैलजा रामय्यर, निदेशक एम. हनुमंत राव, धार्मिक सलाहकार आर. गोविंद हरि, एसआईटीए निदेशक चिलकापाटी विजय राघवाचार्य, अतिरिक्त आयुक्तों सहित विभाग के वरिष्ठ अधिकारी, पुजारी और कर्मचारी उपस्थित रहे।इस अवसर पर विभाग ने कर्मचारियों के कल्याण और पदोन्नति संबंधी महत्वपूर्ण घोषणाएं भी कीं। 18 कर्मचारियों को ₹ट्रांसफर ऑफ सर्विस₹ के तहत वरिष्ठ सहायक के पद पर पदोन्नत किया गया, जबकि 20 कर्मचारियों को ग्रेड-3 से ग्रेड-2 कार्यकारी अधिकारी (ईओ) के रूप में पदोन्नति प्रदान की गई। सभी कर्मचारियों को मंत्री कोंडा सुरेखा ने पदोन्नति आदेश सौंपे। इसके अलावा, 'अर्चक एवं अन्य कर्मचारी कल्याण निधि' के तहत सेवानिवृत्त कर्मचारियों को वित्तीय लाभ भी वितरित किए गए। हाल ही में बढ़ाए गए कल्याणकारी लाभों के तहत एक कर्मचारी को ग्रेच्युटी राशि भी प्रदान की गई। प्रमुख सचिव शैलजा रामय्यर ने कहा कि राज्य गठन के बाद एसआईटीए के निष्क्रिय रहने से विभाग को कई चुनौतियों का सामना करना पड़ा। उन्होंने मंत्री कोंडा सुरेखा की पहल की सराहना करते हुए कहा कि संस्था के पुनः संचालन से विभाग की कार्यक्षमता और प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। विभागीय निदेशक एम. हनुमंत राव ने बताया कि एसआईटीए के माध्यम से कर्मचारियों को तकनीकी प्रशिक्षण दिया जाएगा, जबकि पुजारियों और वैदिक कर्मियों को आगम शास्त्र, पूजा-पद्धति और उत्सव परंपराओं का प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। उन्होंने बताया कि अगले तीन कार्यदिवसों में "मंदिर संस्कृति एवं आगम शास्त्र" विषय पर हैदराबाद के अलावा भद्राचलम, यादाद्रि और वेमुलवाड़ा सहित विभिन्न धार्मिक स्थलों पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे ।मंत्री ने कर्मचारियों से निष्ठा और समर्पण के साथ कार्य करते हुए तेलंगाना को देश का अग्रणी आध्यात्मिक राज्य बनाने का आह्वान किया।

आवारा कुत्ते के हमले में छह वर्षीय बालक समेत 14 लोग घायल

जगतियाल, 20 जून (स्वतंत्र वार्ता)। सारंगापुर मंडल के गणेशपल्ली गांव में शुक्रवार देर रात एक आवारा कुत्ते के हमले में छह वर्षीय बालक समेत 14 लोग घायल हो गए। घायलों में पांच महिलाएं और आठ पुरुष शामिल हैं। सभी को उपचार के लिए जगतियाल सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। ग्रामीणों के अनुसार, गर्मी के कारण कई लोग रात में अपने घरों के बाहर सो रहे थे। रात करीब 12.30 बजे एक आवारा कुत्ता अचानक वहां पहुंचा और सो रहे लोगों पर हमला कर दिया। हमले में कई लोग घायल हो गए, जिससे गांव में अफरा-तफरी मच गई।स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है। घटना के बाद ग्रामीणों में आवारा कुत्तों के बढ़ते खतरे को लेकर चिंता बढ़ गई है।

विशेष अभियान में जीएचएमसी ने हटाए 283 अतिक्रमण

हैदराबाद, 20 जून (स्वतंत्र वार्ता)। फुटपाथों और सड़कों के किनारे किए गए अतिक्रमण हटाने के लिए चलाए गए विशेष अभियान के तहत ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम (जीएचएमसी) ने शनिवार को 283 अतिक्रमण हटाए। इनमें 79 स्थायी और 204 अस्थायी संरचनाएं शामिल हैं। यह अभियान शमशाबाद, चारमीनार, गोलकोंडा, खैरताबाद और सिकंदराबाद जोन में चलाया गया। अधिकारियों के अनुसार, अभियान का उद्देश्य सड़कों और फुटपाथों को अतिक्रमण मुक्त बनाकर नागरिकों के लिए यातायात और आवागमन को सुगम करना है।

जीएचएमसी द्वारा जारी विज्ञप्ति के अनुसार, शमशाबाद जोन में आरजीआईए पुलिस स्टेशन से मिशन परिसर (फिरंगी नाला) तक, चारमीनार जोन में एसबीआई बैंक से रिलायंस ट्रेंड्स तक, गोलकोंडा जोन में गोलकोंडा वार्ड कार्यालय से फतेह दरवाजा और लंगर हाउस होते हुए बापू घाट तक, खैरताबाद जोन में बशीरबाग फ्लाईओवर से पुराने विधायक क्वार्टर रोड होते हुए टंडोस रेस्टोरेंट तक तथा सिकंदराबाद जोन में वीर सावरकर प्रतिमा से काचीगुडा रेलवे स्टेशन और बरकतपुरा होते हुए वाईएमसीए तक अतिक्रमण हटाए गए। अधिकारियों ने बताया कि चार अप्रैल से शुरू हुए विशेष अभियान के तहत अब तक जीएचएमसी सीमा में कुल 2,620 अतिक्रमण हटाए जा चुके हैं। अभियान आगे भी जारी रहेगा।

महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण के लिए प्रतिबद्ध : अज़हरुद्दीन

स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं को वितरित की गईं इंद्रम्मा साड़ियां

हैदराबाद, 20 जून (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य सरकार की इंद्र महिला शक्ति पहल के अंतर्गत शनिवार को बंजारा हिल्स स्थित बंजारा भवन में स्वयं सहायता समूह (एसएचजी) से जुड़ी महिलाओं को इंद्रम्मा साड़ियों का वितरण किया गया। इस कार्यक्रम में अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री मोहम्मद अज़हरुद्दीन, बालमुरी वेंकट, सांसद अनिल कुमार यादव, विधायक दानम नागेंद्र तथा अन्य जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों ने भाग लिया। कार्यक्रम में महिलाओं को साड़ियां वितरित की गईं। इस अवसर पर मंत्री मोहम्मद अजहरुद्दीन ने कहा कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के नेतृत्व में राज्य सरकार महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि विभिन्न कल्याणकारी और आजीविका कार्यक्रमों के माध्यम से एक करोड़ महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर उद्यमी तथा "करोड़पति" बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। उन्होंने स्वयं सहायता समूहों की सदस्य महिलाओं से आह्वान किया कि वे छोटे स्तर के श्रमिकों, घरेलू कामगारों और आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों की महिलाओं को भी एसएचजी से जोड़कर इस आंदोलन का विस्तार करें। मंत्री ने कहा कि स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं को कम ब्याज दर पर ऋण, वित्तीय सहायता, कौशल विकास प्रशिक्षण और स्थायी आजीविका के अवसर उपलब्ध कराए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि सरकार इलेक्ट्रिक बसों के संचालन, पेट्रोल पंपों के प्रबंधन तथा अन्य आय-सृजन गतिविधियों की जिम्मेदारी भी स्वयं सहायता समूहों को सौंपने की संभावनाओं पर विचार कर रही है, जिससे राज्य की आर्थिक प्रगति में महिलाओं की भागीदारी और मजबूत होगी। कार्यक्रम में यह भी बताया गया कि जीएचएमसी द्वारा महिलाओं को 7.10 लाख इंद्रम्मा साड़ियों का वितरण किया जा रहा है। इसके अलावा, एनईसीसी और एसईटीपी के समन्वय से पात्र लाभार्थियों को 40 अंडा-कार्ट (एग कार्ट) भी निःशुल्क उपलब्ध कराए जा रहे हैं।

उप निदेशक के बैंक लॉकर से 1.50 करोड़ रुपये नकद बरामद

हैदराबाद, 20 जून (स्वतंत्र वार्ता)। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) के अधिकारियों ने सर्वेक्षण एवं भूमि अभिलेख विभाग के बहु-क्षेत्र-II के उप निदेशक सुनकारी नरहरि राव के बैंक लॉकर से 1.50 करोड़ रुपये नकद बरामद किए हैं। एसीबी अधिकारियों ने शनिवार को शाहलीबांडा स्थित एक बैंक में पहुंचकर लॉकर खोला और उसमें रखी नकदी जब्त कर ली। इससे पहले एसीबी ने मंगलवार को हैदराबाद में उप निदेशक सुनकारी नरहरि राव से जुड़े 10 स्थानों पर एक साथ छापेमारी की थी। इस कार्रवाई के दौरान 30 करोड़ रुपये से अधिक की चल-अचल संपत्तियों का पता चला था। भ्रष्टाचार के आरोपों के तहत मामला दर्ज करने के बाद एसीबी की टीम लगातार जांच और तलाशी अभियान चला रही है। अधिकारियों के अनुसार मामले से जुड़े अन्य पहलुओं की भी जांच की जा रही है।

बीबी-का-आलम जुलूस से पहले पुराने शहर में हाथी के साथ किया गया परीक्षण

हैदराबाद, 20 जून (स्वतंत्र वार्ता)। मुहर्रम के अवसर पर निकाले जाने वाले बीबी-का-आलम जुलूस की तैयारियों के तहत शनिवार को पुराने शहर में जुलूस का परीक्षण किया गया। इस दौरान केरल से लाई गई श्रीदेवी नामक हथिनी को जुलूस के निर्धारित मार्ग से गुजारा गया, ताकि वह जुलूस के दौरान के माहौल और भीड़भाड़ से परिचित हो सके। जुलूस के आयोजकों ने हैदराबाद शहर पुलिस के सहयोग से यह अभ्यास कराया। परीक्षण के दौरान हथिनी याकूतपुरा बड़ा बाजार रोड, एटेबार चौक, अलीजा कोटला, चारमीनार, गुलजार हौज़, पंजेशा, मंडी मिर आलम और दारुलशिफा क्षेत्र से होकर गुजरी।

इस अवसर पर हैदराबाद के पुलिस आयुक्त वीसी सज्जनार, संयुक्त पुलिस आयुक्त तफसीर इकबाल तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद रहे। अधिकारियों ने सुरक्षा और व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उल्लेखनीय है कि बीबी-का-आलम का मुख्य जुलूस मुहर्रम की दसवीं तारीख, 26 जून को निकाला जाएगा।

ऑनलाइन ट्रेडिंग धोखाधड़ी मामले में सात गिरफ्तार

हैदराबाद, 20 जून (स्वतंत्र वार्ता)। साइबराबाद साइबर क्राइम पुलिस ने ऑनलाइन ट्रेडिंग धोखाधड़ी के एक मामले में सात लोगों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों पर साइबर ठगी से प्राप्त धनराशि को इधर-उधर भेजने के लिए फर्जी बैंक खातों का नेटवर्क संचालित करने का आरोप है। पुलिस के अनुसार, यह गिरोह संगठित साइबर अपराधियों के लिए बैंक खाते खुलवाने, खाताधारकों की व्यवस्था करने, नकदी एकत्र करने और उसका परिवहन करने के साथ-साथ धन शोधन में भी सहायता करता था। जांच में पता चला है कि धोखाधड़ी से प्राप्त रकम को पहले नकद में निकाला जाता था और फिर नेटवर्क से जुड़े विभिन्न लोगों के माध्यम से आगे संचालकों तक पहुंचाया जाता था।

योग को दैनिक जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाना चाहिए : राज्यपाल

हैदराबाद, 20 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल ने कहा कि योग केवल शारीरिक व्यायाम का माध्यम नहीं, बल्कि शरीर, मन और आत्मा के बीच सामंजस्य स्थापित करने वाली एक समग्र जीवन पद्धति है।

उन्होंने लोगों से योग को केवल एक दिन के आयोजन तक सीमित न रखकर अपने दैनिक जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाने का आह्वान किया। शनिवार को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस से पूर्व सिकंदराबाद के परेड ग्राउंड्स में आयोजित 24 घंटे के काउंटडाउन कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लेने के बाद राज्यपाल ने यह बात कही। कार्यक्रम का आयोजन केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री जी. किशन रेड्डी के नेतृत्व में किया गया था। अपने संबोधन में राज्यपाल ने कहा कि तनाव और भागदौड़ भरी जीवनशैली के इस दौर में योग लोगों को आंतरिक शांति, अनुशासन और सकारात्मक ऊर्जा प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि भारत की प्राचीन ज्ञान परंपरा और आध्यात्मिक विरासत का प्रतीक योग आज स्वास्थ्य और कल्याण के लिए एक वैश्विक आंदोलन बन चुका है।

राज्यपाल ने अंतरराष्ट्रीय योग दिवस को वैश्विक पहचान दिलाने में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की भूमिका की सराहना करते हुए कहा कि वर्ष 2014 में 177 देशों के समर्थन से संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस घोषित किया जाना प्रत्येक भारतीय के लिए गर्व का विषय है। उन्होंने कहा कि भारत की अमूल्य सांस्कृतिक धरोहरों में शामिल योग आज पूरी दुनिया में शारीरिक फिटनेस और मानसिक संतुलन का संदेश फैला रहा है। शिव प्रताप शुक्ल ने कहा कि स्वस्थ, समृद्ध और आत्मनिर्भर भारत का निर्माण तभी संभव है जब देश के नागरिक शारीरिक और मानसिक रूप से सशक्त हों। उन्होंने लोगों से "स्वास्थ्य के लिए योग, संतुलन के लिए योग और आंतरिक शक्ति के लिए योग" के संदेश को अपनाने का आह्वान किया।

कार्यक्रम में पूर्व उपराष्ट्रपति एम. वेंकैया नायडू, पूर्व राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय, राज्यसभा सदस्य डॉ. के. लक्ष्मण और वी. विजयेंद्र प्रसाद, सांसद ईटेला राजेंद्र, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एन. रामचंद्र राव, भाजपा विधायक दल के नेता एलेटी महेश्वर रेड्डी, एमएलसी मल्का कोमरैया और अंजी रेड्डी, विधायक पायल शंकर, राकेश रेड्डी तथा धनपाल सूर्यनारायण सहित अनेक जनप्रतिनिधि, योग गुरु, प्रशासनिक अधिकारी, युवा और बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित थे। फिल्म कलाकार पायल राधाकृष्ण, नवीन पोलिशेट्टी और डिंपल भी कार्यक्रम में मौजूद रहे।

दंपति हत्याकांड में 11 संदिग्ध हिरासत में

चार ने जुर्म कबूलने की बात कही

कुमराम भीम (आसिफाबाद), 20 जून (स्वतंत्र वार्ता)। आसिफाबाद मंडल के थुम्पेल्ली गांव के कोसारा बस्ती में दंपति की हत्या के मामले में पुलिस ने 11 संदिग्धों को हिरासत में लिया है। पुलिस के अनुसार, इन सभी से 17 जून की रात हुई राजू नायक (56) और उनकी पत्नी सुशीला (46) की हत्या के संबंध में पूछताछ की जा रही है। बताया जा रहा है कि हिरासत में लिए गए लोगों में से चार ने अपराध स्वीकार करने की बात कही है। पुलिस जांच में हत्या के पीछे के मकसद और अन्य संभावित आरोपियों की भूमिका का पता लगाया जा रहा है। जांचकर्ताओं का ध्यान इस बात पर भी है कि क्या इस अपराध में और लोग शामिल थे।

पुलिस के अनुसार, बुधवार रात दंपति की उनके घर में सोते समय हत्या कर दी गई थी। गुरुवार तड़के उनकी बहू ने सुशीला को जगाने का प्रयास किया, लेकिन दोनों अचेत अवस्था में मिले। उन्हें तत्काल अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। मृतक के पुत्र अनिल ने शिकायत दर्ज कराते हुए गांव के कुछ युवकों पर अपने माता-पिता की हत्या का आरोप लगाया था। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में गला घोंटकर हत्या किए जाने की पुष्टि हुई है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है और जल्द ही आरोपियों को मीडिया के सामने पेश किए जाने की संभावना है।

उर्वरक ऐप से यूरिया खरीदने में परेशानी

किसानों में बढ़ी नाराजगी

आदिलाबाद, 20 जून (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व आदिलाबाद जिले के कई हिस्सों में एंड्रॉइड आधारित 'फर्टिलाइजर' एप्लिकेशन के माध्यम से यूरिया की बिक्री व्यवस्था को लेकर किसानों में नाराजगी बढ़ रही है। किसानों का आरोप है कि ऐप पर कुछ ही मिनटों में यूरिया का स्टॉक खत्म हो जाता है, जिससे उन्हें खाद खरीदने में भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। सरकार ने इस वर्ष उर्वरक वितरण में पारदर्शिता लाने और गड़बड़ियों को रोकने के लिए यह ऑनलाइन व्यवस्था शुरू की है। इसके तहत किसानों को भूमि स्वामित्व संबंधी दस्तावेज अपलोड कर उपलब्ध स्टॉक के अनुसार यूरिया के लिए ऑनलाइन बुकिंग करनी होती है।हालांकि किसानों का कहना है कि अधिकांश लोग मोबाइल फोन और ऑनलाइन प्रक्रिया से परिचित नहीं हैं।

सरकारी भूमि की सुरक्षा और इंदिराम्मा आवास निर्माण की मांग को लेकर बीआरएस का प्रदर्शन

हैदराबाद, 20 जून (स्वतंत्र वार्ता)। भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के कार्यकर्ताओं और नेताओं ने एमआरओ कार्यालय का घेराव कर छावनी क्षेत्र में स्थित आठ एकड़ सरकारी भूमि को अतिक्रमणकारियों से बचाने तथा वहां गरीबों के लिए 6,000 इंदिराम्मा मकानों का निर्माण कराने की मांग की। प्रदर्शन का नेतृत्व बीआरएस सदस्यता प्रभारी डॉ. मन्ने कृशांक ने किया। डॉ. कृशांक ने कहा कि लगभग 800 करोड़ रुपये मूल्य की यह भूमि कई दशकों से सरकारी अभिलेखों में सरकारी संपत्ति के रूप में दर्ज है। उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस नेताओं ने पहले इसी भूमि पर 6,000 इंदिराम्मा मकान बनाने का प्रस्ताव रखा था, लेकिन अब स्थानीय कांग्रेस विधायक कथित रूप से अतिक्रमणकारियों को संरक्षण दे रहे हैं।

बीआरएस ने आरोप लगाया कि भूमि पर शॉपिंग मॉल के निर्माण के लिए अतिक्रमण किया जा रहा है और पार्टी सरकारी जमीन को निजी हाथों में जाने नहीं देगी। डॉ. कृशांक ने चेतावनी दी कि यदि अतिक्रमण नहीं रोका गया तो पार्टी अपना आंदोलन और तेज करेगी। उन्होंने कहा कि वर्ष 2023 में अतिक्रमण के प्रयास के दौरान तत्कालीन सरकार ने शिकायत दर्ज कराकर एफआईआर कराई थी और सरकारी संपत्ति की सुरक्षा के लिए कार्रवाई की थी। पार्टी ने आरोप लगाया कि वर्तमान कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में अतिक्रमणकारियों को बढ़ावा मिल रहा है। बीआरएस ने मांग की कि सरकार और प्रशासन सभी कानूनी उपाय अपनाकर भूमि को सुरक्षित रखे। इस अवसर पर निवेदिता, पूर्व नगर निगम अध्यक्ष गज्जाला नागेश, पूर्व छावनी बोर्ड सदस्य जक्कुला महेश्वर रेड्डी, अनीता, नलिनी, किरण, पांडु यादव, श्याम कुमार, टीएन श्रीनिवास सहित अन्य पार्टी नेता उपस्थित थे।

विशेष बच्चों ने योग और वृक्षारोपण के साथ मनाई अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की पूर्व संध्या

हैदराबाद, 20 जून (स्वतंत्र वार्ता)। मानसा इंस्टीट्यूट ऑफ चाइल्ड हेल्थ एंड डिसेबिलिटी स्टडीज के विशेष बच्चों ने अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की पूर्व संध्या पर योग, पर्यावरण संरक्षण और सामुदायिक भागीदारी को समर्पित एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया। इस दौरान बच्चों ने उत्साह और आत्मविश्वास के साथ विभिन्न योगासन प्रस्तुत किए। कार्यक्रम में विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के शारीरिक स्वास्थ्य, मानसिक संतुलन, एकाग्रता और भावनात्मक विकास में योग की भूमिका पर प्रकाश डाला गया। बच्चों के योग प्रदर्शन ने उपस्थित लोगों का ध्यान आकर्षित किया।

उत्सव के तहत वृक्षारोपण कार्यक्रम भी आयोजित किया गया। छात्रों ने पुनः उपयोग किए गए चावल के बोरों से तैयार ग्रो बैग में आम, अदरक और हल्दी के पौधे लगाए। इस पहल का उद्देश्य बच्चों में पर्यावरण संरक्षण, स्थिरता और व्यावहारिक शिक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाना था। मानसा स्पेशल स्कूल की प्रधानाचार्य जी. विजया भानु ने कहा कि कार्यक्रम का उद्देश्य बौद्धिक अक्षमता वाले बच्चों के समग्र विकास, समावेशन और पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी की भावना को बढ़ावा देना है। इस अवसर पर बीएचईएल (अनुसंधान एवं विकास) के पूर्व अतिरिक्त महाप्रबंधक डॉ. उदय एम. चौधरी, कृषि अधिकारी के. मल्ला रेड्डी, टीसीएस की तकनीकी अधिकारी आर. सुषमा तथा जवाहर नवोदय विद्यालय के पूर्व शिक्षक वी. बालकृष्ण मूर्ति सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

सीएसआर और प्रौद्योगिकी रोडशो का आयोजन

हैदराबाद, 20 जून (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) - राष्ट्रीय कृषि अनुसंधान प्रबंधन अकादमी (आईसीएआर-एनएएआरएम) ने एग्रीनोवेट इंडिया लिमिटेड के सहयोग से शनिवार को हैदराबाद में आईसीएआर सीएसआर और प्रौद्योगिकी पोर्टफोलियो रोडशो 2026 का आयोजन किया, जिसमें उद्योग, अनुसंधान संस्थानों और कृषि क्षेत्र के 85 प्रतिनिधियों ने भाग लिया। भा को संबोधित करते हुए, आईसीएआर-एनएएआरएम के निदेशक रमन मीनाक्षी सुंदरम ने कृषि नवाचारों को किसानों और कृषि व्यवसायों के लिए व्यावहारिक समाधानों में बदलने के लिए अनुसंधान-उद्योग सहयोग के महत्व पर जोर दिया। एग्रीइनोवेट इंडिया लिमिटेड के सीईओ प्रवीण मलिक ने आईसीएआर के प्रौद्योगिकी पोर्टफोलियो का प्रदर्शन किया और सीएसआर-आधारित साझेदारी के अवसरों पर प्रकाश डाला। स कार्यक्रम में आईसीएआर के वैज्ञानिकों और संस्थान निदेशकों द्वारा जलवायु-लचीली कृषि, मृदा स्वास्थ्य, स्वास्थ्य के लिए कृषि, कौशल विकास और महिला-केंद्रित कृषि विस्तार में नवाचारों पर प्रस्तुतियाँ दी गईं। क वर्चुअल संबोधन में, आईसीएआर के सचिव ज्ञानेंद्र देव त्रिपाठी ने विकसित भारत 2047 के विजन को प्राप्त करने के लिए अनुसंधान संस्थानों और उद्योग के बीच मजबूत साझेदारी की आवश्यकता पर जोर दिया , जबकि आईसीएआर के डीडीजी (फसल विज्ञान) डीके यादव ने जलवायु लचीलापन, मशीनीकरण, मृदा और पशु स्वास्थ्य और क्षमता निर्माण में सीएसआर के अवसरों की रूपरेखा प्रस्तुत की।

ईरान जंग में दुनिया से 115 करोड़ बैरल तेल गायब

ऑयल रिजर्व 36 साल में सबसे कम ट्रम्प बोले– 4 हफ्ते में भंडार खत्म हो जाते

वॉशिंगटन, 20 जून (एजेंसियां)। ईरान-अमेरिका समझौते के बाद इस हफ्ते होर्मुज स्ट्रेट फिर से खुल गया है। हालांकि, दुनिया अभी भी तेल संकट से पूरी तरह बाहर नहीं निकली है।

एनालिटिक्स फर्म केपलर की रिपोर्ट के मुताबिक युद्ध के करीब चार महीनों में वैश्विक बाजार से 115 करोड़ बैरल तेल की सप्लाई गायब हो चुकी है। इसका असर आने वाले महीनों तक बना रह सकता है।

रिपोर्ट के मुताबिक युद्ध के दौरान मिडिल ईस्ट से तेल की सप्लाई लगभग बंद रही। इस वजह से दुनिया के स्ट्रेटजिक और कॉमर्शियल ऑयल रिजर्व तेजी से घटे हैं। पिछले कुछ महीनों में 19 करोड़ बैरल तेल स्टॉक से निकल चुका है।

इंटरनेशनल एनर्जी एजेंसी के स्ट्रेटजिक रिजर्व 1990 के बाद सबसे निचले स्तर पर पहुंच गए हैं। वहीं अमेरिका का इमरजेंसी रिजर्व 43 साल के निचले स्तर पर है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने बुधवार को वर्साय में जी7

बैठक के दौरान कहा कि अगर जंग खत्म नहीं करते तो हमारे रिजर्व करीब चार हफ्तों में खत्म हो जाते। अमेरिका-ईरान समझौते की खबर से तेल बाजार ने राहत की सांस ली। युद्ध के दौरान 126 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंचा ब्रेंट क्रूड अब 80 डॉलर से नीचे आ गया है। लेकिन कीमतों में यह गिरावट पूरी कहानी नहीं बताती।

रिपोर्ट के मुताबिक होर्मुज स्ट्रेट खुलने के बाद भी तेल की सप्लाई तुरंत सामान्य नहीं होगी। पहले समुद्री रास्तों से बारूदी सुरंगें हटानी होंगी।

इसके बाद खाली टैंकरों की वापसी, तेल उत्पादन बढ़ाने और सप्लाई चेन को पटरी पर लाने में वक्त लगेगा। तेल उद्योग से जुड़े एक्सपर्ट्स का मानना है कि पूरी व्यवस्था को सामान्य होने में कई महीने लग सकते हैं। तब तक दुनिया को मौजूदा तेल भंडार के सहारे ही काम चलाना होगा।

आरबीसी कैपिटल मार्केट्स की हेलिमा क्रॉफ्ट ने कहा कि बाजार जरूरत से ज्यादा उत्साहित है। उनके मुताबिक, संकट खत्म मान लेना जल्दबाजी होगी, क्योंकि तेल की सप्लाई को सामान्य स्तर पर लाने में अभी बड़ी चुनौतियां बाकी हैं। इंफ्रास्ट्रक्चर केपिटल एडवाइजर्स के सीईओ जे हैटफील्ड का मानना है कि नकदी संकट से जूझ रहे ओपेक सदस्य देश उत्पादन बढ़ाने के लिए तैयार हैं। इससे बाजार में अतिरिक्त सप्लाई आएगी और कीमतों पर दबाव पड़ सकता है।

मैक्वेरी ग्रुप के ग्लोबल ऑयल एंड गैस स्ट्रैटेजिस्ट विकास द्विवेदी ने कहा कि जंग शुरू होने से पहले दुनिया के पास तेल का अच्छा-खासा स्टॉक था। इसी वजह से इतनी बड़ी सप्लाई रुकने के बावजूद बाजार पूरी तरह नहीं हिला। उन्होंने कहा कि अमेरिका में डीजल और पेट्रोल का भंडार जरूर कम हुआ है, लेकिन हालात अभी काबू में हैं।

सड़क हादसे में भाई–बहनों की मौत

लोहरदगा, 20 जून (एजेंसियां)। लोहरदगा में शुक्रवार देर रात हुए एक सड़क हादसे में स्कूटी सवार भाई और दो बहनों की मौत हो गई। मृतकों की पहचान लोहरदगा शहरी क्षेत्र के बरवाटोली निवासी मुकेश साहू के पुत्र रोहित कुमार साहू (28) तथा बेटियों सपना कुमारी (24) और सृष्टि कुमारी (14) के रूप में हुई है।

बताया जा रहा है कि रोहित, सपना और सृष्टि एक ही स्कूटी से लोहरदगा-सेन्हा रोड स्थित कृषि मार्केट के पास तेली धर्मशाला में आयोजित एक विवाह समारोह में शामिल होने जा रहे थे। इसी दौरान सेन्हा की ओर से लोहरदगा आ रहे एक बॉक्साइट ट्रक ने मिशन चौक के पास उनकी स्कूटी को टक्कर मार दी।

टक्कर के बाद ट्रक स्कूटी को कुछ दूर तक घसीटता ले गया, जिससे स्कूटी पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। हादसे के बाद चालक ट्रक छोड़कर मौके से फरार हो गया। स्थानीय लोगों ने तत्काल तीनों को ट्रक के नीचे से निकालकर इलाज के लिए सदर अस्पताल पहुंचाया।

लंदन के बेडफोर्ड में दो ट्रेनों की टक्कर, 1 की मौत, 89 घायल

लंदन, 20 जून (एजेंसियां)। ब्रिटेन की राजधानी लंदन से करीब 90 किलोमीटर दूर बेडफोर्ड इलाके में शुक्रवार शाम दो ट्रेनों की टक्कर हो गई। हादसे में एक ट्रेन ड्राइवर की मौत हो गई, जबकि 89 लोग घायल हुए हैं। इनमें 11 की हालत गंभीर है।

रेलवे ट्रैकिंग वेबसाइटों के अनुसार, दोनों ट्रेनें लंदन के सेंट पैनक्रास स्टेशन की ओर जा रही थीं। शाम करीब 5:15 बजे बेडफोर्ड के पास उनकी टक्कर हो गई। हादसे के बाद मौके पर एयर एम्बुलेंस समेत बड़ी संख्या में राहत-बचाव दल भेजे गए।

पुलिस ने बताया कि घटना को मेजर इंसिडेंट घोषित कर दिया गया है। ईस्ट ऑफ इंग्लैंड एम्बुलेंस सर्विस के मुताबिक, हादसे में 11 लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। 22 लोगों को गंभीर चोटें आई हैं, जबकि 56 लोगों को मामूली चोट लगी है। घटना के बाद रेलवे कंपनी ने शुक्रवार के बाकी दिन के लिए सेंट पैनक्रास आने-जाने वाली सभी ट्रेनें रद्द कर दीं। शनिवार की सेवाओं को लेकर अभी कोई जानकारी नहीं दी गई है।

ऑस्ट्रेलिया में पहली बार एच5 बर्ड फ्लू स्ट्रेन की पुष्टि हुई है। इसके साथ ही यह वायरस अब दुनिया के सभी महाद्वीपों में पहुंच चुका है। ऑस्ट्रेलिया की कृषि मंत्री जूली कॉलिन्स ने शनिवार को इसकी जानकारी दी।

जूली कॉलिन्स ने बताया कि पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया के एक दूरदराज इलाके में प्रवासी समुद्री पक्षी ब्राउन स्कुआ में एच5 बर्ड फ्लू पाया गया है।

इसकी पुष्टि देश की राष्ट्रीय विज्ञान एजेंसी ने की है। इसके अलावा एक बीमार जायंट पेट्रेल पक्षी के सैंपल में संक्रमण की आशंका जताई गई है। इससे पहले ऑस्ट्रेलिया ही दुनिया का एकमात्र महाद्वीप था, जहां एच5 बर्ड फ्लू स्ट्रेन नहीं मिला था।

यह वायरस मुर्गियों और जंगली पक्षियों में तेजी से फैलता है और बड़ी संख्या में उनकी मौत का कारण बन सकता है। मामले को देखते हुए पशु स्वास्थ्य और कृषि अधिकारियों की आपात बैठक बुलाई गई है। इसमें वायरस के फैलाव को रोकने और राष्ट्रीय स्तर पर जवाबी रणनीति पर चर्चा की गई।

ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज ने कहा कि यह चिंता की बात है। सरकार वायरस के फैलाव को रोकने के लिए जरूरी कदम उठाएगी। उन्होंने कहा, यह संक्रमण प्रवासी पक्षियों के जरिए यहां पहुंचा है।

दुनिया के कई देशों में ऐसा हो चुका है और इसी वजह से हम पहले से तैयारी कर रहे थे।

गुरुवार को ऑस्ट्रेलियाई वैज्ञानिकों ने बताया था कि एच5 बर्ड फ्लू के कारण उप-अंटार्कटिक क्षेत्र के एक ज्वालामुखीय द्वीप पर स्थित हाथी सील की एक प्रजनन कॉलोनी में 13 हजार से ज्यादा सील के बच्चों की मौत हो चुकी है। यह द्वीप ऑस्ट्रेलिया के बाहरी क्षेत्रों में शामिल है और वैज्ञानिक वहां संक्रमण के असर पर लगातार नजर बनाए हुए हैं।

पाकिस्तान में दो बम धमाके, 7 लोगों की मौत, 3 घायल

क्षेत्र में और बम होने की आशंका, सर्च ऑपरेशन जारी

इस्लामाबाद, 20 जून (एजेंसियां)। पाकिस्तान के उत्तर-पश्चिमी बन्नू जिले में शनिवार को सड़क किनारे हुए दो बम धमाकों में 7 लोगों की मौत हो गई, जबकि 3 अन्य घायल हो गए। अधिकारियों ने इसकी पुष्टि की है। पुलिस के मुताबिक, पहला धमाका वजीर उपखंड के फांग मूसा खेल इलाके में हुआ। इसमें एक यात्री गाड़ी को निशाना बनाया गया। गाड़ी डोमेल की ओर जा रही थी, तभी रिमोट कंट्रोल से धमाका किया गया। इसमें 5 लोगों की मौत हो गई और 3 अन्य घायल हो गए।

पहले धमाके के घायलों को इलाज के लिए अस्पताल ले जाया जा रहा था, तभी कुछ देर बाद दूसरा धमाका हुआ। यह विस्फोट पहले हमले की जगह से करीब एक किलोमीटर दूर हुआ। इसमें 2 और लोगों की मौत हो गई और एक गाड़ी भी क्षतिग्रस्त हो गई।

बन्नू के जिला पुलिस अधिकारी (DPO) यासिर अफरीदी ने बताया कि सुरक्षा बल मौके पर पहुंच गए हैं। घटनास्थल से सबूत जुटाए गए हैं और मामले की जांच शुरू कर दी गई है।

पुलिस ने बयान जारी कर इन हमलों को कायरतापूर्ण आतंकी कार्रवाई बताया। पुलिस के अनुसार, दोनों गाड़ियों को रिमोट कंट्रोल से किए गए धमाकों में निशाना बनाया गया।

राहत और बचाव टीमों ने मृतकों के शव और घायलों को डोमेल ग्रामीण स्वास्थ्य केंद्र और खलीफा गुल नवाज टीचिंग अस्पताल पहुंचाया। बाद में सुरक्षा बलों ने पूरे इलाके को घेर लिया और तलाशी अभियान शुरू किया। अधिकारियों को आशंका है कि क्षेत्र में और भी बम मौजूद हो सकते हैं।

पाकिस्तान के राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी ने हमले की कड़ी निंदा की और नागरिकों की मौत पर दुख जताया। उन्होंने मृतकों के परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की और घायलों के जल्द स्वस्थ होने की कामना की।

राष्ट्रपति भवन की ओर से जारी बयान में कहा गया कि राष्ट्रपति जरदारी ने आतंकियों और उन्हें सुरक्षित ठिकाने, आर्थिक मदद के साथ अन्य संसाधन उपलब्ध कराने वाले को चेतावनी दी है।

जरदारी ने कहा कि हमलावर पाकिस्तान की कूटनीतिक उपलब्धियों और शांति प्रयासों को कमजोर करना चाहते हैं।

उन्होंने दोहराया कि पाकिस्तान क्षेत्रीय और वैश्विक शांति के लिए प्रतिबद्ध है और आतंकवाद को हराया जाएगा।

सीजफायर के बावजूद इजराइल का लेबनान पर फिर हमला, 5 की मौत

ईरान से शांति समझौते पर बातचीत के लिए अमेरिकी दूत स्विट्जरलैंड रवाना

तेल अवीव/तेहरान/वॉशिंगटन, 20 जून (एजेंसियां)। इजराइल और हिजबुल्लाह के बीच शुक्रवार को सीजफायर पर सहमति बनी थी। इसके बावजूद शनिवार को इजराइल ने दक्षिणी लेबनान पर फिर हवाई हमले किए हैं। टाइम्स ऑफ इजराइल की रिपोर्ट के मुताबिक, इन हमलों में कम से कम 5 लोगों की मौत होने की खबर हैं।

इजराइल के विमान और ड्रोन ने सुबह तक नबातिएह इलाके में कई जगह हमले किए। इन हमलों में रिहायशी इमारतें और घर तबाह हो गए। साथ ही इजराइली सेना ने तोपों से भी गोलाबारी की।

दूसरी ओर, अमेरिका और ईरान के बीच शांति समझौते के बाद आगे की शर्तों पर बातचीत के लिए विशेष दूत स्टीव विटकॉफ शनिवार को स्विट्जरलैंड रवाना हो गए हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प के दामाद जेरेड कुशनर भी इस

बातचीत में शामिल हो सकते हैं। साथ ही एक्सियोस के मुताबिक, ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची भी इस बातचीत के लिए आज स्विट्जरलैंड पहुंच सकते हैं। **ईरान-अमेरिका वार्ता टली:** अमेरिका और ईरान के बीच शुक्रवार को स्विट्जरलैंड में होने वाली पहली औपचारिक वार्ता टाल दी गई है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, लेबनान में लगातार इजराइली हमलों को लेकर दोनों पक्षों में मतभेद बने हुए हैं। हालांकि, सीएनएन ने एक अमेरिकी अधिकारी के हवाले से बताया कि ट्रम्प के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ स्विट्जरलैंड के लिए रवाना हो गए हैं।

लेबनान में इजराइली हमलों में 47 लोगों की मौत: लेबनान के स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक, दक्षिणी लेबनान और बेका घाटी में शुक्रवार देर रात से हुए इजराइली हवाई हमलों में 47 लोग मारे गए और 97 घायल हुए। 2 मार्च से अब तक मरने वालों की संख्या 3,980 पहुंच गई है।

होर्मुज स्ट्रेट में जहाजों की आवाजाही बढ़ी: अमेरिका-ईरान समझौते के बाद 18 जून को 25 कारोबारी जहाज होर्मुज स्ट्रेट से गुजरे। यह अप्रैल के बाद एक दिन में सबसे ज्यादा संख्या है।

खड़े ट्रक से टकराई बाइक, 3 दोस्तों की मौत

सूरजपुर, 20 जून (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के सूरजपुर जिले में तेज रफ्तार बाइक सवार 4 दोस्त सड़क किनारे खड़े ट्रक से टकरा गए। हादसे में 3 युवकों की मौके पर मौत हो गई। जबकि एक गंभीर रूप से घायल है। गुस्साए ग्रामीणों ने ट्रक में आग लगा दी। डायल 112 के पुलिसकर्मियों से मारपीट भी की। चारों युवक एक ही बाइक पर सवार होकर शादी में शामिल होने जा रहे थे। तभी उनकी बाइक सड़क किनारे खड़े मक्का लोड ट्रक से जा टकराई। घटना प्रतापपुर थाना क्षेत्र के बैकोना गांव की है।

मृतकों की पहचान रूपचंद पैकरा (20), रविंद्र पैकरा (19) और ओम प्रकाश पैकरा (18) के रूप में हुई है। तीनों बैकोना गांव के रहने वाले थे। वहीं घायल अरमान पैकरा (16) की हालत नाजुक है। घटना शुक्रवार रात 11:30 से 12 के बीच की बताई जा रही है। जानकारी के मुताबिक, चारों दोस्त एक ही बाइक पर सवार होकर बैकोना से शादी समारोह में शामिल होने खजूरी गांव जा रहे थे। ग्राम पंचायत रामपुर के मुख्य मार्ग से गुजर रहे थे, तभी सड़क किनारे हादसे के बाद खड़े मक्का लोड ट्रक से उनकी बाइक पीछे से जा भिड़ी।

टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि, बाइक पूरी तरह डैमेज हो गई और 3 युवकों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। घायल अरमान पैकरा को अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए उसे अंबिकापुर मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया।

घटना से नाराज और गुस्साए लोगों की भीड़ मौके पर इकट्ठा हो गई। गुस्साए ग्रामीणों ने ट्रक को आग के हवाले कर दिया। आग इतनी तेजी से फैली कि ट्रक का अगला हिस्सा पूरी तरह जलकर खाक हो गया।

सड़क किनारे खड़े भारी वाहन की सुरक्षा व्यवस्था और पर्याप्त रिफ्लेक्टर्स या साइन बोर्ड नहीं होने की बात भी सामने आ रही है।

फ्रांस की राफेल को लेकर बड़ी तैयारी

एफ5 वैरिएंट पर यूएई के साथ प्लान, भारत के लिए क्यों अहम?

पेरिस, 20 जून (एजेंसियां)। फ्रांस ने अपने महत्वाकांक्षी राफेल 5 फाइटर प्रोग्राम को लेकर संयुक्त अरब अमीरात के साथ रणनीतिक बातचीत तेज कर दी है। यह ऐसे समय में हो रहा है जब फ्रांस-जर्मनी के फ्यूचर कॉम्बैट एयर सिस्टम (एफसीएएस) प्रोजेक्ट लगभग पूरी तरह से ठप हो गया है। इसके यूरोप की लंबे समय की लड़ाकू विमान की योजना पर असर पड़ा है। इस प्रोजेक्ट के रुकने ने यूरोप के डिफेंस ढांचे में दरार को सामने ला दिया है।

फ्रांस और यूएई के बीच डिफेंस-इंडस्ट्री अगर सफल होती है तो यह भविष्य में पश्चिमी देशों की टैक्टिकल एयरपावर के विकास को काफी हद तक बदल सकती है। पेरिस अब खाड़ी के अमीर देशों को ऐसे रणनीतिक साझेदारों के तौर पर देख रहा है, जो एडवांस्ड एयरोस्पेस प्रोग्राम को जारी रखने में सक्षम हैं।

फ्रांस की रक्षा मंत्री कैथरीन वॉटरीन ने इसी महीने बताया कि राफेल एफ5 प्रोग्राम को लेकर पेरिस, यूएई के साथ सहयोगी की संभावना तलाश रहा है। डिफेंस सिक्योरिटी एशिया की रिपोर्ट के अनुसार, यूएई के रक्षा मंत्री की हालिया पेरिस यात्रा के दौरैन बातचीत को फिर से शुरू किया गया है।

इसमें यूएई की संभावित फंडिंग, भविष्य में राफेल खरीदने की प्रतिबद्धता के साथ ही अमीराती रक्षा कंपनियों की ज्यादा औद्योगिक भागीदारी शामिल है।

एफएसीएस को लेकर लंबे समय से चले आ रहे विवादों के कारण अब यह मुश्किल लगने लगा है कि यूरोप तय समय सीमा के भीतर छठी पीढ़ी का फाइटर जेट प्रोग्राम तैयार कर पाएगा। यही वजह है कि फ्रांस अपने राफेल एफ5 प्रोग्राम को एक जरूरी रणनीतिक सुरक्षा उपाय के तौर पर देख रहा है।

एक नया स्टील्थ एयरक्राफ्ट बनाने के बजाय पेरिस अब राफेल एफ5 सुपर राफेल स्टैंडर्ड के डेवलपमेंट में तेजी ला रहा है। यह प्रोग्राम इस तरह डिजाइन किया गया है कि यह 2060 के दशक तक रूस और चीन की एडवांस्ड एयरपावर से जुड़े खतरों का मुकाबला किया जा सके। फ्रांस ने इसमें परमाणु हथियार से ले जाने में सक्षम हाइपरसोनिक मिसाइल क्षमता से लैस करने पर काम शुरू कर दिया है।

फ्रांस का राफेल एफ5 प्रोग्राम भारत के लिए बेहद अहम है, क्योंकि भारतीय वायुसेना के पास राफेल फाइटर जेट का बेड़ा पहले से मौजूद है। इसके अलावा भारत, फ्रांस से 114 और राफेल लड़ाकू विमानों की खरीद कर रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक, इन सभी राफेल में अगली पीढ़ी की तकनीक लगाई जाएगी, जो भारतीय राफेल बेडे को भविष्य में एफ5 तकनीक से अपग्रेड करेगी।

भारत ने पानी पर नहीं बदला रुख तो हम युद्ध करेंगे

पाकिस्तानी रक्षामंत्री की गीदड़भभकी, पीओके पर भी बोले

इस्लामाबाद, 20 जून (एजेंसियां)। पाकिस्तान के रक्षामंत्री ख्वाजा आसिफ भारत के चिनाब प्रोजेक्ट और सिंधु जलसंधि को सस्पेंड करने पर बौखला गए हैं। पाकिस्तानी रक्षा मंत्री ने एक इंटरव्यू में पहले कहा कि हमें युद्ध शुरू करने की जरूरत नहीं है लेकिन अगर हमें लगा कि भारत पानी को रोक रहा है और कुछ प्रोजेक्ट बना रहा है तो हम निश्चित रूप से जंग करेंगे। उन्होंने कहा कि भारत ने ऑपरेशन सिंदूर के बाद पाकिस्तान को पानी बंद करने की धमकी दी है। ख्वाजा आसिफ ने कहा कि जब हमें लगेगा कि पाकिस्तान की पानी सुरक्षा खतरे में है तो हम निश्चित रूप से जंग के लिए जाएंगे।

ख्वाजा आसिफ ने पाकिस्तानी टीवी चैनल एआरवाई को दिए इंटरव्यू में कहा कि पानी जिंदगी है और इंसान पानी से पैदा हुआ है।

पूरा ब्रह्मांड पानी से पैदा हुआ है। पानी ही जीवन है। उन्होंने कहा कि अभी तक भारत ने किशनगंगा समेत जो भी प्रोजेक्ट बनाए हैं, उसकी पाकिस्तान ने खुद वहां जाकर निगरानी की है लेकिन अब पिछले एक साल में वहां क्या हो रहा है, इसकी जानकारी नहीं है। यह सिंधु जलसंधि के तहत हुआ था। वहीं पाकिस्तानी रक्षा मंत्री ने एक अन्य इंटरव्यू में पाकिस्तान अधकृित कश्मीर में चल रहे प्रदर्शन के पीछे भी इंडिया कनेक्शन बता दिया।

ख्वाजा आसिफ ने आरोप लगाया कि पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में जो प्रदर्शन हो रहे हैं, वे भारत के रुख मजबूत कर रहे हैं। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि पीओके के प्रदर्शनकारी, मीडिया और विदेश में बैठे समर्थक भारतीय प्रॉक्सी नेटवर्क का हिस्सा हैं। इस बीच पाकिस्तान के उपप्रधानमंत्री इशाक डार ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद को पत्र लिखकर भारत की ओर से सिंधु जल संधि के कथित उल्लंघन का संज्ञान लेने का आग्रह किया है। विश्व बैंक की मध्यस्थता में 1960 में हुई यह संधि अप्रैल 2025 में जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के बाद निलंबित कर दी गई थी, जिसमें 26 लोग मारे गए थे। यह संधि 1960 से ही भारत और पाकिस्तान के बीच सिंधु और उसकी सहायक नदियों के पानी के बंटवारे एवं इस्तेमाल को नियंत्रित करती आ रही है। संयुक्त राष्ट्र में पाकिस्तान के स्थायी प्रतिनिधि आसिम इफ्तिकार अहमद ने बताया कि उन्होंने इस्लामाबाद की चिंताओं को रेखांकित करने के लिए यूएनएससी की अध्यक्ष लियोनोर जलाबाटा टोरेस को डार का लिखा पत्र सौंपा।

मोटा कहने पर विवाद, 10वीं के छात्र की हत्या

रायपुर, 20 जून (एजेंसियां)। रायपुर से लगे तिल्दा में 10वीं के स्टूडेंट ने अपने ही क्लासमेट का मर्डर कर दिया। आरोपी छात्र ने अमन यदु (16) को बोर्ड एग्जाम के दौरान मोटा कहा था, तब से अमन उससे मनमुटाव रखता था। इसी बात को लेकर शुक्रवार को दोनों के बीच मारपीट हो गई।

गुस्से में आकर अमन यदु (16) ने चाकू निकाला, लेकिन आरोपी छात्र ने चाकू छीनकर उसे ही मार डाला। उसने अमन के सीने और गर्दन पर चाकू घोंप दिया, जिससे उसकी मौत हो गई। मामला तिल्दा थाना क्षेत्र के सासाहोली गांव का है। मारपीट में आरोपी छात्र भी घायल हुआ है। वह अस्पताल में भर्ती है। जहां उसकी हालत बेहद नाजुक बनी हुई है।

जानकारी के अनुसार, अमन यदु (16) वार्ड नंबर 1 सासाहोली का रहने वाला था। वहीं आरोपी छात्र (15) भी वार्ड नंबर 1 सासाहोली का निवासी है। उनके घरों के बीच महज करीब 400 मीटर की दूरी थी, इसलिए दोनों एक-दूसरे को अच्छी तरह जानते थे और पहले दोस्त भी थे।

दोनों ने सासाहोली के सरस्वती शिशु मंदिर स्कूल में पढ़ाई करते थे और 10वीं कक्षा भी एक साथ पास की थी। कुछ समय पहले 10वीं बोर्ड परीक्षा के दौरान आरोपी छात्र ने अमन को ₹मोटा₹ कहकर चिढ़ाया था। अमन को यह बात बुरी लग गई थी और इसी बात को लेकर दोनों के बीच नाराजगी बनी हुई थी। इस बात को लेकर दोनों में मनमुटाव बढ़ता गया और बाद में विवाद की वजह बन गया। अमन ने आरोपी को सबक सिखाने का मन बनाया। शुक्रवार (19 जून) को स्कूल की छुट्टी के बाद जब अमन और आरोपी छात्र घर लौट रहे थे।

पाकिस्तान, सऊदी, तुर्की और मिस्र की 'इस्लामिक नाटो' बनाने की तैयारी तेज

आर–4 की बैठक, दिल्ली रखेगी नजर

कायरो, 20 जून (एजेंसियां)। ईरान युद्ध के बीच मुस्लिम देशों का 'इस्लामिक नाटो' बनाने की तैयारियां तेज हो गई हैं। पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने शुक्रवार को बताया है कि देश के उप-प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री इशाक डार रविवार को मिस्र जाएंगे। वहां वे मिस्र, सऊदी अरब और तुर्की के अपने समकक्षों के साथ बातचीत करेंगे। ये चारों देश मध्य पूर्व में जारी तनाव के बीच क्षेत्रीय सुरक्षा और कूटनीतिक घटनाक्रमों पर चर्चा करने की तैयारी कर रहे हैं। माना जा रहा है कि ये चारों देश नाटो की तर्ज पर एक इस्लामिक संगठन बनाने की कोशिश कर रहे हैं जिसका मकसद एक देश पर हमला सभी देशों पर हमला माना जाएगा।

काहिरा में होने वाली यह आर-4 बैठक इन देशों की चौथी बैठक

होगी। आपको बता दें कि आर-4 एक कूटनीतिक ढांचा है जिसे इस साल मार्च में मिस्र, सऊदी अरब, तुर्की और पाकिस्तान ने शुरू किया था। अमेरिका-ईरान संघर्ष और मध्य पूर्व में व्यापक अस्थिरता के दौरान इन चारों देशों ने आपस में बातचीत तेज कर दी थी। पाकिस्तान और सऊदी अरब पिछले साल ही एक सैन्य गठबंधन बना चुके हैं जिसके तहत एक दूसरे पर हमले की स्थिति में मदद करना है। ये चारों देश आपसी तालमेल बिठाने और तनाव कम करने के प्रयासों को आगे बढ़ाने के लिए एक मंच तैयार करने की कोशिश कर रहे हैं और उसके बाद से आर-4 की नियमित बैठकें हो रही हैं जिनमें पूरे क्षेत्र में सुरक्षा, राजनीतिक और आर्थिक घटनाक्रमों पर चर्चा की जाती है। पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा 'मिस्र के विदेश मंत्री डॉ. बद्र अब्देलत्ती के निमंत्रण पर उप-प्रधानमंत्री/विदेश मंत्री सीनेटर मोहम्मद इशाक डार 21 जून 2026 को मिस्र के काहिरा में होने वाली आर-4 देशों के विदेश मंत्रियों की चौथी बैठक में शामिल होंगे।' बयान में आगे कहा गया 'इस बैठक में मिस्र, सऊदी अरब किंगडम, तुर्की और पाकिस्तान के विदेश मंत्री एक साथ आएंगे और क्षेत्रीय घटनाक्रमों पर चर्चा करेंगे और शांति, सुरक्षा और स्थिरता से जुड़े मुद्दों पर विचारों का आदान-प्रदान करेंगे।

बयान के अनुसार मंत्री आपसी हित के क्षेत्रों में सहयोग को मजबूत करने के तरीकों पर भी चर्चा करेंगे। अपनी यात्रा के दौरान इशाक डार मिस्र के विदेश मंत्री बद्र अब्देलत्ती के साथ द्विपक्षीय बातचीत भी करेंगे और मिस्र के राष्ट्रपति अब्देल फतह अल-सीसी से भी मुलाकात कर सकते हैं।

कट्टरपंथियों ने श्रीराम प्रतिमा का प्रोजेक्ट रुकवाया

ढाका, 20 जून (एजेंसियां)। बांग्लादेश की राजधानी ढाका में शुक्रवार रात को हजारों हिंदुओं ने सड़कों पर उतरकर विरोध प्रदर्शन किया। भगवान राम की प्रतिमा निर्माण का प्रोजेक्ट को रोकने से गुस्साए हिंदू समाज के लोगों ने हाथों में मशाल लेकर मार्च निकाला।

प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि उत्तरी बांग्लादेश के गैबांधा जिले के पलाशबाड़ी इलाके में एक मंदिर परियोजना के दौरान भगवान राम की तस्वीर को कट्टरपंथियों ने अपवित्र किया और निर्माण कार्य को जबरन रोक दिया।

यह मार्च शाहबाग से शुरू होकर नेशनल प्रेस क्लब तक पहुंचा। पूरे रास्ते जय श्री राम के नारे गूंजते रहे। इसमें अलग-अलग हिंदू संगठनों के सदस्य और छात्र शामिल थे।

प्रदर्शनकारियों ने दोषियों की गिरफ्तारी और तुरंत कार्रवाई की मांग की। उनका कहना है कि घटना को लेकर मामला दर्ज होने के बावजूद अब तक किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई है। रंगपुर में एक छोटे प्रदर्शन के दौरान पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच हल्की झड़प की भी जानकारी सामने आई है।

गैबांधा जिले के पलाशबाड़ी में एक प्रस्तावित मंदिर परिसर में भगवान राम की 81 फुट ऊंची प्रतिमा का निर्माण चल रहा था। इसके साथ 53 फुट की भगवान कृष्ण और 30 फुट की भगवान शिव की प्रतिमा भी बनाई जा रही थी। इस पूरे प्रोजेक्ट की अनुमानित लागत करीब 22 करोड़ बांग्लादेशी टका यानी 16.9 करोड़ रुपए बताई गई है।

सिंह द्वार या अश्व द्वार ?

रथयात्रा के दिन किस दरवाजे से बाहर आते हैं भगवान जगन्नाथ

भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा सबसे भव्य और लोकप्रिय धार्मिक आयोजनों में से एक मानी जाती है। लेकिन बहुत कम लोग जानते हैं कि रथयात्रा के दिन भगवान जगन्नाथ मंदिर के किस द्वार से बाहर आते हैं। क्या वे सिंह द्वार से निकलते हैं या अश्व द्वार से?

ओडिशा के पुरी में स्थित जगन्नाथ मंदिर को धरती का वैकुंठ माना गया है। यहां हर साल आयोजित होने वाली भगवान जगन्नाथ रथ यात्रा एक ऐसा विश्व प्रसिद्ध महामहोत्सव है, जिसका इंतजार देश-दुनिया के करोड़ों भक्तों को रहता है। पंचांग के अनुसार, यह भव्य यात्रा हर साल आषाढ़ मास के शुक्ल पक्ष की द्वितीया तिथि को शुरू होती है। द्रिक पंचांग के अनुसार, साल 2026 में, भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा 16 जुलाई, गुरुवार से शुरू होने जा रही है, जिसका समापन 24 जुलाई 2026 को होगा।

इस उत्सव में भगवान जगन्नाथ, अपने बड़े भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा के साथ विशाल और भव्य रथों पर सवार होकर अपनी मौसी के घर यानी गुंडीचा मंदिर जाते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि पुरी के इस रहस्यमयी मंदिर में चार मुख्य प्रवेश द्वार हैं। और जब भगवान रथयात्रा के लिए बाहर निकलते हैं, तो वे किस द्वार बाहर आते हैं, आइए जानते हैं।

रथयात्रा में किस द्वार से बाहर आते हैं भगवान?

पुरी के जगन्नाथ मंदिर में चार प्रमुख प्रवेश द्वार हैं, जिन्हें सिंह द्वार, अश्वद्वार, व्याघ्र द्वार और हस्ति द्वार के नाम से जाना जाता है। इनमें से सिंह द्वार मंदिर का मुख्य प्रवेश द्वार माना जाता है और यह पूर्व दिशा की ओर स्थित है।

रथयात्रा के दिन भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और देवी सुभद्रा मंदिर से बाहर निकलकर अपने रथों तक पहुंचते हैं। धार्मिक परंपरा के अनुसार, यह भव्य पाहंडी यात्रा सिंह द्वार से ही संपन्न होती है। यानी भगवान जगन्नाथ और उनके भाई-बहन रथयात्रा के दौरान मुख्य रूप से सिंहद्वार से बाहर आते हैं और यहीं से उनकी यात्रा गुंडीचा मंदिर की ओर शुरू होती है।

क्या है सिंह द्वार का महत्व?

सिंह द्वार को श्री मंदिर का सबसे प्रमुख और पवित्र द्वार माना जाता है। इस द्वार के सामने प्रसिद्ध अरुण स्तंभ स्थित है, जो श्रद्धालुओं के लिए विशेष आस्था का केंद्र है। सिंह द्वार पर सिंह की आकृतियां बनी हुई हैं, जो शक्ति, साहस और धर्म की रक्षा का प्रतीक मानी जाती हैं। मान्यता है कि मंदिर में प्रवेश करने वाले अधिकांश श्रद्धालु इसी द्वार से दर्शन के लिए प्रवेश करते हैं। रथयात्रा के दौरान भी यही द्वार सबसे महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

श्रीमंदिर के चारों द्वार और उनका महत्व

पुरी के श्रीमंदिर में चार दिशाओं में चार भव्य द्वार बनाए गए हैं, जिनका अपना धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व है।

सिंह द्वार

यह मंदिर का मुख्य द्वार है। इसे धर्म और शक्ति का प्रतीक माना जाता है। रथयात्रा के दौरान भगवान इसी द्वार से बाहर आते हैं।

अश्व द्वार

अश्वद्वार पर घोड़ों की आकृतियां बनी हैं। यह वीरता, गति और कर्म का प्रतीक माना जाता है। इस द्वार का भी धार्मिक महत्व है, लेकिन रथयात्रा की मुख्य प्रक्रिया इससे नहीं होती।

व्याघ्र द्वार

व्याघ्र द्वार को पराक्रम और आध्यात्मिक शक्ति का प्रतीक माना जाता है। इस द्वार का संबंध साहस और आत्मबल से जोड़ा जाता है।

हस्ति द्वार

हाथियों की आकृतियों से वाला यह द्वार समृद्धि, स्थिरता और वैभव का प्रतीक माना जाता है।

क्यों खास है भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा?

रथयात्रा केवल एक धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि भक्ति, संस्कृति और परंपरा का अनूठा संगम है। इस दिन भगवान जगन्नाथ स्वयं अपने भक्तों के बीच आते हैं और उन्हें दर्शन देते हैं। यही कारण है कि इस उत्सव को देखने के लिए लाखों श्रद्धालु पुरी पहुंचते हैं।

मान्यता है कि रथयात्रा के दौरान भगवान के रथ का दर्शन करने और उसकी रस्सी खींचने से विशेष पुण्य की प्राप्ति होती है। यही वजह है कि इस महापर्व का इंतजार पूरे वर्ष श्रद्धा और उत्साह के साथ किया जाता है।

ये दुर्लभ पत्थर दिलाएगा व्यापार और नौकरी में तरक्की

गोमती चक्र को ज्योतिष में बेहद शुभ बताया है। कई लोग इसे तिजोरी, पूजा घर और व्यापारिक स्थानों पर रखते हैं। कहते हैं कि सही तरीके से इस्तेमाल करने पर यह धन लाभ, नौकरी और व्यापार में तरक्की के साथ नकारात्मक ऊर्जा से भी बचाता है।

हिंदू धर्म और ज्योतिष शास्त्र में कुछ चीजों को सकारात्मक ऊर्जा और सुख समृद्धि का प्रतीक माना जाता है। इन्हीं में से एक है गोमती चक्र। यह छोटा सा पत्थर सदियों से धन, सुरक्षा और सफलता प्राप्ति में लाभदायक बताया जाता रहा है। मान्यता है कि इसके कुछ आसान उपाय आर्थिक परेशानी, करियर और व्यापार में आने वाली रुकावटों को दूर करने में मदद कर सकते हैं।

क्या है गोमती चक्र

यह प्राकृतिक पत्थर मुख्य रूप से द्वारका के पास बहने वाली गोमती नदी में मिलता है। इसकी एक सतह पर चक्र जैसा निशान बना होता है, इसलिए इसे गोमती चक्र कहा जाता है। ज्योतिष में इसे मां लक्ष्मी का प्रतीक माना जाता है। कहते हैं कि गोमती चक्र रखने से उस स्थान पर सकारात्मक ऊर्जा बनी रहती है।

धन लाभ के उपाय

अगर घर में पैसा टिकता नहीं है या बार-बार आर्थिक परेशानी का सामना करना पड़ रहा हो, तो गोमती चक्र का उपाय लाभकारी माना जाता है। ज्योतिषाचार्यों के अनुसार, शुक्रवार के दिन 11 गोमती चक्र लाल या पीले कपड़े में बांधकर तिजोरी या धन रखने के स्थान पर रख दें। इससे बचत बढ़ने लगती है। इस उपाय को दीपावली और

अक्षय तृतीया जैसे शुभ अवसरों पर करने का विशेष महत्व बताया गया है।

करियर में सफलता

कड़ी मेहनत के बावजूद अगर नौकरी या व्यापार में सफलता नहीं मिल रही हो, तो गोमती चक्र से जुड़ा यह उपाय करें। मान्यता है कि 3 या 5 गोमती चक्र पीले कपड़े में बांधकर दुकान या ऑफिस के मुख्य द्वार पर लगाएं। इससे पॉजिटिव एनर्जी बढ़ेगी और नई संभावनाएं मिलेंगी। इंटरव्यू, सौदे या जरूरी काम पर जाते समय एक गोमती चक्र अपने पास रखना भी शुभ माना जाता है।

नजर दोष से बचाव

ज्योतिष में गोमती चक्र को नजर दोष और नकारात्मक ऊर्जा से बचाने वाला भी माना गया है। मान्यता है कि किसी व्यक्ति को नजर लगी हो तो उसके ऊपर से 5 गोमती चक्र सात बार उतारकर सुनसान जगह पर फेंक देने से बुरी नजर का असर खत्म हो जाता है।

घर में सुख शांति

परिवार में बार-बार तनाव या विवाद की स्थिति बन रही हो, तो पूजा घर में भगवान विष्णु और मां लक्ष्मी के पास गोमती चक्र रखना शुभ माना जाता है। यह घर की कलह दूर करने में कारगर माना जाता है। इससे परिवार में सुख शांति बनी रहती है।

कामाख्या मंदिर के 4 बड़े रहस्य!

असम में नीलांचल की पहाड़ियों पर देवी कामाख्या का वास है. गुवाहाटी का कामाख्या मंदिर अपने रहस्यों के लिए जाना जाता है. आमलोगों में कामाख्या मंदिर तंत्र-मंत्र की साधना के लिए प्रसिद्ध है. देश और दुनियाभर के साधक कामाख्या मंदिर में तंत्र साधना के लिए आते हैं. लेकिन यहां पर लगने वाला अंबुबाची मेला विशेष है. यह साल में केवल एक बार लगता है, वह भी तब, जब मंदिर के कपाट 3 दिनों के लिए बंद होते हैं, उस समय देवी कामाख्या रजस्वला रहती हैं. यह मंदिर काफी रहस्यमयी है, इसके गर्भ गृह में देवी की कोई मूर्ति नहीं है. भक्तों को प्रसाद में खून से लाल हुआ वस्त्र अंबुबाची मिलता है. जो इसे पाता है, वह स्वयं को धन्य समझता है. इस साल यह अंबुबाची मेला 22 जून से

शुरू होगा और 25 जून तक चलेगा।

कौन हैं देवी कामाख्या?

पौराणिक कथाओं के अनुसार, भगवान शिव जब शोक में देवी सती के पार्थिक शरीर को लेकर घूम रहे थे, तब भगवान विष्णु ने चक्र से उनके शरीर को 52 टुकड़ों में काट दिया, जो धरती पर 52 अलग-अलग जगहों पर गिरे थे. देवी सती की योनि इसी स्थान पर गिरा, जिससे यह स्थान शक्तिपीठ बन गया. तब से यहां पर देवी कामाख्या की पूजा होने लगी. इस तरह से देवी कमाख्या का उत्पत्ति हुई. देवी कमाख्या को सृजन और इच्छा की देवी कहा जाता है.

कामाख्या मंदिर के 4 बड़े रहस्य!

गर्भ गृह में नहीं है कोई मूर्ति

आपको जानकर हैरानी होगी कि कामाख्या मंदिर के गर्भ में देवी की कोई मूर्ति नहीं है. वहां पर एक चट्टान है, जिसमें दरार से जलधारा बहती रहती है. इसे योनिकुंड कहा जाता है. गर्भ गृह बहुत ही छोटा और गहरा है. सीढ़ियों से नीचे उतरकर अंधेरी गुफा में जाना होता है. भक्त उस प्राकृतिक चट्टान और बहते जल को स्पर्श करके देवी कामाख्या का आशीर्वाद प्राप्त करते हैं।

साल में 3 दिन देवी रहती हैं रजस्वला

कामाख्या मंदिर की सबसे हैरान करने वाली बात यह है कि देवी कामाख्या साल में 3 दिन रजस्वला होती हैं यानि मासिक धर्म से गुजरती हैं. यह हर साल जून में होता है. इस वजह 3 दिनों तक मंदिर के कपाट बंद रहते हैं. संभवतः यह एक मात्र ऐसा देवी मंदिर है, जहां पर यह घटना होती है. मान्यता के अनुसार, इस समय धरती सबसे अधिक उपजाऊ होती है।

ब्रह्मपुत्र नदी का पानी होता जाता है लाल

लोगों की मान्यताएं हैं कि जब देवी कामाख्या रजस्वला रहती हैं तो उन 3 दिनों में मंदिर के पास से बहने वाली ब्रह्मपुत्र नदी का पानी लाल रंग का हो जाता है. इस चमत्कार से भक्त आश्चर्यचकित होते हैं. इन तीन दिनों में अंबुबाची मेला लगता है. 3 दिनों के बाद फिर से पूजा पाठ होता है और मंदिर के कपाट खोल दिए जाते हैं।

खून से लाल हो जाता है सफेद कपड़ा, प्रसाद में मिलता है अंबुबाची वस्त्र

देवी जब रजस्वला होती हैं तो गर्भ गृह के योनिकुंड के पास सफेद रंग के सूती कपड़े बिछा देते हैं. 3 दिन बाद जब मंदिर के कपाट खोले जाते हैं तो वह कपड़े देवी के खून से लाल हो जाते हैं. उसे अंबुबाची वस्त्र या अंगोदक वस्त्र कहते हैं. उसे प्रसाद स्वरूप भक्तों को दिया जाता है। **-स्वप्नाली फुके**

नकारात्मक विचार व्यक्ति के आत्मविश्वास और उत्साह को प्रभावित करते हैं,

छोटी-छोटी आदतें धीरे-धीरे हमारे जीवन का स्थायी हिस्सा बन जाती हैं, जैसे- देर से उठना, समय का पालन न करना, भोजन व्यर्थ छोड़ना, अनावश्यक बातें करना, दूसरों की कम सुनना, अधिक शंका करना या हर परिस्थिति में नकारात्मक सोच रखना जैसी आदतें देखने में साधारण लगती हैं, लेकिन ये मन को कमजोर बनाती हैं। लगातार नकारात्मक विचार व्यक्ति के आत्मविश्वास और उत्साह को प्रभावित करते हैं। इसलिए आवश्यक है कि हम अपनी छोटी-छोटी आदतों पर ध्यान दें और सकारात्मक सोच, अनुशासन के साथ अच्छे व्यवहार को अपनाएं। **-स्वामी अवधेशानंद जी गिरि**

शनिदेव की कथाः श्राप से बने लगड़े तो वरदान ने बनाया 'योगीन्द्र'

धर्म ग्रंथों में देवी-देवताओं के क्रोध और उनके द्वारा दिए गए श्रापों के बारे में कई कथाएं है, जो हमें ये सिखाती है कि देवी-देवताओं का क्रोध अंत में किसी न किसी बड़े कल्याण का मार्ग खोलता है। ऐसे ही एक भगवान शनि देव से संबंधित कथा है। श्रीगणेश पुराण में वर्णित माता पार्वती और शनिदेव का प्रसंग भी कुछ ऐसा ही है। ये वह कथा है जब एक अनजानी भूल के कारण मां पार्वती से शनिदेव को श्राप दे दिया था। लेकिन जब वह शांत हुई, तो उन्होंने शनिदेव को योगीन्द्र और ग्रहों का राजा बना दिया था। आइए जानते हैं 'धर्म गाथा' की श्रृंखला में इस दिव्य कथा के बारे में जब माता पार्वती के कोप से शनिदेव का अंग-भंग हो गए थे और फिर उन्हें मिला योगियों में श्रेष्ठ होने का वरदान....

श्रीगणेश पुराण के सप्तम अध्याय में मां पार्वती अपने पुत्र गणेश के प्राकट्य के उपलक्ष्य में एक भव्य उत्सव का आयोजन करती हैं और इस बालक को देखने के लिए देवी-देवता आते हैं। ऐसे में शनिदेव की आते हैं। लेकिन उनकी पत्नी के द्वारा मिले श्राप के कारण वह सिर झुकाएं हुए खड़े थे। लेकिन मां पार्वती के कहने पर उन्होंने जैसे ही गणेश जी को देखा, तो उनका सिर छिन्न हो जाता है। ऐसे में मां पार्वती के व्याकुल होने पर श्री हरि विष्णु, शिव जी सहित अन्य देवी-देवता प्रयत्न करके गणेश जी से सिर में गजानन का सिर लगा देते हैं। लेकिन फिर भी मां पार्वती का गुस्सा शांत नहीं होता है।

शनिदेव को पार्वती का श्राप

शनि देव अब भी अपना सिर नीचा किए हुए खड़े। वे संकोच के कारण न तो जा सके और न उत्सव में ही भाग ले सके। तभी पार्वतीजी की दृष्टि शनिदेव पर पड़ी तो उन्हें क्रोध हो आया और उन्होंने शनिदेव को श्राप देते हुए कहा कि 'तू सभा के मध्य ही अंगहीन हो जा।

सूर्यदेव, कश्यप तथा यमराज का पार्वती पर क्रोधित होना

मां पार्वती का इस तरह से सूर्यपुत्र को श्राप देने से सूर्य देव भी क्रोधित हो जाते हैं और वह कहते हैं कि सभी उपस्थित सज्जन देख लें कि गिरिजा ने मेरे पुत्र को व्यर्थ ही श्राप दिया है। उस बेचारे का थोड़ा सा दोष नहीं था। वह मात्र गणेश जी के दर्शन करने आया था और मां पार्वती की आज्ञा के बाद देखाथा। फिर अब, जबकि बालक पुनर्जीवित हो गया और उसी उपलक्ष्य में उत्सव भी मनाया जा रहा है, तो इस अवस्था में उसे श्राप देने का प्रयोजन ही क्या था?'

सूर्यदेव की बात को सुनकर कश्यप और यमराज भी क्रुद्ध हो जाते हैं और कहते हैं कि वास्तव में शनिदेव का कोई अपराध नहीं था। फिर शनैश्चर तो लज्जा से सिर झुकाए खड़ा था। इसलिए उसे अभिशप्त करने की अपेक्षा उसपर दया करनी चाहिए थी। इसके साथ ही अन्य देव भी क्रोधित हो जाते हैं और सभी मां पार्वती और विष्णु जी को उनके कर्मों को याद दिखाते समय श्राप देने वाले थे। कभी ब्रह्मा जी ने सभी को शांत रहने के लिए कहा।

माता पार्वती की शरण में शनिदेव

ब्रह्माजी के समझाने पर महर्षि कश्यप और सूर्यदेव ने पुनः तर्क रखा कि शनिदेव तो पहले से ही पत्नी के शाप से दृष्टि-दोषी थे और मां पार्वती की आज्ञा के बाद ही उन्होंने बालक को देखा था। अतः जब तक उनके पुत्र के अंग-भंग (लंगड़ापन) के श्राप को रोका नहीं जाता, तब तक शांति संभव नहीं है।

तब ब्रह्माजी ने शनिदेव से कहा, "ग्रहेश्वर! तुम तुरंत ही देवी पार्वती की शरण में चलो। तुम्हारे श्राप का निवारण उन्हीं की कृपा से संभव है। इसके बाद सभी माता के पा पहुंचे और उनसे कहा कि इस निर्दोष के श्राप का प्रतिकार होना आवश्यक है।

माता पार्वती ने कुछ देर विचार किया और स्पष्ट किया, "पितामह! मेरा श्राप अमोघ है, उसका व्यर्थ होना किसी भी प्रकार संभव नहीं है।" लेकिन ब्रह्मा जी द्वारा सृष्टि की रक्षा और देवताओं के कोप को शांत करने के बार-बार आग्रह पर माता का हृदय करुणा से भर आया।

श्राप बना महावरदानः 'योगीन्द्र' स्वरूप की प्राप्ति

माता पार्वती ने मुस्कुराते हुए ब्रह्मा जी से कहा कि यदि वे श्राप दे सकती हैं, तो शनिदेव को वरदान भी दे सकती है। इसे और इनके पक्ष के सभी देवताओं को मैं वरदान से संतुष्ट कर दूंगी। ब्रह्मन्! आप उन सभी को यहां बुला लीजिए।

सूर्य आदि सभी वहां बुला लिए गए। उन्होंने आकर जगत जननी के चरणों में प्रणाम किया और जय-जयकार करते हुए बोल परमेश्वरी! कृपा करो। इस निर्दोष शनैश्चर को अपनी अनुग्राहात्मक दृष्टि से निहारिए।'

इस प्रकार से सूर्य, कश्यप आदि द्वारा की स्तुति से मां पार्वती संतुष्ट हो गईं और शनि के प्रति कहने लगीं...

"ग्रहराजो भव शने मद्वरेण हरिप्रियः। चिरजीवी च योगीन्द्रो हरिभक्तस्य का विपत॥"

'हे शने! तुम भगवान श्रीहरि के प्रिय हो। मेरे वरदान से ग्रहों के राजा होगे। योगियों में परम योगी रूप योगीन्द्र और चिरंजीवी बनोगे। अरे, हरि-भक्त का विपत्ति क्या कर सकती है? मेरा यह भी वर है कि भगवान श्रीहरि के तुम परम भक्त हो जाओ। तुम्हारे हृदय में उनकी दृढ़ भक्ति रहेगी। परन्तु वत्स! मेरा शाप अमोघ होने के कारण नष्ट तो नहीं हो सकता, किंतु उसका किञ्चित प्रभाव पांव पर ही पड़कर रह जायेगा। तुम कुछ लंगड़े हो जाओगे।

माता पार्वती के इन करुणामयी वचनों को सुनकर शनिदेव को परम संतोष हुआ। उनके पैर में थोड़ा लंगड़ापन तो अवश्य रहा, लेकिन बदले में उन्हें ग्रहों के राजा, चिरंजीवी और महायोगी होने का गौरव प्राप्त हुआ। सूर्यदेव, कश्यप और यमराज सहित सभी देवता भी इस न्याय और अनुग्रह से अत्यंत संतुष्ट हुए और माता जगदम्बा की स्तुति करने लगे। अंत में, प्रसन्न मन से शनिदेव माता को प्रणाम कर अपने पिता सूर्या सहित अन्य देवताओं के साथ अपने लोक को प्रस्थान कर गए।

नींद के नियम तोड़ेंगे तो रोग देह में प्रवेश के लिए तैयार हैं

इन दिनों ज्यादातर लोग जिस बात को लेकर बेफिक्र हैं, वो है नींद का मामला। कुछ लोग बहुत कम सोते हैं और कुछ बेवक्त सोते हैं। पिछले दिनों एक बड़े राजनेता मुझे मिले और उनका कहना था कि सालों से मैं चार-पांच घंटे सो रहा हूं। थोड़ी देर बाद उन्होंने यह भी कहा कि इन दिनों मेरी स्मृति थोड़ी कमजोर हो रही है।

एक अजीब-सी थकान लग रही है, जबकि मुझे राजनीति में अभी आगे जाना है। यहीं से यह बात हम सबके लिए सीखने वाली है कि नींद के साथ किया जा रहा खिलवाड़ घातक साबित होगा। अगर आप छह घंटे से कम सो रहे हैं और बेवक्त नींद निकाल रहे हैं तो इनसोम्निया, स्लीप एप्निया जैसे विकार उतरेंगे और अल्जाइमर आपके जीवन में आ जाएगा।

तो पहली बात तो कितने ही व्यस्त हों, सात घंटे तो सोएं। और एक नियम तय करें कि सूर्योदय के एक घंटे बाद तक बिस्तर पर न रहें और सूर्यास्त के छह घंटे बाद अवश्य सो जाएं। प्रकृति ने मनुष्य का शरीर कुछ नियमों के साथ बनाया है और जब नींद के नियम तोड़े जाएंगे तो घातक बीमारियां रास्ता ही देख रही हैं देह में प्रवेश करने के लिए।

भारतीय शतरंज के गौरव आर प्रज्ञानंद

अतुल कुमार

शतरंज के चेस मास्टर आर प्रज्ञानंद ने बीते दिनों प्रतिष्ठित नार्वे शतरंज खिताब जीत कर इतिहास रचा . इस विश्व प्रसिद्ध खिताब को जीतने वाले वह पहले भारतीय बने . 20 वर्षीय ग्रैंड्मास्टर ने जर्मनी के विंसेंट कीमर पर आखरी राउंड में जीत के साथ गौरवशाली ताज को पक्का किया . जो टूर्नामेंट के इतिहास में सबसे यादगार वापसी में एक है जिससे शतरंज प्रेमियों के बीच खुशी की लहर दौड गयी . जिस वापसी को मुश्किल माना जा रहा था उसे इस दिमागी खेल की चालों में अपनी पैनी नीतियों और सूझ बूझ भरी चालों से खेल कर प्रज्ञानंद ने खेल प्रेमियों को हैरान किया कठिनाई यह है कि क्रिकेट की चका चौंध और दब दबे के बीच इस ऐतिहासिक उपलब्धि की जितनी चर्चा होनी थी वह नहीं हुई . प्रज्ञानंद ने ऐसी सफलता हासिल की जो सन 2013 में टूर्नामेंट के शुरु होने के बाद से भारतीय शतरंज के दिग्गज विश्वनाथन आनंद और मौजूदा विश्व विजेता डी मुकेश जैसे नामी खिलाडी भी नहीं कर पाये किसी शायर ने खूब लिखा " यूं ही नहीं मिलती शोहरत किसी को इस जहां में ,आग सीने में और जुनून रखना पडता है खेल में /रच दिया है इतिहास उसने अपने पसीने की स्याही से ,चमकता है वो सितारा आज दुनिया के आसमान में // प्रज्ञानंद ने यही किया .

शतरंज के दिग्गज मैगनस कार्लसन के अनुसार प्रज्ञानंद के खेल से प्रभावित हूं क्यों कि उनके खेल का तरीका उनकी शैली से ज़्यादा मेल खाता है .मज़े की बात है कि प्रज्ञानंद ने नार्वे चेस में दुनिया के पूर्व नंबर एक खिलाडी मैगनस कार्लसन को उन्ही के घर में (क्लासिकल प्रारूप में) शिकस्त दे शानदार प्रदर्शन किया . लगातार जीत के साथ उन्होंने शीर्ष स्थान प्राप्त कर भारत का गौरव बढाया .

प्रज्ञानंद और उनकी बडी बहन आर वैशाली दोनों अंतर्राष्ट्रीय स्तर के खिलाडी हैं .जिनको अक्सर भारतीय शतरंज की बडती ताकत से जोडा जाता है .शतरंज के दिग्गज खिलाडी विश्वनाथन आनंद के अनुसार प्रज्ञानंद जैसे युवा खिलाडी खेल को नयी उंचाइयों पर ले जा रहे हैं जिससे शतरंज के नये खिलाडी प्रोत्साहित होंगे . कार्लसन को पराजित करने को वह सबसे बडी सक्सेस के रूप में देखते हैं . सफेद और काले दोनों मोहरों से उन्होंने मात दी . बीते 20 वर्षों में यह पहला मौका है जब कार्लसन को उन्होने एक ही टूर्नामेंट में दो बार हरा चौंकाया . उनके खेल की सबसे बडी विशेषता रणनीति और धैर्य है . अपने संतुलन ,चिंतन और दूरअंदेशी को खेल के शुरु से अंत तक बनाये रखते हैं जिससे विपक्षी खिलाडी चकमा खा जाते हैं .

प्रज्ञानंद के मुताबिक वैभव सूर्यवंशी कमाल के क्रिकेटर हैं जिनको मैंने डेब्यू मैच की पहली गेंद पर छक्का मारते हुए देखा जो उनके आत्म विश्वास को बताता है कि कैसी गज़ब की पकड उनको अपने खेल पर है यह अविश्वसनीय और हैरतअंगेज़ है . शुरु में जब वह टीवी पर बहुत कार्टून शोज़ देखने में मशगूल रहते तब उनकी बहन ने इसे रोकने के लिये उनको शतरंज का खेल सिखाया . जिससे उनका आत्म रूपांतरण हुआ और वह शतरंज के विज्रेता खिलाडी बन उभरे .बहन को शतरंज खेलता देख उनको खेलने की इंस्पीरेशन मिली . केवल 7 साल की उम्र में अंडर – 8 विश्व यूथ चेस चैंपियन शिप जीती .सन 2023 के फिडे शतरंज विश्व कप के फाइनल में पहुंच महान विश्वनाथन आनंद के बाद ऐसा करने वाले दूसरे भारतीय बने . इसी के साथ "कैंडिडेट्स टूर्नामेंट " के लिये क्वालिफाई करने वाले सबसे युवा खिलाडी भी बने .

चैंपियन बनने के बाद जब उनसे पूछा गया कि यदि वो चेस खिलाडी नहीं होते तो क्या बनना पसंद करते ? चट से मुस्कुराते हुए कहा " शेफ " (बावर्ची) बनना पसंद करता क्योंकि मुझे साउथ इंडियन डिशेस पसंद हैं विशेषकर " (दोसा व मसाला दोसा)और दही चावल इसके अलावा लंबे टूर्नामेंट्स के दौरान घर का बना खाना जो मां के हाथों का बना हो प्रेफर करते हैं . हर टूर्नामेंट में मां (नाग लक्ष्मी) को साथ रखते हैं और उनका आशीर्वाद लेकर ही टूर्नामेंट खेलने जाते हैं गेम में आक्रामकता अपनाने के लिये उन्हें रानी और घोडे का कांबिनेशन सबसे घातक लगता है बहन वैशाली रमेश बाबू भी एक ग्रैंड मास्टर हैं .जो दुनिया की भाई – बहन की पहली जोडी बन गयी है .प्रज्ञानंद जीत का बहुत जश्न नहीं मनाते और न ही हार से विचलित होते हैं .मैच के दौरान अपनी ऊर्जा को बनाये- रखने के लिये हमेशा अपने पास केला और डार्क चाकलेट रखते हैं . अक्सर कहते हैं कि उन्होंने इस खेल के लिये अपने सामान्य बचपन का त्याग किया है . हांलाकि उन्हें इसका कोई पछ्तावा नहीं है लेकिन अपने गृह नगर चेन्नई में स्कूली या कालेज के दोस्तों की कमी खलती है .

इस होनहार खिलाडी ने न केवल भारत बल्कि विश्व शतरंज में भी अपनी मज़बूत पहचान दर्ज कराई है . अब वह उन नामी चुनिंदा खिलाडियों में शामिल हो गये हैं जिन्होंने इतने प्रतिष्ठित टूर्नामेंट को जीता . शतरंज के विशेषज्ञों के अनुसार वे खेल के अंत तक (जब तक सभी स्थितियां समाप्त न हो जाएं) हार नहीं मानते .

उनकी इसी असाधारण धैर्य क्षमता की सराहना होती है क्यों कि गेम के आखरी क्षणों में कम बैक कर खेल के पासों को पलट देते हैं . 10 अगस्त 2005 को चेन्नई में जन्मे इस खिलाडी का पूरा नाम रमेश बाबू प्रज्ञानंद है . उनके पिता रमेश बाबू एक बैंक में शाखा प्रबंधक के रूप में कार्यरत हैं .रेटिंग के अनुसार वर्तमान में प्रज्ञानंद देश के दूसरे सर्वश्रेष्ठ खिलाडी हैं .

दर असल शतरंज की हर चाल एक कहानी कहती है और हर मोहरा जीवन का एक किरदार है .जो सिखलाता है , संभल कर चलिये ,क्योंकि वक्त बीतने पर चाल बदली नहीं जा सकती . इसलिये इस खेल के बारे में किसी शायर ने खूब कहा कि " ना खुशी की दास्तां ,न फसाना रंज का , आदमी की ज़िंदगी है खेल शतरंज का " जीवन के करीब से जुडे इस खेल में 20 साला चैंपियन खिलाडी प्रज्ञानंद ने जो इतिहास लिखा है वह, रोचक ,रोमांचक और राह दिखाने वाला ऐतिहासिक माइल स्टोन है .

काव्य कुंज

पर्यावरण

डॉ संजुला सिंह
जमशेदपुर

हरियाली की छांव तले
हर जीवन खिलता है
वृक्षों के साए से हरदम
सुकून मिलता है।
हरपल नदियों की कलकल
हमें गीत सुनाती है
हवा से मिलती ताजगी
जो दिल को भाती है।
पक्षियों की चहचहाहट और
प्यारी प्रकृति की बात
हरे -भड़े पेड़ों की छांव का
मिलता हरपल साथ ।
धरती हमारी माता है
जिसे हमको बचाना है
मिले स्वच्छ हवा और पानी
यही तो सबका ठिकाना है।
हम करें प्रकृति से प्यार
यही हमारी है पहचान
पर्यावरण की रक्षा का
सब रक्खें सदा ही ध्यान ॥

प्लास्टिक का कहर

कौशल्या गुप्ता,
हैदराबाद

न जाने किन विषम क्षणों में,
मानव ने प्लास्टिक का खोज किया
सदा अमर रहने वाले
इस दानव को जन्म दिया ।।
अब सुरसा सा देह बढ़ा कर,
ये,धरती का भक्षण करती है
एक हाथ सुख साधन देकर
दूजे हाथ ये हरती है ।।
इसकी सुखद सेवाओं में घिर
हम कृत्य कृत्य हो जाते हैं
फिर कचड़ों का भीषण रूप लिए
हर दिशा गलीज ये करती है ।।
पशु आहार में मिल मिल कर,
जीवन उनका हर लेती है
नदियों और नालों से होकर
सागर में भी तांडव करती है ।।
लेकर अपना विषम हलाहल,
लहरों को विषाक्त बनाती है
सागर के स्वक्षंद जीवों को
अपना ग्रास बनाती है ।।
अब तो इस चिंतन से डरकर,
प्राण सबों के कंपित रहते हैं
न जाने कब हरित धरा को
ये जीवन शून्य बनाएगी ।।
प्लास्टिक का ये कहर देख कर
स्रष्टा भी आज विकल है
करने को इस दानव का अंत
क्या कोई राह नहीं है?
अस्तित्व धरा का बचाने को,
पूर्ण इच्छाबल का प्रयोग करें
इसके जन्म के मूलों को
जड़ से ही निर्मूल करें ।।

बुलंद हैं अपने हौसले

कुमुद बाला,
हैदराबाद

इस बुलंद हौसले की
गहराइयाँ सच कहती हैं
आमंत्रित ऊर्जा की
शहनाइयाँ कुछ कहती हैं
आईने ने सूरत अपनी
शायद ही देखी है
फूलों ने अपनी मधुर
सुगंध शायद ही रोकी है
सुनहरी प्रकृति के हौसले कभी कम नहीं होते
सुंदर धरती ने सौंधी सुगंध शायद ही रोकी है
कुछ उड़ते बादल की परछाइयाँ हठ करती हैं
आमंत्रित ऊर्जा की शहनाइयाँ सच कहती हैं
दिल की आवाज़ भी कुछ विस्मित कर जाती है
अपनेपन की सुवास भी आकर्षित कर जाती है
शायद हवा के झोंके भी जानते हैं गुनगुनाना
चाँदनी भी अवरोध को परावर्तित कर जाती है
लुप्त हो रहीं हरतरफ अमराइयाँ कुछ कहती हैं
आमंत्रित ऊर्जा की शहनाइयाँ सच कहती हैं
डरना व छुपकर बैठना अब नारी का काम नहीं
कभी बिना वजह पथ मोड़ना नारी का नाम नहीं
मशाल जली है शिक्षा की अब यह कभी कम न होगी
धुँधला सा चश्मा पहनना अब नारी का काम नहीं
अब विरासत में मिलीं रुसवाईयाँ कुछ कहती हैं
आमंत्रित ऊर्जा की शहनाइयाँ सच कहती हैं
ठुमकते मौसम की कहानी हर रोज़ बदलती है
धरती की हरियाली भी हर पतझड़ में झरती है
पंछी जब उन्मुक्त गगन में बेखौफ होकर उड़ते हैं
किस्मत कलकल झरने की भी कभी खूब बदलती है
परिवर्तित जीवन की अंगड़ाइयाँ सच कहती हैं
आमंत्रित ऊर्जा की शहनाइयाँ सच कहती हैं
मस्तिष्क और दिल की राहों में जंग चलती रहती है
हौसले औ चिंतन में अवरोध की बाती जलती है
फिर भी उन्मुक्त उड़ान तो मुस्कुराती है जीवन में
सोच की सुंदर तूलिका भी कैनवास संग घुलती है
भक्ति के विश्लेषण में चौपाइयाँ सच कहती हैं
आमंत्रित ऊर्जा की शहनाइयाँ सच कहती हैं
परिवर्तन का स्वागत तो समाज को करना चाहिए
प्रतिदिन के आयामों को सबको समझना चाहिए
दिल के चौराहे पे अगर द्वेष की होलिका जलेगी
प्रेम ही है ईश्वर इसे तो सबको समझना चाहिए
फूल बिछें गर पथ में तनहाइयाँ सच कहती हैं
आमंत्रित ऊर्जा की शहनाइयाँ सच कहती हैं

पिता सबसे बड़े सम्मानी

गीता अग्रवाल
हैदराबाद

माँ तो माँ होती है पर
पिता अद्भुत बलिदानी,
खाकर दुनियां के थपेड़े
बढ़ाएँ घर की कहानी,
मजबूत काँधे,दे संतान को
हर हाल में दाना पानी,
संतान आवश्यकताए पूर्ण करने को,
पिता भेंट चढ़ा दे जवानी,
पिता ने संतान संरक्षण में
कवच बन अंगुली थामी,
अनुशासन का पाठ पढ़ाकर,
संस्कारित दुनिया समझानी
आदर्श जीवन समझ में आया,
पिता की ही जुबानी,
कोमल हृदय के मालिक पर,
भावना कठोर दिखानी,
दी बेटे को मजबूत छत्र छाया,
स्वयँ सहकर परेशानी,
बेटी बने दो घर की रौनक
बेटी अमूल्य धरोहर जानी,
नम आंखों से करते विदाई
जब बेटी हो जाए सयानी,
दिखाते कुछ होते कुछ
पिता की विचित्र कहानी,
पितृ कर्ज उतार सके न कोई,
दुनिया में पिता सबसे बड़े सम्मानी ।

न खोल...

दर्शन सिंह
हैदराबाद

थकान मिटाने को
बस
उसकी बांहों का एहसास चाहिए
एहसासों के दरमियां
हमें बस
वो शख्स पास चाहिए
आंखें खोली
मुंगेरी सपने
कराहटें बढ़ा देता है
न खोल
मेरे मकान के उदास दरवाजे
हवा का शोर
मेरी उलझनें बढ़ा देता है
उठते इन सवालों में
न दफ़न हो जाऊं मैं
कर दे
मेरे दिल में उजाला
इक दिये सा
जल जाऊं मैं
चलते ही रह गया
पलकें उठाई शून्य
धड़कनें बढ़ा देता है
न खोल...
बरसों
इन्हीं ख्वाबों के सहारे गुजारे
है ख़्वाब
मेरी नींदों की तकदीर सवारे
कब तक उहापोह में टहलता
रुका ...
कसमसाहटें बढ़ा देता है
न खोल...

अपनी सादगी में मुस्कुरा देना

संजीव ठाकुर,
रायपुर

मिल जाओ कहीं तो मुस्कुरा देना,
दिल की हर कशिश में मुस्कुरा देना।
विषम स्थिति में बड़ी दवा मुस्कुरा देना,
ग़म की हर घड़ी में मुस्कुरा देना।
जब भी ज़िंदगी इम्तिहाँ लेने लगे,
हौसलों की लौ में मुस्कुरा देना।
दर्द जब हद से गुज़रने लगे कभी,
अश्क़ की नमी में मुस्कुरा देना।
राह में जब अँधेरों का राज हो,
दिल की रोशनी में
मुस्कुरा देना।
लोग जब तुम्हें समझ न पाएँ कभी,
अपनी सादगी में मुस्कुरा देना।
वक़्त जब ख़िलाफ़तों में ढलने लगे,
सब्र के सागर में मुस्कुरा देना।
टूटते हुए ख़्वाब जब सताएँ बहुत,
नई एक सदी में मुस्कुरा देना।
इश्क़ हो, वफ़ा हो या जुदाई का सफ़र,
हर एक बंदगी में मुस्कुरा देना।
'संजीव' ये हुनर गर आ गया तुम्हें,
ज़िंदगी की हर घड़ी में मुस्कुरा देना।

रिश्ते

मोनिका डागा,
चेन्नई

जिंदगी में रिश्तें वही मजबूत होते हैं,
अन्तर्मन में बिन कहे जो महसूस होते हैं,
मन की मौन भाषा भी बखूबी समझते है,
सुख-दुख में सदा ही साथ खड़े होते है ।

सच्चे प्यार की खुशबू से भरपूर होते हैं,
बनावटीपन स्वार्थ से कोसों दूर होते हैं,
दिल की जमीन पर ख़ुशी बन धड़कते है,
जिंदगी में सुकून के पलों सा जड़ें होते हैं ।
जीवन की अद्भुत अनोखी मिठास होते हैं,
उम्र भर का सहेजा हुआ विश्वास होते हैं,
मन के आँगन में नेह गीत बन चहकते है,
आखिरी दम तक हाथ थामें पड़े होते हैं ।
पुराने बरगद की शीतल छाँव से होते हैं,
खुशियों से सजे पुश्तैनी गाँव से होते हैं,
भावों के पुष्प जहाँ स्वतंत्र खिलते हैं,
अनमोल धन रत्नों से सजे कड़े होते हैं ।
जीवन ₹आनंद' अनहद नाद होते हैं,
शुभ कर्मों का ईश्वरीय प्रसाद होते हैं,
दुआओं के इत्र सा जीवन में महकते हैं,
तूफ़ान आँधियों में ढाल सा अड़े होते हैं ।
- मोनिका डागा आनंद, चेन्नई
आपके स्नेह और प्यार का धन्यवाद
रचना स्वरचित और सर्वाधिकार सुरक्षित

बोल

डॉ हेमंत सुराना,
उदयपुर

नफरत के बाजार में सच बोल,
सबसे मीठे मीठे बोल
बढ़ा चढ़ा कर तुम ना बोलो,
नीचा दिखाने के लिए ना बोलो
पीठ पीछे बोलने को रोको,
तीखे बोल बोलने को रोको
बोल सको तो अच्छा बोलो,
वरना तुम ना मुँह को खोलो
वाणी मे मिसरी को गोलों,
कानो मे तुम रस को गोलों
मीठे बोल सभी को भाते,
आपस में यह प्यार बढ़ाते
बोल कर सोचने से बेहतर,
सोच कर तुम बोलना,
सोच कर तुम बोलना।

ईश्वर के संग

राज किशोर
ग्वालियर

ध्यान सदा सद्गुण धरैं,
कर्म उसी अनुसार।
ईश्वर तेरे संग रह,
करते बेड़ा पार।।
बगिया सद्कर्मी सजी,
देते फूल सुगंध।
स्वर्ग भाव ने रच दिया,जीवन का अनुबंध।।
अपनी चिंता छोड़ कर, औरों को सुख देत।
ईश्वर देकर साथ खुद, कष्ट सभी हर लेत।।
बाल रूप की बानगी, होती अद्भुत मान।
भोले बचपन में बसे, सदा स्वयं भगवान।।
क्षमादान करते रहे, जो कर मन अभ्यास।
दुनिया उनकी मित्र हैं, वे दुनिया के खास।।
कर्म-योग की साधना, करके फल का त्याग।
खुशियाँ जीवन छा गयी, जीवन सरसा फाग।।
परमारथ भी हो गया, जब जीवन का अंग।
दु:ख के सब बादल छँटे, मिला ईश का संग।।
जिनने बाँटा प्रेम-धन, जीवन में अनमोल।
दुनिया उनकी रस-भरी, मीठे जिनके बोल।।
पर-पीडा.को जानकर, करते उसको दूर।
करनी उनकी धन्य है, हो जाते मशहूर।।
पीड़ा औरौं की समझ, जो करते परिहार।
जन-जन उनको ईश का, मान रहे अवतार।।

उलाहना

खड़ी रह गई मै यहीं की यहीं,
बिन तुम्हारे मेरा कोई सहारा नहीं।
चली आती तुरत दौड़कर मैं वहीं,
तुमने मुझको दुबारा पुकारा नहीं।।
जाते हो आते हो, आते हो जाते हो,
कहां,कब और क्यों कुछ नहीं बताते हो।
होती हूं परेशान समझ कुछ पाती नहीं,
अक्सर ही जाने क्यों तुम यूं ही सताते हो।
जब से मिले हो तब से यही एक कहानी है
सताने की आदत तुम्हारी यह पुरानी है,
सोचती थी बदलोगे तुम भी समय के साथ,
लेकिन 'वही ढाक के तीन पात'
वाली कहावत दोहरानी है।

-कमलेश गुप्ता

एक रूमानी अहसास है 'संगीत'

डॉ शोभा भंडारी
हैदराबाद

एक भीना भीना सा,
एक भीगा भीगा सा,
अहसास है, जो सीधा हृदय और
आत्मा को छूता है,
कल्पना की ऊंची उड़ान,
रूहानी सुकून का सागर है,
एक जादुई आभास,
एक दिलकश रुमानियत है,
मनमोहक भी है और मदहोश भी करता है,
संगीत की रुमानियत का
नशा सर चढ़कर बोलता है।
कोमल भावनाओं,गहन प्रेम और भूली-बिसरी यादों की,
तड़प को स्वर-लय-ताल में जोड़ता है,
मन को मंत्रमुग्ध और
आत्मा को तृप्त करने वाला है संगीत,
एक करिश्माई खजाना है ,
जो धुनों का फ़साना है।।
गायन वादन और नृत्यकला को समाहित कर,
शास्त्रीय संगीत, लोकगीत और भजनों के साथ,
सुर-लय-नाद लिए,
वाद्य यंत्रों की संगठित ध्वनि से,
कथक और भरतनाट्यम को
तालबद्ध करने का उपक्रम है।।
ठुमरी, दादरा, ग़ज़ल और नज़्म के तारतम्य से,
राधा कृष्ण की रासलीला संग
प्रेम विरह दर्शन का आभास है,
लोक संगीत व उर्दू शायरी में रचे-बसे इसके प्राण है,
हर सीमा और बंधन से परे
'संगीत' की अपनी उड़ान है।

पत्तों का इज़हार

मेधावी महेंद्र

संसार मे ज्ञान की कमी, कभी नहीं रही,
बस दृष्टि, और ग्रहण करने की क्षमता की रही।
प्रकृति तो सदियों से बोलती आयी है,
बस उसकी भाषा, शब्दों में कहाँ बंध पाई है।
पत्तों के पन्नों पर, ऋतुओं के अध्याय लिखे,
समय की स्याही से, जीवन के व्यवहार लिखे।
उन्हीं पत्तों के पन्नो से, कुछ पत्तों का इज़हार सुनो,
जो प्रेम न कर पाओ तो, इस पौधे का इंतेज़ार सुनो।
मेरा यह जेड प्लांट,
शायद प्रतीक्षा का ही कोई पुराना विद्वान,
हो जाओ जब इससे दूर, कुछ क्षण, दिन या पूरा मास,
खो तो देता है ये अपनी चमक,
पर रखता है पूरी आस।
पानी न मिलने के सूखेपन से कहीं
ज़्यादा है उसके
मिल जाने की प्यास,
कुछ बूंदे मिल जाने
से ही खिलने लगे,
फिर चाहे कितने बीतें हों मास।
मानो रुककर बता रहा हो, प्रेम का सबसे सुंदर रूप,
जो खुद प्रेम नही है, पर है इंतेज़ार का स्वरूप।
जिस युग में लोग, क्षणों में सम्बन्ध गढ़ते हों,
और अगले ही क्षण, उनसे बाहर भी बढ़ते हों।
कहाँ समझ पाएंगे वे, सूखने और टूटने का अंतर।
कहाँ समझ पाएंगे सूखने पर इंतेज़ार ही है प्रेम का इज़हार।
अफसोस है ऐसे लोगो पर जो ऐसे पौधों को भी सूखा दें,
जो खुद तो आगे बढ़ें, पर हर सूखे पौधे को जला दें।

क्यों गए तुम मुझे इस तरह छोड़ कर

पी एन गुप्ता
हैदराबाद

ऐसे तो कभी कोई जाता नहीं,
जाऊं मैं कहां तुमको ढूंढूं किधर
मेरी तो समझ में कुछ आता नहीं।
प्यार में झगड़ा होता है तकरार भी,
खींचातानी भी होती है और रार भी,
पर यों रूठकर कोई जाता नहीं,
कारण है इसका क्या समझ आता नहीं।
इंतजार रहेगा बरसों बरस तक
लौट तुम्हारे आने का,
अफ़सोस बहुत है इस प्रकार चुपचाप तुम्हारे जाने का।
हम झगड़ते भी थे प्यार करते भी थे,
अब तुम्हारे बिना कुछ भी भाता नहीं।
लता वृक्ष से लिपटी रहती मिलता उसे सहारा है,
वृक्ष यदि कट जाए मूल से लगता आघात करारा है।
बेसहारा उससे खड़ा हुआ जाता नहीं,
दूसरा कोई सहारा भी भाता नहीं।
नदिया अगर सूख जाए तो नहरों में पानी की धारा नहीं,
अपना प्यारा कोई रूठ कर जाए ।
और आने का हो कोई चारा नहीं,
तो आंखों का बादल भी बरसे बिना रह पाता नहीं,
चिर विरह का दु:सह दु:ख भी तो विरही से सहा जाता नहीं।
मैं करूं क्या कोई बतलाता नहीं,
बिन तुम्हारे अब रहा जाता नहीं।

तुम्हारी राह देखूँगा

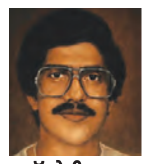

डॉ. देबी प्रसाद
आचार्य

आने वाले समय में जब तुम दूर
घाटी में रहने वाले हो
मेरे और
मेरे टेलीफोन के लिए
सूनापन छोड़ जाओगे
तब मेरा दिन
बिस्तर के साथ
इस छोटे से यंत्र को
हाथों में लिए गुजरेगा
जो अक्सर मेरे मन को
तुम्हारे हृदय तक ले जाता है
और
तुम्हारी राह देखूँगा
जब तक तुम लौट नहीं आओगे।।

(अनुवादक संजय सिंह)

स्वतंत्र वार्ता
काव्य कुंज ब्लॉग
AGA. Publications. Ltd.
396, Lower Tankbund,
Hyderabad-500080

एआई से आईटी सेक्टर के वैश्विक निवेशकों की नींद उड़ी

ग्लोबल आईटी सेक्टर और शेयर बाजार में इस समय गहरी हलचल मची हुई है। दुनिया की सबसे बड़ी और दिग्गज आईटी व कंसल्टिंग कंपनियों में शुमार एक्सेंचर के शेयरों में हाल ही में 20% तक की भारी गिरावट दर्ज की गई है। यह ऐतिहासिक गिरावट केवल एक कंपनी के खराब प्रदर्शन तक सीमित नहीं है, बल्कि इसने पूरे वैश्विक आईटी सेक्टर के निवेशकों की नींद उड़ा दी है। निवेशकों के मन में सबसे बड़ा डर इस बात का है कि क्या आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) वास्तव में आईटी और कंसल्टिंग कंपनियों के व्यापार मॉडल को खत्म कर रहा है? एक तरफ नए सौदों के आंकड़ों ने शेयर बाजार में निराशा पैदा की है, वहीं दूसरी ओर कंपनी की सीईओ का मानना है कि बाजार इस पूरी तस्वीर को गलत नजरिए से देख रहा है।

शेयर बाजार में एक्सेंचर का स्टॉक साल 2017 के बाद से अपने सबसे निचले और खराब स्तर पर पहुंच गया है। अगर हम पिछले एक साल का ट्रेंड देखें, तो कंपनी के शेयरों में लगभग 50% की लगातार और बड़ी गिरावट देखी गई है। हाल ही में वित्तीय वर्ष की तीसरी तिमाही के नतीजे आने के बाद यह स्टॉक 18 से 20 प्रतिशत तक और टूट गया। इस भयंकर गिरावट का सीधा असर कंपनी के बाजार पूंजीकरण पर बहुत स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है। कोविड-19 महामारी के बाद जब दुनिया भर में आईटी और कंसल्टिंग का भारी बूम आया था, तब एक्सेंचर का बाजार पूंजीकरण 200 अरब डॉलर के पार चला गया था। लेकिन अब, लगातार बिकवाली और निवेशकों के घटते भरोसे के कारण यह गिरकर 80 अरब डॉलर से भी कम रह गया है। इस महा-गिरावट के पीछे सबसे बड़ी वजह निवेशकों का वह डर है, जिसमें वे मान रहे हैं कि एआई का तेजी से बढ़ता प्रभाव उनकी कमाई और मुनाफे को पूरी तरह से निगल सकता है।

किसी भी दिग्गज कंपनी की सेहत का असली अंदाजा उसके वित्तीय आंकड़ों से ही लगाया जाता है। एक्सेंचर के वित्तीय वर्ष की तीसरी तिमाही (मई महीने के अंत तक) के जो आंकड़े सामने आए हैं, वे निवेशकों की भारी-भरकम उम्मीदों पर पूरी तरह से खरे नहीं उतरे हैं। अगर राजस्व की बात करें तो कंपनी ने 18.7 अरब डॉलर का राजस्व दर्ज किया, जो पिछले साल की इसी तिमाही के मुकाबले एक अरब डॉलर ज्यादा है। प्रति शेयर आय (ईपीएस) भी नौ प्रतिशत की छलांग के साथ 3.80 डॉलर हो गई और ऑपरेटिंग मार्जिन 17% तक फैल गया।

असली परेशानी कंपनी के 'नए सौदों' यानी 'न्यू बुकिंग्स' के आंकड़ों में छिपी है। इस तिमाही में कंपनी की नई बुकिंग दो से तीन प्रतिशत घटकर 19.3 अरब डॉलर के स्तर पर आ गई है। शेयर बाजार हमेशा भविष्य की कमाई पर दांव लगाता है, और नए सौदों में यह गिरावट सीधे तौर पर भविष्य की कमाई कम होने का संकेत देती है। इसके अलावा, कंपनी ने पूरे साल के रेवेन्यू ग्रोथ (राजस्व वृद्धि) के अपने ही पुराने अनुमान को तीन-पांच प्रतिशत से घटाकर अधिकतम चार प्रतिशत कर दिया है। भविष्य के लिए जारी किए गए इन कमजोर अनुमानों और नए सौदों में स्पष्ट कमी ने शेयर बाजार में निवेशकों का भरोसा बुरी तरह से तोड़ दिया है।

आजकल तकनीक की दुनिया में हर तरफ सिर्फ एआई की ही चर्चा है। आईटी सेक्टर के कई बड़े निवेशकों को यह लगने लगा है कि एआई आईटी कंपनियों के लिए एक मददगार टूल होने के बजाय एक बड़ा खतरा है। पिछले कुछ वर्षों से विश्व स्तर पर कंपनियां अपने 'डिस्क्रिशनरी कंसल्टिंग प्रोजेक्ट्स' (गैर-जरूरी कंसल्टिंग खर्चों) पर बहुत कम पैसा खर्च कर रही हैं।

जेफरीज के प्रमुख विश्लेषक सुरिंदर थिंड ने एक्सेंचर के इन हालिया नतीजों को बेहद 'निराशाजनक' करार दिया है। अपने क्लाइंट्स को लिखे एक नोट में उन्होंने स्पष्ट कहा है कि, एक 'एआई-फर्स्ट दुनिया' में अब कंसल्टिंग की मांग की मजबूती पर गंभीर सवाल खड़े होने लाजमी हैं। उनके अनुसार, हाल ही में एआई मॉडल और 'एजेंटिक कैपेबिलिटीज' में जो बड़ी और तीव्र प्रगति हुई है, उसे देखते हुए यह चिंता और भी बढ़ जाती है। आसान और आम भाषा में समझें तो, निवेशकों को यह डर सता रहा है कि जो जटिल विश्लेषण और रणनीतिक काम पहले महंगे आईटी कंसल्टेंट हफ्तों में करते थे, वह काम अब आधुनिक एआई सिस्टम कुछ ही मिनटों में कर सकते हैं, जिससे इन आईटी कंपनियों की जरूरत और मुनाफा दोनों घट जाएंगे।

तकनीकी बदलाव के अलावा, वैश्विक भू-राजनीतिक तनाव भी कंपनी के लिए एक बड़ा सिरदर्द साबित हो रहे हैं। एक्सेंचर की सीईओ जूली स्वीट ने कंपनी के इस निराशाजनक प्रदर्शन के लिए पश्चिम एशिया में चल रहे भयंकर युद्ध को भी आंशिक रूप से जिम्मेदार ठहराया है।

जूली स्वीट के मुताबिक, इस युद्ध के कारण कंपनी के राजस्व में उम्मीद से कहीं ज्यादा, करीब 100 मिलियन डॉलर का भारी नुकसान हुआ है। युद्ध का प्रभाव सिर्फ पश्चिम एशिया क्षेत्र के व्यवसायों तक सीमित नहीं रहा; बल्कि इसके कारण दुनिया भर में बैठे अन्य क्लाइंट्स (ग्राहकों) की निर्णय लेने की प्रक्रिया भी बहुत धीमी हो गई है। अनिश्चितता के दौर में बड़ी कंपनियां अक्सर अपने नए प्रोजेक्ट्स और बड़े खर्चों को टाल देती हैं, जिसका सीधा खामियाजा एक्सेंचर जैसी सर्विस देने वाली कंपनियों को उठाना पड़ा है।

शेयरों में 20% की इस भारी-भरकम गिरावट और बाजार में मचे हाहाकार के बावजूद कंपनी की सीईओ जूली स्वीट का रवैया काफी आशावादी है। उन्होंने बाजार के निवेशकों से स्पष्ट अपील की है कि वे अपना फैसला सुनाने में जल्दबाजी बिल्कुल न करें और कंपनी की स्थिति को सही नजरिए से देखें। मीडिया को दिए एक साक्षात्कार के दौरान उन्होंने कहा, ₹मुझे लगता है कि निवेशक एआई के सकारात्मक पहलुओं को पूरी तरह से नजरअंदाज कर रहे हैं। वे यह नहीं देख पा रहे हैं कि हम लंबी अवधि की ग्रोथ के लिए खुद को कितनी मजबूती से तैयार कर रहे हैं₹। जूली स्वीट के अनुसार, क्लाइंट अब बड़े पैमाने पर अपनी कंपनियों का रीइन्वेंशन (एआई आधारित बदलाव के लिए एक्सेंचर का आंतरिक शब्द) कर रहे हैं, और इसी वजह से एक्सेंचर का कंसल्टिंग का काम वास्तव में बढ़ रहा है। कंपनी ने अपनी मैनेज्ड सर्विसेज रेवेन्यू से नौ अरब डॉलर की शानदार कमाई की है। स्वीट ने इस बात पर जोर दिया कि ग्राहकों को पूरी तरह से एआई स्केल करने और बड़े स्तर पर अपनाने में थोड़ा समय जरूर लगेगा, लेकिन भविष्य में यह एक्सेंचर के लिए ग्रोथ का एक बहुत बड़ा अवसर है।

एआई की इस बड़ी चुनौती से निपटने के लिए एक्सेंचर मूक दर्शक बनकर केवल इंतजार नहीं कर रही है, बल्कि वह बाजार में एक बहुत आक्रामक रणनीति के साथ आगे बढ़ रही है। कंपनी नए और उभरते हुए क्षेत्रों में तेजी से ग्रोथ तलाश रही है। इसके लिए एक्सेंचर ने अन्य कंपनियों के अधिग्रहण का अपना बजट दोगुना कर दिया है, जो इस वित्तीय वर्ष में नौ अरब डॉलर के भारी-भरकम आंकड़े को छू लेगा। दरअसल, नए एआई मॉडल्स के आने के साथ ही साइबर सुरक्षा में खामियों और हैकिंग का खतरा भी कई गुना बढ़ गया है। दुनिया भर की कंपनियों को इन नए साइबर खतरों से बचाने के लिए एक्सेंचर ने रनजीरो, नेटराइज और ड्रैगगोस जैसी मजबूत साइबर सुरक्षा फर्मों को खरीदने की बड़ी घोषणा की है। इन तीनों डील्स की कुल एंटरप्राइज वैल्यू 4.2 अरब डॉलर के करीब है। इसके अलावा, एआई की दौड़ में आगे रहने के लिए कंपनी ने इसी साल जनवरी में ब्रिटेन के एक एआई स्टार्ट-अप फैकल्टी को एक अरब डॉलर में खरीदने का महत्वपूर्ण समझौता किया था। रणनीति को धार देने के लिए पिछले साल ही कंपनी ने अपने सभी प्रमुख ऑपरेशंस-स्ट्रैटेजी, कंसल्टिंग, सॉन्ग, टेक्नोलॉजी और ऑपरेशंस को 'रीइन्वेंशन सर्विसेज' नाम की एक ही यूनिट में मिला दिया था, ताकि क्लाइंट्स के हर काम में एआई और डेटा को आसानी से जोड़ा जा सके।

कंपनी के वित्तीय आंकड़ों में आई इस उठापटक और शेयर बाजार के दबाव का सीधा असर एक्सेंचर के वैश्विक स्तर पर फैले 7,80,000 से अधिक कर्मचारियों पर भी साफ-साफ पड़ा है। कंपनी ने जून महीने के लिए अपने कर्मचारियों के वेतन वृद्धि के ढांचे में एक बहुत बड़ा और अप्रत्याशित बदलाव किया है।

मीडिया रिपोर्ट्स में एक इंटर्नल मेमो के हवाले से दावा किया गया है कि नए नियमों के तहत अब कर्मचारियों को उनकी कुल अप्रूव्ड सैलरी हाइक (स्वीकृत वेतन वृद्धि) का 50% हिस्सा जून में एकमुश्त राशि के रूप में दिया जाएगा।

जनादेश, दलबदल और राजनीतिक नैतिकता

भारतीय लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्तियों में से एक जनता का विश्वास है। मतदाता अपने प्रतिनिधियों को केवल व्यक्ति के रूप में नहीं, बल्कि उनकी राजनीतिक विचारधारा, पार्टी और चुनावी वादों के आधार पर चुनते हैं। लेकिन जब निर्वाचित जनप्रतिनिधि चुनाव के बाद दल बदल लेते हैं, तो यह केवल राजनीतिक घटना नहीं रह जाती, बल्कि मतदाताओं के विश्वास और लोकतांत्रिक मूल्यों पर भी प्रश्नचिह्न खड़ा करती है।

हाल के वर्षों में देश के विभिन्न राज्यों में जिस प्रकार दलबदल की घटनाएं बढ़ी हैं, उसने भारतीय राजनीति में एक नए संकट को जन्म दिया है। यही कारण है कि दलबदल विरोधी कानून की प्रभावशीलता और उसकी सीमाओं पर एक बार फिर गंभीर चर्चा शुरू हो गई है।

लोकतंत्र में राजनीतिक दल केवल चुनाव लड़ने का माध्यम नहीं होते, बल्कि वे विचारधाराओं, नीतियों और जन आकांक्षाओं के प्रतिनिधि होते हैं। जब कोई उम्मीदवार किसी पार्टी के टिकट पर चुनाव जीतता है, तो उसकी जीत में पार्टी की पहचान, संगठनात्मक शक्ति और मतदाताओं का विश्वास भी शामिल होता है। ऐसे में यदि वही जनप्रतिनिधि बाद में व्यक्तिगत लाभ, सत्ता की संभावना या राजनीतिक दबाव के कारण दल बदल लेता है, तो वह अप्रत्यक्ष रूप से मतदाताओं के जनादेश की भी अनदेखी करता है।

हाल के वर्षों में महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, कर्नाटक, गोवा, अरुणाचल प्रदेश और पश्चिम बंगाल जैसे राज्यों में दलबदल की कई चर्चित घटनाएं सामने आई हैं। अनेक मामलों में विधायकों और सांसदों के पार्टी बदलने से सरकारें गिरीं, नई सरकारें बनीं और राजनीतिक समीकरण पूरी तरह बदल गए। इससे यह धारणा मजबूत हुई है कि राजनीति में वैचारिक प्रतिबद्धता की जगह सत्ता प्राप्ति की राजनीति अधिक प्रभावी होती जा रही है। लोकतंत्र के लिए यह स्थिति चिंताजनक है, क्योंकि इससे जनता का राजनीतिक संस्थाओं पर विश्वास कमजोर हो सकता है।

दलबदल की समस्या को नियंत्रित करने के लिए 1985 में संविधान की दसवीं अनुसूची के तहत दलबदल विरोधी कानून लागू किया गया था। इसका उद्देश्य निर्वाचित प्रतिनिधियों को व्यक्तिगत स्वार्थ के लिए पार्टी बदलने से रोकना था। इस कानून के अनुसार यदि कोई सांसद या विधायक अपनी पार्टी की सदस्यता छोड़ देता है या पार्टी के निर्देशों के विरुद्ध मतदान करता है, तो उसकी सदस्यता समाप्त की जा सकती है। उस समय इसे भारतीय लोकतंत्र को स्थिरता प्रदान करने वाला महत्वपूर्ण कदम माना गया था।

हालांकि समय के साथ यह स्पष्ट हुआ कि कानून होने के बावजूद दलबदल पूरी तरह नहीं रुका। राजनीतिक दलों और नेताओं ने कानून की कमजोरियों का लाभ उठाकर नए रास्ते खोज लिए। कई मामलों में व्यक्तिगत दलबदल के बजाय समूहगत दलबदल का सहारा लिया गया। कुछ मामलों में इस्तीफे देकर सरकार बदलने की रणनीति अपनाई गई, जबकि कई बार निर्णय लेने में देरी के कारण दलबदल करने वाले नेताओं को राजनीतिक लाभ मिल गया। इससे कानून का मूल उद्देश्य कमजोर पड़ता दिखाई दिया।

दलबदल की बढ़ती घटनाओं का सबसे बड़ा नुकसान लोकतांत्रिक नैतिकता को होता है। चुनाव के दौरान राजनीतिक दल जनता से अनेक वादे करते हैं और मतदाता उन वादों के आधार पर अपना निर्णय लेते हैं। यदि चुनाव के बाद वही प्रतिनिधि किसी दूसरी पार्टी में शामिल हो जाए, तो मतदाता स्वयं को ठगा हुआ महसूस करता है। इससे राजनीतिक व्यवस्था के प्रति निराशा बढ़ती है और लोकतंत्र की विश्वसनीयता प्रभावित होती है। लोकतंत्र केवल चुनाव कराने से मजबूत नहीं होता, बल्कि जनता के विश्वास और राजनीतिक जवाबदेही से मजबूत होता है।

यह भी सच है कि हर दलबदल को गलत नहीं कहा जा सकता। कई बार राजनीतिक दलों के भीतर लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं की कमी, नेतृत्व की मनमानी या वैचारिक बदलाव जैसी परिस्थितियां भी उत्पन्न होती हैं। ऐसे मामलों में किसी जनप्रतिनिधि को अपनी असहमति व्यक्त करने और अलग रास्ता चुनने का अधिकार होना चाहिए। लेकिन समस्या तब पैदा होती है जब दलबदल का प्रमुख उद्देश्य सत्ता, पद या राजनीतिक लाभ बन जाता है। इसलिए आवश्यक है कि व्यक्तिगत स्वतंत्रता और जनादेश के सम्मान के बीच संतुलन स्थापित किया जाए। आज आवश्यकता इस बात की है कि दलबदल विरोधी कानून को अधिक प्रभावी और पारदर्शी बनाया जाए। विशेषज्ञों का मानना है कि ऐसे मामलों में निर्णय लेने की प्रक्रिया को समयबद्ध बनाया जाना चाहिए, ताकि लंबित मामलों का राजनीतिक लाभ न उठाया जा सके। साथ ही, यदि कोई निर्वाचित प्रतिनिधि स्वेच्छा से पार्टी छोड़ता है, तो उसे पुनः जनता के बीच जाकर नया जनादेश प्राप्त करना चाहिए। इससे मतदाताओं को यह तय करने का अवसर मिलेगा कि वे उसके निर्णय से सहमत हैं या नहीं।

राजनीतिक दलों की भी जिम्मेदारी कम नहीं है। केवल कानून के सहारे दलबदल को पूरी तरह नहीं रोका जा सकता। दलों को आंतरिक लोकतंत्र को मजबूत करना होगा, कार्यकर्ताओं और जनप्रतिनिधियों की बात सुननी होगी तथा विचारधारात्मक प्रतिबद्धता को बढ़ावा देना होगा। जब राजनीतिक दल स्वयं लोकतांत्रिक मूल्यों का पालन करेंगे, तभी उनके प्रतिनिधियों में भी निष्ठा और जवाबदेही की भावना विकसित होगी।

मीडिया और नागरिक समाज की भूमिका भी महत्वपूर्ण है। दलबदल को केवल राजनीतिक रणनीति या चुनावी गणित के रूप में देखने के बजाय इसे लोकतांत्रिक जवाबदेही के प्रश्न के रूप में देखा जाना चाहिए। जनता को भी ऐसे नेताओं से सवाल पूछने चाहिए जो चुनाव एक पार्टी के नाम पर जीतकर बाद में दूसरी पार्टी में शामिल हो जाते हैं। लोकतंत्र में अंतिम शक्ति जनता के पास होती है और वही राजनीतिक व्यवहार को दिशा दे सकती है।

अंततः भारतीय राजनीति में बढ़ता दलबदल केवल कानूनी नहीं, बल्कि नैतिक और लोकतांत्रिक चुनौती भी है। यह जनादेश, जवाबदेही और राजनीतिक मूल्यों से जुड़ा हुआ प्रश्न है। यदि इस प्रवृत्ति पर प्रभावी नियंत्रण नहीं किया गया, तो लोकतंत्र में जनता का विश्वास कमजोर हो सकता है। इसलिए समय की मांग है कि दलबदल विरोधी कानून को अधिक मजबूत बनाया जाए, राजनीतिक दलों में आंतरिक लोकतंत्र को बढ़ावा दिया जाए और जनप्रतिनिधियों को जनता के प्रति अधिक जवाबदेह बनाया जाए। लोकतंत्र की वास्तविक मजबूती तभी संभव है जब सत्ता परिवर्तन जनता के मत से हो, न कि निर्वाचित प्रतिनिधियों के अवसरवादी दलबदल से।

पश्चिम एशिया में अब शांति की असली परीक्षा

पश्चिम एशिया एक बार फिर वैश्विक राजनीति के केंद्र में है। अमेरिका और ईरान के बीच हाल में हुआ समझौता क्षेत्र में बढ़ते तनाव को कम करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। युद्ध, प्रतिबंध, परमाणु कार्यक्रम और क्षेत्रीय प्रतिस्पर्धा के कारण वर्षों से तनावपूर्ण रहे संबंधों में यह समझौता उम्मीद की एक नई किरण लेकर आया है। हालांकि इतिहास गवाह है कि पश्चिम एशिया में शांति स्थापित करना जितना कठिन है, उसे बनाए रखना उससे भी अधिक चुनौतीपूर्ण है। यही कारण है कि इस समझौते का वास्तविक मूल्यांकन उसके हस्ताक्षर होने से नहीं, बल्कि उसके टिकाऊपन से होगा।

अमेरिका और ईरान के बीच हुए इस समझौते ने फिलहाल युद्ध की आशंकाओं को कम किया है। इससे कूटनीतिक संवाद के लिए रास्ता खुला है और दोनों देशों को अपने-अपने रणनीतिक हितों को बातचीत के माध्यम से आगे बढ़ाने का अवसर मिला है। किंतु समझौते के सामने सबसे बड़ी चुनौती यह है कि दोनों देशों के बीच दशकों पुराना अविश्वास अभी भी पूरी तरह समाप्त नहीं हुआ है। 1979 की ईरानी क्रांति के बाद से दोनों देशों के संबंध लगातार उतार-चढ़ाव से गुजरते रहे हैं। ऐसे में केवल दस्तावेजी सहमति पर्याप्त नहीं होगी, बल्कि निरंतर विश्वास निर्माण की आवश्यकता होगी।

इस पूरे घटनाक्रम में इजराइल की भूमिका महत्वपूर्ण है। इजराइल लंबे समय से ईरान को अपनी राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए सबसे बड़ा खतरा मानता रहा है। इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कई बार स्पष्ट किया है कि ईरान की सैन्य और परमाणु क्षमताओं को सीमित करना उनकी प्राथमिकता है। यही कारण है कि अमेरिका द्वारा ईरान के साथ किसी भी प्रकार का समझौता इजराइल में चिंता का विषय बन जाता है। यदि इजराइल को यह महसूस होता है कि उसकी सुरक्षा आवश्यकताओं को पर्याप्त महत्व नहीं दिया जा रहा, तो वह स्वतंत्र रूप से ऐसे कदम उठा सकता है जो पूरे समझौते को कमजोर कर दें।

लेबनान और गाजा की स्थिति भी इस समझौते की सफलता के लिए निर्णायक साबित हो सकती है। लेबनान में सक्रिय हिजबुल्लाह और गाजा में मौजूद सशस्त्र समूहों को लेकर इजराइल की चिंताएं पहले से ही बनी हुई हैं। यदि सीमा क्षेत्रों में तनाव जारी रहता है या किसी प्रकार की सैन्य कार्रवाई होती है, तो अमेरिका और ईरान के बीच बना यह संतुलन जल्दी ही बिगड़ सकता है। समझौते की सफलता के लिए आवश्यक है कि क्षेत्रीय संघर्षों को नियंत्रित किया जाए और सभी पक्ष संयम का परिचय दें।

विशेषज्ञों का मानना है कि यह समझौता केवल अमेरिका और ईरान के बीच का विषय नहीं है, बल्कि पूरे पश्चिम एशिया की सुरक्षा व्यवस्था से जुड़ा हुआ है। क्षेत्र में सऊदी अरब, तुर्किये, संयुक्त अरब अमीरात और अन्य देशों के अपने-अपने रणनीतिक हित हैं। यदि किसी पक्ष को यह लगता है कि समझौते से क्षेत्रीय शक्ति संतुलन प्रभावित हो रहा है, तो वह अपनी नीतियों में बदलाव कर सकता है। इसलिए इस समझौते की स्थिरता के लिए व्यापक क्षेत्रीय सहयोग आवश्यक होगा।

अमेरिकी घरेलू राजनीति भी इस समझौते के भविष्य को प्रभावित कर सकती है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की विदेश नीति अक्सर दबाव और सौदेबाजी पर आधारित रही है। ट्रंप प्रशासन का मानना रहा है कि कठोर प्रतिबंध और रणनीतिक दबाव के माध्यम से बेहतर समझौते हासिल किए जा सकते हैं। हालांकि आलोचकों का तर्क है कि इस प्रकार की नीतियां अल्पकालिक लाभ तो दे सकती हैं, लेकिन दीर्घकालिक स्थिरता की गारंटी नहीं देतीं। यदि अमेरिकी राजनीतिक परिस्थितियों में बदलाव आता है या नई प्राथमिकताएं सामने आती हैं, तो समझौते के क्रियान्वयन पर प्रभाव पड़ सकता है।

ईरान के भीतर भी स्थिति कम जटिल नहीं है। लंबे समय से आर्थिक प्रतिबंधों का सामना कर रहे देश में जनता आर्थिक राहत और बेहतर जीवन स्तर की अपेक्षा कर रही है। यदि समझौते के परिणामस्वरूप आर्थिक सुधार, निवेश और व्यापार में वृद्धि नहीं होती, तो जनता का समर्थन कमजोर पड़ सकता है। दूसरी ओर ईरान के भीतर मौजूद कट्टरपंथी समूह किसी भी प्रकार के पश्चिमी प्रभाव को संदेह की दृष्टि से देखते हैं। ऐसे में ईरानी नेतृत्व को घरेलू राजनीतिक संतुलन बनाए रखने की चुनौती भी रहेगी। इस समझौते के संदर्भ में एक महत्वपूर्ण प्रश्न यह भी है कि क्या अमेरिका और इजराइल के रणनीतिक लक्ष्य पूरी तरह एक जैसे हैं। यद्यपि दोनों देशों के संबंध अत्यंत मजबूत हैं, लेकिन कई अवसरों पर उनके दृष्टिकोण में अंतर दिखाई दिया है। अमेरिका क्षेत्रीय स्थिरता और व्यापक रणनीतिक संतुलन को प्राथमिकता दे सकता है, जबकि इजराइल अपनी तात्कालिक सुरक्षा चिंताओं को सर्वोच्च महत्व देता है। यही अंतर भविष्य में समझौते की दिशा और गति को प्रभावित कर सकता है।

इतिहास हमें यह भी सिखाता है कि पश्चिम एशिया में शांति समझौतों की सफलता केवल राजनीतिक नेतृत्व पर निर्भर नहीं करती। जनता का समर्थन, आर्थिक अवसर, क्षेत्रीय सहयोग और निरंतर संवाद भी उतने ही महत्वपूर्ण होते हैं। यदि किसी भी पक्ष को यह महसूस होता है कि समझौते से उसके हितों की उपेक्षा हो रही है, तो असंतोष बढ़ सकता है। इसलिए आवश्यक है कि सभी संबंधित पक्ष केवल सैन्य या राजनीतिक दृष्टिकोण से नहीं, बल्कि सामाजिक और आर्थिक दृष्टिकोण से भी समाधान तलाशें।

अंततः यह समझौता पश्चिम एशिया के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर है। यह युद्ध और टकराव की राजनीति से निकलकर संवाद और कूटनीति की दिशा में बढ़ने का संकेत देता है। किंतु इसकी सफलता स्वतः सुनिश्चित नहीं है। इजराइल की सुरक्षा चिंताएं, ईरान की क्षेत्रीय महत्वाकांक्षाएं, अमेरिकी राजनीतिक समीकरण, लेबनान और गाजा की स्थिति तथा क्षेत्रीय शक्ति संतुलन जैसे अनेक कारक इसकी परीक्षा लेंगे। यदि सभी पक्ष धैर्य, संयम और पारदर्शिता के साथ आगे बढ़ते हैं, तो यह समझौता क्षेत्र में स्थायी शांति की नींव बन सकता है। लेकिन यदि पुराने अविश्वास, राजनीतिक स्वार्थ और सैन्य प्रतिस्पर्धा हावी हो जाते हैं, तो यह अवसर भी अतीत के अनेक असफल प्रयासों की तरह इतिहास के पन्नों में सिमट सकता है।

मालखाने से शराब की पेटियां गायबः थाना प्रभारी पर एफआईआर दर्ज, 15 दिन पहले एसपी से हुए थे सम्मानित

फतेहाबाद, 20 जून (एजेंसियां)। फतेहाबाद में सदर थाना के मालखाना से शराब की पेटियां खुर्दबुर्द होने का मामला सामने आया है। पुलिस विभाग ने सदर थाना प्रभारी प्रहलाद सिंह के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। करीब 100 से ज्यादा पेटियां गायब हुई है। एसपी निकिता खट्टर ने जब जांच करवाई तो ये मामला पकड़ में आया है। एसपी ने तुंरत प्राथमिकी दर्ज करने के निर्देश दिए। आरोपी थाना प्रभारी प्रहलाद सिंह का शुक्रवार शाम को ही पुलिस लाइन में ट्रांसफर कर दिया गया था। प्रहलाद सिंह की जगह एसएचओ रतिया को यहां लगाया गया है। वहीं, मामले में कई और पुलिसकर्मियों पर गाज गिर सकती है। मामले की जांच एएसपी दिव्यांशी सिंगला को सौंपी गई है। बता दें कि सदर थाना प्रभारी प्रहलाद सिंह को करीब 15 दिन पहले बेहतरीन कार्य करने पर सम्मानित किया गया था। पुलिस प्रवक्ता विनोद कुमार ने मामले की पुष्टि करते हुए बताया कि मामला दर्ज किया गया है

यूपी-बिहार-एमपी के लोगों को मिलने वाली है भीषण गर्मी से राहत

राजस्थान में चलेगी 70 किमी प्रति घंटे की स्पीड से धूल भरी आंधी

नई दिल्ली, 20 जून (एजेंसियां)। भारत में मानसून आने के बावजूद दिल्ली समेत कई राज्यों में भीषण गर्मी पड़ रही है। महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश और पूर्वी यूपी में लू की चेतावनी जारी की है। यहां पर रात में भी भीषण गर्मी पड़ रही है। इस बीच मौसम विभाग (आईएमडी) ने मौसम का नया अनुमान जारी किया है। इसके मुताबिक, अगले 24 घंटे के दौरान दिल्ली, उत्तर प्रदेश, बिहार और राजस्थान के कुछ हिस्सों में बारिश, गरज के साथ बौछारें और तेज़ हवाएं चलने की भविष्यवाणी की गई है। इससे इलाकों में तेज़ गर्मी से थोड़ी राहत मिल सकती है। मौसम विभाग ने 20 से 22 जून के दौरान हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली और पंजाब में कहीं-कहीं आंधी-तूफान, बिजली कड़कने की संभावना है।

इस दौरान 40-50 किमी की रफ्तार से आंधी चल सकती है। कुछ जगहों पर हवा की स्पीड बढ़कर 60 किमी प्रति घंटा हो सकती है। 25 जून के दौरान पश्चिमी उत्तर प्रदेश, 24 जून को पूर्वी उत्तर प्रदेश में बारिश के आसार नजर आ रहे हैं। पूर्वी राजस्थान और पश्चिमी राजस्थान में आंधी-तूफान (हवा की स्पीड 50-60 किमी प्रति घंटे की स्पीड से बढ़कर 70 किमी प्रति घंटे तक) चलने की संभावना है। अगले 24 घंटे के दौरान कुछ जिलों में हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है। 24-25 जून के दौरान पश्चिमी राजस्थान में तेज बारिश हो सकती है। 20-25 जून के दौरान छत्तीसगढ़, पूर्वी मध्य प्रदेश, विदर्भ और पश्चिमी मध्य प्रदेश में आंधी तूफान के साथ बारिश होने की संभावना है। इस दौरान 40-50 किमी प्रति घंटे की रफ़्तार से 60 किमी प्रति घंटे तक आंधी चलने की संभावना है। 21-25 जून तक झारखंड में गरज के साथ बारिश, बिजली कड़कने और तेज़ हवाएं (स्पीड 40-50 किमी प्रति घंटे से बढ़कर 60 किमी प्रति घंटे तक) चलने की संभावना है।

बिहार में 20-23 जून के दौरान कुछ जिलों में तेज हवाओं के साथ हल्की बारिश हो सकती है। इस दौरान 30-50 किमी रफ्तार से हवाएं चलेंगी। इससे भीषण गर्मी से परेशान लोगों को राहत मिलेगी। 22 जून के दौरान बिहार में कुछ जगहों पर हीट वेव की संभावना है है। 21-24 जून के दौरान पूर्वी उत्तर प्रदेश, 20 जून के दौरान तेलंगाना, कोंकण, गोवा, मध्य महाराष्ट्र, कर्नाटक और विदर्भ में भीषण गर्मी पड़ेगी।

शाहदरा रस्टेशन पर ट्रेन में चढ़ने के विवाद में युवक की हत्या, मची अफरा-तफरी

नई दिल्ली, 20 जून (एजेंसियां)। शाहदरा रेलवे स्टेशन पर ट्रेन में चढ़ने को लेकर हुए विवाद में एक युवक की पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। मृतक की पहचान बागपत निवासी पंकज धामा के रूप में हुई है। वह योगा एक्सप्रेस में सवार होने की कोशिश कर रहे थे, तभी कुछ सहयात्रियों से कहासुनी हो गई। देखते ही देखते विवाद हिंसक मारपीट में बदल गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, आरोपितों ने पंकज पर घूंसे और लातों से हमला कर दिया। प्लेटफॉर्म नंबर-3 पर अफरा-तफरी मच गई। गंभीर रूप से घायल पंकज को तत्काल जीटीबी अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही रेलवे पुलिस और वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं और आरोपितों की पहचान की जा रही है।

2025 से निलंबित पुलिसकर्मी हेरोइन संग गिरफ्तार, सप्लाई नेटवर्क की जांच शुरू

श्रीनगर, 20 जून (एजेंसियां)। पुलिस ने श्रीनगर में अलूचीबाग इलाके में एक निलंबित पुलिसकमीर्म को हेरोइन जैसे नशीले पदार्थ संग गिरफ्तार करने का दावा किया है। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि पकड़े गए निलंबिल पुलिस कर्मी की पहचान बोनपोरा बटमालू के रहने वाले आसिफ रहमान रेशी के रूप में हुई है। उसे वर्ष 2025 से निलंबित किया गया था। प्रवक्ता ने बताया कि शेरगढ़ी पुलिस स्टेशन के थाना प्रभारी की निगरानी में पुलिस दल ने अलूची बाग में बंड के पास एक नाका लगाया था। नाका पार्टी ने वहां से गुजर रहे एक संदिग्ध को रोक जब उसकी तलाशी ली तो उसके पास से लगभग सात ग्राम संदिग्ध हेरोइन बरामद की गई।

बरामदगी के तुरंत बाद उसको हिरासत में ले लिया गया। उसके खिलाफ पुलिस स्टेशन शेरगढ़ी में एनडीपीएस (मादक द्रव्य एवं मनःप्रभावी पदार्थ) अधिनियम की धारा 8 और 21 के तहत एफआईआर संख्या 32/2026 दर्ज की है। उससे पूछताछ की जा रही है। पुलिस प्रवक्ता के अनुसार मामले के सभी पहलुओं की जांच की जा रही है , जिनमें संभावित आपूर्ति मार्ग और आरोपी से जुड़े संपर्क भी शामिल हैं। चल रही जांच के निष्कर्षों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

महुआ मोइत्रा ने क्यों की सरकार की तारीफ टीएमसी में बगावत के बीच क्या बदलने लगा मन?

कोलकाता, 20 जून (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल की राजनीति में इन दिनों तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के भीतर मचे घमासान की चर्चा जोरों पर है। पार्टी के कई सांसदों के बगावती तेवरों के बीच अब टीएमसी की मुखर नेता और कृष्णानगर से सांसद महुआ मोइत्रा का एक सोशल मीडिया पोस्ट राजनीतिक हलकों में नई बहस छेड़ रहा है। केंद्र सरकार पर अक्सर हमलावर रहने वाली महुआ ने इस बार रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की खुलकर तारीफ की है। महुआ मोइत्रा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर राजनाथ सिंह के एक आधिकारिक पत्र की तस्वीर साझा करते हुए लिखा, 'सशस्त्र बलों के दिव्यांगता पेंशनधारकों को आयकर छूट जारी रखने के प्रति आपकी संवेदनशीलता के लिए धन्यवाद। उम्मीद है कि वित्त मंत्रालय के अधिकारी भी ऐसी ही संवेदनशीलता दिखाएंगे और इस आपत्तिजनक प्रस्ताव को आगे नहीं बढ़ाएंगे। जय हिंद।'

दरअसल, महुआ मोइत्रा ने दिव्यांग सैनिकों की पेंशन पर आयकर छूट खत्म किए जाने की आशंका का मुद्दा उठाया था। इस पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने जवाब देते हुए उनके सुझाव को गंभीरता से लेने का आश्वासन दिया। इसके बाद महुआ ने सार्वजनिक तौर पर उनकी सराहना की। हालांकि राजनीति में संदेश अक्सर शब्दों से ज्यादा मायने रखते हैं। ऐसे समय में जब टीएमसी और केंद्र सरकार के बीच टकराव अपने चरम पर है, महुआ का यह नरम रुख चर्चा का विषय बन गया है। महुआ मोइत्रा का यह बयान ऐसे वक्त आया है जब टीएमसी के भीतर असंतोष और गुटबाजी की खबरें लगातार सामने आ रही हैं।

पार्टी नेतृत्व को लेकर सवाल उठ रहे हैं और कई नेताओं के रुख को लेकर अटकलें लगाई जा रही हैं। ऐसे माहौल में केंद्र सरकार के एक वरिष्ठ मंत्री की सार्वजनिक प्रशंसा को सिर्फ शिष्टाचार के तौर पर नहीं देखा जा रहा। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि महुआ ने जिस मुद्दे पर राजनाथ सिंह की तारीफ की है, वह राष्ट्रहित और सैनिकों से जुड़ा विषय है। लेकिन बंगाल की राजनीति में इसकी टाइमिंग ने कई सवाल खड़े कर दिए हैं।

क्या यह सिर्फ एक मुद्दे पर समर्थन है या फिर केंद्र के प्रति उनके रुख में कोई नरमी दिखाई देने लगी है? फिलहाल इसका कोई स्पष्ट जवाब नहीं है। महुआ मोइत्रा उन नेताओं में रही हैं जिन्होंने संसद से लेकर सोशल मीडिया तक बीजेपी और केंद्र सरकार पर सबसे तीखे हमले किए हैं।

पिज्जा खाने के बाद बच्चों समेत 34 लोग बीमार अस्पताल में भर्ती

ठाणे, 20 जून (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के ठाणे जिले के भिवंडी में कथित तौर पर पिज्जा खाने के बाद 34 लोगों की तबीयत बिगड़ गई। बीमार होने वालों में कई बच्चे भी शामिल हैं। सभी लोगों को पेट दर्द, चक्कर आना और दस्त जैसी शिकायतों के बाद अस्पताल में भर्ती कराया गया। राहत की बात यह है कि सभी मरीज खतरे से बाहर बताए जा रहे हैं। पुलिस के मुताबिक, शाम से लोग बड़ी संख्या में सरकारी अस्पताल पहुंचने लगे। मरीजों ने पेट में तेज दर्द, उल्टी-दस्त और चक्कर आने की शिकायत की। रातभर और सुबह तक मरीजों के अस्पताल पहुंचने का सिलसिला जारी रहा। डॉक्टरों ने सभी का इलाज शुरू किया और उनकी हालत पर नजर रखी। जांच में सामने आया है कि बीमार पड़े सभी लोगों ने बुधवार रात एक ही खाने-पीने की दुकान से पिज्जा खरीदा था। इसके बाद से ही उन्हें स्वास्थ्य संबंधी दिक्कतें होने लगीं। पुलिस और स्वास्थ्य विभाग की टीम यह पता लगाने में जुटी है कि पिज्जा में इस्तेमाल की गई सामग्री खराब थी या फिर खाने की तैयारी और भंडारण में किसी तरह की लापरवाही हुई। प्रारंभिक जांच में इसे फूड पॉइजनिंग यानी भोजन विषाक्तता का मामला माना जा रहा है। अधिकारियों ने खाद्य पदार्थों के नमूने भी जांच के लिए भेजे हैं। रिपोर्ट आने के बाद बीमारी की असली वजह साफ हो सकेगी। पुलिस ने बताया कि संबंधित दुकान के मालिक के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है।

सरकारी आवास पर विवाद

डीआईजी को 1.80 लाख का नोटिस भेजा वेतन से वसूली की चेतावनी दी

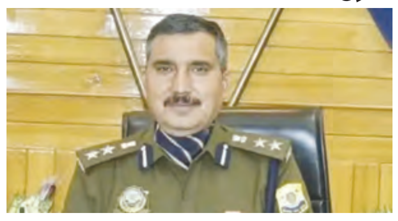

शिमला, 20 जून (एजेंसियां)। हिमाचल प्रदेश की राजधानी शिमला में सरकारी आवास पर बवाल मचा हुआ है। हिमाचल पुलिस मुख्यालय ने डीआईजी को नोटिस भेजकर 1.80 लाख रुपये डैमेज चार्ज जमा करने को कहा है। वहीं, पैसे नहीं जमा करने पर उनके वेतन से वसूली करने की चेतावनी दी है। हिमाचल के डीआईजी संजीव गांधी पर 1.80 लाख का डैमेज चार्ज लगाया गया है। सरकारी आवास खाली न करने पर उन्हें यह नोटिस भेजा गया है। हिमाचल पुलिस मुख्यालय ने डीआईजी (टीटीआर) को सरकारी आवास खाली न करने के मामले में 1.80 लाख रुपये से अधिक का डैमेज चार्ज जमा करने का नोटिस जारी किया है।

यह आवास शिमला के पुलिस अधीक्षक के लिए निर्धारित बताया गया है। नोटिस के अनुसार, संजीव गांधी ने 7 फरवरी 2026 को शिमला एसपी का पदभार छोड़ा था। नियमों के तहत उन्हें 7 मार्च तक आवास में रहने की अनुमति थी। इसके बाद आवास पर उनका कब्जा अनधिकृत श्रेणी में माना गया। पुलिस मुख्यालय ने दावा किया है कि 12 मई को आवास खाली करने के लिए नोटिस दिया गया था, लेकिन निर्धारित समय तक आवास खाली नहीं किया गया। इसी आधार पर हिमाचल प्रदेश अलॉटमेंट ऑफ गवर्नमेंट रेजिडेंसेज (जनरल पूल) रूल्स-1994 के तहत मार्च, अप्रैल और मई 2026 की अवधि के लिए कुल 1,80,286 का डैमेज चार्ज लगाया गया है। नोटिस में चेतावनी दी गई है कि राशि जमा न करने की स्थिति में इसे वेतन से वसूल किया जा सकता है। साथ ही 1 जून 2026 से आवास खाली होने तक अतिरिक्त डैमेज चार्ज भी लागू रहेगा। प्रशासन ने आवास तत्काल खाली कर उसका कब्जा शिमला एसपी को सौंपने के निर्देश दिए हैं।

डीआईजी संजीव गांधी से जब इस नोटिस को लेकर उनका पक्ष पूछा गया तो उन्होंने कहा कि यह नोटिस अब तक उन्हें नहीं मिला। मीडिया के माध्यम से इसकी सूचना मिली है। यह डैफेमेटरी है, इसे चेलेंज किया जाएगा। उनकी छवि को खराब करने के लिए ऐसा किया जा रहा है और उन्हें ईमानदारी से काम करने की सजा दी जा रही है। उन्होंने कहा कि जीएडी की तरफ से उन्हें अकोमोडेशन नहीं मिली, इसलिए आवास खाली नहीं किया।

बेखौफ बदमाशः रोहतक में पुलिस स्टेशन के सामने कांग्रेस एमएलए के ऑफिस पर ताबड़तोड़ फायरिंग; शीशे चकनाचूर

रोहतक, 20 जून (एजेंसियां)। रोहतक जिले में कांग्रेस विधायक के दफ्तर पर फायरिंग की खबर सामने आ रही है। महम विधायक बलराम दांगी के कार्यालय पर कई गोलियां चलीं, जिससे उनके ऑफिस के शीशे टूट गए। महम पुलिस स्टेशन के ठीक सामने है कांग्रेस विधायक बलराम दांगी का कार्यालय मौजूद है सुबह यहां ताबड़तोड़ फायरिंग हुई। इसके बाद पुलिस मौके पर पहुंचकर छानबीन में जुट गई। प्रारंभिक जांच में 4 से 5 राउंड फायर करने की बात आई सामने हमलावरों के बारे में अभी नहीं लगा कोई सुराग, कैमरा फुटेज खंगाल रही है पुलिस। पुलिस स्टेशन के ठीक सामने हवाई फायरिंग की घटना से कानून व्यवस्था पर भी सवाल।

व्यापारी से 20 लाख की लूट, सीआईडी इंस्पेक्टर समेत तीन गिरफ्तार

बेंगलुरु, 20 जून (एजेंसियां)। बेंगलुरु के मादिवाला इलाके में केरल के एक व्यापारी के साथ मारपीट कर उससे 20 लाख लूटने के मामले में सीआईडी के एक पुलिस इंस्पेक्टर सहित तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ डकैती, हमला, धमकी और आपराधिक साज़िश का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस अधिकारियों ने बताया, केरल के रहने वाले 40 वर्षीय मुहम्मद मुहिन के बेटे जुनीश बाबू एके ने 19 जून की सुबह मादिवाला पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई। शिकायत में बताया गया कि वह अपने दो दोस्तों के साथ 15 जून 2026 को बेंगलुरु आए थे और मादिवाला स्थित व्हाइट स्टोन लॉज में ठहरे हुए थे। जुनीश बाबू ने पुलिस को बताया कि उनके एक परिचित नवीन ने उन्हें एक ट्रेडिंग योजना में निवेश करने के लिए प्रेरित किया था। इस योजना में कम समय में अधिक रिटर्न मिलने का दावा किया गया था।

इसी भरोसे के चलते वह अपने साथ 20 लाख रुपए नकद लेकर बेंगलुरु पहुंचे थे, ताकि उक्त योजना में निवेश कर सकें। आरोप है कि इस दौरान कुछ लोगों ने पहले से साजिश रची और मौका पाकर जुनीश बाबू पर हमला कर दिया। हमलावरों ने उनके साथ मारपीट की, उन्हें धमकाया और उनके पास मौजूद 20 लाख रुपए नकद लूटकर फरार हो गए। घटना के बाद पीड़ित ने पुलिस से संपर्क किया और मामले की शिकायत दर्ज कराई। शिकायत के आधार पर मादिवाला पुलिस स्टेशन में मुकदमा दर्ज किया गया। पुलिस ने डकैती, मारपीट, आपराधिक धमकी और आपराधिक साज़िश से संबंधित धाराओं में केस दर्ज कर जांच शुरू की। जांच के दौरान पुलिस ने मामले में शामिल तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान कुपेंद्र रेड्डी, वसंत कुमार और सीआईडी पुलिस इंस्पेक्टर महेश कनकगिरी के रूप में हुई है।

पुलिस यह भी जांच कर रही है कि कथित ट्रेडिंग योजना के नाम पर पीड़ित को बेंगलुरु बुलाने की साज़िश पहले से रची गई थी या नहीं। पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर रही है और मामले के अन्य संभावित पहलुओं की जांच जारी है। अधिकारियों का कहना है कि जांच के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

'कुछ लोग वफादार नहीं होते', संजय राउत का शिंदे गुट पर पलटवार

मुंबई, 20 जून (एजेंसियां)। महाराष्ट्र की राजनीति में शिवसेना (यूबीटी) और एकनाथ शिंदे गुट के बीच जारी टकराव एक बार फिर सुर्खियों में है। शनिवार (20 जून) को शिवसेना (यूबीटी) के वरिष्ठ नेता संजय राउत ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट साझा कर अपने विरोधियों पर हमला बोला। राउत ने एक पोस्ट किया, जिस पर लिखा था, कुछ लोग वफादार नहीं होते। पोस्ट के साथ उन्होंने जय महाराष्ट्र! भी लिखा। राउत ने किसी का नाम नहीं लिया, लेकिन राजनीतिक गलियारों में इसे सीधे तौर पर शिंदे गुट पर निशाना माना जा रहा है। राउत की पोस्ट ऐसे समय आई है जब महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने शिवसेना के 60वें स्थापना दिवस कार्यक्रम में उद्धव ठाकरे गुट पर तीखा हमला बोला था। शिंदे ने 4 साल पहले किए गए अपने विद्रोह का बचाव करते हुए कहा कि जनता ने उनके फैसले को सही ठहराया है।

उन्होंने कहा कि जनता ने 4 साल पहले लिए गए हमारे फैसले का समर्थन किया है। इसके साथ ही उन्होंने यूबीटी नेताओं के बयानों पर कटाक्ष करते हुए कहा, कुत्ते झुंड में आकर भौंकते हैं, लेकिन शेर अकेला आता है। इधर, शिवसेना के भीतर एक और संभावित टूट की चर्चाएं भी तेज हो गई हैं। हाल ही में शिवसेना एमएलसी चंद्रकांत रघुवंशी ने दावा किया था कि उद्धव ठाकरे गुट के 6 लोकसभा सांसद एकनाथ शिंदे के संपर्क में हैं और उन्होंने उन पर भरोसा जताया है। इस बीच संजय राउत ने कहा है कि लोकसभा से अनुपस्थित रहने वाले 6 सांसदों को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। उन्होंने बताया कि उनकी सदस्यता समाप्त करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। राउत ने कहा कि यदि लोकसभा अध्यक्ष नियमों और सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के अनुसार फैसला लेते हैं, तो इन सांसदों की सदस्यता रद्द हो सकती है।

दून की लीची ने यूरोप में बनाई पहचान इटली भेजी गई पहली खेप

देहरादून, 20 जून (एजेंसियां)। दून की मशहूर लीची ने अब यूरोपीय बाजार में भी अपनी पहचान दर्ज करा दी है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के अधीन कृषि एवं प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीडा) के सहयोग से उत्तराखंड की ताजी लीची की पहली खेप इटली के लिए रवाना की गई है। एक मीट्रिक टन लीची के इस निर्यात के साथ ही उत्तराखंड के बागवानी उत्पादों ने यूरोप में दस्तक दे दी है।

18 जून को देहरादून से भेजी गई इस पहली खेप को प्रदेश के बागवानी क्षेत्र के लिए बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है। इससे न केवल अंतरराष्ट्रीय ताजे फल बाजार में भारत की मौजूदगी मजबूत होगी, बल्कि हिमालयी क्षेत्र के प्रीमियम उत्पादों को भी नई पहचान मिलेगी। देहरादून की लीची अपनी अनूठी मिठास, गहरे लाल रंग, सोंधी सुगंध व उत्कृष्ट गूदे की गुणवत्ता के लिए देश-दुनिया में प्रसिद्ध है। प्रदेश में विशेष रूप से रोज सेंटेड, बेदाना व कलकत्तिया किस्म की लीची का उत्पादन होता है। देहरादून, हरिद्वार, नैनीताल व ऊधमसिंह नगर की अनुकूल कृषि-जलवायु परिस्थितियां इसकी गुणवत्ता को और बेहतर बनाती हैं।

इस निर्यात का सीधा लाभ किसानों को भी मिला है। अंतरराष्ट्रीय बाजार तक पहुंचने के कारण उत्पादकों को घरेलू बाजार की तुलना में करीब 25 प्रतिशत अधिक कीमत प्राप्त हुई है। इससे किसानों के बीच गुणवत्ता आधारित उत्पादन और निर्यातोन्मुख बागवानी को बढ़ावा मिलने की उम्मीद बढ़ी है। इस उपलब्धि के पीछे एपीडा, राज्य सरकार, निर्यातकों, किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ), लाजिस्टिक्स भागीदारों और अन्य हितधारकों के बीच बेहतर समन्वय की अहम भूमिका रही। पूरी मूल्य श्रृंखला के सहयोग से उत्तराखंड की लीची को अंतरराष्ट्रीय बाजार

किश्तवाड़ में टेरर नेटवर्क पर बड़ा प्रहार, सरकारी कर्मचारी समेत 2 मददगार गिरफ्तार

जम्मू, 20 जून (एजेंसियां)। कश्मीर के किश्तवाड़ जिले में आतंकवाद के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने डचन इलाके में सक्रिय आतंकियों के कथित मददगारों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए दो लोगों को गिरफ्तार किया है। अधिकारियों का कहना है कि ये लोग स्थानीय आतंकवादियों को विभिन्न प्रकार की सहायता पहुंचाने में शामिल थे। किश्तवाड़ के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) नरेश सिंह ने बताया कि मामले की गहन जांच के बाद तारिक अहमद गिनू और मोहम्मद इकबाल को गिरफ्तार किया गया है। तारिक अहमद गिनू वन विभाग में सरकारी कर्मचारी हैं, जबकि दोनों आरोपी टंडर, डचन क्षेत्र के रहने वाले बताए जा रहे हैं।

पुलिस के अनुसार, दोनों आरोपियों के खिलाफ आतंकियों को मदद पहुंचाने और उनके नेटवर्क को समर्थन देने के आरोप हैं। गिरफ्तारी के बाद उनसे पूछताछ की जा रही है ताकि नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की जानकारी जुटाई जा सके। इस मामले में किश्तवाड़ पुलिस स्टेशन में एफआईआर संख्या 167/2025 दर्ज की गई है।

चिंताजनकः हर वर्ष 5,000 करोड़ टन रेत का दोहन

खतरे में नदियां और समुद्री तट; प्रकृति नहीं पूरा कर पा रही भंडार

नई दिल्ली, 20 जून (एजेंसियां)। आधुनिक विकास की चमक के पीछे एक ऐसा प्राकृतिक संसाधन तेजी से खत्म हो रहा है, जिसकी कमी का असर आने वाले वर्षों में पूरी दुनिया को भुगतना पड़ सकता है। सड़कें, पुल, इमारतें और शहर खड़े करने के लिए जिस रेत का बड़े पैमाने पर इस्तेमाल किया जा रहा है, उसका दोहन अब प्रकृति की भरपाई क्षमता से कहीं आगे निकल चुका है।

संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (यूएनईपी) की ताजा रिपोर्ट के अनुसार दुनिया में हर साल लगभग 5,000 करोड़ टन रेत निकाली और उपयोग की जा रही है। चिंता की बात यह है कि जिस रेत को बनने में लाखों वर्ष लगते हैं, उसे कुछ ही दशकों में खत्म किया जा रहा है। रिपोर्ट बताती है कि शहरीकरण, बढ़ती आबादी और आधारभूत ढांचे के विस्तार के कारण रेत की मांग लगातार बढ़ रही है। अनुमान है कि केवल निर्माण क्षेत्र में ही वर्ष 2060 तक रेत की जरूरत करीब 45 प्रतिशत बढ़ सकती है।

विशेषज्ञों के अनुसार समस्या केवल खपत की मात्रा नहीं है, बल्कि यह भी है कि प्रकृति जिस गति से रेत का निर्माण करती है, मानव समाज उससे कहीं अधिक तेजी से उसका दोहन कर रहा है। चट्टानों के क्षरण व प्राकृतिक प्रक्रियाओं से बनने वाली रेत का पुनर्निर्माण हजारों नहीं, बल्कि लाखों वर्षों में होता है। यही कारण है कि वैज्ञानिक उपलब्धता के बीच बढ़ती खाई को एक उभरते वैश्विक संकट के रूप में देख रहे हैं। रिपोर्ट का एक और चिंताजनक निष्कर्ष यह है कि दुनिया की लगभग आधी ड्रेजिंग कंपनियां समुद्री संरक्षित क्षेत्रों के भीतर भी रेत निकाल रही हैं।

इन क्षेत्रों से प्राप्त रेत वैश्विक समुद्री रेत खनन का महत्वपूर्ण हिस्सा है। विशेषज्ञों का कहना है कि यदि संरक्षण के लिए घोषित क्षेत्रों में भी खनन जारी रहा, तो समुद्री जैव विविधता को बचाने के प्रयास कमजोर पड़ जाएंगे। अक्सर रेत को केवल सीमेंट और कंक्रीट का कच्चा माल समझा जाता है, लेकिन इसकी भूमिका इससे कहीं व्यापक है। नदियों और समुद्री तटों पर मौजूद रेत अनेक जीव-जंतुओं के आवास का आधार है। मछलियां, कछुए, केकड़े, पक्षी और अन्य कई प्रजातियां सीधे तौर पर इन पारिस्थितिक तंत्रों पर निर्भर हैं। इसके अलावा रेत प्राकृतिक फिल्टर की तरह काम करती है, जो पानी को साफ रखने में मदद करती है। यह नदियों के प्रवाह को संतुलित रखती है।

हमारे रहबर ने ही हमारे साथ रहजनी की

झारखंड आरएस चुनाव को लेकर बिहार में कांग्रेस आरजेडी में भारी बवाल

पटना, 20 जून (एजेंसियां)। देखिए सिर्फ झारखंड के राज्यसभा चुनाव में ऐसा हुआ है। ऐसी बात नहीं है। पिछले बिहार विधानसभा चुनाव में हमारे रहबर ने ही हमारे साथ रहजनी की। और ये पूरा बिहार जानता है।' उपरोक्त बयान कांग्रेस के युवा नेता और प्रवक्ता असित नाथ तिवारी के हैं। असित नाथ तिवारी के इस बयान के आईने में आप बिहार में महागठबंधन के अंदर जारी सियासी शीत युद्ध को समझ सकते हैं। इससे पूर्व भी वोटिंग के दिन असित नाथ तिवारी ने आरजेडी पर शायरना अंदाज में हमला किया था। उन्होंने चुनाव आयोग को भी आड़े हाथों लिया था। लेकिन अब तो वे खुलकरक हार के लिए आरजेडी को जिम्मेदार ठहरा रहे हैं।

असित नाथ तिवारी ने आगे कहा कि ये सच्चाई है। पता नहीं किसके दबाव में हैं। किसके डर में हैं। केस मुकदमों का इतना डर हो गया है। कोई और डील कर ली है, ये हम नहीं जानते। लेकिन ये सच्चाई है कि बिहार विधानसभा चुनाव में हमारे ही रहबर ने हमारे साथ रहजनी की। झारखंड के राज्यसभा चुनाव में भी हमारे रहबर ने ही हमारे साथ रहजनी की है। असित नाथ तिवारी ने आरजेडी पर साहित्यिक अंदाज में नाम लिए बगैर ही प्रहार किया, लेकिन इशारा साफ आरजेडी की ओर था। उन्होने बिहार चुनाव में भी धोखा देने का आरोप लगाया। तिवारी का मानना है कि आखिर क्यों डर जाते हैं।

ध्यान रहे कि झारखंड राज्यसभा चुनाव के नतीजों पर बिहार में कांग्रेस और आरजेडी के बीच भयंकर विवाद चल रहा है। कांग्रेस प्रवक्ता ने अपने सहयोगी साथी दल पर दगाबाजी का आरोप लगा दिया है। उसके बाद आरजेडी की ओर से भी प्रतिक्रिया आई है। कांग्रेस को आरजेडी प्रवक्ता ने हैसियत बताई है। उन्होंने यहां तक कह दिया कि आरजेडी का समर्थन नहीं रहे तो बिहार क्या कहीं भी कांग्रेस का खाता नहीं खुलेगा। झारखंड के कांग्रेस के उम्मीदवार प्रणव झा 15 जून को तेजस्वी यादव से भी मिले थे। लेकिन चुनाव में वे निर्दलीय उम्मीदवार परिमल नाथवानी से हार गए। उसके बाद से बिहार में सियासत तेज हो गई है।

हत्थे से उखड़े आरजेडी नेता

असितनाथ तिवारी के बयान के बाद आरजेडी प्रवक्ता मृत्युंजय तिवारी हत्थे से उखड़ गए। उन्होंने कांग्रेस पार्टी को उनकी औकात दिखा दी। उन्होंने कहा कि उनके अपने विधायक संभलते नहीं हैं। साथी दलों पर सवाल उठाते हैं। असितनाथ तिवारी को मृत्युंजय तिवारी ने छोटा नेता करार दिया। उन्होंने कहा कि मीडिया में बने रहने के लिए गलत बयानी करते हैं। बिहार में उनकी राजनीति राजद के सहारे चलती है। अगर आरजेडी का समर्थन नहीं मिले तो खाता खुलना मुश्किल होगा। इंडिया गठबंधन सांप्रदायिक ताकतों से लड़ाई और लोकतंत्र और संविधान बचाने की लड़ाई लड़ता है। ये लोग कुछ बोलते हैं। इसका कोई मायने नहीं है। उनका कोई जमीन नहीं है।

नेपाल में बारिश से बिहार में बाढ़ का खतरा

किशनगंज में मेची नदी उफान पर 100 एकड़ में फैला पानी, कई गांव डूबे

पटना, 20 जून (एजेंसियां)। नेपाल में लगातार हो रही बारिश के कारण बिहार में बाढ़ का खतरा बढ़ने लगा है। किशनगंज के ठाकुरगंज में मेची नदी उफान पर है। भारत-नेपाल सीमा क्षेत्र में नदी का कटाव तेज हो गया है, जिससे करीब 100 एकड़ क्षेत्र जलमग्न हो गए हैं। बाढ़ के पानी से कई गांव प्रभावित हुए हैं, जिससे हजारों लोगों के सामने परेशानी खड़ी हो गई है।

वहीं, बिहार में मानसून समय से पहले पहुंच गया, लेकिन प्रदेश में सामान्य बारिश भी नहीं हो रही है। पटना समेत प्रदेश के कई जिलों में शनिवार सुबह काले बादल छाए थे। ठंडी हवा चल रही थी, लेकिन दिन चढ़ने के साथ ही तेज धूप निकल आई।

शेखपुरा के बरबीघा थाना क्षेत्र के मिर्जापुर गांव में बिजली गिरने से 13 वर्षीय छात्र की मौत हो गई। मृतक की पहचान गांव के जलंधर चौधरी के पुत्र राजू कुमार के रूप में हुई है।

नीट-यूजी 2026 पेपर लीक, सीबीआई की जांच पूरी

10 दिनों में दाखिल होगी चार्जशीट

नई दिल्ली, 20 जून (एजेंसियां)। नीट-यूजी 2026 पेपर लीक मामले में तफ्तीश कर रही सीबीआई की जांच पूरी हो गई है। इस मामले में फिलहाल कोई और बड़ी और नई गिरफ्तारी होने की उम्मीद बेहद कम है। इसके लिए मोटे तौर पर फाइनल ड्राफ्ट भी तैयार कर लिया गया है, जिसे सीबीआई की लीगल टीम और अन्य एक्सपर्ट गंभीरता के साथ जांच रहे हैं। ताकि कोर्ट में जाने से पहले इसमें सबूतों के अभाव में या फिर अन्य किसी फ्रंट पर कहीं कोई तकनीकी कमी तो नहीं रह गई है। सूत्रों का कहना है कि अगर सबकुछ सही रहा तो अगले 10 दिनों के अंदर इस केस में सीबीआई अदालत में चार्जशीट दाखिल कर देगी।

अभी तक 13 आरोपी गिरफ्तार

सूत्रों ने बताया कि नीट-यूजी 2026 पेपर लीक मामले की जांच कर रही सीबीआई ने इस मामले में अभी तक 13 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। चार्जशीट में इन्हीं आरोपियों को इस पेपर लीक मामले में मुख्य रूप से आरोपी बनाया गया है। इनके अलावा जांच में अभी तक कोई अन्य हाई प्रोफाइल वाला नाम सामने नहीं आया है।

सीबीआई ने 100 से अधिक लोगों से पूछताछ की

इस मामले में सीबीआई ने 100 से अधिक लोगों से पूछताछ भी की। सूत्रों ने यह भी बताया कि इससे पहले जब 2024 में नीट-यूजी पेपर लीक हुआ था। उस पेपर लीक के मुकाबले इस बार हुआ यह पेपर लीक अधिक गंभीर है। मामले में बीच वाले आरोपियों ने पेपर लीक किया।

यही वजह है कि अब फिर से नीट-यूजी के लिए होने वाले एग्जाम के लिए टेलीग्राम पर रोक लगाई जा रही है। क्योंकि, टेलीग्राम का इस्तेमाल क्रिमिनल एक्टिविटी करने वाले अब इसे नए डार्क वेब के तौर पर भी इस्तेमाल कर रहे हैं, जिसे पकड़ पाना फिलहाल जांच एजेंसियों के लिए फेसबुक और व्हाट्सएप जैसे सोशल मीडिया प्लेटफार्म के मुकाबले थोड़ा मुश्किल है। सीबीआई जांच के दौरान जो भी कमियां सामने आईं हैं। आने वाले समय में उन पर काम करते हुए एनटीए की इस पेपर प्रक्रिया को पूरी तरह से लीकप्रूफ बनाने की कोशिश की जाएगी।

जनता का पैसा हड़पने वाली मिलीभगत की जांच हो

यह धोखाधड़ी मंजूर नहीं : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली, 20 जून (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत ने जिस तरह से स्ट्रेस्ड लोन (फंसे हुए कर्ज) को असाइन और सेटल किया जा रहा था, उस पर चिंता जताई है। उन्होंने एसेट रिकंस्ट्रक्शन कंपनियों (एआरसी), कर्ज लेने वालों और बैंकों के बीच कथित मिलीभगत से जनता के हजारों करोड़ रुपये की हेराफेरी के मामले में कहा, 'एआरसी, बैंक और कर्ज लेने वाले के बीच एक गहरी मिलीभगत है।' सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र के गृह और वित्त मंत्रालयों, रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) और सीरियस फ्रॉड इन्वेस्टिगेशन ऑफिस से जवाब मांगा है। यह मामला नोएडा की एक इंफ्रास्ट्रक्चर कंपनी से जुड़े घोटाले से संबंधित है।

लाइव लॉ की एक रिपोर्ट के अनुसार, चीफ जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस वी मोहन की वेकेशन बेंच ने इस मामले की सुनवाई की और केंद्र सरकार, रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई), एनफोर्समेंट डायरेक्टरेट, सीरियस फ्रॉड इन्वेस्टिगेशन ऑफिस, सेंट्रल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन (सीबीआई) और सिक्योरिटीज एंड एक्सचेंज बोर्ड ऑफ इंडिया से चार हफ्ते के अंदर जवाब मांगा।

लाइव लॉ की रिपोर्ट में कहा गया है कि याचिकाकर्ता का कहना था कि पब्लिक सेक्टर के बैंकों का 1,537 करोड़ रुपये का कर्ज दो एआरसी के जरिए सिर्फ 73.5 करोड़ रुपये में निपटा दिया गया, जिससे जनता के पैसे का भारी नुकसान हुआ। सीजेआई सूर्यकांत ने कहा-एआरसी, बैंक और कर्ज लेने वाले के बीच एक गहरी मिलीभगत है।

चीफ जस्टिस ने आगे कहा, 'लेकिन यह कैसी व्यावसायिक समझदारी है कि आप टैक्स देने वालों का पैसा यानी जनता का पैसा इकट्ठा करते हैं और फिर उसे बिना सोचे-समझे कर्ज के तौर पर बांट देते हैं।

और बाद में उसे वसूलने की कोई कोशिश नहीं करते? इस तरह का व्यवहार स्वीकार्य नहीं है।'

बीजेपी नेता को जिंदा जलाने वाले मास्टरमाइंड ने किया सरेंडर

मनोज त्रिपाठी समेत 4 आरोपी पहुंचे मनेंद्रगढ़ थाने, अब तक 8 अरेस्ट, एक फरार

कोरिया/मनेंद्रगढ़, 20 जून (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के कोरिया जिले में रेत तस्करी विवाद में बीजेपी नेता भरत सिंह उर्फ लल्ला सिंह समेत 3 लोगों की हत्या कर दी गई। इस मामले के शनिवार को मुख्य आरोपी मनोज त्रिपाठी समेत 4 और आरोपियों ने मनेंद्रगढ़ थाने में सरेंडर कर दिया है। इस तरह अब तक 8 लोग अरेस्ट हो चुके हैं। जबकि एक आरोपी अभी भी फरार है। दरअसल, कोरिया जिले के नौगईं गांव में आरोपियों ने 16 जून की देर रात फॉर्च्यूनर के आगे-पीछे हाईवा अड़ाकर रास्ता रोका, फिर वाहन पर पेट्रोल छिड़ककर आग लगा दी। इस हमले में भाजपा के पूर्व जनपद पंचायत अध्यक्ष भरत सिंह उर्फ लल्ला सिंह जिंदा जल गए।

फॉर्च्यूनर में सवार लल्ला सिंह के चचेरे भाई और शिक्षक नागेंद्र सिंह की भी बिलासपुर और तीसरे घायल की अंबिकापुर में मौत हो गई थी। घटना के बाद पुलिस ने 9 आरोपियों के खिलाफ नामजद केस दर्ज किया था। इनमें से 4 लोगों को पहले गिरफ्तार कर लिया गया था। फरार आरोपियों की तलाश में पुलिस टीमें लगी हुई थीं। आरोपियों की पतासाजी के लिए उत्तरप्रदेश और मध्यप्रदेश की पुलिस टीमों को भी आरोपियों की फोटो भेजी गई थी। इधर, शनिवार को मुख्य आरोपी मनोज त्रिपाठी सहित निशांत त्रिपाठी, अमन, आशुतोष त्रिपाठी ने सरेंडर कर दिया है। एमसीबी एसीप रत्ना सिंह भी थाने पहुंची। मनेंद्रगढ़ एसपी रत्ना सिंह ने बताया कि, पुलिस के लगातार दबाव के कारण सभी आरोपियों ने सरेंडर किया है। आगे की विवेचना कोरिया पुलिस करेगी। घटना के विरोध में करणी सेना ने प्रदर्शन का ऐलान किया था। पुलिस की लगातार छापेमारी से आरोपियों पर भी सरेंडर करने का दबाव था।

रेत के अवैध खनन को लेकर लल्ला सिंह के परिवार का भाजपा नेता मनोज त्रिपाठी के परिवार से विवाद चल रहा था। चिरमी के रेत घाट का ठेका करीब 8 माह पहले मयंक सिंह के नाम पर मिला था। इसके बाद मयंक सिंह और उनका परिवार सोनहत, कैलाशपुर और तेलीमुड़ा, बेलिया और छिंगुरा से निकलने वाले अवैध रेत से भी वसूली शुरू कर दी।

भाजपा नेता लल्ला सिंह और उनके परिवार के सदस्य फार्च्यूनर में हूटर बजाते हुए चलते थे। मयंक सिंह प्रति हाईवा 1000 रुपए का शुल्क लेता था। जिला मुख्यालय बैकुंठपुर में एक हाईवा रेत 5000 रुपये तक में बिकती है। त्रिपाठी परिवार के पास कुछ टीपर वाहन हैं, जिनसे वे रेत निकालकर जिला मुख्यालय बैकुंठपुर में बेचते थे।

त्रिपाठी परिवार दूसरे घाट से निकाले गए रेत का पैसा देने तैयार नहीं था, जिसे लेकर कई माह से दोनों परिवारों के बीच तनाव की स्थिति बनी हुई थी।

भाजपा जिलाध्यक्ष के भाई पर जानलेवा हमला

ट्रैक्टर की टक्कर से शुरू हुआ विवाद मारपीट में बदला, बीयर की बोतल से भी किया वार

धनबाद, 20 जून (एजेंसियां)। धनबाद के झरिया थाना क्षेत्र के जामाडोबा में वाहन विवाद को लेकर दो पक्षों में मारपीट हुई। इस घटना में भाजपा धनबाद जिलाध्यक्ष श्रवण राय के भाई जमेंद्र राय सहित तीन लोग घायल हो गए। घटना के बाद इलाके में कुछ समय के लिए तनाव की स्थिति बन गई थी। जानकारी के अनुसार, जामाडोबा चार नंबर में जमेंद्र राय की सीमेंट की दुकान है। जमेंद्र राय का ट्रैक्टर दूसरे पक्ष की गाड़ी से टकरा गया। इसी बात पर दोनों पक्षों में कहासुनी हुई, जो बाद में विवाद और मारपीट में बदल गई।

मारपीट के दौरान लाठी-डंडे, चाकू और कांच की बोतल से हमला करने का आरोप है। एक युवक ने बीयर की बोतल से उनके सिर पर हमला कर दिया। बोतल टूटने के बाद उसके नुकीले हिस्से से शरीर के विभिन्न हिस्सों पर वार किया गया, जिससे वे गंभीर रूप से घायल हो गए।

इस घटना में जमेंद्र राय सहित तीन लोग घायल हुए। घायलों को इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया, जहां उनकी स्थिति स्थिर बताई जा रही है। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू की।

जोरापोखर थाना के एसआई सत्यम शिव कुमार ने बताया कि ट्रैक्टर और वाहन विवाद के बाद दोनों पक्षों में मारपीट हुई। दोनों पक्षों की ओर से शिकायत दर्ज कराई गई है, जिसके आधार पर एफआईआर दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है।

पुलिस ने बताया कि जांच के बाद दोषियों के खिलाफ आगे की कार्रवाई की जाएगी।

नए आपराधिक कानूनों की समीक्षा कर रही सरकार

जांच एजेंसियों से मांगे गए सुझाव

मुंबई, 20 जून (एजेंसियां)। भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) कानून 1 जुलाई, 2024 से पूरे भारत में लागू हुआ है। इसी दिन से भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) भी लागू किया गया था ।।दोनों कानूनों ने अंग्रेजों के जमाने के पुराने आईपीसी और सीआरपीसी का स्थान लिया है। नए कानूनों के लगभग दो साल पूरे होने पर केंद्र सरकार इसका रिव्यू कर रही है। इस संबंध में देश भर की अलग-अलग जांच एजेंसियों से केंद्र सरकार द्वारा सुझाव मांगे गए हैं। महाराष्ट्र में भी डीजीपी ऑफिस के जरिए मुंबई सहित पूरे राज्य की पुलिस को कुछ दिनों पहले सुझाव से जुड़ी एक लिस्ट भेजी गई। मुंबई पुलिस के कुछ अधिकारियों ने हमसे बातचीत में इस बात की पुष्टि की। एक पुलिस स्टेशन के सीनियर इंस्पेक्टर ने बताया कि उनके पास जॉइंट सीपी लॉ एंड ऑर्डर की तरफ से इस संबंध में लेटर आया था। एक अन्य जांच यूनिट को उनके बॉस की तरफ से यह लेटर आया था।

इन अधिकारियों ने बताया कि उन्होंने बीएनएस और बीएनएसएस के संबंध में अपने जवाब दो-तीन पहले लिख कर भेज दिए हैं। एक अधिकारी ने बताया कि नए कानून में काफी खूबियां हैं, पर इसमें कुछ व्यावहारिक दिक्कतें भी हैं। सबसे बड़ी दिक्कत है-अरेस्ट मेमो को लेकर। नए कानून में यह स्पष्ट किया गया है कि अरेस्ट मेमो में गिरफ्तारी के आधार आरोपी को लिखित रूप में उपलब्ध कराए जाएं और यह जानकारी ऐसी भाषा में दी जाए जिसे वह समझता हो। हाल के दिनों में विभिन्न न्यायालयों ने भी इस बात पर जोर दिया है कि आरोपी को उसकी समझ की भाषा में गिरफ्तारी के कारण बताना न्यायसंगत प्रक्रिया का महत्वपूर्ण हिस्सा है।

नए कानून में किसी भी व्यक्ति को हिरासत में लेते ही पुलिस के लिए तुरंत अरेस्ट मेमो तैयार अनिवार्य है। इस मेमो में गिरफ्तारी की तारीख, समय और स्थान का स्पष्ट उल्लेख करना होगा। साथ ही इस पर गिरफ्तार व्यक्ति के हस्ताक्षर लेने के अलावा परिवार के किसी सदस्य अथवा स्थानीय क्षेत्र के किसी सम्मानित व्यक्ति के हस्ताक्षर भी कराना आवश्यक होगा। नए कानून में अरेस्ट मेमो में केवल गिरफ्तारी का समय और स्थान ही नहीं, बल्कि गिरफ्तारी के स्पष्ट कारण तथा गिरफ्तारी करने वाले अधिकारी का पूरा विवरण भी दर्ज किया जाना चाहिए। नए प्रावधानों के तहत पुलिस को गिरफ्तार व्यक्ति के किसी रिश्तेदार, मित्र या उसके द्वारा नामित व्यक्ति को तत्काल गिरफ्तारी और उसे किस स्थान पर रखा गया है, इसकी जानकारी देना भी अनिवार्य किया गया है । पुराने कानून में ऐसा नहीं था।

केरलम पर पांच लाख करोड़ का कर्ज

उधार से वेतन-बोनस! शशि थरूर ने लेफ्ट सरकार के 'वाम मॉडल' की खोली पोल

तिरुवनंतपुरम, 20 जून (एजेंसियां)। केरलम की यूडीएफ सरकार द्वारा अपना पहला बजट पेश किए जाने के एक दिन बाद, शनिवार को वरिष्ठ कांग्रेस नेता शशि थरूर ने विपक्षी सीपीआई(एम) के नेतृत्व वाले एलडीएफ पर तीखा हमला किया। उन्होंने आरोप लगाया कि एलडीएफ ने एक दूरदर्शी बजट के जवाब में केवल 'पुरानी घिसी-पिटी विचारधारा वाली बातें' कहीं। एक्स पर एक पोस्ट में थरूर ने बजट पर वामपंथी दलों की प्रतिक्रिया की आलोचना की और विपक्ष के नेता पिनाराई विजयन की टिप्पणियों का जिक्र किया। विजयन के इस बयान का हवाला देते हुए कि पिछली दो एलडीएफ सरकारों ने दिखाया था।

महाराष्ट्र के परभणी में हनुमान मंदिर की छत गिरी : 7 की मौत, 25 घायल

शनिवार को प्रसाद लेने के लिए भीड़ जुटी थी

परभणी, 20 जून (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के परभणी जिले में यशवाड़ी देवस्थान में हनुमान मंदिर के हॉल की निर्माणाधीन छत शनिवार दोपहर गिर गई। मलबे में में दबने से 7 लोगों की मौत हो गई, जबकि 25 लोग घायल हुए, जिन्हें अस्पताल पहुंचा दिया गया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक यहां मंदिर के ठीक सामने सभामंडप बनाने का काम चल रहा था। दोपहर के समय लोग प्रसाद ले रहे थे। अचानक मंदिर का स्ट्रक्चर और पत्थर भरभराकर गिर पड़े।

हादसे का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है। वीडियो के मुताबिक दोपहर 3 बजे कई लोग लाइन में खड़े होकर प्रसाद दर्शन-पूजा कर रहे थे। तभी बांस और लोहे की रॉड से बना सेंट्रिंग स्ट्रक्चर टूट गया। शनिवार होने के कारण मंदिर में भीड़ ज्यादा थी। हादसे के बाद पुलिस और स्थानीय प्रशासन ने घटनास्थल पर रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया। रिपोर्ट्स के मुताबिक परभणी के हनुमान मंदिर के ठीक सामने सभा मंडप का निर्माण कार्य चल रहा था। इसी सभा मंडप की छत अचानक ढह गई। जिला कलेक्टर संजय चव्हाण, उपमंडल अधिकारी संगीता चव्हाण और तहसीलदार पांडुरंग माछेवाड़ ने बताया कि 32 लोगों में से 7 की मौत हो गई और 25 गंभीर रूप से घायल हो गए।

आपदा प्रबंधन अधिकारी, पथरी अग्निशमन विभाग, मानवत लोक निर्माण विभाग, जिला स्वास्थ्य अधिकारी, चिकित्सा दल, परभणी नगर निगम और स्थानीय ग्रामीणों की मदद से बचाव अभियान पूरा किया गया।

अष्टलक्ष्मी ने वैश्विक मानचित्र पर बनाई मजबूत पहचान

पूर्वोत्तर के विकास पर बोलीं वित्त मंत्री

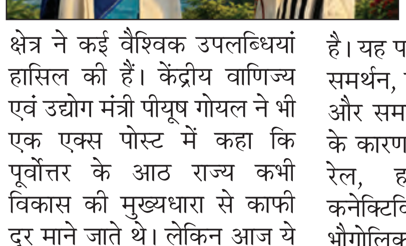

नई दिल्ली, 20 जून (एजेंसियां)। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शनिवार को कहा कि पूर्वोत्तर भारत अब वैश्विक स्तर के कई खास स्थलों का घर बन चुका है, जो सतत और समावेशी विकास का उदाहरण पेश कर रहे हैं।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में वित्त मंत्री ने कहा कि 'अष्टलक्ष्मी (अरुणाचल प्रदेश, असम, मणिपुर, मेघालय, मिजोरम, नागालैंड, सिक्किम और त्रिपुरा) अब वैश्विक मानचित्र पर मजबूती से अपनी पहचान बना चुकी है। उन्होंने कहा कि दुनिया के पहले 100 प्रतिशत ऑर्गेनिक राज्य से लेकर दुनिया की सबसे लंबी दो-लेन सुरंग और सबसे ऊंचे गर्डर रेल पुल तक, पूर्वोत्तर क्षेत्र ने कई वैश्विक उपलब्धियां हासिल की हैं। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने भी एक एक्स पोस्ट में कहा कि पूर्वोत्तर के आठ राज्य कभी विकास की मुख्यधारा से काफी दूर माने जाते थे। लेकिन आज ये राज्य भारत की विकास यात्रा के नए इंजन के रूप में उभर रहे हैं, जो समृद्धि, शक्ति और अपार संभावनाओं से भरे हुए हैं।

एक आधिकारिक फैक्ट शीट के अनुसार, पिछले 12 वर्षों में पूर्वोत्तर क्षेत्र के विकास परिदृश्य में उल्लेखनीय बदलाव देखने को मिला है। यह परिवर्तन लगातार नीतिगत समर्थन, बुनियादी ढांचे के विस्तार और समावेशी विकास कार्यक्रमों के कारण संभव हुआ है। सड़क, रेल, हवाई और डिजिटल कनेक्टिविटी में सुधार ने क्षेत्र की भौगोलिक दूरी और अलगाव को कम किया है। साथ ही इससे क्षेत्रीय एकीकरण और आर्थिक पहुंच को भी मजबूती मिली है।

कैडर समीक्षा को लेकर सीएसएस फोरम की पीएमओ से हस्तक्षेप की मांग

8 साल से लंबित है फाइल

नई दिल्ली, 20 जून (एजेंसियां)। केंद्रीय सचिवालय सेवा (सीएसएस) फोरम ने प्रधानमंत्री के प्रधान सचिव डॉ. पीके मिश्रा को एक प्रतिनिधित्व भेजकर केंद्रीय सचिवालय सेवा की लंबित चौथी कैडर समीक्षा को शीघ्र अंतिम रूप दिलाने के लिए हस्तक्षेप करने का अनुरोध किया है। यह कैडर समीक्षा वर्ष 2018 में देय थी, लेकिन आठ वर्ष से यह फाइल लंबित है। इसके चलते सीएसएस अधिकारियों के पदोन्नति के अवसर प्रभावित हुए हैं। उनके मनोबल पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है।

टीएमसी में 440 करोड़ का 'फंड वॉर'

तीन बैंक अकाउंट फ्रीज, बागी विधायकों की शिकायत से सियासी भूचाल

कोलकाता, 20 जून (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव हारने के बाद से ही ममता बनर्जी की मुश्किलें लगातार बढ़ती जा रही हैं। पहले तृणमूल कांग्रेस के सांसदों और विधायकों की बगावत और अब पार्टी के खातों में जमा पैसों को फ्रीज कर दिया गया है।

दरअसल, पार्टी के बागी विधायकों की शिकायत के बाद पार्टी के तीन बैंक खातों, जिनमें लगभग 440 करोड़ जमा हैं, के डेबिट ऑपरेशन को फ्रीज़ कर दिया गया है।

बता दें कि पार्टी के बागी विधायकों ने इन फंड्स के स्रोत की जांच की मांग की थी। इससे विपक्षी पार्टी के वित्तीय फंड पर नियंत्रण को लेकर चल रही अंदरूनी लड़ाई और तेज हो गई है।

पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि निजी क्षेत्र के एक बैंक में मौजूद इन तीन खातों को 'डेबिट फ्रीज़' के दायरे में रखा गया है, जिससे पैसे निकालने या बाहर ट्रांजैक्शन करने पर रोक लग गई है, हालांकि पैसे जमा होते रहेंगे।

यह घटनाक्रम टीएमसी के अंदर सत्ता के लिए चल रही उस लड़ाई के बीच हुआ है, जो हालिया विधानसभा चुनावों में हार के बाद पार्टी के संगठनात्मक और वित्तीय कामकाज पर नियंत्रण को लेकर पूर्व मंत्री अरूप बिस्वास और विपक्ष के नेता ऋतब्रत बनर्जी के गुटों के बीच तेज हो गई है। यह फ्रीज़िंग बनर्जी से जुड़े 10 विधायकों की शिकायतों के बाद हुई है।

उन्होंने बिधाननगर पुलिस कमिश्नरेट के तहत साइबर क्राइम पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराकर FIR दर्ज करने और खातों की विस्तृत जांच की मांग की थी।

अपनी शिकायतों में विधायकों ने खातों में जमा फंड्स के स्रोत पर सवाल उठाए और उनके जरिए किए गए लेन-देन की जांच की मांग की।

एक शिकायत की कॉपी के अनुसार, विधायकों ने जांचकर्ताओं से यह पता लगाने का आग्रह किया कि क्या फंड्स कानूनी स्रोतों से आए थे या कथित गैर-कानूनी गतिविधियों से, जिनमें संदिग्ध 'कट-मनी' कलेक्शन, सार्वजनिक फंड्स का डायवर्जन और घोटालों से मिली रकम शामिल हो सकती है।

गुवाहाटी में होगा भारत-जापान समिट, दोनों देशों ने असम को क्यों चुना?

नई दिल्ली, 20 जून (एजेंसियां)। भारत इस साल सालाना भारत- जापान समिट की मेजबानी करेगा, जो परंपरा से हटकर होगा। नई दिल्ली या मुंबई में मिलने के बजाय, जापान की प्रधानमंत्री सनाए तकाइची अगले महीने की शुरुआत में असम जाएंगी। डिफेंस एक्सपर्ट ब्रह्मा चेलानी उनके साथ दर्जनों जापानी कंपनियों के नेता भी होंगे। पूर्वोत्तर भारतीय राज्य को चुनने से दो बातें साफ होती हैं। एक तो असम की आर्थिक क्षमता-जिसका अभी तक ज्यादा इस्तेमाल नहीं हुआ है और उसमें टोक्यो की दिलचस्पी; और दूसरी, मोदी की वह महत्वाकांक्षा जिसके तहत वे इस राज्य को दक्षिण-पूर्व एशिया के लिए एक इंडस्ट्रियल और लॉजिस्टिक्स गेटवे बनाना चाहते हैं।

चीन को झटका! रूस जाकर भारत करेगा रेयर अर्थ भंडार पर काम

4 लाख करोड़ रुपये वाली रूसी कंपनी से हुई बात

नई दिल्ली,20 जून (एजेंसियां)। रेयर अर्थ एलिमेंट्स पर एकाधिकार राज करने वाले चीन का घमंड धीरे-धीरे चकनाचूर हो रहा है। भारत इस दिशा में अब तक कई बड़े कदम उठा चुका है। अब हिंदुस्तान ने एक ऐसा कदम उठाया है, जिससे चीन को बड़ा झटका लग सकता है। दरअसल, भारत रूस की दूसरी सबसे बड़ी कंपनी के साथ मिलकर रूस में रेयर अर्थ का भंडार खोजने और उस पर अध्ययन करने के लिए बातचीत कर रहा है। रेयर अर्थ खनिजों की जरूरत इलेक्ट्रिक वाहन, रक्षा उपकरण और आधुनिक इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों के निर्माण में होती है। इसी कड़ी में भारत रूस के विशाल रेयर अर्थ भंडारों का अध्ययन करने की तैयारी कर रहा है।

रूस की दूसरी बड़ी कंपनी से चल रही बातचीत

सरकारी सूत्रों के अनुसार, भारत रूस की प्रमुख तेल कंपनी रोसनेफ्ट के साथ बातचीत कर रहा है। यह रूस की दूसरी सबसे बड़ी कंपनी है।

रोसनेफ्ट का मार्केट कैप 4 लाख करोड़ रुपये से अधिक है। भारत का उद्देश्य साइबेरिया में मौजूद रेयर अर्थ खनिजों की संरचना और गुणवत्ता का अध्ययन करना है। रोसनेफ्ट रूस की सबसे बड़ी कंपनियों में शामिल है और हाल ही में उसने साइबेरिया के टॉमटोर क्षेत्र में स्थित एक महत्वपूर्ण रेयर अर्थ परियोजना का अधिग्रहण किया था।

चीन के फैसले से बढ़ी थी चिंता

पिछले साल चीन ने रेयर अर्थ से जुड़े कुछ उत्पादों और तकनीकों के निर्यात पर सख्ती बढ़ा दी थी। इसका असर भारत सहित कई देशों पर पड़ा। भारत में रेयर अर्थ मैग्नेट की उपलब्धता को लेकर भी चिंता पैदा हुई थी, क्योंकि चीन इस क्षेत्र का सबसे बड़ा आपूर्तिकर्ता है। विशेषज्ञों का मानना है कि रूस के साथ सहयोग बढ़ाने से भारत को वैकल्पिक स्रोत मिल सकते हैं और आपूर्ति श्रृंखला अधिक सुरक्षित बन सकती है। दिसंबर में आयोजित भारत-रूस वार्षिक शिखर सम्मेलन के दौरान दोनों देशों ने रेयर अर्थ और अन्य महत्वपूर्ण खनिजों के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने पर सहमति जताई थी। इसके बाद कई स्तरों पर साझेदारी को आगे बढ़ाने की प्रक्रिया शुरू हुई।

भारत को मिल सकता है नया विकल्प

मई में, रोसाटॉम के साइंटिफिक डिवीजन की यूनिट जेएससी गिरेडमेट ने रेयर अर्थ के कच्चे माल की प्रोसेसिंग की टेक्नोलॉजी के रिसर्च और डेवलपमेंट के लिए भारत की नेक्सन जियोकेम के साथ एक समझौता ज्ञापन पर साइन किया। इसके अलावा गिरेडमेट ने भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईएसएम) धनबाद से जुड़े टेक्नोलॉजी इनोवेशन इन एक्सप्लोरेशन एंड माइनिंग फाउंडेशन के साथ भी एक आशय पत्र पर हस्ताक्षर किए हैं। दोनों पक्ष नियोडिमियम-आयरन-बोरॉन आधारित स्थायी चुंबकों के निर्माण की तकनीक विकसित करने पर मिलकर काम करेंगे।

भारत को क्या होगा फायदा?

यदि रूस के साथ यह सहयोग सफल रहता है तो भारत को रेयर अर्थ खनिजों की आपूर्ति के लिए नए विकल्प मिल सकते हैं। इससे इलेक्ट्रिक वाहन, सेमीकंडक्टर, रक्षा और हाई-टेक मैन्युफैक्चरिंग जैसे क्षेत्रों को मजबूती मिलेगी। साथ ही चीन पर निर्भरता कम करने के भारत के प्रयासों को भी बड़ा बल मिलेगा।

भारतीय रेल की बड़ी तैयारी 'राख' ढो कर भी कमाएगा करोड़ों रुपये

नई दिल्ली,20 जून (एजेंसियां)। थर्मल पावर प्लांट से निकली राख कभी पावर प्लांट के लिए सर दर्द का सबब था। लेकिन जबसे इसका उपयोग सड़क बनाने, सीमेंट या ईंट बनाने में हो रहा है, इसे लेने के लिए बिजली घर के बाहर ट्रकों की लाइन लगी रहती है। अब रेलवे ने बिजली घर की इसी राख या छाई से करोड़ों रुपये की कमाई की पुख्ता योजना बना रहा है।

बेहद गंभीर है रेलवे

राख या छाई की ढुलाई के प्रति रेलवे कितना गंभीर है, इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि इसमें रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव खुद रुचि ले रहे हैं। इसी सप्ताह गुरुवार को रेलवे बोर्ड में इस बारे में जब एक उच्च स्तरीय बैठक हुई तो खुद रेल मंत्री उसमें शामिल थे।

डेडिकेटेड लॉजिस्टिक नेटवर्क बनाने की योजना

रेलवे बोर्ड के आधिकारिक सूत्र बताते हैं कि रेल मंत्री ने जो एक उच्च स्तरीय बैठक की उसमें कई बातों पर चर्चा हुई। इस दौरान बिजली घर से निकली राख की ढुलाई में हिस्सेदारी बढ़ाने के लिए क्या हो सकता है, उसके विकल्पों पर भी विचार किया गया। सूत्र बताते हैं कि इस छाई की ढुलाई के लिए रेलवे एक डेडिकेटेड लॉजिस्टिक नेटवर्क भी बना सकता है।

अभी बहुत कम है हिस्सेदारी

थर्मल पावर प्लांट से निकलने वाली छाई की ढुलाई अभी ज्यादातर ट्रकों से ही होती है। रेलवे ने यह काम शुरू किया है, लेकिन उसकी हिस्सेदारी बहुत कम है। अनुमान है कि इस समय देशभर के ताप बिजली घरों से हर साल करीब 34 करोड़ टन राख निकलती है। इसमें से फिलहाल रेलवे महज 130 लाख टन राख की ही ढुलाई कर रहा है।

रेलवे का मानना है कि यदि इसकी ढुलाई के लिए एक डेडिकेटेड सिस्टम बना दिया जाए तो कोयले की तरह इसकी राख भी रेलवे की कमाई का एक बड़ा जरिया हो सकता है।

फ्लाई ऐश क्या है

आपको पता ही होगा कि थर्मल पावर प्लांट में फीड स्टॉक के रूप में कोयले का इस्तेमाल होता है। इसे जलाने के बाद जो राख निकलती है, उसे ही तकनीकी भाषा में फ्लाई ऐश कहा जाता है। बिहार, झारखंड, पश्चिम बंगाल जैसे राज्यों में इसे छाई कहा जाता है। यह थर्मल पावर जेनरेशन का सबसे बड़ा बाय-प्रोडक्ट है। पहले जबकि इसका कोई उपयोग नहीं होता था तो यह बिजली घरों के लिए एक चुनौती थी।

ट्रेन या स्टेशन पर भूलकर भी न करें ये काम

वरना 10000 तक का जुर्माना और कोर्ट में पेशी, 1 जुलाई से होगी सख्ती

नई दिल्ली, 20 जून (एजेंसियां)। रेलवे में सफर करने वाले यात्रियों के लिए एक बड़ी खबर है। केंद्र सरकार ने 'जन विश्वास अधिनियम 2026' के तहत जुर्माना-आधारित प्रवर्तन व्यवस्था को मजबूत करने के लिए एक बड़ा कदम उठाया है। इसके तहत बिना टिकट यात्रा करने पर लगने वाले न्यूनतम जुर्माने को 250 से बढ़ाकर 500 रुपये करने और अन्य कई रेलवे अपराधों के लिए भारी जुर्माना लगाने का प्रस्ताव दिया गया है।

रेलवे बोर्ड ने सभी जोनल रेलवे को सूचित किया है कि इस कानून को राष्ट्रपति की मंजूरी मिल चुकी है और रेलवे अधिनियम, 1989 में किए गए इन संशोधनों को एक अलग अधिसूचना के जरिए लागू किया जाएगा। नए संशोधनों के तहत ट्रेन में और स्टेशनों पर भीख मांगने को पूरी तरह से प्रतिबंधित कर दिया गया है। अनाधिकृत रूप से फेरी लगाने और भीख मांगने वालों पर 2000 रुपये का जुर्माना लगेगा। बार-बार ऐसा करने वाले अपराधियों को एक वर्ष तक की जेल की सजा भी भुगतनी पड़ सकती है।जन विश्वास अधिनियम के प्रावधानों के अनुसार, इन जुर्मानों में हर तीन साल में 10% की समयबद्ध बढ़ोतरी की जाएगी, जब तक कि कोई अलग संशोधन तंत्र निर्धारित न किया जाए। इस कानून का मुख्य उद्देश्य छोटे-मोटे अपराधों को गैर-आपराधिक बनाना, नियमों का पालन बेहतर करना और मौद्रिक जुर्माने के जरिए त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करना है।

आम जनता पर नहीं आएगी आंच!

मिडल ईस्ट संकट के बीच भारत ने बदला एलपीजी इंपोर्ट रूट, तेल कंपनियों ने संभाला मोर्चा

नई दिल्ली, 20 जून (एजेंसियां)। पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष के दौरान भारत ने अपनी लिक्विफाइड पेट्रोलियम गैस की खरीद के स्रोतों में काफी बदलाव किया. खाड़ी क्षेत्र पर निर्भरता कम करने के लिए अमेरिका, ईरान और कई अन्य देशों से इंपोर्ट बढ़ाया गया, जबकि सरकारी फ्यूल कंपनियों ने अंतरराष्ट्रीय कीमतों में हुई भारी बढ़ोतरी का बोझ खुद उठाया ताकि आम घरों पर इसका असर न पड़े. संघर्ष से पहले, भारत का लगभग 90 प्रतिशत एलपीजी आयात पश्चिम एशियाई सप्लायर्स से होता था, जिससे देश पर क्षेत्रीय रुकावटों का काफी असर पड़ने का खतरा था. क्रिसिल की एक रिपोर्ट के अनुसार, अप्रैल 2026 तक भारत के कुल एलपीजी इंपोर्ट में अमेरिका की हिस्सेदारी लगभग एक-तिहाई हो गई, जो फरवरी में सिर्फ 8 प्रतिशत थी.

अमेरिका समेत कई देशों से बढ़ी सप्लाई

इस बदलाव में 2025 के आखिर में अमेरिका के साथ हुए सालाना 2.2 मिलियन टन एलपीजी सप्लाई के समझौते ने मदद की. यह मात्रा भारत की सालाना इंपोर्ट जरूरत का लगभग 10 प्रतिशत है. ईरान भी भारत के आयात स्रोतों में फिर से शामिल हुआ और अप्रैल के आयात में उसकी हिस्सेदारी लगभग 6 प्रतिशत रही, जबकि अर्जेंटीना, चिली, फ्रांस और नीदरलैंड जैसे देशों से भी सप्लाई की गई. सप्लाई के स्रोतों में इस विविधता से संघर्ष के दौरान सप्लाई बनाए रखने में मदद मिली, लेकिन इसके लिए लंबी सप्लाई चेन और ज्यादा ढुलाई खर्च (फ्रेट कॉस्ट) का बोझ उठाना पड़ा. इसके बावजूद, रुकावटों का मांग पर भारी असर पड़ा. सप्लाई में कमी और बढ़ती कीमतों के कारण इस्तेमाल घटने से अप्रैल में एलपीजी की खपत फरवरी के 3.2 मिलियन टन से घटकर 2.47 मिलियन टन रह गई. वित्त वर्ष 2026 में 6 प्रतिशत बढ़कर रिकॉर्ड 33.2 मिलियन टन तक पहुंचने के बाद, भारत में एलपीजी की खपत मार्च और अप्रैल दोनों महीनों में साल-दर-साल 13 प्रतिशत घटी, और मई में इसमें 20 प्रतिशत की गिरावट आई. इस गिरावट का सबसे ज़्यादा असर कमर्शियल और इंडस्ट्रियल यूज़र्स पर पड़ा. घरेलू मांग की तुलना में इनकी खपत में ज्यादा तेजी से कमी आई क्योंकि बाजार से जुड़े ग्राहकों ने बढ़ी हुई कीमतों और सप्लाई की दिक्कतों पर तुरंत प्रतिक्रिया दी. क्रिसिल ने कहा कि संघर्ष के कारण ग्लोबल एलपीजी कीमतों में भी भारी बढ़ोतरी हुई।

दैनिक पंचांग

गृह गोचर

गृह स्थिति			लग्नारंभ समय	
सूर्य	मिथुन	मे	मिथुन	05-23 बजे
चंद्र	सिंह	मे	कर्क	07-36 बजे
मंगल	वृष	मे	सिंह	09-48 बजे
बुध	मिथुन	मे	कन्या	11-54 बजे
गुरु	कर्क	मे	तुला	14-00 बजे
शुक्र	कर्क	मे	वृश्चिक	16-10 बजे
शनि	मीन	मे	धनु	18-23 बजे
राहु	कुंभ	मे	मकर	20-29 बजे
केतु	सिंह	मे	कुंभ	22-20 बजे
			मीन	23-58 बजे
			मेष	01-34 बजे
			वृष	03-19 बजे

श्री रौद्र /श्री दुर्मती नामके संवत्सरे-विक्रम संवत्- **2083**
शक संवत् **-1948, सूर्य उत्तरायणे /उत्तर , ऋतु- ग्रीष्म**
महावीर निर्वाण संवत् **-2551 ,** राजा गुरु, मन्त्री भौम
कलियुग अवधि - **432000**
भोग्य कलि वर्ष. - **426873**
कलियुग संवत् - **5127** वर्ष,
कल्पारंभ संवत् - **1972949127**
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् - **1955885127**
दिशाशूल - पश्चिम - पान खाकर घर से निकले
मास - ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष रविवार **21 June 2026**
तिथि - सप्तमी **15-20** तक उपरान्त अष्टमी
नक्षत्र - पूर्वाफाल्गुनी **09-31** तक उप उ.फाल्गुनी
योग. - सिद्धि **11-21** तक उप व्यतिपात
करण - वणिज **15-20** तक उप विष्टी
विशेष: भद्राकाल **15-21** से
विश्व योग दिव,सर्वार्थ सिद्धि योग

विशेष- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका हमें दिखावे व पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति व दशान्तर्दशा को विशेष प्रभावित समझना चाहिए।

राहुकाल 17-13 से 18-52 तक

श्री पंचांगुल्लि ज्योतिष केन्द्र अतापुर Ph 9247132654

दिन का चौघड़िया	रात का चौघड़िया
उत्पात 05-46 - 07-23 अशुभ	शुभ 18-49 - 20-13 शुभ
चंचल 07-23 - 09-01 शुभ	अमृत 20-13 - 21-35 शुभ
लाभ 09-01 - 10-40 शुभ	चंचल 21-35 - 22-57 शुभ
अमृत 10-40 - 12-18 शुभ	रोग 22-57 - 00-18 अशुभ
काल 12-18 - 13-56 अशुभ	काल 00-18 - 01-40 अशुभ
शुभ. 13-56 - 15-35 शुभ	लाभ 01-40 - 03-01 शुभ
रोग 15-35 - 17-13 अशुभ	उत्पात 03-01 - 04-23 अशुभ
उत्पात 17-13 - 18-49 अशुभ	शुभ 04-23 - 05-46- शुभ

आपका राशिफल

राशि	फल
मेष चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,	हालाँकि , आप ईमानदार और मेहनती हैं पर आज सफलता आपकी पहुंच से दूर रह सकती है । कुछ मामूली गलतियाँ आपको परेशान कर सकती है । आप अपने कार्यस्थल पर किसी भी विवाद से बचे । आज का दिन निवेश के लिए उपयुक्त नहीं है। हालांकि, ये दिन अपने दोस्तों के साथ आराम करने के लिए काफी ठीक रहेगा ।
वृष ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,	आज आपको छिपे हुए शत्रु से सावधान रहने की जरुरत है जो की आपके कार्य क्षेत्र में आपको नुकसान पंहुचा सकते है। वे आपके बारे में अति गोपनीयता से आपके बारे में गलत बाते आपके मालिक तक पंहुचा सकते है जिसका साक्ष्य भी आपको मिल सकता है अंत सावधान रहने की जरुरत है ।
मिथुन का, की, कू, घ, ङ, छ, के, को, ह,	कार्यस्थल पर आपका ध्यान भटक सकता है जो की आपकी उत्पादकता को कम कर सकता हैं। कार्यालय में प्रेम प्रसंग की एक संभावना आपको अपने कार्य से दूर ले जा सकती है हालांकि, आपको वापस अपनी एकाग्रता लाने की जरूरत है। ऐसी कोई भी कार्रवाई करने से बचें जो आपके सहयोगियों को परेशान या आक्रामक बनाये ।
कर्क ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,	आज का दिन कार्यस्थल पर कुछ हद तक उबाऊ होगा , लेकिन आपको अपने जरुरी कार्य की अपेक्षा नहीं करनी है । अपनी कागजी कार्रवाई को पूरा करने और सभी सरकारी आवश्यकताओं को पूरा करने में सावधान रहें। आज आप एक छोटी लेकिन महत्वपूर्ण गलती अपनी लापरवाही के कारण कर सकते है।
सिंह मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,	यह आपके व्यवसाय के खिलने के लिए के लिए एक शुष्क मौसम है, इसलिए अभी आप अपने व्यक्तित्व को सवारने का प्रयत्न कर सकते हैं। आप एक सक्रिय व्यक्ति हैं और आपकी अच्छी ग्राहक सेवा असंख्य बार आपके ग्राहकों को वापस लाने के लिए प्रेरित करेगी । आपके व्यय नियंत्रण में है क्योकि आप हमेशा से सरल तरीको से अपने खर्चे का निर्वाह करते हैं ।
कन्या टो पा पी पू ष ण ठ पे पो	आप उस पैसे के साथ काफी लापरवाह है जो आपने अपनी जरूरत के लिए बचाया है , लेकिन आपको भविष्य में अपनी वित्तीय सुरक्षा के लिए , अपनी असाधारण आदतों को नियंत्रित करना होगा । आप अपने निवेश के बारे में एक विशेषज्ञ से परामर्श करें जो आपको धन के बारे में उचित परामर्श दे सके जिससे धन की वृद्धि हो ।
तुला रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,	एक मालिक के रूप में, अपने अधीनस्तों के लिए आपमें एक दिल है । उन्हें ज्यादा उत्साह के साथ प्रदर्शन करने के लिए आपकी प्रशंसा की जरूरत है। उनसे बात करें और उन्हें प्रोत्साहित करने के लिए आप किसी पार्टी का आयोजन भी कर सकते है । वे इसके लिए आप का आदर करेंगे। आप एक बड़ी परियोजना के लिए उन्हें प्रेरित भी करते रहे ।
वृश्चिक तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,	आज आपको एक अप्रत्याशित स्रोत से , धन लाभ होने की संभावना है । सट्टा उद्यम, शेयर बाजार में और छोटी अवधि के निवेश में सफलता मिलने की पूरी संभावना है। आपका वित्तीय भाग्य उच्च चल रहा है । बस आप अपने आवेग पर लगाम लगाने की कोशिश करे और आप अपनी वित्तीय सुरक्षा का आनंद भी ले पाएंगे । आज आप कुछ धन दान भी दे सकते हैं ।
धनु ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे	आपका करियर आपकी योजना के अनुसार नहीं जा रहा है और आप समझ नहीं पा रहे है की ऐसा क्यों हो रहा है । नए सिरे से इसे शुरू करना सबसे अच्छा उपाय है । सबसे पहले आप अपना बायो डेटा ढंग से तैयार करे और इसे सबसे अधिक प्रासंगिक व्यक्ति को दे , जो की आपने अभी तक नहीं किया है ।
मकर भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी	आज आपके कार्य क्षेत्र में आपके सितारे आपका साथ देंगे । ये आपकी वित्तीय जरुरतो के लिए काफी संतोषजनक है , लेकिन यह कार्यालय में ईर्ष्या को भी जन्म देगा । आज आपको अपने सहयोगियों के साथ पुराने बातें भूलकर उनके साथ आगे बढ़ना है परन्तु आपको दुश्मन और दोस्त की पहचान करने की भी जरूरत है।
कुंभ गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,	अप्रत्याशित धन की प्राप्ति के आज योग बन रहे है । आपको ऐसे धन की प्राप्ति हो सकती है जिसके बारे में आपने सोचना छोड़ दिया था । आज आप अपने निष्क्रिय निवेश के ऊपर भी ध्यान दे क्योकि वहा से भी आपको शुभ सन्देश मिल सकता है। अगर किसी ने आपसे उधार लिया है और जिसे आप लगभग भूल चुके है वहा से भी धन प्राप्ति का शुभ सन्देश मिल सकता है ।
मीन दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची	हालाँकि आप सावधान और व्यवस्थित है , पर किसी दूसरे के कार्यभार के लिए आप जवाबदेह होंगे । अपने और अपने काम के तरीको पर विश्वास रखे । एक बार में एक काम को सुव्यस्थित तरीके से करे और अगले सप्ताह तक आप चीजों को आकार में वापस पायेंगे । उस समय तक अपने सहकर्मियों के साथ किसी बहस में संलिप्त न हो ।

पं महेशचन्द्र शर्मा फोन : 9167555710

सरकार का बड़ा एक्शन! 16 दवाओं पर तुरंत बैन, कहीं आप भी तो नहीं कर रहे इस्तेमाल?

नई दिल्ली, 20 जून (एजेंसियां)। केंद्र सरकार ने मरीजों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए 16 फिक्स्ड डोज कॉम्बिनेशन दवाओं के निर्माण, बिक्री और वितरण पर तत्काल प्रभाव से प्रतिबंध लगा दिया है. इन दवाओं में एंटीबायोटिक, पेट दर्द की दवाएं, मधुमेह की दवाएं और कुछ कॉस्मेटिक व त्वचा संबंधी उत्पाद शामिल हैं. सरकार ने यह कार्रवाई ड्रग्स एंड कॉस्मेटिक्स एक्ट, 1940 की धारा 26A के तहत की है. सरकारी अधिकारियों के मुताबिक, विशेषज्ञ समिति, ड्रग्स टेक्निकल एडवाइजरी बोर्ड और उसकी उप-समिति की समीक्षा में पाया गया कि इन दवा संयोजनों का कोई ठोस चिकित्सीय आधार नहीं है. साथ ही इनके फायदे साबित करने वाले पर्याप्त वैज्ञानिक प्रमाण भी उपलब्ध नहीं हैं.

2021 से चल रही थी समीक्षा प्रक्रिया

इन दवाओं की जांच प्रक्रिया साल 2021 में शुरू हुई थी. इस दौरान उपलब्ध वैज्ञानिक अध्ययनों और मेडिकल डेटा का विश्लेषण किया गया. दवा कंपनियों और अन्य संबंधित पक्षों को भी अपना पक्ष रखने का मौका दिया गया, लेकिन विशेषज्ञ समिति उनके तर्कों से संतुष्ट नहीं हुई. इसके बाद दिसंबर 2024 में उप-समिति ने सभी 16 दवा कॉम्बिनेशन पर प्रतिबंध लगाने की सिफारिश की थी.

एंटीबायोटिक दवाओं पर सबसे ज्यादा सवाल

प्रतिबंधित दवाओं में एमोक्सिसिलिन + सेराटियोपेप्टिडेज़, एमोक्सिसिलिन + सेराटियोपेप्टिडेज़ + लैक्टोबैसिलस स्पोरोजेन्स, सेफुरोक्सिम + सेराटियोपेप्टिडेज़ और सेफैड्रोक्सिल + प्रोबेनेसिड जैसे एंटीबायोटिक कॉम्बिनेशन शामिल हैं. विशेषज्ञों का कहना है कि इन दवाओं में कुछ तत्वों को एक साथ देने का कोई स्पष्ट चिकित्सीय लाभ नहीं पाया गया.

पेट दर्द और डायबिटीज की दवाएं भी शामिल

सरकार ने डाइसाइक्लोमाइन + पैरासिटामोल + क्लिडिनियम ब्रोमाइड जैसे पेट दर्द और ऐंठन की दवाओं पर भी रोक लगाई है. इसके अलावा ग्लिक्लाज़ाइड + क्रोमियम पिकोलिनेट नामक डायबिटीज दवा कॉम्बिनेशन को भी बैन किया गया है. विशेषज्ञों का कहना है कि डायबिटीज के इलाज में क्रोमियम पिकोलिनेट के उपयोग की सिफारिश किसी मानक चिकित्सा गाइडलाइन में नहीं की जाती.

मरीजों की सुरक्षा पर सरकार का जोर

सरकार का कहना है कि दवाओं का इस्तेमाल केवल वैज्ञानिक आधार और चिकित्सीय जरूरत के अनुसार होना चाहिए. ऐसे कॉम्बिनेशन जो मरीजों को अतिरिक्त लाभ नहीं देते और संभावित जोखिम बढ़ा सकते हैं, उन्हें बाजार में बने रहने की अनुमति नहीं दी जा सकती. सरकार के इस फैसले को दवाओं के सुरक्षित और तर्कसंगत उपयोग की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

18 हजार करोड़ जुटाने की तैयारी में एसबीआई-एक्सिस बैंक

आरबीआई की स्कीम से मिलेगा फायदा

नई दिल्ली, 20 जून (एजेंसियां)। भारतीय बैंकिंग और वित्तीय क्षेत्र की बड़ी संस्थाएं विदेशी बाजारों से पूंजी जुटाने की तैयारी में हैं. स्टेट बैंक ऑफ इंडिया , एक्सिस बैंक, बैंक ऑफ बड़ौदा और पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन मिलकर करीब 2 बिलियन डॉलर यानी लगभग 18 हजार करोड़ रुपये जुटाने की योजना बना रहे हैं. इन संस्थानों को भारतीय रिजर्व बैंक की नई स्वैप सुविधा से लागत कम करने में मदद मिलेगी. माना जा रहा है कि अगले सप्ताह से विदेशी बॉन्ड बाजार में कई बड़े इश्यू देखने को मिल सकते हैं.

भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा 5 जून को घोषित 1.5 प्रतिशत फिक्स्ड रेट स्वैप सुविधा का लाभ उठाने के लिए देश के बड़े बैंक और वित्तीय संस्थान विदेशी कमर्शियल बॉरोइंग के जरिए धन जुटाने की तैयारी कर रहे हैं. इस योजना के तहत विदेशी मुद्रा में जुटाए गए फंड को कम लागत पर रुपये में परिवर्तित किया जा सकेगा, जिससे उधारी की कुल लागत घटेगी.

एसबीआई जुटा सकता है 1 अरब डॉलर तक

बाजार से जुड़े सूत्रों के अनुसार, एसबीआई अगले सप्ताह 1 अरब डॉलर तक जुटाने पर विचार कर रहा है. देश के सबसे बड़े सरकारी बैंक होने के कारण विदेशी निवेशकों की इसमें अच्छी दिलचस्पी रहने की उम्मीद है. वहीं एक्सिस बैंक, बैंक ऑफ बड़ौदा और अन्य संस्थान शुरुआती चरण में 500 मिलियन डॉलर तक के छोटे इश्यू ला सकते हैं. इन सभी संस्थानों के पास पहले से मीडियम टर्म नोट प्रोग्राम मौजूद हैं. इसके कारण उन्हें नए बॉन्ड इश्यू के लिए दस्तावेजी प्रक्रिया में ज्यादा समय नहीं लगेगा. तैयार निवेशक आधार और पूर्व स्वीकृत ढांचे की वजह से ये संस्थान कम समय में बाजार में उतर सकते हैं. हाल ही में एचडीएफसी बैंक ने जीआईएफटी सिटी के जरिए 750 मिलियन डॉलर के पांच वर्षीय डॉलर बॉन्ड जारी कर सफलतापूर्वक पूंजी जुटाई थी. इस इश्यू को निवेशकों से अच्छा प्रतिसाद मिला. बैंक ने इसे अमेरिकी ट्रेजरी यील्ड से सिर्फ 90 बेसिस पॉइंट ऊपर मूल्यांकित किया, जो किसी भारतीय निजी बैंक के लिए सबसे कम स्प्रेड में से एक माना गया.आरबीआई की यह स्वैप सुविधा केवल सस्ती फंडिंग उपलब्ध कराने तक सीमित नहीं है. इसका उद्देश्य विदेशी डॉलर प्रवाह बढ़ाकर रुपये को भी मजबूती देना है.

वित्त वर्ष 2026 की शुरुआत में कमजोरी दिखाने वाला रुपया हाल के दिनों में सुधरकर 94.32 प्रति डॉलर के स्तर पर पहुंच गया है. विशेषज्ञों का मानना है कि विदेशी निवेश और डॉलर प्रवाह बढ़ने से भारतीय मुद्रा को आगे भी समर्थन मिल सकता है।

डॉलर या युआन? कमजोर रुपये ने बिगाड़ा कंपनियों का बजट

चीन के साथ कारोबार को लेकर एक्सपर्ट्स का अलर्ट

नई दिल्ली, 20 जून (एजेंसियां)। डॉलर के मुकाबले लगातार कमजोर होते रुपये ने चीन से आयात किए जाने वाले कच्चे माल की लागत को काफी बढ़ा दिया है। इस विदेशी मुद्रा दबाव को कम करने के लिए कुछ भारतीय व्यवसायों ने चीनी मुद्रा युआन में लेन-देन करने की संभावनाएं तलाशना शुरू कर दिया है।

हालांकि, अर्थशास्त्रियों और जोखिम विशेषज्ञों के मुताबिक देश के सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों में इसे अपनाने का चलन बेहद सीमित है। इकनॉमिक टाइम्स के मुताबिक अधिकांश छोटे व्यवसायी अभी भी वैकल्पिक मुद्रा के बजाय घरेलू स्तर पर निर्माण और सप्लाई चेन में विविधता लाने को अधिक टिकाऊ और रणनीतिक समाधान मानते हैं। आयातित माल पर निर्भर रहने वाली कंपनियों के लिए रुपये में गिरावट दोहरी मार की तरह है। शक्ति पंप्स के डायरेक्टर और सीएमओ अंकित पाटीदार का कहना है कि रुपये के कमजोर होने से निर्यात तो प्रतिस्पर्धी हो जाता है, लेकिन इलेक्ट्रॉनिक्स पाट्र्स, मैग्नेट, सेमीकंडक्टर्स, कॉपर और एल्युमिनियम जैसे जरूरी कलपुर्जों का आयात बेहद महंगा हो जाता है। इससे कंपनियों का मुनाफा प्रभावित होता है।

इसी तरह मैसूर डीप परफ्यूमरी हाउस के पार्टनर अंकित अग्रवाल का कहना है कि चाहे भुगतान डॉलर में हो या युआन में, आयात लागत तेजी से बढ़ी है। वैश्विक मांग में मंदी के कारण निर्यात के ऑर्डर भी धीमे हो गए हैं। एक्सपर्ट के मुताबिक ट्रेड सेटलमेंट और करेंसी रिस्क मैनेजमेंट में अंतर है। अगर कोई कंपनी सिर्फ यह सोचकर युआन अपना रही है कि यह डॉलर की तरह व्यवहार करेगा, तो इस रणनीति पर पुनर्विचार की आवश्यकता है। चीन का केंद्रीय बैंक समय-समय पर इसके मूल्य में बदलाव कर सकता है। दरअसल, भारत का चीन के साथ बहुत बड़ा व्यापार घाटा है।

सहूलियत या सेहत से खिलवाड़?: बड़े ऑनलाइन प्लेटफॉर्म भी एफएसएसएआई के मानकों पर फेल

नई दिल्ली, 20 जून (एजेंसियां)। क्या आप भी 'क्विक डिलीवरी' के चक्कर में घर बैठे धड़ल्ले से ऑनलाइन किराना मंगा रहे हैं? अगर हां, तो यह रिपोर्ट आपकी सेहत और उपभोक्ता अधिकारों के लिए एक बड़ा 'अलर्ट' है। सहूलियत की आड़ में कहीं आपके घर ऐसा पैकेटबंद खाना तो नहीं आ रहा, जिसके खराब होने का समय बिल्कुल करीब है? हाल ही में लोकल सर्किल द्वारा किए गए एक चौंकाने वाले सर्वे में खुलासा हुआ है कि ऑनलाइन किराना खरीदने वाले 48% ग्राहकों को इन ऐप्स पर उत्पादों की 'बेस्ट बिफोर' या एक्सपायरी डेट नजर ही नहीं आती है। इससे भी ज्यादा चिंताजनक बात यह है कि देश के 8 सबसे बड़े

ऑनलाइन किराना प्लेटफार्म्स में से 5 ऐप फूड सेफ्टी स्टैंडर्ड अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एफएसएसएआई) 0और 'लीगल मेट्रोलॉजी' के सख्त नियमों की खुलेआम अनदेखी कर रहे हैं। ब्लिंकिट, जेप्टो और स्विगी इंस्टामार्ट जैसे लोकप्रिय ऐप्स भी नियमों का पालन न करने वालों की इस सूची में शामिल हैं। भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) ने हाल ही में ऑनलाइन बेचे जाने वाले खाद्य उत्पादों की जांच की है, जिसमें पाया गया कि अधिकतर खाने-पीने के पैकेज्ड फूड उत्पादों में एक्सपायरी तारिख या फिर बेस्ट बिफोर की तारिख दिखती ही नहीं है। नियामक इस पर सख्ती करते हुए कई कदम उठा रहा है। लोकल सर्किल के एक सर्वे से पता चलता है कि, 48 प्रतिशत भारतीय उपभोक्ता जो ऑनलाइन किराना की खरीदारी करते हैं उनका कहना है कि उन्हें ऑनलाइन किराना खरीदारी करते समय इन प्लेटफॉर्म पर उत्पादों पर बेस्ट बिफोर की डेट (खाने-पीने की चीजों पर तारीख लिखी जाती है, जिसके अंत के बाद उत्पाद इस्तेमाल करने लायक नहीं रहता है) नहीं दिखाई देती हैं। सर्वे में यह भी पाया गया है कि 8 में से 5 ऑनलाइन किराना प्लेटफॉर्म अभी भी इन नियमों का पालन नहीं कर रहे हैं। जानकारों का कहना है कि केंद्र सरकार ने एफएसएसएआई के जरिए ऑनलाइन बिकने वाले फूड उत्पादों पर सख्ती करने के लिए कुछ कदम उठाए हैं।

जिसके तहत 'फ़ूड सेफ़्टी एक्ट' को लागू किया गया है। जिसके अनुसार ऑनलाइन बिक्री के लिए लिस्ट किए गए प्रोडक्ट्स की 'शेल्फ़ लाइफ़' (इस्तेमाल की समय-सीमा) कम से कम 30% बची होनी चाहिए। वहीं लीगल मेट्रोलॉजी पैकेज्ड कमोडिटी नियम 2017 के संशोधन में ऐसा करना अनिवार्य है।

‘मंत्री किरोड़ी लाल मीणा धमकी दे रहे हैं’

गोविंद सिंह डोटासरा ने आखिर ऐसा क्यों कहा?

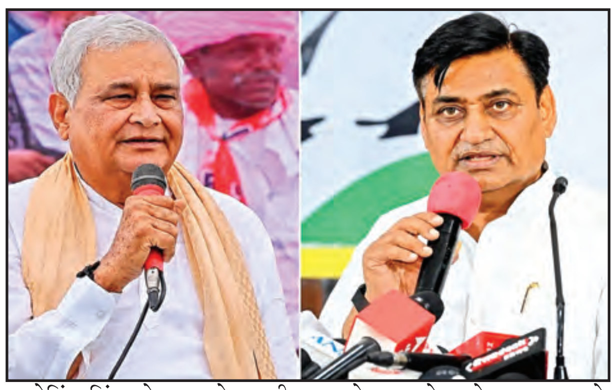

जयपुर, 20 जून (एजेंसियां)। राजस्थान का बहुचर्चित 'खाद-बीज रिश्वत कांड' अब हाई-प्रोफाइल सियासी दंगल में तब्दील हो चुका है। भजनलाल सरकार के कृषि मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल मीणा और कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा के बीच जारी जुबानी जंग अब अपने चरम पर पहुंच गई है। इस पूरे विवाद की शुरुआत तब हुई जब भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो की एक कार्रवाई में कृषि मंत्री के कुछ कथित करीबियों के पास से करोड़ों रुपए की नकदी बरामद होने की खबरें सामने आईं। इसके बाद से ही कांग्रेस इस मुद्दे को लेकर लगातार आक्रामक है और सीधे कृषि मंत्री के इस्तीफे व जांच की मांग कर रही है।

कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने इस पूरे मामले को लेकर अपने ऑफिशियल सोशल मीडिया हैंडल से एक बेहद तीखा और विस्तृत पोस्ट साझा किया है। इस पोस्ट के जरिए डोटासरा ने सीधे तौर पर कृषि मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल मीणा की नीयत और उनके बयानों को कटघरे में खड़ा किया है।

गोविंद सिंह डोटासरा ने अपनी सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा, ₹राजस्थान में करोड़ों के खाद-बीज रिश्वत कांड में कृषि मंत्री के करीबी करोड़ों रुपए के साथ पकड़े गए। अब गिरफ्तारी की आंच अपने दरवाजे तक पहुंचती देख कृषि मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल जी मुख्यमंत्री को ही 'लक्ष्मण रेखा' यानी अपनी हद में रहने की धमकी दे रहे हैं। मुख्यमंत्री के अधीन काम करने वाली एजेंसी एसीबी को 'पॉलिटिकल वेपन' बताकर खुद को फंसाने की साजिश का आरोप लगा रहे हैं।

डोटासरा ने आगे सवाल उठाते हुए लिखा कि आखिर कृषि मंत्री किस डर से इतना तिलमिला रहे हैं? जो नेता कल तक दूसरों पर कीचड़ उछालते थे, आज अपनी बारी आने पर वे खुद व्यवस्था, जांच एजेंसियों और सूबे के मुख्यमंत्री तक को कटघरे में खड़ा करने से भी बाज नहीं आ रहे हैं।

अपने हमले को केवल कृषि मंत्री तक सीमित न रखते हुए गोविंद सिंह डोटासरा ने इस विवाद में सीधे राजस्थान के मुख्यमंत्री को भी शामिल कर लिया है। उन्होंने मुख्यमंत्री को संबोधित करते हुए कहा कि राज्य की जनता अब इस पूरे मामले में किसी भी प्रकार का पर्दाफाश चाहती है, न कि कोई राजनीतिक तमाशा।

डोटासरा ने मुख्यमंत्री से सीधे पूछा, "क्या आपकी सरकार का कैबिनेट मंत्री वास्तव में भ्रष्टाचार के इस गंभीर जाल में फंसा हुआ है? अगर आपकी खुद की एजेंसी एसीबी वास्तव में एक राजनीतिक हथियार की तरह काम कर रही है, तो इसका जवाब मुख्यमंत्री को खुद देना होगा। और अगर एसीबी पूरी तरह निष्पक्ष होकर काम कर रही है, तो फिर बिना किसी राजनीतिक दबाव के तुरंत प्रभाव से भ्रष्टाचारियों को जेल की सलाखों के पीछे डालना चाहिए।"

गोविंद सिंह डोटासरा और कांग्रेस के गंभीर और तीखे आरोपों को कृषि मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल मीणा ने पूरी तरह से मनगढ़ंत और राजनीति से प्रेरित बताते हुए खारिज कर दिया। इसके साथ ही उन्होंने खुद अपनी ही सरकार के अधीन काम करने वाली एंटी-करप्शन ब्यूरो की कार्यशैली पर बेहद गंभीर और तीखे सवाल दाग दिए।

मंत्री किरोड़ी लाल मीणा ने कड़े लहजे में कहा, ₹एसीबी ने इस पूरे मामले में बेहद खतरनाक काम किया है, उन्हें अपनी 'लक्ष्मण रेखा' पार नहीं करनी थी। इस मामले में मुख्य एफआईआर दर्ज होने से पहले ही जांच का पूरा मजमून और अंदरूनी बातें बाहर कैसे आ गईं? उसे सोशल मीडिया और मीडिया में वायरल करने का वास्तविक उद्देश्य क्या था?

डॉ. मीणा ने आगे नाराजगी जताते हुए कहा कि एफआईआर से पहले ही बातों को बाहर लीक किया गया और उसके तुरंत बाद योजनाबद्ध तरीके से अखबारों में यह छपवा दिया गया कि इस पूरे कांड में 'मंत्री' और 'डॉक्टर' शामिल हैं। मंत्री ने बेहद तल्ख लहजे में चुनौती देते हुए कहा कि अगर एसीबी के पास उनके खिलाफ कोई भी पुख्ता सबूत हैं और यदि वे वास्तव में दोषी हैं, तो एसीबी को उन्हें सीधे गिरफ्तार कर लेना चाहिए, वे डरने वाले नहीं हैं।

‘पूरे प्रदेश में कानून-व्यवस्था ध्वस्त’

जोधपुर में मर्डर पर अशोक गहलोत बोले- आमजन में बढ़ रहा है डर!

जयपुर, 20 जून (एजेंसियां)। जोधपुर में हुए एक मर्डर पर कांग्रेस के दिग्गज नेता अशोक गहलोत ने राजस्थान की सरकार और राजस्थान के गृह विभाग पर जमकर निशाना साधा। अशोक गहलोत ने कहाकि प्रदेश के इतिहास में पहली बार ऐसी स्थिति बनी है जब गृह विभाग पूरी तरह विफल हो गया है।

अशोक गहलोत ने सोशल मीडिया अकाउंट X पर आज शनिवार को लिखा कि जोधपुर में आपसी रंजिश के चलते एक व्यक्ति को सरेआम दौड़ा-दौड़ाकर बेरहमी से पीटना और फिर गोली मारकर हत्या कर देना, इस बात का जीता-जागता सबूत है कि पूरे प्रदेश में कानून-व्यवस्था पूरी तरह ध्वस्त हो चुकी है।

अशोक गहलोत ने आगे लिखा कि ये खौफनाक घटनाएं साफ संकेत हैं कि अपराधियों के दिलों से कानून और पुलिस का डर पूरी तरह खत्म हो चुका है। सरकार की नाकामी के कारण आज स्थिति बिल्कुल उलट गई है- आमजन में डर बढ़ रहा है और अपराधियों में विश्वास!₹ एक सभ्य समाज के लिए यह बेहद खतरनाक और चिंताजनक स्थिति है। सरकार तुरंत अपनी कुंभकर्णी नींद से जागे।

जोधपुर शहर में बोम्बे मोटर से 12वीं रोड के बीच पुरानी रंजिश को लेकर बदमाशों ने हमला कर दिया। जानकारी के अनुसार मोटरसाइकिलों पर सवार होकर आए बदमाशों ने एसयूवी सवार विक्की फाइटर और सन्नी हंस पर जानलेवा हमला किया। कार के शीशे तोड़े और फायरिंग की। इसके बाद मौके से फरार हो गए। घटनास्थल से छर्रे भी मिले हैं। सूचना मिलते ही देवनगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची। घायलों को एमडीएम अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां शनिवार सुबह विक्की फाइटर की उपचार के दौरान मौत हो गई और सन्नी हंस की हालत नाजुक बनी हुई है। विक्की के सिर में और सन्नी के पीठ में गोली लगी थी। फायरिंग की घटना के बाद 3 थानों की पुलिस बदमाशों की तलाश में दबिश दे रही हैं। पुलिस ने कई संदिग्धों को हिरासत में लिया, जिनसे पूछताछ की जा रही है। पूरे शहर में नाकाबंदी की गई। विभिन्न थानों की पुलिस भी तैनात की गई।

एसीपी पश्चिम नरेन्द्रसिंह देवड़ा ने बताया कि आरोपियों के बीच पुरानी रंजिश है। आरोपी मोंटू कंडारा गैंग से जुड़े हुए हैं। हमलावरों की विशाल पंडित, चिकू, अजय घारू और सुनीत तेजी के रूप में पहचान हुई है। करीब दो माह पूर्व सन्नी हंस के भाई राहुल ने संजय मेघवाल के साथ मारपीट की थी। बदले के तौर पर आरोपियों के हमला किया।

राज्यपाल के आदेश पर ‘रातों-रात’ बड़े बदलाव

दो नए सदस्य नियुक्त, कार्यवाहक अध्यक्ष भी बनाया

अजमेर, 20 जून (एजेंसियां)। राजस्थान के राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने एक आदेश जारी करते हुए राजस्थान लोक सेवा आयोग के खाली पड़े पदों को भरने के लिए दो नए सदस्यों की नियुक्ति की घोषणा की है। इस नए आदेश के तहत वरिष्ठ शिक्षाविद प्रो. (डॉ.) संतोष आनंद और डॉ. दीपक कुमार शर्मा को आयोग के सदस्य पद पर नियुक्त किया गया है। राजभवन द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार, इन दोनों नवनियुक्त सदस्यों को यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी पदभार ग्रहण करने की तारीख से लेकर आगामी 6 वर्ष की अवधि के लिए अथवा 62 वर्ष की अधिकतम आयु सीमा पूरी होने तक (जो भी पहले हो) की अनिवार्य शर्त पर प्रदान की गई है। इस नियुक्ति के बाद आरपीएससी मुख्यालय अजमेर में प्रशासनिक गतिविधियों में तेजी आने की पूरी संभावना जताई जा रही है। आरपीएससी के नव-मनोनीत सदस्य प्रो. (डॉ.) संतोष आनंद राजस्थान के उच्च शिक्षा विभाग (सरकारी कॉलेज शिक्षा) का एक जाना-पहचाना और सम्मानित नाम हैं। उन्होंने अपना पूरा जीवन मरुधरा के युवाओं को शिक्षित करने और कॉलेज शिक्षा के स्तर को सुधारने में समर्पित किया है। वर्तमान प्रशासनिक पदः प्रो. संतोष आनंद वर्तमान समय में भीलवाड़ा जिले के सबसे प्रतिष्ठित और ऐतिहासिक माणिक्य लाल वर्मा राजकीय महाविद्यालय में प्राचार्य के पद पर अपनी सेवाएं दे रहे हैं। संगठनात्मक व वैचारिक पृष्ठभूमिः शिक्षा के क्षेत्र में शैक्षणिक सुधारों के साथ-साथ डॉ. आनंद सामाजिक और वैचारिक गतिविधियों में भी काफी अग्रणी रहे हैं। वह राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से प्रेरित और देश के सबसे बड़े शिक्षा संगठनों में से एक 'विद्या भारती' के चित्तौड़ प्रांत के अध्यक्ष पद की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी भी कुशलतापूर्वक संभाल चुके हैं। उनके इसी गहरे अनुभव का लाभ अब आरपीएससी को मिलेगा।

आयोग के दूसरे नवनियुक्त सदस्य डॉ. दीपक कुमार शर्मा के पास कॉलेज शिक्षा विभाग में अध्यापन के साथ-साथ राज्य स्तर के बड़े प्रशासनिक कार्यालयों को संभालने का एक बहुत ही लंबा और बेदाग रिकॉर्ड रहा है। वह मूल रूप से प्राणीशास्त्र के वरिष्ठ प्रोफेसर रहे हैं।

डॉ. शर्मा ने कॉलेज शिक्षा आयुक्तालय, जयपुर में लंबे समय तक अपनी सेवाएं दी हैं। वहां उन्होंने सहायक निदेशक, सहायक निदेशक (निजी संस्थान) और राज्य समन्वयक (युवा कौशल विकास सेल) जैसे चुनौतीपूर्ण और नीति-निर्धारक पदों पर कार्य करते हुए राज्य की उच्च शिक्षा नीतियों को लागू करने में बड़ी भूमिका निभाई।

डॉ. दीपक कुमार शर्मा की शैक्षणिक साख भी बेहद मजबूत है। उन्होंने उच्च शिक्षा के क्षेत्र में कई महत्वपूर्ण शोध परियोजनाएं सफलतापूर्वक पूरी की हैं। उनके कई शोध पत्र राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर के प्रतिष्ठित जनरल्स में प्रकाशित हो चुके हैं। इसके अतिरिक्त, माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, राजस्थान के स्कूली पाठ्यक्रम की 4 महत्वपूर्ण पुस्तकों के लेखन पैनल में भी उन्होंने बतौर लेखक अपना सक्रिय योगदान दिया है। संगठनात्मक स्तर पर वे राजस्थान के प्राध्यापकों और शिक्षकों के सबसे बड़े संगठनों में गिने जाने वाले 'अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ' (उच्च शिक्षा) के प्रदेश संगठन मंत्री और पूर्व प्रदेश अध्यक्ष के रूप में भी अपनी मजबूत नेतृत्व क्षमता का लोहा मनवा चुके हैं।

आरएएस पिंकी मीणा का 'वनवास' खत्म

10 लाख की घूस, जमानत, शादी और निलंबन को लेकर रही हैं चर्चा में

सवाई माधोपुर राजस्थान प्रशासनिक सेवा की सबसे चर्चित और विवादित अधिकारियों में से एक पिंकी मीणा का 'प्रशासनिक वनवास' आखिरकार खत्म हो गया है। शुक्रवार देर रात भजनलाल सरकार द्वारा जारी की गई 178 आरएएस अधिकारियों की जंबो ट्रांसफर लिस्ट में पिंकी मीणा को नई जिम्मेदारी सौंप दी गई है। हाईकोर्ट से निलंबन पर स्टे मिलने के बाद एपीओ चल रही पिंकी मीणा को सरकार ने सवाई माधोपुर में प्रशासनिक सुधार एवं समन्वय विभाग में सहायक निदेशक (लोक सेवा) के पद पर तैनात किया है। इस पोस्टिंग के साथ ही वे एक बार फिर सुर्खियों में आ गई हैं।

10 लाख की घूसकांड को लेकर आई थीं चर्चा में

पिंकी मीणा का नाम साल 2021 में पूरे देश में उस समय गूंजा था, जब वे दौसा जिले के बांदीकुई में एसडीएम के पद पर तैनात थीं। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए उन्हें 10 लाख रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया था। आरोप था कि उन्होंने दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे का निर्माण कर रही कंपनी के ठेकेदार से सड़क निर्माण में आ रही अड़चनों को दूर करने के बदले भारी-भरकम घूस मांगी थी। एक महिला एसडीएम का इस तरह रिश्वत के जाल में फंसना प्रशासनिक गलियारों में बड़ा झटका था।

जेल से मिली जमानत फिर रचाई थी शादी

गिरफ्तारी के बाद पिंकी मीणा को जेल भेज दिया गया था। लेकिन उनकी चर्चा सिर्फ घूसकांड तक सीमित नहीं रही। जेल में रहने के दौरान ही उनकी शादी तय हुई थी। शादी के बंधन में बंधने के लिए उन्होंने राजस्थान हाईकोर्ट से गुहार लगाई, जिसके बाद उन्हें शादी के लिए 10 दिन की अंतरिम जमानत मिली थी। फरवरी 2021 में जेल से बाहर आकर उन्होंने एक न्यायिक मजिस्ट्रेट के साथ सात फेरे लिए। शादी की रस्में पूरी होते ही, जमानत अवधि खत्म होने पर वे वापस जेल लौट गईं।

निलंबन आदेश पर रोक, मिली नई जिम्मेदारी

इस घूसकांड के बाद पिंकी मीणा करीब साढ़े पांच साल तक सस्पेंड रहीं। हाल ही 21 मई 2026 को राजस्थान हाईकोर्ट ने पुष्कर मित्तल केस मद्देनजर समानता के सिद्धांत और अत्यधिक लंबे निलंबन को आधार मानते हुए उनके निलंबन आदेश पर रोक लगा दी थी, जिसके बाद उनकी नौकरी में बहाली का रास्ता साफ हुआ। शुक्रवार देर रात हुए बड़े प्रशासनिक फेरबदल में सरकार ने उन्हें सवाई माधोपुर में 'लोक सेवा एवं प्रशासनिक सुधार विभाग' जैसी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी है। हालांकि, कोर्ट में उनके खिलाफ भ्रष्टाचार का केस अभी भी चलता रहेगा, लेकिन लंबे समय बाद वे मुख्य प्रशासनिक धारा में लौट आई हैं।

राजनेता को मारने की साजिश, लक्ष्मणगढ़ में दबोचे 3 बदमाश

ऑटोमेटिक हथियार व 64 कारतूस जब्त

सीकर, 20 जून (एजेंसियां)। शेखावाटी में गैंगवार का नाम थमने का नाम नहीं ले रहा है। गैंगस्टर विदेशों में बैठे-बैठे ही अपने गुर्गों व शूटरों क जरिए अपने टारगेट को निशाना बना रहे हैं। सूत्रों ने बताया कि विदेश में बैठे एक बड़ी गैंग के गैंगस्टारों की निशानेदेही पर उनके गुर्गे सीकर के एक राजनेता और एक बड़े ज्वैलर को टारगेट कर पिछले तीन माह से उनकी हत्या की सुनियोजित प्लानिंग कर रहे थे। एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स (एजीटीएफ) की निशानेदेही पर सीकर पुलिस अधीक्षक प्रवीण नायक नूनावत व उनकी टीम ने देर रात 11 बजे सीकर व लक्ष्मणगढ़ के रोरू बड़ी गांव में दबिश देकर तीन बड़े बदमाशों को पकड़ा है।

इन बदमाशों के पास से चार ऑटोमेटिक अत्याधुनिक हथियार और 64 जिंदा कारतूस जब्त किए हैं। पुलिस ने सीकर कोतवाली व लक्ष्मणगढ़ थाना में दो मामले दर्ज किए हैं। सीकर की एफआइआर की जांच दादिया थानाधिकारी को सौंपी गई है। पुलिस सूत्रों ने बताया कि एसपी प्रवीण नायक नूनावत के निर्देश पर पुलिस टीमें गठित कर सीकर शहर के बजाज रोड स्थित जैन हॉस्पिटल के सामने धोबियां का मोहल्ला में एक फ्लेट में दबिश दी। सीकर की पुलिस टीमों व एजीटीएफ की टीम ने यहां से एक आरोपी को पकड़ा। आरोपी के पास भारी मात्रा में हथियार व कारतूस बरामद हुए।

आरोपी से सख्ती से पूछताछ की तो उसने लक्ष्मणगढ़ में अपने अन्य साथियों के होने की सूचना दी। एसपी ने दूसरी पुलिस टीमों को तुरंत लक्ष्मणगढ़ के रोरू बड़ी गांव के लिए रवाना किया गया। पुलिस ने लक्ष्मणगढ़ के एक गांव से दो युवकों को पकड़ा है। दोनों जगह से कुल 3 बदमाशों को पकड़कर 4 ऑटोमेटिक हथियार व 64 जिंदा कारतूस बरामद किए हैं। सूत्रों के अनुसार एजीटीएफ, जयपुर के अधिकारियों व सीकर पुलिस के आला अधिकारियों ने आरोपियों से सख्ती से पूछताछ की तो उन्होंने सारा नेटवर्क बता दिया।

बदमाशों ने सीकर में बजाज रोड पर अपने गांव रोरू बड़ी, लक्ष्मणगढ़ के युवक जयप्रकाश शर्मा व विकास शर्मा के जरिए करीब तीन महीने पहले 25 मार्च बजाज रोड पर 18 हजार रुपए में फुली फर्निश्ड फ्लेट किराए पर ले रखा था। फ्लेट में एसी, फ्रीज, बेड सहित सभी अत्याधुनिक सुविधाएं मौजूद हैं। विकास व जयप्रकाश ने अपने नाम पर यह फ्लेट लिया था और फिर फ्लेट को बदमाशों को दे दिया। जयप्रकाश व विकास ज्योतिष का काम करते हैं। पुलिस अधिकारियों ने विकास के बयान भी लिए हैं।

लव मैरिज के बाद साथ रहने की जिद

रेलवे स्टेशन पर पति-पत्नी ने खाया विषाक्त, महिला की मौत

अलवर, 20 जून (एजेंसियां)। राजस्थान के अलवर रेलवे स्टेशन पर पति-पत्नी ने विषाक्त खा लिया। जिससे पत्नी की मौत हो गई। वहीं, पति का अलवर के जिला अस्पताल में उपचार जारी है। जानकारी के अनुसार पति नौगांवा के चंडीगढ़ गांव के रहने वाले है। उसने ने ढाई साल पहले ही भरतपुर की रहने वाली निकिता से लव मैरिज की थी। बताया जा रहा है कि पति-पत्नी के बीच आपसी झगड़े के चलते दोनों ने विषाक्त खाया था। परिजनों की रिपोर्ट के बाद पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है। गोविंद सिंह का कहना है कि उसका भाई शेरसिंह ई-मित्र की दुकान पर काम करता है। उसने भरतपुर के रूपबास निवासी निकिता से करीब ढाई पहले लव मैरिज की थी। दोनों की बीच झगड़ा हो गया। इसके बाद पति शेरसिंह और पत्नी निकित अलवर रेलवे स्टेशन आ गए। अलवर स्टेशन आने से पहले शेरसिंह ने विषाक्त दवा खरीदी थी। जिसे पति-पत्नी ने पी लिया। कुछ ही देर में दोनों की तबीयत बिगड़ने लगी तो बुआ के लड़के शिवराम को फोन पर इस बारे में बताया। कुछ ही देर में मेहंदी बाग से बुआ का लड़का मौके पर पहुंच गया। इसके बाद दोनों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया। जहां पर महिला की उपचार के दौरान मौत हो गई। वहीं, युवक का अस्पताल में उपचार जारी है। चंडीगढ़ गांव निवासी 27 वर्षीय शेर सिंह ने करीब ढाई साल पहले भरतपुर जिले के रूपवास निवासी 25 वर्षीय निकिता से प्रेम विवाह किया था। शेर सिंह जयपुर में आधार केंद्र पर कार्य करता था, जहां उसकी मुलाकात पढ़ाई कर रही निकिता से हुई थी।

एआई से बनाया री-नीट का फर्जी पेपर

रातों-रात अमीर बनना चाहता था भीलवाड़ा का आकाश

भीलवाड़ा, 20 जून (एजेंसियां)। देश की सबसे संवेदनशील परीक्षाओं में से एक 'री-नीट' को लेकर एक बेहद चौंकाने वाला मामला सामने आया है। यहां पुलिस ने एक ऐसे युवक को पकड़ा जो टेलीग्राम पर बोगस (फर्जी) पेपर तैयार कर उसे धड़ल्ले से बेच रहा था। गुरुवार रात इस खेल का खुलासा होने के बाद, पुलिस ने मुख्य आरोपी आकाश चौधरी के एक नाबालिग साथी (बाल अपचारी) को भी डिटेन कर लिया है। यह नाबालिग साथी मुख्य आरोपी के टेलीग्राम ग्रुप को हैंडल करने और नए सदस्य जोड़ने में उसकी मदद करता था।

वहीं, न्यायालय ने मुख्य आरोपी आकाश चौधरी को 22 जून तक पुलिस रिमांड पर सौंप दिया है। वहीं पुलिस अधीक्षक सागर राणा ने मामले की जांच सदर पुलिस उपाधीक्षक नेमीचंद चौधरी को सौंपी है। लेकिन हाल ही में जब नीट परीक्षा के पेपर लीक होने और परीक्षा निरस्त होने का देशव्यापी मुद्दा गरमाया, तो आकाश के मन में एक शातिराना आइडिया आया। उसने गूगल पर नीट परीक्षा की नोटबुक और संभावित सवालों को खंगालना शुरू किया।

स्टडी मटेरियल हाथ लगते ही उसके मन में रातों-रात अमीर बनने का लालच जाग गया। उसने खुद ही कुछ सवालों को जोड़कर एक फर्जी पेपर तैयार कर लिया। इसके बाद उसने टेलीग्राम पर एक ग्रुप बनाया और उसका नाम बेहद बेखौफ अंदाज में 'पेपर माफिया' रख दिया। इस ग्रुप में उसने कोचिंग कर रहे छात्रों सहित कुल 54 सदस्यों को जोड़ लिया। आरोपी ने राज्य के बाहर के भी कुछ छात्रों को ग्रुप से जोड़ रखा था।

आरोपी आकाश के पकड़े जाने के बाद परिजन सदमे में है। उन्हें तो पूरा माजरा ही समझ में नहीं आ रहा है। उनका मानना है कि यह सब आकाश की नादानी के कारण हुआ है। उसकी मंशा किसी अपराध को अंजाम देने की नहीं थी। वह मेधावी छात्र है और प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहा है।

आकाश ने इस बोगस पेपर को बेचने के लिए बकायदा सौदेबाजी शुरू कर दी थी। पुलिस पूछताछ में सामने आया है कि ग्रुप के 54 सदस्यों में से 7 लोगों ने यह फर्जी पेपर खरीदा भी था। इससे उसने करीब 18 हजार की कमाई की।

नौकरी बचाने की एवज में मांग रही थीं 35 हजार की रिश्वत

एसीबी ने तीन कर्मियों को 10 हजार लेते दबोचा

भरतपुर, 20 जून (एजेंसियां)। भरतपुर में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो ने महिला एवं बाल विकास विभाग में रिश्वतखोरी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए तीन महिला कर्मियों को रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। आरोप है कि शिकायतकर्ता को नौकरी में परेशान नहीं करने और सेवा से नहीं निकालने के बदले रिश्वत की मांग की जा रही थी। एसीबी ने पहली किस्त के रूप में 10 हजार रुपये लेते समय तीनों आरोपियों को पकड़ लिया। गिरफ्तार आरोपियों में सूरजपोल सेक्टर की महिला पर्यवेक्षक क्षमा दहिया, कारे का नगला केंद्र की आंगनवाड़ी कार्यकर्ता सुनीता मुदगल और डी-ब्लॉक रंजीत नगर की आंगनवाड़ी कार्यकर्ता राजबाला शामिल हैं। कार्रवाई के बाद तीनों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है।

एसीबी के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अमित कुमार ने बताया कि ब्यूरो को एक शिकायत प्राप्त हुई थी। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया था कि महिला एवं बाल विकास विभाग की कुछ कर्मचारी उसे नौकरी में परेशान नहीं करने और सेवा से नहीं हटाने के बदले 50 हजार रुपये की रिश्वत मांग रही थीं। बाद में दोनों पक्षों के बीच यह राशि 35 हजार रुपये में तय हुई थी। शिकायत मिलने के बाद एसीबी ने मामले का सत्यापन कराया, जिसमें रिश्वत मांगने की शिकायत सही पाई गई।

1100 साल पुरानी मूर्ति चुराई, खजाने के लालच में खेत में ले जाकर खंड़ित की, 14 दिन बाद हुआ खुलासा

बस्सी, 20 जून (एजेंसियां)। आधुनिक और आरामदायक जीवनशैली की दौड़ में कुछ युवा गलत रास्तों पर भटक रहे हैं। राजस्थान के जयपुर जिले के साईवाड़ गांव में 1100 वर्ष पुरानी ठाकुरजी भगवान श्रीलक्ष्मीनारायणजी की प्राचीन मूर्ति चोरी की वारदात ने इसी चिंताजनक प्रवृत्ति को उजागर किया है। सोशल मीडिया पर प्राचीन मूर्तियों की कीमत और उनमें छिपे बहुमूल्य रत्नों की जानकारी तलाशने के बाद आरोपित ने मंदिर से मूर्ति चुराकर उसे खंडित कर दिया।

पुलिस उपायुक्त जयपुर उत्तर कर्ण शर्मा ने बताया कि 4 जून की रात साईवाड़ गांव स्थित प्राचीन ठाकुर लक्ष्मीनारायण मंदिर से अष्टधातु निर्मित करीब दो फीट ऊंची भगवान लक्ष्मीनारायण की मूर्ति चोरी हो गई थी। मूर्ति में भगवान शेषनाग पर विराजमान स्वरूप में स्थापित थे। घटना के बाद क्षेत्र में आक्रोश फैल गया था और ग्रामीण धरने पर बैठ गए थे। मामले की गंभीरता को देखते हुए अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त नीरज पाठक, सहायक पुलिस आयुक्त सुरेंद्र सिंह राणावत तथा थानाधिकारी डॉ.गौतम डोटासरा के निर्देशन में विशेष टीम का गठन किया गया। एसआइटी और पुलिस टीम ने लगातार जांच कर वारदात का खुलासा कर दिया। पुलिस ने साईवाड़ निवासी गणेश शर्मा (18) को गिरफ्तार कर एक बाल अपचारी को निरुद्ध किया है। दोनों से पूछताछ की जा रही है।

पुलिस टीम ने गांव और आसपास के क्षेत्रों में लगे करीब 500 सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। साथ ही लगभग 1000 मोबाइल नंबरों की बीटीएस और सीडीआर की जांच की गई। मुखबिर तंत्र को सक्रिय कर तकनीकी एवं परिस्थितिजन्य साक्ष्यों के आधार पर संदिग्धों तक पहुंच बनाई गई। लगातार 14 दिन तक चली जांच के बाद पुलिस को सफलता मिली। पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपित पिछले पांच-छह माह से सोशल मीडिया पर प्राचीन मूर्तियों की कीमत और उनके अंदर छिपे बहुमूल्य रत्नों संबंधी जानकारी खोज रहा था। उसे भ्रम था कि प्राचीन मूर्ति के भीतर नीलम या अन्य कीमती वस्तुएं हो सकती हैं। वारदात वाली रात गांव में बिजली बंद होने का फायदा उठाकर वह मूर्ति चोरी कर ले गया और गांव के बाहर अपने ज्वार के खेत में ले जाकर उसे खंड़ित कर दिया। जब कोई कीमती वस्तु नहीं मिली तो खंडित मूर्ति को मिट्टी में दबा दिया।

मंत्री ने राजीव गांधी लिफ्ट सिंचाई योजना की प्रगति की समीक्षा की

अय्याकट क्षेत्र में जल्द ही पानी पहुंचाने का वादा

हैदराबाद, 20 जून (स्वतंत्र वार्ता)। नागरिक आपूर्ति और सिंचाई मंत्री उत्तम कुमार रेड्डी ने 394 करोड़ रुपये की राजीव गांधी लिफ्ट सिंचाई योजना की प्रगति की समीक्षा की, जो सूर्यापेट जिले के अंतिम छोर के अय्याकुट क्षेत्रों तक कृष्णा नदी का जल पहुंचाने के लिए बनाई गई एक महत्वाकांक्षी परियोजना है। मंत्री जी ने शनिवार को परियोजना स्थल का दौरा किया और जिले में चल रहे कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। राजीव गांधी लिफ्ट सिंचाई योजना का उद्देश्य मुक्तेश्वरपुरम प्रमुख और गणपुरम प्रमुख अय्याकट के अंतर्गत लगभग 14,000 एकड़ भूमि को विश्वसनीय जल आपूर्ति प्रदान करना है, साथ ही कोडाड, हुजूरनगर, चिलुकुरु और पड़ोसी मंडलों के कई गांवों में टैंकों को भरना और जल सुरक्षा में सुधार करना है। महत्वपूर्ण प्रगति हो चुकी है। कुल 22 किलोमीटर लंबी प्रेशर-मेन पाइपलाइन में से 16 किलोमीटर का निर्माण कार्य पूरा हो चुका है, जबकि 6 किलोमीटर पाइपलाइन बिछाई जा चुकी है। प्रमुख सिविल कार्य तेजी से आगे बढ़ रहे हैं और शेष घटकों का कार्य आने वाले हफ्तों में गति पकड़ने की उम्मीद है। इस परियोजना से कांदीबंदा, रामापुर, हुजूरनगर, डोंडापाडु, गणपुरम, उचिपुड़ी, एर्रावरम, रामलक्ष्मीपुरम, पीके बांदा, कोगराई और पलानगरम सहित गांवों को लाभ होने की उम्मीद है। यात्रा के दौरान किसानों को संबोधित करते हुए उत्तम कुमार रेड्डी ने इस बात को दोहराया कि सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है कि अंतिम छोर के कृषि क्षेत्र में प्रत्येक एकड़ भूमि को पानी का उसका उचित हिस्सा मिले। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि सिंचाई विकास सबसे वंचित किसानों तक पहुंचना चाहिए और कहा कि किसी भी गांव को केवल इसलिए नदी के पानी के लाभ से वंचित नहीं किया जाना चाहिए क्योंकि वह नहर नेटवर्क के अंत में स्थित है। मंत्री जी ने यह भी कहा कि हालांकि नागार्जुन सागर परियोजना सिंचाई की जीवनरेखा बनी हुई है, लेकिन जल वितरण में मौजूद कमियों को दूर करने और सभी का समान वितरण सुनिश्चित करने के लिए राजीव गांधी लिफ्ट सिंचाई योजना जैसी पूरक परियोजनाएं आवश्यक हैं।

भारत ने अफगानिस्तान को 9 विकेट से हराया

सीरीज 3-0 से जीती; तीसरे वनडे में यशस्वी का शतक

रोहित की फिफ्टी, प्रसिद्ध को 5 विकेट

चेन्नई, 20 जून (स्वतंत्र वार्ता)। भारत ने अफगानिस्तान को वनडे सीरीज के तीसरे मैच में 9 विकेट से हरा दिया है। इसके साथ ही टीम ने 3 मैचों की सीरीज को 3-0 से क्लीन स्वीप कर लिया। चेपॉक स्टेडियम में टॉस जीतने के बाद पहले पहले बैटिंग करते हुए अफगानिस्तान ने 218 रन बनाए। भारत ने 29वें ओवर में एक विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया। विराट कोहली की जगह इस सीरीज में शामिल किए गए यशस्वी जायसवाल ने शतकीय पारी खेली तो रोहित शर्मा का बल्ला भी बोला।

यशस्वी जायसवाल का वनडे में दूसरा शतक

219 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी टीम इंडिया को यशस्वी जायसवाल और रोहित शर्मा ने शानदार शुरुआत दिलाई। पहले ही ओवर में टीम ने 23 रन जड़ दिए। 10 ओवर में टीम 81 रनों तक पहुंच चुकी थी। यशस्वी ने सिर्फ 38 गेंदों पर 50 रन पूरे किए तो रोहित ने 47 गेंदें लीं। शतक की तरफ बढ़ रहे रोहित 79 रन बनाकर आउट हुए। उन्होंने 69 गेंदों का सामना किया और 9 चौकों के साथ 3 छक्के मारे। मोहम्मद नबी ने 170 रनों की साझेदारी को तोड़ा।

तीसरे नंबर पर उतरे श्रेयस अय्यर ने आते ही हाथ खोले। 29वें ओवर की पहली गेंद पर छक्का मारकर यशस्वी जायसावल ने अपने वनडे करियर का दूसरा शतक लगाया। इसी ओवर की चौथी गेंद पर उन्होंने छक्के से मैच फिनिश कर किया। 86 गेंदों पर 14 चौके और 3 छक्कों की मदद से यशस्वी ने नाबाद 110 रन बनाए। दो छक्कों की मदद से श्रेयस अय्यर के बल्ले से 20 रन निकले।

प्रसिद्ध कृष्णा ने पहले पावरप्ले में 4 विकेट झटके

चेन्नई में टॉस जीतकर बल्लेबाजी के लिए उतरी अफगान टीम की शुरुआत बेहद खराब रही। यह टीम 36 के स्कोर तक अपने चार विकेट खो चुकी थी। यहां से हशमतुल्लाह शाहिदी ने अजमतुल्लाह ओमरजाई के साथ पांचवें विकेट के लिए 114 गेंदों में 105 रन जोड़े। अजमतुल्लाह ओमरजाई 56 गेंदों में 2 छक्कों और 5 चौकों के साथ 50 रन बनाकर आउट हुए। अपनी 36वीं वनडे पारी में ओमरजाई ने छक्कों का अर्धशतक भी पूरा कर लिया।

इसके बाद कप्तान शाहिदी ने मोहम्मद नबी के साथ छठे विकेट के लिए 53 गेंदो में 57 रन की साझेदारी की। नबी ने 23 गेंदों में 21 रन का योगदान दिया। अफगान टीम को 198 के स्कोर पर छठा झटका लगा, जिसके बाद विकेटों का पतझड़ लग गया। कप्तान शाहिदी ने 9वां विकेट गिरने के बाद अपना शतक पूरा किया। वह 102 रन बनाकर आखिरी बल्लेबाज के रूप में आउट हुए। भारत की तरफ से प्रसिद्ध कृष्णा ने 8.2 ओवरों में 23 रन देकर 5 विकेट हासिल किए, जबकि गुरनूर बरार, प्रिंस यादव और हर्ष दुबे ने 1-1 विकेट अपने नाम किया।

मोदी सरकार में कल्याण और शासन व्यवस्था में क्रांतिकारी परिवर्तन आए : लक्ष्मण

हैदराबाद, 20 जून (स्वतंत्र वार्ता)। भाजपा के राज्यसभा सांसद के. लक्ष्मण ने कहा कि नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार के 12 साल समावेशी विकास, कल्याणकारी विस्तार, महिला सशक्तिकरण और पारदर्शी शासन से चिह्नित रहे हैं। शनिवार को प्रेस सूचना ब्यूरो द्वारा आयोजित 'वार्ता' मीडिया संवाद कार्यक्रम में बोलते हुए, डॉ. लक्ष्मण ने प्रधानमंत्री आवास योजना, प्रधानमंत्री स्वनिधि, प्रधानमंत्री मुद्रा योजना, उज्ज्वला योजना, आयुष्मान भारत और जन धन योजना सहित विभिन्न प्रमुख योजनाओं पर प्रकाश डाला और कहा कि करोड़ों नागरिकों, विशेषकर महिलाओं और वंचित समुदायों को इन पहलों से लाभ हुआ है। प्रौद्योगिकी आधारित शासन, जन धन-आधार-मोबाइल ढांचे के साथ मिलकर, लाभार्थियों तक सीधे लाभों की पारदर्शी डिलीवरी सुनिश्चित करता है, जिससे बिचौलियों का सफाया होता है और भ्रष्टाचार कम होता है। उन्होंने दावा किया कि पिछले एक दशक में लक्षित कल्याणकारी हस्तक्षेपों के माध्यम से लगभग 25 करोड़ लोगों को गरीबी से बाहर निकाला गया है। उन्होंने कहा कि इस दौरान तेलंगाना में अभूतपूर्व अवसंरचना विकास हुआ, जिसमें 12 लाख करोड़ रुपये से अधिक के निवेश से लगभग 5,000 किलोमीटर नए राष्ट्रीय राजमार्ग जोड़े गए। उन्होंने सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन, चेरलापल्ली टर्मिनल, काजीपेट रेलवे विनिर्माण इकाई के पुनर्निर्माण और मेडक, सिद्दिपेट और कोमुरवेल्ली तक रेल संपर्क विस्तार जैसी प्रमुख रेलवे परियोजनाओं का भी उल्लेख किया। तेलंगाना को कई वंदे भारत एक्सप्रेस सेवाओं और हैदराबाद को बेंगलुरु, चेन्नई और पुणे से जोड़ने वाले प्रस्तावित हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर से लाभ हुआ है। उन्होंने आगे कहा कि केंद्र सरकार ने मामनूर और आदिलाबाद में नए हवाई अड्डे परियोजनाओं के साथ-साथ राज्य के आर्थिक विकास को गति देने के उद्देश्य से कई अन्य अवसंरचना पहलों का समर्थन किया है। भाजपा के वरिष्ठ नेता ने कहा कि केंद्र सरकार का ₹सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास का दृष्टिकोण कल्याणकारी और पारदर्शी शासन के माध्यम से भारत को एक विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में आगे बढ़ा रहा है। पीआईबी की अतिरिक्त महानिदेशक श्रुति पाटिल ने अपने उद्घाटन भाषण में कहा कि इस कार्यशाला का उद्देश्य मीडिया पेशेवरों, विशेष रूप से द्वितीय और तृतीय स्तर के शहरों के मीडिया पेशेवरों के बीच ज्ञान साझाकरण, व्यावसायिक विकास और क्षमता निर्माण को बढ़ावा देना है, साथ ही प्रमुख सरकारी नीतियों और जमीनी स्तर पर उनके प्रभाव पर चर्चा को सुगम बनाना है।

सरकार आदिवासी कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है: पोन्नम प्रभाकर

हैदराबाद, 20 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के परिवहन और पिछड़ा वर्ग कल्याण मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने शनिवार को हैदराबाद के प्रजा भवन में आयोजित एक समीक्षा बैठक के दौरान पिछड़े वर्गों (बीसी) के शैक्षिक, आर्थिक और सामाजिक उत्थान के प्रति राज्य सरकार की प्रतिबद्धता को दोहराया। इस बैठक में जिला बीसी विकास अधिकारी, सहायक बीसी विकास अधिकारी, बीसी अध्ययन मंडल के निदेशक और अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित थे। अधिकारियों को संबोधित करते हुए मंत्री ने कहा कि तेलंगाना सरकार शिक्षा, कौशल विकास, रोजगार सृजन और कल्याणकारी पहलों के माध्यम से आदिवासी समुदायों के सशक्तिकरण को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि सरकार का उद्देश्य आदिवासी युवाओं के लिए अधिक अवसर सृजित करना और राज्य के विकास में उनकी भागीदारी को मजबूत करना है। शैक्षणिक उपलब्धियों पर प्रकाश डालते हुए, पोन्नम प्रभाकर ने कहा कि बीसी वेलफेयर हॉस्टलों के छात्रों ने 2025-26 शैक्षणिक वर्ष में प्रभावशाली 96.05 प्रतिशत उत्तीर्ण प्रतिशत दर्ज किया, जो राज्य के औसत 95.15 प्रतिशत से अधिक है। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, 4,941 छात्र परीक्षा में शामिल हुए, 4,746 छात्र उत्तीर्ण हुए, 285 बीसी कल्याण छात्रावासों ने 100 प्रतिशत परिणाम प्राप्त किया और 641 छात्रों ने 500 से अधिक अंक प्राप्त किए। मंत्री ने छात्रों, शिक्षकों और छात्रावास कर्मचारियों के उत्कृष्ट प्रदर्शन की सराहना की। मध्यवर्ती परीक्षाओं के संबंध में, उन्होंने बताया कि बीसी कल्याण छात्रावासों में प्रथम वर्ष का उत्तीर्ण प्रतिशत 51.63 प्रतिशत रहा, जिसमें राजन्ना सिरसिल्ला, रंगा रेड्डी और हनुमाकोंडा जिलों ने सर्वश्रेष्ठ परिणाम दर्ज किए। इंटरमीडिएट द्वितीय वर्ष की परीक्षाओं के लिए, उत्तीर्ण प्रतिशत 71.85 प्रतिशत तक पहुंच गया, जिसमें हनुमाकोंडा, कोमाराम भीम आसिफाबाद, मंचेरियल और मुलुगु शीर्ष प्रदर्शन करने वाले जिले बनकर उभरे। मंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे तेलंगाना भर में पिछड़े वर्ग के छात्रों के लिए शैक्षिक परिणामों में सुधार लाने और कल्याणकारी उपायों का विस्तार करने के प्रयासों को जारी रखें, ताकि उनके लिए अवसरों को बढ़ाया जा सके।

तेलंगाना में भाजपा की कोई मौजूदगी नहीं है : टीपीसीसी प्रमुख

गांधी भवन में सत्याग्रह दीक्षा का आयोजन

हैदराबाद, 20 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस कमेटी (टीपीसीसी) के अध्यक्ष महेश कुमार गौड़ ने जोर देकर कहा कि तेलंगाना में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की कोई उपस्थिति नहीं है और कांग्रेस पार्टी लगातार दूसरी बार सरकार में सत्ता हासिल करने के लिए तैयार है। यह बयान शनिवार को गांधी भवन में आयोजित सत्याग्रह दीक्षा के दौरान दिया गया, जिसका आयोजन राजीव गांधी पंचायत राज संगठन के सहयोग से किया गया था। यह विरोध प्रदर्शन तेलंगाना कांग्रेस की प्रभारी मीनाक्षी नटराजन के राज्यसभा नामांकन की अस्वीकृति के विरोध में था।

टीपीसीसी प्रमुख ने विस्तार से बताया कि मीनाक्षी नटराजन मामले में भाजपा की कार्रवाई सभी स्थापित मानदंडों का उल्लंघन और भारतीय संविधान का अपमान है।

उन्होंने विवादास्पद रूप से सुझाव दिया कि चुनाव परिणाम अधिकारी, जिन्होंने कथित तौर पर नटराजन के खिलाफ कोई मामला न होने के बावजूद कार्रवाई की और इस प्रकार मध्य प्रदेश से भाजपा उम्मीदवार की जीत में मदद की, कड़ी सजा के हकदार हैं। इसके अलावा, उन्होंने झारखंड राज्यसभा चुनावों से तुलना करते हुए आरोप लगाया कि उद्योगपति मुकेश अंबानी द्वारा समर्थित एक निर्दलीय उम्मीदवार को उचित दस्तावेज़ों की कमी के बावजूद दूसरा मौका दिया गया था। इसके विपरीत, उन्होंने तर्क दिया कि नटराजन के मामले में भाजपा ने कांग्रेस की सीट पर अन्यायपूर्ण ढंग से कब्जा कर लिया, जबकि उनके खिलाफ कोई आरोप नहीं थे। महेश कुमार गौड़ ने भाजपा पर विभाजनकारी विचारधारा को बढ़ावा देने का आरोप लगाते हुए कहा, भाजपा 'गोडसे' के नारे लगा रही है। भाजपा नेता गोडसे साम्राज्य स्थापित करने की योजना बना रहे हैं। वे अपना एजेंडा ला रहे हैं और उसे जनता पर थोप रहे हैं। वे ऐसे व्यवहार कर रहे हैं मानो भाजपा ने जो कहा है वही संविधान हो। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि भाजपा नेता आंध्र प्रदेश के उपमुख्यमंत्री और जन सेना प्रमुख पवन कल्याण की मदद से तेलंगाना में अपनी पकड़ मजबूत करने की कोशिश कर रहे हैं।

एसबीआई परिसर में रक्तदान शिविर

मंचेरियल, 20 जून (स्वतंत्र वार्ता)। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया स्टाफ यूनियन हैदराबाद सर्कल (एसयूएचसी) के संस्थापक वाई. थारकनाथ की 22वीं पुण्यतिथि के अवसर पर शनिवार को एसबीआई परिसर में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी (आईआरसीएस) के सहयोग से आयोजित इस शिविर में एसबीआई के क्षेत्रीय प्रबंधक रितेश कुमार गुप्ता मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

यूनियन के क्षेत्रीय सचिव के. श्रीनिवास के नेतृत्व में एसबीआई की विभिन्न शाखाओं के कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक रक्तदान किया। शिविर के दौरान करीब 100 यूनिट रक्त एकत्र किया गया।

नार्म और टेक्नोलॉजी पोर्टफोलियो रोडशो 2026 का आयोजन किया

हैदराबाद, 20 जून (स्वतंत्र वार्ता)। नेशनल एकेडमी ऑफ़ एग्रीकल्चरल रिसर्च मैनेजमेंट ने एग्रीनोवेट इंडिया लिमिटेड नई दिल्ली के साथ मिलकर 20 जून 2026 को टेक्नोलॉजी पोर्टफोलियो रोडशो का आयोजन किया।

इसका मकसद आईसीएआर की टेक्नोलॉजी को दिखाना, इंडस्ट्री के साथ संबंध मजबूत करना और कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी पहलों के ज़रिए पार्टनरशिप के मौकों का पता लगाना था। इस कार्यक्रम में 85 प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया, जिनमें इंडस्ट्री के प्रतिनिधि संस्थानों के डायरेक्टर, वैज्ञानिक और अन्य स्टेकहोल्डर शामिल थे।

डायरेक्टर डॉ. रमन मीनाक्षी सुंदरम ने एग्रीकल्चरल टेक्नोलॉजी को किसानों और एग्री-एंटरप्राइज़ को फायदा पहुंचाने वाले समाधानों में बदलने में रिसर्च-इंडस्ट्री सहयोग की भूमिका पर ज़ोर दिया। एग्रीनोवेट इंडिया लिमिटेड के सीईओ डॉ. प्रवीण मलिक ने टेक्नोलॉजी पोर्टफोलियो पेश किया और सहयोग के मौकों पर चर्चा की। संस्थानों के डायरेक्टर और वैज्ञानिकों ने पांच मुख्य क्षेत्रों में इनोवेशन दिखाएः क्लाइमेट-प्रूफिंग एग्रीकल्चर, मिट्टी की सेहत में सुधार, सेहत के लिए खेती, एग्रीकल्चरल स्किल डेवलपमेंट, और खेती और विस्तार (एक्सटेंशन) में महिलाएं। अपने ऑनलाइन संबोधन में, ज्ञानेंद्र देव त्रिपाठी सेक्रेटरी ने 'विकसित भारत 2047' के विज़न को सपोर्ट करने के लिए रिसर्च संस्थानों, इंडस्ट्री और स्टेकहोल्डर्स के बीच मजबूत पार्टनरशिप के महत्व पर ज़ोर दिया। क्रॉप साइंसेज डॉ. डी.के. यादव ने क्लाइमेट रेज़िलिएंस, मशीनीकरण, मिट्टी और पशु स्वास्थ्य, और क्षमता निर्माण में सीएसआर की भागीदारी के मौकों पर प्रकाश डाला। इससे पहले, जॉइंट डायरेक्टर डॉ. गोपाल लाल ने प्रतिभागियों का स्वागत किया और एग्रीकल्चरल इनोवेशन को तेज़ी से आगे बढ़ाने में इंडस्ट्री पार्टनरशिप के महत्व पर ज़ोर दिया।

आईसीएआर संस्थानों, इंडस्ट्री प्रतिनिधियों और एग्रीनोवेट के बीच हुए विचार-मंथन सत्र में भविष्य के सहयोग और टेक्नोलॉजी को अपनाने के कई रास्ते पहचाने गए। इस रोडशो ने इंडस्ट्री और रिसर्च के बीच साझेदारी को मज़बूत करने और तकनीकों के सामाजिक प्रभाव को बढ़ाने के लिए एक अहम मंच प्रदान किया।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर विश्व रिकॉर्ड बनाने का प्रयास करेगा हार्टफुलनेस संस्थान

हैदराबाद, 20 जून (स्वतंत्र वार्ता)। हार्टफुलनेस इंस्टीट्यूट अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर हैदराबाद के बाहरी क्षेत्र स्थित कान्हा शांति वनम में अपने मुख्यालय पर एक और विश्व रिकॉर्ड बनाने का प्रयास करेगा। यह प्रयास 'लाइव-स्ट्रीम किए गए योग सत्र में एक साथ सर्वाधिक भाषाओं के उपयोग' के लिए एशिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स और इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स के तहत किया जाएगा। भारत सरकार के आयुष मंत्रालय द्वारा अनुशंसित 45 मिनट के मानकीकृत योग प्रोटोकॉल का आयोजन 25 भाषाओं, जिनमें 13 भारतीय और 12 अंतरराष्ट्रीय भाषाएं शामिल हैं, में किया जाएगा। यह कार्यक्रम 13 अलग-अलग समय क्षेत्रों में आयोजित होगा और प्रशिक्षित हार्टफुलनेस प्रशिक्षकों के नेतृत्व में संपन्न होगा। कार्यक्रम के बाद अभिनंदन समारोह आयोजित किया जाएगा, जिसका संचालन एशिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स की निर्णायक डॉ. वसुधा रानी करेंगी।

शिशु की पुलिस ने सीपीआर देकर बचाई जान

हैदराबाद, 20 जून (स्वतंत्र वार्ता)। राजेंद्रनगर पुलिस ने सड़क दुर्घटना के बाद सांस लेना बंद कर चुके एक वर्षीय शिशु को समय पर कार्डियोपल्मोनरी रिससिटेशन (सीपीआर) और प्राथमिक उपचार देकर उसकी जान बचा ली।

यह घटना शुक्रवार रात उस समय हुई जब पुलिस उपायुक्त (राजेंद्रनगर) एस. श्रीनिवास अपने क्षेत्र में नियमित गश्त कर रहे थे। पुलिस के अनुसार, बेंगलुरु से हैदराबाद आ रही एक कार शमशाबाद-आरामघर मार्ग पर अनियंत्रित होकर सड़क किनारे एक पेड़ से टकरा गई। हादसे में कई लोग घायल हो गए, जिनमें एक वर्षीय बच्चा भी शामिल था। दुर्घटना के बाद बच्चा बेहोश हो गया और उसकी सांसें रुक गईं।

सूचना मिलते ही डीसीपी एस. श्रीनिवास और उनके साथ मौजूद सुरक्षाकर्मी तुरंत घटनास्थल पर पहुंचे। शिशु की गंभीर स्थिति को देखते हुए पुलिस टीम ने डीसीपी के मार्गदर्शन में तत्काल सीपीआर देना शुरू किया।

कुछ ही देर में बच्चे की सांसें वापस लौट आईं और वह होश में आ गया, जिससे उसके परिजनों ने राहत की सांस ली। इसके बाद पुलिसकर्मियों ने सभी घायलों को उपचार के लिए निकटवर्ती अस्पताल पहुंचाया। हैदराबाद के पुलिस आयुक्त वीसी सज्जनार ने डीसीपी एस. श्रीनिवास और उनकी टीम के त्वरित एवं मानवीय प्रयासों की सराहना की।

सीपीआई ने सरकार की कार्रवाई की कड़ी आलोचना की

हनमकोंडा में गरीबों के घर ध्वस्त किए जाने का मामला

हैदराबाद, 20 जून (स्वतंत्र वार्ता)। सीपीआई के राज्य सचिव और कोत्तागुडेम विधायक कुनामनेनी सांबासिवा राव ने शनिवार को हनमकोंडा के गुंडला सिंगाराम में गरीब परिवारों के घरों को ध्वस्त किए जाने की कड़ी निंदा करते हुए इसे एक अत्याचारपूर्ण कृत्य बताया। घटना की जानकारी मिलते ही हैदराबाद से तुरंत रवाना हुए कुनामनेनी, सीपीआई के राज्य सहायक सचिव टक्कल्लापल्ली श्रीनिवास राव और स्थानीय पार्टी नेताओं के साथ विध्वंस स्थल का दौरा किया और प्रभावित निवासियों से बातचीत की।

झुग्गीवासियों ने आरोप लगाया कि अधिकारियों ने महिलाओं और बच्चों की मौजूदगी पर ध्यान दिए बिना उन्हें जबरन बेदखल कर दिया और घरेलू सामान सड़कों पर फेंक दिया। छात्रों ने कथित तौर पर शिकायत की कि पुलिस ने उन्हें अभियान के दौरान शैक्षणिक प्रमाण पत्र लेने से रोक दिया। मीडिया को संबोधित करते हुए कुनामनेनी ने कहा कि न्याय मिलने तक सीपीआई विस्थापित परिवारों के साथ खड़ी रहेगी। उन्होंने अधिकारियों पर बड़े पैमाने पर भूमि अतिक्रमणों की अनदेखी करने और छोटे भूखंडों पर कब्जा करने वाले बेघर गरीब लोगों को निशाना बनाने का आरोप लगाया। उन्होंने मुख्यमंत्री से तत्काल हस्तक्षेप करने और ऐसी कार्रवाइयों को रोकने का आग्रह किया, साथ ही चेतावनी दी कि लगातार तोड़फोड़ से सरकार की छवि को नुकसान पहुंचेगा।

पित्ती ट्रस्ट-सेवा दल ने किया बत्तीनी गौड़ परिवार का सम्मान

हैदराबाद, 20 जून (स्वतंत्र वार्ता)। बदरीविशाल पन्नालाल पित्ती ट्रस्ट एवं अग्रवाल सेवा दल द्वारा शुक्रवार, 19 जून को चिराग़ अली लेन, आबिद्स होटल रॉयल्टन में, विश्व प्रसिद्ध बत्तीनी गौड़ परिवार का भव्य सम्मान किया गया। अग्रवाल सेवा दल के प्रचार संयोजक अजित गुप्ता द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार इस वर्ष मृगशिरा के अवसर पर आयोजित मछली प्रसादम वितरण कार्यक्रम की अभूतपूर्व सफलता पर पित्ती ट्रस्ट एवं सेवा दल द्वारा दमा रोगियों में पिछले 180 वर्षों से मछली प्रसादम का निःशुल्क वितरण करने वाले विश्व प्रसिद्ध बत्तीनी गौड़ परिवार का भव्य सम्मान किया गया।

उन्होंने बताया कि पित्ती ट्रस्ट के चेयरमैन तथा सेवा दल के परामर्शदाता श्री शरद बी पित्ती, सेवा दल के संयोजक अजित गुप्ता, कैलाश केडिया, गोपाल सिंह आदि ने बत्तीनी परिवार के चंद्रशेखर गौड़, अमरनाथ गौड़, गौरीशंकर गौड़, शिवशंकर गौड़ तथा संतोष गौड़ का शॉल द्वारा सम्मान किया । उस अवसर पर गौड़ परिवार की वरिष्ठ महिला सदस्याओं का भी शॉल द्वारा सम्मान किया गया ।

सभा को संबोधित करते हुए गौड़ परिवार के सदस्यों ने बताया कि इस वर्ष 8 जून को रात्रि 9.00 बजे से मछली प्रसादम का वितरण प्रारंभ किया गया जो 9 जून को रात्रि 10.00 बजे तक निर्बाध रूप से चलता रहा । उन्होंने बताया कि इस वर्ष लगभग दो लाख से अधिक लोगों ने मछली प्रसाद ग्रहण किया । उन्होंने पित्ती ट्रस्ट तथा सेवा दल द्वारा दमा रोगियों एवं उनके परिवारजनों की 5 जून से 9 जून तक की गई सेवा के लिए पित्ती ट्रस्ट एवं सेवा दल की प्रशंसा की तथा आभार प्रगट किया।

सभा को संबोधित करते हुए शरद पित्ती ने कहा कि पित्ती ट्रस्ट - सेवा दल का बत्तीनी परिवार से बहुत पुराना संबंध है ।

उन्होंने बत्तीनी परिवार द्वारा की जा रही सेवाओं की प्रशंसा करते हुए पूर्ण समर्थन का आश्वासन दिया । इस अवसर पर अग्रवाल सेवा दल के संयोजक विनय सी अग्रवाल, प्रदीप अग्रवाल, सुधीर गुप्ता, सुरेंद्र अग्रवाल, निखिल अग्रवाल, उर्मिला अग्रवाल, समाजसेवी शंकरलाल यादव, घनश्याम यादव तथा बड़ी संख्या में गौड़ परिवार के सदस्य उपस्थित थे । विनय सी अग्रवाल ने धन्यवाद ज्ञापित किया ।

साइबर धोखाधड़ी नेटवर्क का भंडाफोड़ किया, सात गिरफ्तार

हैदराबाद, 20 जून (स्वतंत्र वार्ता)। साइबराबाद स्थित साइबर क्राइम पुलिस स्टेशन ने ऑनलाइन ट्रेडिंग धोखाधड़ी के एक बड़े मामले का खुलासा किया है और साइबर अपराधों से प्राप्त धनराशि को स्थानांतरित करने के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले फर्जी बैंक खातों के नेटवर्क को संचालित करने में कथित रूप से शामिल सात व्यक्तियों को गिरफ्तार किया है। साइबर अपराध पुलिस स्टेशन में दर्ज एक मामले के सिलसिले में गिरफ्तारियां की गईं, जहां जांचकर्ताओं ने एक संगठित गिरोह का पर्दाफाश किया जो साइबर धोखाधड़ी गिरोहों के लिए बैंक खाते खुलवाने, खाताधारक उपलब्ध कराने, धोखाधड़ी से प्राप्त धनराशि एकत्र करने, नकदी परिवहन करने और मनी लॉन्ड्रिंग में सहायता करने में संलग्न था। गिरफ्तार किए गए व्यक्तियों में रापार्थी गौतम (28 वर्ष), सेनापति पेंटैया (56), बोडाला साई कुमार (28), मुरापकाला कुमार (30), विजयपु सत्यनारायण (44), मंत्री साई कुमार (24) और उत्ला सत्यनारायण (27) शामिल हैं। पुलिस के अनुसार, आरोपियों ने खाताधारक, खाता प्रदाता, नकद प्राप्तकर्ता और नकद संवाहक सहित कई भूमिकाएँ निभाईं। जांच में पता चला कि धोखाधड़ी से प्राप्त धनराशि नकद में निकाली जाती थी और प्रमुख संचालकों के निर्देशों पर नेटवर्क के सदस्यों तक पहुँचाने से पहले कई बिचौलियों के माध्यम से स्थानांतरित की जाती थी। हैदराबाद में एक अलग अभियान के परिणामस्वरूप एक अन्य आरोपी को गिरफ्तार किया गया, जो कथित तौर पर साइबर धोखाधड़ी के पैसे को स्थानांतरित करने के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले बैंक खातों को संचालित करने और प्रदान करने में शामिल था। पुलिस ने बताया कि यह नेटवर्क संगठित साइबर अपराध समूहों के लिए एक सहायक प्रणाली के रूप में काम करता था, जो अवैध खातों की व्यवस्था करता था और अवैध धन के हस्तांतरण में सहायता करता था। अधिकारी अब इस व्यापक नेटवर्क की जांच कर रहे हैं ताकि अतिरिक्त लाभार्थियों, खाता प्रदाताओं, नकदी संचालकों और इस ऑपरेशन के मास्टरमाइंड की पहचान की जा सके।

प्रथम पृष्ठ का शेष भाग

ओडिशा को 47,600 ...

ओडिशा में भाजपा सरकार को दो साल पूरे हो चुके हैं। इस अवसर पर पीएम ने राज्य की जनता को बधाई दी। उन्होंने कहा कि ओडिशा इस समय उत्सव के माहौल में डूबा हुआ है। पिछले हफ्ते यहाँ गण पर्व (राजा पर्व) मनाया गया। अब महाप्रभु जगन्नाथ जी की रथ यात्रा और बारीपदा रथ यात्रा की तैयारियां पूरे उत्साह के साथ चल रही हैं। लोकतंत्र और विकास का यह उत्सव अद्भुत है।

पीएम मोदी के लिए यह दिन बेहद खास रहा। शनिवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का जन्मदिन भी था। पीएम मोदी ने उन्हें बधाई देते हुए कहा कि ओडिशा की बेटी आज देश के सर्वोच्च पद पर है। वह हम सभी का मार्गदर्शन कर रही हैं। यह पूरे देश के लिए गौरव की बात है। उन्होंने मयूरभंज और ओडिशा की पहचान को पूरे विश्व में मजबूत किया है। पीएम मोदी राष्ट्रपति के पैतृक गांव पहाड़पुर भी गए। वहां उन्होंने स्थानीय बच्चों के स्कूल का दौरा किया। पीएम ने बच्चों के साथ कुछ यादगार पल बिताए। उन्होंने इसे अपने लिए एक शैक्षणिक और कुछ नया सीखने वाला अनुभव बताया।

भारत कोई धर्मशाला ...

ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना (यूबीटी) में संभावित टूट की ओर इशारा करते हुए अमित शाह ने कहा कि पहले लोगों को शिंदे नीत गुट का अलग से ज़िक्र करना पड़ता था, लेकिन अब कोई गुट नहीं बचा है और सिर्फ एक ही शिवसेना है जिसके प्रमुख एकनाथ शिंदे हैं। केंद्रीय मंत्री अमित शाह ने कहा कि कांग्रेस नेता और कांग्रेस की गोद में बैठे उद्धव जी घुसपैठियों को वोट बैंक में बदलकर अपना अस्तित्व बनाए रखना चाहते हैं। मैं उन्हें स्पष्ट रूप से कहना चाहता हूं कि यह देश कोई धर्मशाला नहीं है। यहां केवल वही लोग रहेंगे, जो इस देश में जन्मा है। उन्होंने कहा कि हर घुसपैठिए की पहचान की जाएगी और उसे देश से बाहर निकाला जाएगा।

अमित शाह ने कहा कि मैं कोल्हापुर स्थित अंबाबाई के तीर्थ स्थल से राज्य के लोगों से संवाद कर रहा हूं कि इन 12 सालों में जब से प्रधानमंत्री मोदी देश के प्रधानमंत्री बने हैं तभी से देश में असंभव माने जाने वाले काम पूर्ण किए गए हैं। शाह ने कहा कि 2014 में भाजपा की सरकार आई जिसके बाद आज अयोध्या में भगवान राम का भव्य मंदिर बना हुआ है। जिस काशी विश्वनाथ कॉरिडोर को औरंगजेब ने तोड़ा था, आज उसका पुनर्निर्माण हो रहा है। केदारनाथ-बद्रीधाम का पुनर्निर्माण किया जा रहा है। सोमनाथ में फिर सोने का मंदिर बन रहा है।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaartha2006@gmail.com
svaarttha2006@rediffmail.com
svaartha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

भारतीय महिला टीम नेशंस कप हॉकी के फाइनल में

ऑकलैंड, 20 जून (एजेंसियां)। भारतीय महिला हॉकी टीम ने एफआईएच महिला नेशंस कप के सेमीफाइनल में चिली को 6-0 से करारी शिकस्त देकर फाइनल में जगह बना ली। भारत की यह टूर्नामेंट में लगातार चौथी जीत रही।

भारत की ओर से नवनीत कौर (6वां, 13वां मिनट) और दीपिका (14वां, 18वां मिनट) ने दो-दो गोल किए। वहीं नेहा (32वां मिनट) और रुतुजा दादासो पिसाल (39वां मिनट) ने एक-एक गोल दागा।

भारतीय टीम ने शुरुआत से ही गेंद पर नियंत्रण बनाए रखा और छठे मिनट में नवनीत ने पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलकर टीम को बढ़त दिलाई। इसके बाद कप्तान सलीमा टेटे के शानदार मूव पर नवनीत ने दूसरा गोल किया। दीपिका ने लगातार दो पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलकर भारत की बढ़त 4-0 कर दी। दूसरे हाफ में नेहा और रुतुजा ने भी गोल कर स्कोर 6-0 तक पहुंचा दिया।

दीपिका के छह गोल हो गए हैं और वह टूर्नामेंट की शीर्ष स्कोरर बन गई हैं। कप्तान सलीमा टेटे को उनके शानदार प्रदर्शन के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

चिली ने अंतिम क्वार्टर में कुछ अवसर बनाए, लेकिन गोलकीपर सविता ने बेहतरीन बचाव करते हुए क्लीन शीट कायम रखी। भारत अब फाइनल में अमेरिका और न्यूजीलैंड के बीच होने वाले दूसरे सेमीफाइनल की विजेता टीम से भिड़ेगा।

नीरज चोपड़ा दोहा डायमंड लीग में चौथे स्थान पर रहे

नई दिल्ली, 20 जून (एजेंसियां)। भारतीय स्टार जेवलिन थ्रोअर नीरज चोपड़ा ने बैक इंजरी से वापसी के बाद सीजन के पहले इवेंट में चौथा स्थान हासिल किया।

कतर में आयोजित दोहा डायमंड लीग में नीरज ने 85.69 मीटर का सर्वश्रेष्ठ थ्रो किया। हालांकि वे पोडियम फिनिश से चूक गए, लेकिन 82.61 मीटर के क्वालिफाइंग मार्क को पार कर ग्लासगो कॉमनवेल्थ गेम्स के लिए अपनी पात्रता सुनिश्चित कर ली।

नीरज का पहला प्रयास फाउल रहा, जबकि दूसरे प्रयास में उन्होंने 82.77 मीटर और तीसरे प्रयास में 85.69 मीटर का थ्रो किया। श्रीलंका के रमेश थारंगा पाथिरागे ने चौथे राउंड में 88.68 मीटर का थ्रो कर गोल्ड मेडल जीता। ग्रेनाडा के एंडरसन पीटर्स(86.38 मीटर) दूसरे और अमेरिका के कर्टिस थॉम्पसन (85.99 मीटर) तीसरे स्थान पर रहे।

पाथिरागे के खिलाफ नीरज का हेड-टू-हेड रिकॉर्ड अब 1-2 हो गया है।

हालांकि विशेषज्ञों का मानना है कि यह प्रतियोगिता नीरज के लिए मैच प्रैक्टिस और फॉर्म हासिल करने की दिशा में अहम कदम साबित होगी। 23 जुलाई से 2 अगस्त तक होने वाले 2026 कॉमनवेल्थ गेम्स में उनसे बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद रहेगी।

बैडमिंटनः मकाऊ ओपन से भारत की चुनौती खत्म

सेमीफाइनल में हारीं अस्मिता

मकाऊ, 20 जून (एजेंसियां)। मकाऊ ओपन सुपर-300 बैडमिंटन टूर्नामेंट में भारत का अभियान समाप्त हो गया। महिला सिंगल्स के सेमीफाइनल में भारत की अस्मिता चालिहा को साउथ कोरिया की पार्क गा युन ने 38 मिनट में सीधे गेम में 21-17, 21-9 से हरा दिया।

वर्ल्ड नंबर-63 अस्मिता ने पहले गेम में 15-11 की बढ़त बना ली थी, लेकिन पार्क ने शानदार वापसी करते हुए लगातार अंक जुटाए और गेम 21-17 से जीत लिया। दूसरे गेम में पार्क पूरी तरह हावी रहीं और अस्मिता को 21-9 से मात देकर फाइनल में जगह बनाई।

अस्मिता टूर्नामेंट में भारत की आखिरी उम्मीद थीं। इससे पहले आठवीं वरीयता प्राप्त अनमोल खरब क्वार्टर फाइनल में चीन की हान कियान शी से हारकर बाहर हो गई थीं।

अस्मिता की हार के साथ ही मकाऊ ओपन में भारतीय चुनौती समाप्त हो गई।

पेरिस में गोल्ड जीतने वाले प्रवीण कुमार का अगला लक्ष्य

लॉस एंजिल्स पैरालंपिक 2028 और 2027 विश्व चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीतना

नई दिल्ली, 20 जून (एजेंसियां)। पैरालंपिक में ऊंची कूद के स्टार एथलीट प्रवीण कुमार ने अपने अगले बड़े लक्ष्यों का खुलासा करते हुए कहा है कि वह लॉस एंजिल्स पैरालंपिक 2028 में देश का प्रतिनिधित्व करना चाहते हैं। इसके साथ ही उनका लक्ष्य विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीतना भी है।

एक पॉडकास्ट में बातचीत के दौरान प्रवीण कुमार ने कहा कि उन्होंने कभी नहीं सोचा था कि वह इतनी दूर तक पहुंचेंगे। हालांकि अभी उनके कई लक्ष्य बाकी हैं, जिन पर वह लगातार काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप में उनके पास अभी स्वर्ण पदक नहीं है। ऐसे में 2027 में होने वाली प्रतियोगिता में वह गोल्ड मेडल जीतने की कोशिश करेंगे। हालांकि उनका प्राथमिक लक्ष्य लॉस एंजिल्स पैरालंपिक 2028 है।

दो बार के पैरालंपिक पदक विजेता प्रवीण कुमार ने बताया कि ऊंची कूद में उनका सफर अचानक स्कूल के दिनों में शुरू हुआ था। उस समय वह नौवीं कक्षा में पढ़ते थे और एथलेटिक्स प्रतियोगिता के लिए उन्हें किसी एक स्पर्धा का चयन करना था। उन्होंने बताया कि उन्हें उस समय विभिन्न खेलों की जानकारी नहीं थी, इसलिए दोस्तों से सलाह ली। चूंकि वह पहले वॉलीबॉल खेलते थे, इसलिए दोस्तों ने उन्हें ऊंची कूद में हिस्सा लेने की सलाह दी। प्रवीण के अनुसार, उनके दोस्तों ने लकड़ी की छड़ी से अस्थायी क्रॉसबार बनाया और उन्होंने उसे आसानी से पार कर लिया। इसके

बाद दोस्तों ने उन्हें प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए प्रेरित किया।

प्रवीण ने बताया कि प्रतियोगिता के लिए चयन प्रक्रिया पहले ही पूरी हो चुकी थी और स्कूल अधिकारियों ने शुरुआत में उन्हें मौका देने से इनकार कर दिया था। अधिकारियों को आशंका थी कि दिव्यांग होने के कारण उन्हें परेशानी हो सकती है। उन्होंने कहा कि जब उन्होंने अपनी मां को यह बात बताई तो उन्होंने पूरा मामला समझा। बाद में परिवार और स्कूल प्रबंधन के हस्तक्षेप के बाद उन्हें प्रतियोगिता में हिस्सा लेने का अवसर मिला। प्रवीण ने अधिकारियों से कहा था कि वह अपनी जिम्मेदारी खुद लेने को तैयार हैं, लेकिन उन्हें प्रतियोगिता में भाग लेने दिया जाए।

पैराएथलीट ने बताया कि मुकाबले के दिन भी कुछ प्रतिभागियों ने उनके खेलने पर आपत्ति जताई थी। उन्होंने रेफरी से कहा था कि दिव्यांग होने के कारण उन्हें प्रतियोगिता में शामिल नहीं किया जाना चाहिए। हालांकि एक शिक्षक ने उनका समर्थन करते हुए कहा था कि वह एक पैर से कूदेंगे, जबकि बाकी प्रतिभागियों के पास दोनों पैर हैं और उन्हें बेहतर प्रदर्शन करना चाहिए।

प्रवीण कुमार ने बताया कि अपने पहले ही हाई जंप मुकाबले में उन्होंने पदक जीता था। वह पदक आज भी उनके पास सुरक्षित है और उसी से उनके खेल करियर की शुरुआत हुई थी। उन्होंने कहा कि उस पहले पदक से शुरू हुआ सफर अब पैरालंपिक तक पहुंच चुका है, जहां वह देश के लिए पदक जीतने में सफल रहे। अब उनका लक्ष्य विश्व चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक और लॉस एंजिल्स पैरालंपिक 2028 में शानदार प्रदर्शन करना है। प्रवीण कुमार नेटोक्यो पैरालंपिक में टी64 वर्ग में रजत पदक और पेरिस पैरालंपिक में टी64 वर्ग में स्वर्ण पदक अपना नाम किया था।

कुन्हा के डबल गोल से जीता ब्राजीलः ग्रुप-सी के टॉप पर आया

हैती फुटबॉल वर्ल्डकप से बाहर होने वाली पहली टीम

फिलाडेल्फिया, 20 जून (एजेंसियां)। 5 बार की वर्ल्ड चैंपियन ब्राजील ने हैती को 3-0 से हराकर फुटबॉल वर्ल्ड कप 2026 में अपनी पहली जीत दर्ज की। इस जीत से ब्राजील ग्रुप-सी के टॉप पर आ गई। जबकि, हैती टूर्नामेंट से बाहर होने वाली पहली टीम बन गई।

मैनचेस्टर यूनाइटेड के फॉरवर्ड माथियस कुन्हा को इस मैच की स्टार्टिंग-11 में मौका मिला। उन्होंने 23वें और 36वें मिनट में गोल दागे। एक गोल विनीसियस जूनियर के बूट से आया। अब 24 जून को ब्राजील का मैच स्कॉटलैंड से होगा, जबकि हैती अपने अंतिम ग्रुप मैच में मोरक्को से भिड़ेगा।

पहलाः 23वें मिनट में विनीसियस जूनियर के शॉट पर बॉल गोल पोस्ट से लगकर वापस आ गई। यहां कुन्हा ने रिबाउंड पर गोल दागा। उन्होंने वर्ल्ड कप में पहला गोल किया।

दूसराः 36वें मिनट में विनीसियस ने मिडफील्ड में एक और बेहतरीन पास देकर कुन्हा के लिए मौका बनाया। कुन्हा ने बाएं फुट से जोरदार शॉट लगाकर स्कोर 2-0 कर दिया।

तीसराः हाफ टाइम से ठीक पहले मिडफील्डर लुकस पेक्वा के फ्लिक पास पर विनीसियस ने डबल टच के बाद हैती के गोलकीपर एलेक्जेंडर प्लेसिड के पैरों के बीच से गोल में भेज दिया।

ब्राजील ने 24 साल बाद फुटबॉल वर्ल्ड कप के ग्रुप स्टेज मैच में तीन गोल दागे हैं। इससे पहले टीम ने 2002 में चीन के खिलाफ 4 और कोस्टा रिका के खिलाफ 5 गोल दागे थे।

ब्राजील वर्ल्ड कप इतिहास में 41वीं बार किसी मैच में तीन या उससे अधिक गोल दागे हैं। यह टूर्नामेंट के इतिहास में किसी भी देश द्वारा सबसे ज्यादा बार हासिल की गई उपलब्धि है।

ब्राजील वर्ल्ड कप इतिहास में सबसे ज्यादा गोल करने वाली टीम बन गई है। उसने 116 मैचों में 241 गोल दागे। ब्राजील ने जर्मनी के वर्ल्ड रिकॉर्ड को पीछे छोड़ा। जर्मनी के 239 गोल दागे हैं।

मैच के दूसरे हाफ में हैती ने वापसी की कोशिश की, लेकिन ब्राजील के मजबूत डिफेंस और गोलकीपर के सामने कोई खास मौका नहीं बना सका। 1974 के बाद पहली बार वर्ल्ड कप में खेल रही हैती की टीम दो मैचों में हार के बाद नॉकआउट की दौड़ से बाहर हो गई।

इस मैच के बाद पॉइंट्स टेबल में ब्राजील पहले और मोरक्को दूसरे स्थान पर है। दोनों के एक समान 4-4 अंक हैं, हालांकि ब्राजील गोल डिफरेंस की वजह से टेबल के टॉप पर है। ब्राजील का गोल डिफरेंस 3 है, जबकि मोरक्को का 1 है।

गोल डिफरेंस टूर्नामेंट में किसी टीम के टोटल गोल और गंवाए गए गोल के बीच का अंतर होता है। उदाहरण के रुप में किसी टीम ने टूर्नामेंट में 5 गोल दागे हैं और 3 गोल खाए हैं, तो उसका गोल डिफरेंस 2 होगा।

मोरक्को ने फुटबॉल वर्ल्ड कप के ग्रुप-सी मैच में स्कॉटलैंड को 1-0 से हराया। टीम 4 अंक के साथ ग्रुप सी के टॉप पर है। उसने पहले मैच में ब्राजील को ड्रॉ पर रोका था। बोस्टन स्टेडियम में शनिवार को खेले गए इस मैच का एकमात्र और निर्णायक गोल स्ट्राइकर इस्माइल साइबारी ने किया। जो विश्व कप इतिहास में मोरक्को का सबसे तेज गोल भी बन गया।

ब्राहिम डियाज के सटीक पास पर साइबारी स्कॉटलैंड के डिफेंस को भेदते हुए आगे बढ़े और गोलकीपर एंगस गन को छकाकर गेंद को गोल पोस्ट में डाल दिया। वे वर्ल्ड कप में अपने शुरुआती दो मुकाबलों में गोल करने वाले केवल दूसरे अफ्रीकी खिलाड़ी बने हैं। उनसे पहले यह उपलब्धि मिस्र के मोहम्मद सलाह ने 2018 विश्व कप में हासिल की थी।

साउथ अफ्रीका के खिलाफ कप्तान लौरा का विकेट सबसे अहम

मिताली बोलीं- भारत, ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड और वेस्टइंडीज पहुंच सकते हैं सेमीफाइनल में

खेल डेस्क, 20 जून (एजेंसियां)। विमेंस टी-20 वर्ल्ड कप में 21 जून को साउथ अफ्रीका के खिलाफ होने वाले मैच में कप्तान लौरा वोल्वार्ट का विकेट भारत के लिए महत्वपूर्ण साबित होगा। जियोस्टार मीडिया डे के दौरान आईसीसी टी-20 वर्ल्ड कप की एक्सपर्ट मिताली राज ने कहा, लौरा का विकेट जल्दी मिलने से साउथ अफ्रीकी टीम पर दबाव बनाया जा सकता है।

पूर्व भारतीय कप्तान मिताली ने दोनों टीमों के बल्लेबाजी पैटर्न की तुलना करते हुए कहा, लौरा साउथ अफ्रीका के लिए वही रोल निभाती हैं, जो स्मृति मंधाना भारत के लिए करती हैं। लौरा हर मैच में एक छोर संभालकर खेलती हैं और बाकी के बल्लेबाज उनके इर्द-गिर्द बल्लेबाजी करते हैं।

उन्होंने आगे कहा, अफ्रीका के लिए पहले 6 ओवरों के पावरप्ले में दिशा तय करने की पूरी जिम्मेदारी लौरा की ओपनिंग पार्टनरशिप और उनके स्टैंड पर टिकी होती है। ऐसे में उनका विकेट भारत के लिए महत्वपूर्ण होगा। मिताली ने आगे कहा, किसी भी फॉर्मेट में फॉर्म में चल रहे या सेट बल्लेबाज को जल्दी आउट करना विपक्षी टीम की पहली रणनीति होती है। जैसे हर टीम भारत के खिलाफ स्मृति मंधाना को जल्दी आउट करने का प्लान बनाती है, वैसे ही भारत को लौरा के लिए योजना बनानी होगी। अगर आप इन-फॉर्म बल्लेबाज को पावरप्ले में ही पवेलियन भेज देते हैं, तो आने वाले नए बल्लेबाजों पर दबाव बढ़ जाता है।

टूर्नामेंट के सेमीफाइनल को लेकर मिताली ने कहा, भारत के ग्रुप से ऑस्ट्रेलिया और भारत नॉकआउट में जगह बनाएंगे, क्योंकि दोनों टीमों ने अपने शुरुआती 2 मैच जीते हैं। वहीं दूसरे ग्रुप से इंग्लैंड की टीम मजबूत स्थिति में है। दूसरे स्थान के लिए न्यूजीलैंड की संभावनाएं कम होने के बाद वेस्टइंडीज और श्रीलंका के बीच कड़ा मुकाबला है, जिसमें वेस्टइंडीज मजबूत दिख रही है।

मिताली के मुताबिक, ऑस्ट्रेलिया को हराने के लिए उसकी ओपनर जॉर्जिया वॉल और एंकर रोल निभाने वाली बेथ मूनी के साथ-साथ फोबी लिचफील्ड का विकेट जल्दी लेना होगा, जो हाई स्ट्राइक रेट से खेलती हैं। ऑस्ट्रेलियाई टीम के पास सीमर्स और स्पिनर्स का बेहतरीन ऑलराउंड अटैक है।

ओवल टेस्टः न्यूजीलैंड ने इंग्लैंड पर 352 रन की बढ़त बनाई

हेनरी निकोल्स का कमबैक शतक

ओवल, 20 जून (एजेंसियां)। न्यूजीलैंड ने दूसरे टेस्ट के तीसरे दिन इंग्लैंड पर 352 रन की मजबूत बढ़त हासिल कर ली है। लंदन के द ओवल मैदान पर इंग्लैंड पहली पारी में 291 रन पर ऑलआउट हो गई। इस तरह न्यूजीलैंड को पहली पारी में 100 रन की बढ़त मिली।

दिन का खेल समाप्त होने तक कीवियों ने अपनी दूसरी पारी में 3 विकेट पर 252 रन बना लिए हैं। केन विलियमसन की जगह टीम में वापसी कर रहे हेनरी निकोल्स 119 रन पर नाबाद हैं। डेरिल मिचेल (32 रन) उनका साथ दे रहे हैं। रचिन रवींद्र ने 76 रन बनाए। निकोल्स और रवींद्र ने तीसरे विकेट के लिए 161 रन की साझेदारी की।

इंग्लैंड के विकेटकीपर जेम्स रीव की खराब फील्डिंग मैच का बड़ा टर्निंग पॉइंट साबित हुई। दूसरी पारी में न्यूजीलैंड के दोनों ओपनर टॉम लाथम और डेवोन कॉनवे जल्दी आउट हो गए थे। इसके बाद रचिन रवींद्र 7 रन पर थे, जब जोश टंग की गेंद पर रीव ने उनका आसान कैच छोड़ दिया। उस समय न्यूजीलैंड का स्कोर 48 रन था और इंग्लैंड तीसरा विकेट हासिल कर सकता था। टी-ब्रेक के बाद हेनरी निकोल्स को भी 42 रन के स्कोर पर जीवनदान मिला, जब जोफ्रा आर्चर की गेंद पर रीव उनसे भी कैच नहीं पकड़ सके। इन दोनों मौकों का फायदा उठाकर रवींद्र और निकोल्स ने इंग्लैंड को मैच में पीछे धकेल दिया।

केन विलियमसन की जगह नंबर-3 पर बल्लेबाजी करने उतरे हेनरी निकोल्स ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए अपने टेस्ट करियर का 11वां शतक पूरा किया। उन्होंने 136 गेंदों में शतक पूरा किया और अपनी पारी में 14 चौके लगाए। निकोल्स की यह पारी न्यूजीलैंड की बढ़त को मजबूत करने में निर्णायक साबित हुई।

इससे पहले इंग्लैंड ने तीसरे दिन 9 विकेट पर 238 रन से आगे खेलना शुरू किया। निचले क्रम के बल्लेबाज मैथ्यू फिशर ने अपने फर्स्ट क्लास करियर की तीसरी अर्धशतकीय पारी खेली। उन्होंने सोनी बेकर के साथ अंतिम विकेट के लिए 53 रन जोड़े, जिससे इंग्लैंड 291 रन तक पहुंच सका। हालांकि, पहली पारी के आधार पर न्यूजीलैंड को 100 रन की महत्वपूर्ण बढ़त मिल गई।

न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज मैट हेनरी ने पहली पारी में शानदार गेंदबाजी करते हुए 80 रन देकर 5 विकेट लिए। यह उनके टेस्ट करियर का सातवां फाइव-विकेट हॉल है। खास बात यह रही कि इंग्लैंड के खिलाफ किसी टेस्ट पारी में उन्होंने पहली बार पांच विकेट लेने का कारनामा किया।

अमेरिका 32 साल बाद फुटबॉल वर्ल्डकप के नॉकआउट में

ऑस्ट्रेलिया को 2-0 से हराया

सिएटल/सांता क्लारा, 20 जून (एजेंसियां)। मेजबान अमेरिका ने फुटबॉल वर्ल्ड कप के राउंड ऑफ 32 में प्रवेश कर लिया है। उसने शनिवार के पहले मैच में ऑस्ट्रेलिया को 2-0 से हराया। अमेरिकी टीम ने 32 साल बाद नॉकआउट राउंड में जगह बनाई है। जबकि, तुर्की एक अन्य मैच में पराग्वे से हारकर बाहर हो गई है।

सिएटल स्टेडियम में स्टार फॉरवर्ड क्रिश्चियन पुलिसिक की गैरमौजूदगी में उतरी अमेरिकी टीम ने लगातार दूसरी जीत दर्ज की। पुलिसिक पिंडली की चोट के कारण इस मुकाबले में नहीं खेल सके। लेकिन, टीम को उनकी कमी नहीं खली। उसने पहले मुकाबले में पराग्वे को 4-1 से हराया था। टीम ग्रुप-डी में 6 अंक के साथ पहले स्थान पर है। ऑस्ट्रेलिया और पराग्वे 3-3 अंक के साथ क्रमशः दूसरे और तीसरे स्थान पर हैं। तुर्की हार के बाद चौथे स्थान पर है।

मैच के 11वें मिनट में अमेरिका को बढ़त मिली, जब फोलारिन बालोगुन के क्रॉस को रोकने की कोशिश में ऑस्ट्रेलियाई डिफेंडर कैमरून बर्गेस ने आत्मघाती गोल कर दिया। पहले हाफ के 43वें मिनट में अमेरिका ने अपनी बढ़त दोगुनी कर दी। सिर्जिनो डेस्ट के डिफ्लेक्टेड प्रयास को एलेक्स फ्रीमैन ने हेडर से गोल में बदल दिया। वीडियो रिव्यू के बाद गोल को मंजूरी मिली। यह 21 साल फ्रीमैन का विश्व कप में पहला गोल था। माटियास गलार्सा के रिकॉर्ड गोल से पैराग्वे ने ग्रुप-डी मैच में तुर्की को 1-0 से हराकर नॉकआउट की उम्मीदें जिंदा रखीं। इस हार के साथ तुर्की टूर्नामेंट से बाहर हो गया। पैराग्वे ने महज 64 सेकेंड के अंदर बढ़त बना ली। यहां एंड्रेस क्यूबास ने गेंद जीतकर जूलियो एनसिसो को पास दिया। इस पर एनसिसो ने माटियास गलार्सा के लिए मौका बनाया। गलार्सा ने बाएं पैर से शानदार शॉट लगाकर गोल किया। यह वर्ल्ड कप 2026 का अब तक का सबसे तेज गोल है।

फीफा विश्वकप में अनोखा रेड कार्ड

मुंह ढककर बोलने पर खिलाड़ी को भेजा गया बाहर

न्यूयॉर्क, 20 जून (एजेंसियां)। पैराग्वे और तुर्किये के बीच फीफा विश्वकप 2026 के ग्रुप मुकाबले में ऐसा दृश्य देखने को मिला जिसने फुटबॉल जगत को हैरान कर दिया। मैच के 45+3वें मिनट में पैराग्वे के अनुभवी मिडफील्डर मिगुएल अल्मिरोन को सीधे रेड कार्ड दिखा दिया गया। खास बात यह रही कि यह फैसला किसी खतरनाक टैकल, हिंसक व्यवहार या फाउल के लिए नहीं, बल्कि मुंह ढककर दूसरे खिलाड़ी को कुछ बोलने के कारण लिया गया। फीफा ने इसी विश्वकप से ये नया नियम लाया है और अल्मिरोन इस तरह से रेड कार्ड पाने वाले पहले खिलाड़ी बने।

पहले हाफ के इंजरी टाइम में तुर्किये के खिलाड़ी के टैकल पर रेफरी ने फाउल दिया। इसके बाद तुर्किये और पैराग्वे के खिलाड़ी मैदान पर भिड़ गए। इसी बीच अल्मिरोन विपक्षी खिलाड़ी को मुंह ढककर कुछ बोलते दिखे। उन्होंने अपने हाथ से मुंह को ढक रखा था और इसकी अपील विपक्षी खिलाड़ी ने रेफरी से की। मैदान पर मौजूद रेफरी ने तत्काल कोई कार्रवाई नहीं की, लेकिन वीडियो असिस्टेंट रेफरी ने घटना की समीक्षा की। वीएआर जांच के बाद रेफरी को घटना की जानकारी दी गई और फिर अल्मिरोन को सीधे रेड कार्ड दिखा दिया गया। रेड कार्ड मिलते ही स्टेडियम में मौजूद दर्शक और खिलाड़ी दोनों हैरान रह गए।

रेड कार्ड दिखाए जाने के बाद माहौल अचानक गर्म हो गया। हाफटाइम की सिटी बजी तो खिलाड़ी वापस ड्रेसिंग रूम में जाने लगे। इस बीच पैराग्वे के खिलाड़ियों ने रेफरी के फैसले का विरोध किया, जबकि तुर्किये के खिलाड़ी निर्णय के समर्थन में नजर आए। डगआउट के पास दोनों टीमों के खिलाड़ियों और स्टाफ के बीच तीखी बहस देखने को मिली और धक्का-मुक्की भी हुई। रेफरी और अन्य अधिकारियों को बीच-बचाव करना पड़ा ताकि स्थिति नियंत्रण से बाहर न जाए।

अल्मिरोन के बाहर होने से पैराग्वे को बड़ा झटका लगा। टीम ने दूसरे मिनट में ही गोल कर बढ़त बना ली थी, लेकिन फिर उसे पूरे दूसरे हाफ में 10 खिलाड़ियों के साथ खेलना पड़ा। दूसरी ओर तुर्किये के लिए, यह मुकाबला 'करो या मरो' जैसा था। उसे हर हाल में जीत चाहिए थे, लेकिन ऐसा हो नहीं सका और 10 खिलाड़ियों से खेल रही पैराग्वे की टीम ने दूसरे हाफ में कोई गोल नहीं होने दिया और तुर्किये की टीम को 1-0 से हरा दिया। इसी के साथ तुर्किये की टीम टूर्नामेंट से बाहर हो गई थी।

दुग्ध उत्पादक किसानों की आय बढ़ाने के लिए राज्यव्यापी सर्वे होगा : भट्टी विक्रमार्क

हैदराबाद, 20 जून (स्वतंत्र वार्ता)। उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क ने कहा है कि राज्य सरकार दुग्ध उद्योग पर निर्भर किसानों को आर्थिक सुरक्षा प्रदान करने और विजया डेयरी को वित्तीय रूप से सशक्त बनाने के लिए आवश्यक कदम उठा रही है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी पहले ही स्पष्ट कर चुके हैं कि सरकार राज्य के डेयरी क्षेत्र को मजबूत करने और दूध उत्पादन से जुड़े परिवारों के हितों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। इसी दिशा में सरकार ने विजया डेयरी का दूध राज्य के स्कूलों और आंगनवाड़ी केंद्रों में उपलब्ध कराने का निर्णय लिया है। शनिवार को सचिवालय में उपमुख्यमंत्री की अध्यक्षता में आयोजित उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक में इस प्रस्ताव की व्यवहार्यता पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में पशुपालन मंत्री वाकिटी श्रीहरि भी उपस्थित थे। इस दौरान राज्य में दूध की खपत, दूध की खरीद और किसानों को किए जाने वाले भुगतान की स्थिति की समीक्षा की गई। भट्टी विक्रमार्क ने अधिकारियों से राज्य में वर्तमान दूध खपत और विभिन्न विद्यालयों में पढ़ रहे 27 लाख छात्रों को दूध उपलब्ध कराने की योजना पर विस्तृत जानकारी ली। उपमुख्यमंत्री ने अधिकारियों को राज्य के कुल दूध उत्पादन के सटीक आंकड़े तैयार करने के निर्देश दिए। उन्होंने राज्यभर में मैदानी स्तर पर सर्वेक्षण कर वास्तविक दुग्ध उत्पादक पशुओं की संख्या का पता लगाने तथा उनसे होने वाले वास्तविक दूध उत्पादन का आकलन करने का आदेश दिया। उन्होंने कहा कि अगली बैठक में इस संबंध में विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत की जाए। भट्टी विक्रमार्क ने कहा कि किसानों से खरीदे जाने वाले दूध के मूल्य निर्धारण को लेकर स्पष्ट नीति होनी चाहिए। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि किसानों के भुगतान लंबित नहीं रहने चाहिए और सभी बिलों का समय पर भुगतान सुनिश्चित किया जाए। साथ ही उन्होंने निर्देश दिया कि स्कूलों को आपूर्ति किए जाने वाले दूध का भुगतान संबंधित कल्याण विभागों द्वारा सीधे संबंधित एजेंसियों को किया जाए, ताकि किसानों का कोई बकाया न रहे। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में बड़ी संख्या में लोग डेयरी उद्योग पर निर्भर हैं। यदि किसानों को समय पर भुगतान मिलेगा तो उनकी आर्थिक स्थिति मजबूत होगी और वे अधिक विश्वास के साथ डेयरी संस्थाओं को दूध की आपूर्ति जारी रखेंगे। उपमुख्यमंत्री ने तेलंगाना में डेयरी उद्योग को अधिक लाभदायक बनाने तथा दूध उत्पादन में उल्लेखनीय वृद्धि के लिए आधुनिक तकनीकों और व्यवस्थाओं को अपनाने का सुझाव दिया। उन्होंने कहा कि कृषि के साथ-साथ डेयरी क्षेत्र के माध्यम से किसानों को अतिरिक्त आजीविका के अवसर उपलब्ध कराने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाए जाने चाहिए।

पास्को मामला: बंडी भगीरथ को मिली अस्थायी जमानत

हैदराबाद, 20 जून (स्वतंत्र वार्ता)। केन्द्रीय गृह राज्यमंत्री बंडी संजय के बेटे बंडी भगीरथ को पिछले महीने पेटबशीरबाद पुलिस ने यौन अपराधों से बच्चों के संरक्षण (पीओसीएसओ) अधिनियम के तहत एक मामले में गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में लिया था। उसे मल्काजगिरि अदालत ने अस्थायी जमानत दे दी है। पीड़िता की मां की शिकायत के बाद पुलिस ने भगीरथ के खिलाफ मामला दर्ज कराया, जिसमें उसने आरोप लगाया कि भगीरथ ने शादी का झांसा देकर बार-बार उसकी बेटी का यौन उत्पीड़न किया। भगीरथ को 16 मई को गिरफ्तार किया गया और बाद में हिरासत में भेज दिया गया। अदालत ने उन्हें परीक्षा देने की अनुमति देने के लिए एक सप्ताह (26 जून तक) की अंतरिम जमानत दी। उनके कानूनी प्रतिनिधियों ने उनकी पढ़ाई, विशेष रूप से इंजीनियरिंग परीक्षाओं के महत्व का हवाला देते हुए इस अस्थायी रिहाई के लिए अदालत में याचिका दायर की थी। उनकी शैक्षणिक संभावनाओं को ध्यान में रखते हुए अदालत ने शनिवार दोपहर को भगीरथ को चेरलापल्ली जेल से रिहा कर दिया।

बाल विवाह मुक्त तेलंगाना बनाने के लिए सभी विभाग मिलकर करें काम : सीतक्का

मिशन वात्सल्य तथा सक्षम आंगनवाड़ी कार्यक्रम की समीक्षा की

हैदराबाद, 20 जून (स्वतंत्र वार्ता)। पंचायत राज तथा महिला एवं बाल कल्याण मंत्री सीतक्का ने कहा कि राज्य के कुछ क्षेत्रों में अभी भी बाल विवाह की घटनाएं सामने आ रही हैं और इन्हें पूरी तरह रोकने के लिए सभी विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी गंभीरता और जिम्मेदारी के साथ कार्य करें।

उन्होंने स्पष्ट किया कि सरकार का लक्ष्य तेलंगाना को बाल विवाह मुक्त राज्य बनाना है और इसके लिए व्यापक स्तर पर समन्वित प्रयास किए जा रहे हैं। शनिवार को तेलंगाना राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग के तत्वावधान में मिशन वात्सल्य तथा सक्षम आंगनवाड़ी कार्यक्रम की समीक्षा के लिए आयोजित राज्यस्तरीय बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित करते हुए सीतक्का ने कहा कि बाल संरक्षण को मजबूत बनाने, बच्चों के खिलाफ होने वाले अत्याचारों को कम करने तथा पॉक्सो अधिनियम से संबंधित मामलों में कमी लाने के लिए व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाए जाने की आवश्यकता है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि बाल विवाह की रोकथाम के साथ-साथ बच्चों की सुरक्षा और उनके अधिकारों के संरक्षण को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए। बैठक की अध्यक्षता राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग की अध्यक्ष सीता दयाकर रेड्डी ने की। इस अवसर पर मंत्री सीतक्का ने महिलाओं और बच्चों के कल्याण के लिए राज्य सरकार द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं और कार्यक्रमों की जानकारी देते हुए कहा कि इनका लाभ पात्र लोगों तक प्रभावी ढंग से पहुंचाना सुनिश्चित किया जाना चाहिए। बैठक में उपस्थित महिला एवं बाल विकास विभाग की सचिव अनीता रामचंद्रन ने अधिकारियों से महिला और बाल कल्याण से संबंधित नीतियों तथा योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य करने का आह्वान किया।

उन्होंने कहा कि जमीनी स्तर पर बेहतर निगरानी और समन्वय के माध्यम से महिलाओं और बच्चों के कल्याण के लक्ष्यों को अधिक प्रभावी ढंग से हासिल किया जा सकता है।

तूफानी जल निकासी कार्यों में देरी से बाढ़ की आशंका, स्थानीय लोगों में नाराजगी

हैदराबाद, 20 जून (स्वतंत्र वार्ता)। अमीरपेट स्थित मैत्रीवनम के पीछे गंगूभाई बस्ती और श्रीनिवास नगर के निवासियों ने तूफानी जल निकासी (एसडब्ल्यूडी) कार्यों की धीमी प्रगति पर चिंता जताई है। उनका कहना है कि मानसून के दौरान काम पूरा नहीं होने से इलाके में जलभराव और बाढ़ की स्थिति पैदा हो सकती है। पिछले वर्ष भारी बारिश के दौरान गंगूभाई बस्ती में जलभराव की समस्या सामने आने के बाद मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने क्षेत्र का दौरा किया था। उस दौरान स्थानीय लोगों ने उन्हें हर वर्ष बरसाती नाले के उफान से होने वाली परेशानी से अवगत कराया था। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को नाले के चौड़ीकरण और पुनर्निर्माण का कार्य युद्धस्तर पर पूरा करने के निर्देश दिए थे। हालांकि, स्थानीय निवासियों का आरोप है कि ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम (जीएचएमसी) और हैदराबाद मेट्रोपॉलिटन वाटर सप्लाई एंड सीवरेज बोर्ड (एचएमडब्ल्यूएसएसबी) के बीच समन्वय की कमी के कारण कार्य धीमी गति से चल रहा है। श्रीनिवास नगर में नाले की खुदाई के कारण मिट्टी के ढेर लग गए हैं, जिससे स्थानीय लोगों और छात्रों को काफी परेशानी हो रही है। यह क्षेत्र कोचिंग संस्थानों और छात्रावासों के कारण हमेशा व्यस्त रहता है। छात्रों ने बताया कि पिछले दो सप्ताह से खुदाई का कार्य अधूरा पड़ा है और बारिश के दौरान आवागमन में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। खैरताबाद जोन के जीएचएमसी अधिकारियों के अनुसार, नाले पर स्लैब का कार्य पूरा हो चुका है, जबकि सीवरेज पाइपलाइन बिछाने का काम एचएमडब्ल्यूएसएसबी द्वारा किया जाना शेष है।

नाबालिगों के वाहन चलाने पर सख्त हुई पुलिस

स्कूलों में नकारात्मक अंक देने का सुझाव

हैदराबाद, 20 जून (स्वतंत्र वार्ता)। शहर में नाबालिगों द्वारा वाहन चलाने की बढ़ती घटनाओं को देखते हुए हैदराबाद पुलिस ने सख्त रुख अपनाया है। जनवरी से मई 2026 के बीच पुलिस ने नाबालिगों द्वारा वाहन चलाने से जुड़े 2,539 मामले दर्ज किए हैं। अब पुलिस ने स्कूलों से ऐसे छात्रों को अनुशासनात्मक कार्रवाई के तहत नकारात्मक अंक देने का सुझाव दिया है।

'स्कूल छात्रों की सड़क सुरक्षा' विषय पर आयोजित बैठक में संयुक्त पुलिस आयुक्त (यातायात) जोएल डेविस ने बताया कि इस वर्ष नाबालिगों को वाहन चलाते पकड़े जाने के बाद 719 वाहनों के पंजीकरण प्रमाणपत्र 12 महीने के लिए निलंबित किए जा चुके हैं। साथ ही, नियमों का उल्लंघन करने वाले नाबालिगों को 25 वर्ष की आयु तक ड्राइविंग लाइसेंस प्राप्त करने से वंचित किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि नाबालिगों को वाहन सौंपने वाले माता-पिता या अभिभावकों के खिलाफ भी सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। ऐसे मामलों में तीन वर्ष तक की सजा और 25 हजार रुपये तक का जुर्माना लगाया जा सकता है। पुलिस आयुक्त वीसी सज्जनार ने कहा कि 'जीरो टॉलरेंस' नीति के तहत यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले छात्रों की जानकारी सीधे संबंधित स्कूलों को दी जाएगी और स्कूल प्रबंधन से ऐसे छात्रों को नकारात्मक अंक देने का आग्रह किया जाएगा। हैदराबाद ट्रैफिक पुलिस के आंकड़ों के अनुसार, एक जनवरी से 31 मई 2026 के बीच 141 घातक, 86 गंभीर और 1,377 मामूली सड़क दुर्घटनाएं दर्ज की गईं।

इनमें 18 वर्ष से कम आयु के 128 बच्चे दुर्घटनाओं का शिकार हुए, जिनमें सात की मौत हो गई, चार गंभीर रूप से घायल हुए और 117 बच्चों को मामूली चोटें आईं। पुलिस ने दोपहिया वाहन चालकों से हेलमेट पहनने और केवल दो लोगों के यात्रा करने की अपील की है। वहीं, चार पहिया वाहनों में सभी यात्रियों के लिए सीट बेल्ट अनिवार्य करने तथा 12 वर्ष से कम उम्र के बच्चों को आगे की सीट पर नहीं बैठाने की सलाह दी गई है।

प्रसूता की मौत के बाद चिता की राख में मिली सर्जिकल कैंची

कोत्तागुडेम, 20 जून (स्वतंत्र वार्ता)। जिले के गुंडाला प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में कथित लापरवाही के बाद मृत हुई एक गर्भवती महिला के दाह संस्कार के अवशेषों में जली हुई सर्जिकल कैंची मिलने से सनसनी फैल गई है। इस घटना ने सरकारी अस्पतालों की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। परिजनों के अनुसार, गुंडाला मंडल के शंभूनिगुडेम गांव की 20 वर्षीय आदिवासी महिला कुंजा वनजा को 13 जून को प्रसव पीड़ा होने पर स्थानीय पीएचसी में भर्ती कराया गया था। आरोप है कि उस समय चिकित्सक की अनुपस्थिति में एक स्टाफ नर्स ने सामान्य प्रसव कराया। प्रसव के बाद नवजात शिशु की हालत बिगड़ गई और बाद में उसे येल्लंदू सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में

मृत घोषित कर दिया गया। वहीं प्रसूता को अत्यधिक रक्तस्राव होने पर खम्मम सरकारी अस्पताल रेफर किया गया, जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई।

महिला के पति संजीव राव का आरोप है कि यदि अस्पताल कर्मियों ने समय रहते डॉक्टर की अनुपस्थिति और बच्चे के अधिक वजन के कारण सामान्य प्रसव में जोखिम की जानकारी दी होती तो वे निजी अस्पताल में सीजेरियन प्रसव करा सकते थे। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि अस्पताल कर्मचारियों ने नवजात की मौत की जानकारी छिपाई थी। 17 जून को अंतिम संस्कार के बाद पारंपरिक अनुष्ठान के लिए जब परिजन राख और अवशेष लेने पहुंचे तो उन्हें जली हुई सर्जिकल कैंची मिली। घटना सामने आने के बाद तेलंगाना मानवाधिकार आयोग (टीजीएचआरसी) ने स्वतः संज्ञान लेते हुए जिला चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी (डीएम एंड एचओ) को जांच कर 13 जुलाई तक रिपोर्ट सौंपने के निर्देश दिए हैं। डीएम एंड एचओ डॉ. तुकाराम राठौड़ ने बताया कि उन्होंने गांव का दौरा कर मामले की जांच की है और शीघ्र ही जिला कलेक्टर को विस्तृत रिपोर्ट सौंपी जाएगी।

फसल संबंधी वादे तोड़ने के लिए कांग्रेस को जवाबदेह ठहराएं किसान : केटीआर

किसान पांडुरंग के परिवार को सांत्वना दी

हैदराबाद बाद, 20 जून (स्वतंत्र वार्ता)। ₹अगर किसानों की फसलें नहीं खरीदी जाती हैं तो उन्हें अधिकारियों से गुहार नहीं लगानी चाहिए। उन्हें कांग्रेस नेताओं को जवाबदेह ठहराना चाहिए और उनसे पूछना चाहिए कि बोनस भुगतान, खरीद केंद्रों और समर्थन मूल्य के बारे में उनके वादों का क्या हुआ,₹ बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव (केटीआर) ने कांग्रेस सरकार की हालिया फसल खरीद नीति पर तीखा हमला करते हुए कहा। शनिवार को आदिलाबाद दौरे के दौरान बोथ निर्वाचन क्षेत्र में पार्टी की आम सभा की बैठक को संबोधित करते हुए, केटीआर ने आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार ने केंद्र सरकार द्वारा निर्धारित कोटे तक फसल खरीद को सीमित करने का निर्णय लेकर तेलंगाना के किसानों को छोड़ दिया है। उन्होंने मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी पर किसानों द्वारा उत्पादित प्रत्येक अनाज की खरीद के अपने वादे से मुकरने का आरोप लगाया। ₹कुछ ही दिन पहले, रेवंत रेड्डी ने किसानों को आश्वासन दिया था कि उनकी सरकार एक-एक अनाज खरीदेगी। आज वे कह रहे हैं कि राज्य केवल उतना ही अनाज खरीदेगा जितना केंद्र सरकार अनुमति देगी। यह तेलंगाना के किसानों के साथ सरासर विश्वासघात है,₹ केटीआर ने कहा।बीआरएस नेता ने आरोप लगाया कि कांग्रेस मंत्रिमंडल द्वारा धान, ज्वार, दालों और सोयाबीन की खरीद केवल केंद्रीय कोटा ढांचे के भीतर करने का निर्णय किसानों को निजी व्यापारियों की दया पर छोड़ देगा और उन्हें अपनी उपज को संकटकालीन कीमतों पर बेचने के लिए मजबूर करेगा। इससे पहले दिन में, केटीआर ने आदिलाबाद जिले के सिरिकोंडा मंडल के पोन्न गांव का दौरा किया और किसान पांडुरंग के परिवार को सांत्वना दी, जिसने कथित तौर पर अपनी ज्वार की फसल के लिए खरीद सुनिश्चित करने में विफल रहने के बाद आत्महत्या कर ली थी। केटीआर ने बीआरएस की ओर से 3 लाख रुपये की वित्तीय सहायता सौंपी और राज्य सरकार से मांग की कि वह शोक संतप्त परिवार को तत्काल 25 लाख रुपये की अनुग्रह राशि प्रदान करे और पांडुरंग के बच्चों को सरकारी नौकरी दे।

तेलंगाना में मतदाता सूची का संशोधन 25 जून से शुरू होगा : सीईओ

अंतिम सूची 1 अक्टूबर को जारी होगी

हैदराबाद, 20 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) सुदर्शन रेड्डी ने घोषणा की है कि मतदाता सूची का विशेष गहन संशोधन (एसआईआर) 25 जून से शुरू होगा और 1 अक्टूबर, 2026 को अंतिम मतदाता सूची जारी होने के साथ समाप्त होगा। इस बहु-चरणीय संशोधन में 25 जून से 24 जुलाई तक घर-घर जाकर डेटा संग्रह शामिल होगा। इसके बाद, 31 जुलाई को एक प्रारंभिक मतदाता सूची सार्वजनिक की जाएगी, जिसके साथ ही दावे और आपत्तियां प्रस्तुत करने की अवधि शुरू हो जाएगी, जो 31 जुलाई से 30 अगस्त तक चलेगी। इन दावों के सत्यापन, सुनवाई और समाधान की प्रक्रिया 28 सितंबर तक चलेगी, जिसके बाद 1 अक्टूबर को मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन होगा, उन्होंने आगे बताया।शनिवार को यहां मीडिया से बात करते हुए सीईओ ने बताया कि भारतीय निर्वाचन आयोग ने मतदाता सूचियों की सटीकता और निष्पक्षता बनाए रखने के लिए एसआईआर की शुरुआत की है। उन्होंने कहा कि इस प्रक्रिया का उद्देश्य डुप्लिकेट और अपात्र प्रविष्टियों को हटाना, मृत मतदाताओं के नाम हटाना और यह सुनिश्चित करना है कि प्रत्येक पात्र नागरिक का नाम मतदाता सूची में शामिल हो। सुदर्शन रेड्डी ने बताया कि जनगणना प्रपत्र उसी पते पर पहुंचाया जाएगा जहां मतदाता वर्तमान में मतदाता सूची में पंजीकृत है। उन्होंने कहा, यदि मतदाता अब उस पते पर नहीं रह रहा है, तो उसका नाम उस स्थान से हटा दिया जाएगा। हालांकि, मतदाता को अपने वर्तमान पते के साथ फॉर्म 8 का उपयोग करके पुनः पंजीकरण करने का अवसर मिलेगा। सीईओ ने बताया कि पिछले 24 वर्षों में मतदाता सूची का पूरी तरह से संशोधन नहीं किया गया है और इस दौरान कई मतदाताओं का निधन हो गया होगा, जबकि अन्य पलायन कर गए होंगे। उन्होंने कहा, ₹एसआईआर का उद्देश्य ऐसी विसंगतियों को दूर करना है।₹ सुदर्शन रेड्डी ने इस बात पर जोर दिया कि इस प्रक्रिया के पीछे कोई राजनीतिक मकसद नहीं है और उन्होंने आश्वासन दिया कि किसी को भी चिंतित होने की जरूरत नहीं है। सीईओ ने आगे कहा कि राज्य के प्रत्येक नागरिक को, जाति या धर्म की परवाह किए बिना, जनगणना प्रपत्र वितरित किए जाएंगे। उन्होंने आश्वासन दिया कि जनगणना प्रक्रिया के दौरान मुस्लिम और हिंदू जैसे समुदायों के बीच कोई भेदभाव नहीं किया जाएगा। आधार कार्ड को लेकर जताई जा रही चिंताओं को स्पष्ट करते हुए सुदर्शन रेड्डी ने कहा कि आधार कार्ड की जानकारी देना पूरी तरह से वैकल्पिक है और जनगणना प्रपत्र जमा करने के लिए अनिवार्य नहीं है। चुनाव आयोग ने यह भी घोषणा की कि नए मतदाता जो 18 वर्ष की आयु प्राप्त कर चुके हैं, साथ ही वे मतदाता जो 1 अक्टूबर, 2026 को या उससे पहले 18 वर्ष की आयु प्राप्त कर लेंगे, वे संशोधन प्रक्रिया के दौरान फॉर्म-6 के माध्यम से मतदाता सूची में शामिल होने के लिए आवेदन कर सकते हैं। सीईओ ने सभी पात्र मतदाताओं से विशेष गहन मतदाता सूची संशोधन प्रक्रिया में सक्रिय रूप से भाग लेने और मतदाता सूचियों की सटीकता, व्यापकता और त्रुटिरहितता सुनिश्चित करने के लिए बूथ स्तर के अधिकारियों के साथ सहयोग करने की अपील की।

अग्निवीर शपथ ग्रहण परेड आयोजित

हैदराबाद, 20 जून (स्वतंत्र वार्ता)। महीनों के कठोर प्रशिक्षण की परिणति के उपलक्ष्य में, हैदराबाद के तोपखाना केंद्र में बैच 8/26 के 2436 अग्निवीरों के लिए शपथ ग्रहण परेड का आयोजन किया गया। यह महत्वपूर्ण आयोजन प्रशिक्षुओं के लिए एक परिवर्तनकारी यात्रा का प्रतीक है, क्योंकि वे आधिकारिक तौर पर सशस्त्र बलों में शामिल हो रहे हैं, जो मन, शरीर और आत्मा से राष्ट्र की सेवा करने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। पलानी परेड ग्राउंड में आयोजित इस शपथ ग्रहण परेड की अध्यक्षता ब्रिगेडियर राहुल मचराल, एसएम, कमांडेंट एवं सीईआई, आर्टिलरी सेंटर, हैदराबाद ने की। इस कार्यक्रम में त्रुटिहीन अभ्यास, अनुशासन और सटीकता का प्रदर्शन किया गया, जो अग्निवीरों की अटूट प्रतिबद्धता और उनके प्रशिक्षकों के अथक प्रयासों का प्रमाण है। हैदराबाद स्थित तोपखाना केंद्र के कमांडेंट ने अपने संबोधन में अग्निवीरों के समर्पण और दृढ़ता की सराहना करते हुए राष्ट्रीय सुरक्षा की रक्षा और सशस्त्र बलों के मूल्यों को आगे बढ़ाने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका पर बल दिया। उन्होंने प्रशिक्षकों और प्रशिक्षण कर्मचारियों की भी प्रशंसा की और युवा सैनिकों को प्रशिक्षित सैनिकों में ढालने में उनके कठिन परिश्रम और व्यावसायिकता को स्वीकार किया।शपथ ग्रहण परेड समारोह न केवल नए सैनिकों की आधिकारिक दीक्षा का प्रतीक है, बल्कि हैदराबाद आर्टिलरी सेंटर में सैन्य प्रशिक्षण में उत्कृष्टता के प्रति निरंतर प्रतिबद्धता को भी दर्शाता है। अग्निवीर अपने नए कर्तव्यों की ओर बढ़ते हुए अनुशासन, निष्ठा और सेवा के उन मूल्यों को अपने साथ लेकर चलते हैं जो उन्हें उनके प्रशिक्षण के दौरान सिखाए गए हैं।

धन की कमी और परिसीमन की आशंका से कांग्रेस विधायकों में बढ़ी चिंता

हैदराबाद, 20 जून (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी द्वारा कांग्रेस के 2034 तक तेलंगाना में सत्ता में बने रहने का दावा किए जाने के बावजूद पार्टी के कई विधायक अपने राजनीतिक भविष्य और निर्वाचन क्षेत्रों के विकास को लेकर चिंतित नजर आ रहे हैं। सरकार को वित्तीय, प्रशासनिक और राजनीतिक चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है, जिससे कई विधायकों की परेशानियां बढ़ गई हैं। कांग्रेस विधायकों की सबसे बड़ी चिंता विकास और कल्याणकारी योजनाओं के लिए पर्याप्त धन की कमी है। कई विधायक सार्वजनिक रूप से स्वीकार कर चुके हैं कि उन्हें अपने क्षेत्रों की परियोजनाओं के लिए आवश्यक धनराशि जुटाने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। इसके कारण कई विकास कार्य धीमे पड़ गए हैं या लंबित हैं, जिससे स्थानीय लोगों में असंतोष बढ़ रहा है।

विधायकों के बीच निर्वाचन क्षेत्रों के संभावित परिसीमन को लेकर भी चिंता बनी हुई है। हाल ही में मियापुर में आयोजित एक जनसभा में मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने कहा था कि सेरिलिंगमपल्ली, कुतुबुल्लापुर और कुकटपल्ली जैसे बड़े विधानसभा क्षेत्रों का भविष्य में पुनर्गठन किया जा सकता है और सीटों की संख्या बढ़ने से नए नेताओं को अवसर मिलेंगे। हालांकि, कई विधायक इस संभावना को लेकर सतर्क हैं। उनका मानना है कि परिसीमन के बाद जिन क्षेत्रों में उन्होंने समय, संसाधन और राजनीतिक प्रयास लगाए हैं, वे किसी दूसरे निर्वाचन क्षेत्र में शामिल हो सकते हैं, जिससे उनके प्रयासों का लाभ किसी अन्य उम्मीदवार को मिल सकता है।

निजी ट्रैवल बस जब्त होने से करीब 50 यात्री रातभर फंसे

हैदराबाद, 20 जून (स्वतंत्र वार्ता)। खैरताबाद क्षेत्रीय परिवहन प्राधिकरण (आरटीए) के अधिकारियों द्वारा शनिवार को हैदराबाद से राजस्थान जा रही एक निजी ट्रैवल बस को जब्त किए जाने के बाद उसमें सवार करीब 50 यात्री फंस गए। यात्रियों का आरोप है कि बस को खैरताबाद आरटीए कार्यालय ले जाने के बाद उनके लिए वैकल्पिक वाहन की कोई व्यवस्था नहीं की गई। यात्रियों के अनुसार, बस जब्त होने के बाद उन्हें पूरी रात वाहन के अंदर ही बितानी पड़ी। इस दौरान भोजन और शौचालय जैसी बुनियादी सुविधाओं के अभाव में उन्हें काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा। प्रभावित यात्रियों में महिलाएं, बच्चे और बुजुर्ग भी शामिल थे।

तनावमुक्त जीवन के लिए योग और आध्यात्मिकता महत्वपूर्ण हैं: चंद्रबाबू नायडू

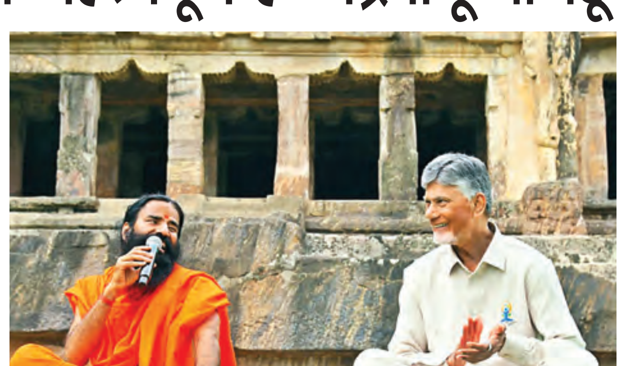

अमरावती, 20 जून (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने कहा कि जीवन में संतुलन प्राप्त करने के लिए आध्यात्मिकता और योग आवश्यक हैं और इस बात पर जोर दिया कि प्रत्येक नागरिक का यह दायित्व है कि वह भारत के सांस्कृतिक मूल्यों को संरक्षित करे और उन्हें भावी पीढ़ियों तक पहुंचाए। ऐतिहासिक उंडावल्ली गुफाओं में योग गुरु बाबा रामदेव के नेतृत्व में आयोजित एक विशेष योगा सत्र में भाग लेते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि तनाव मुक्त जीवन शैली सुनिश्चित करने के लिए प्रौद्योगिकी और आध्यात्मिकता को साथ-साथ चलना चाहिए। नायडू ने योग को वैश्विक मान्यता दिलाने का श्रेय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को दिया और बताया कि अब लगभग 190 देश अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाते हैं। उन्होंने घोषणा की कि योग और प्राणायाम को राज्य के संजीवनी स्वास्थ्य कार्यक्रम में शामिल किया जाएगा, जिसमें रोग निवारण और जन कल्याण पर अधिक ध्यान केंद्रित किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने हरित आवरण को बढ़ाने, प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने और अमरावती को प्रदूषण मुक्त, नेट-जीरो राजधानी शहर के रूप में विकसित करने के लिए सरकार के प्रयासों पर भी प्रकाश डाला, जो विकास, आध्यात्मिकता और पर्यटन को समाहित करता है। मुख्यमंत्री के दृष्टिकोण की प्रशंसा करते हुए बाबा रामदेव ने नायडू को विकास के प्रति समर्पित कर्म योगी बताया और कहा कि योग, प्राकृतिक कृषि और पर्यावरण संरक्षण में आंध्र प्रदेश की पहल 2047 तक एक विकसित भारत के लक्ष्य के अनुरूप है। उन्होंने कहा कि अमरावती एक हरित और भविष्य के लिए तैयार शहर में परिवर्तित होने के साथ-साथ ₹योग राजधानी के रूप में उभर रहा है। स्वास्थ्य मंत्री सत्य कुमार यादव और वरिष्ठ अधिकारियों ने भी कार्यक्रम में भाग लिया।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence [illegible], Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.